ISSN– 2395-1699

निरयणं दृक्तुल्यञ्च केतकीपक्षसम्मतम्। नैसर्गिकं हि पञ्चाङ्गं भारते भासतां सदा॥

भारतीय शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य निरयण चित्रापक्षीय

नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग

राजा - शनि

विक्रमसंवत् - २०७६

कलिसंवत् - ५१२०

मन्त्री - रवि

शकसंवत् - १९४१

ईसवीय सन्- २०१९-२०२०

प्रधान सम्पादक - प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय

सम्पादक - प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

सह सम्पादक - डॉ. अशोक थपलियाल

प्रकाशक - नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, नई दिल्ली-१६



ज्योति:शास्त्रविचारणाचरणभागध्यायबोधोऽलसत्
प्रज्ञाज्ञानसुशिष्यचक्रविकिरद्विज्ञानपारम्परी ।
स्वर्गङ्गामवगाहतेऽमलतनुर्हंसीव यस्य स्वतः
स्वर्यातः स सदा स्मृतामृतयशाः कल्याणदत्तो गुरुः॥

– सम्पादक

पुण्य स्मृति में समर्पित

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपति सम्मानित गोलोकवासी महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी का सम्पूर्ण जीवन केतकी ग्रहगणित के द्वारा पंचाग निर्माण और पंचांगों के परिमार्जन और शुद्धिकरण के लिए विभिन्न स्थानों में ज्योतिष के प्रत्यक्ष ज्ञान के निमित्त पाषाण वेधशालाओं के निर्माण में व्यतीत हुआ । आपने अपने जीवन का सर्वाधिक समय सभी भारतीय पंचांगों को दृक्सिद्ध बनाने में व्यतीत किया । आपके द्वारा अध्यापित और प्रशिक्षित ज्योतिष शास्त्र के अनेक अध्येता आज ज्योतिष जगत् में कार्यरत हैं। उत्तर भारत में एकमात्र शुद्ध केतकरीय पद्धति पर आधारित यह पंचाग भी मूल रूप में आपकी ही भावनाओं का प्रतिफल है। अतः इस पंचांग को कीर्तिशेष महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी की पुण्यस्मृति में समर्पित करते हुए संस्था अपार हर्ष का अनुभव कर रही है।

प्रधान सम्पादक

प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय

अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग, पूर्वसंकाय प्रमुख-सं.वि.ध.वि.संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

सम्पादक एवं गणितकर्त्ता

प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी (अवैतनिक)

अध्यक्ष- वास्तुशास्त्र विभाग, अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग,
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110016

उपहार

सहायक सम्पादक

डॉ० मीनाक्षी मिश्र
(अवैतनिक)
सहा.आचार्या शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

डॉ० अशोक थपलियाल
(अवैतनिक)
सहा.आचार्य वास्तुशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

प्रकाशन सहायक- डॉ.प्रवेशव्यास, डॉ.देशबन्धु (अवैतनिक)

सम्पादन सहयोग- श्रीमृत्युञ्जय त्रिपाठी, श्रीभगवतीप्रसाद त्रिपाठी, श्रीदीपक वशिष्ठ, श्रीनवीन पाण्डेय, श्रीअव्यक्त रैणा, श्रीअश्वनीकुमार

प्रकाशक
नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई
200 कटवारिया सराय, नई दिल्ली-16

मुख्य कार्यालय
नैसर्गिक शोध संस्था
38 मानस नगर कालोनी, वाराणसी-5

प्रकाशन वर्ष - 2019 ई., **पुष्प** - पंचम **मूल्य** - रु. 50/-

पंचांग परिचय

अक्षांश 28°39° N, रेखांश 77°12°E, पलभा 06°33°

भारतवर्ष में सम्प्रति विभिन्न पद्धतियों से पंचांग निर्माण होता है। इनमें तिथ्यादि के मानों में विसंगति के कारण व्रत पर्वोत्सव में भी विसंगतियां दृष्टिगोचर होती हैं। इस विषय में ध्यातव्य है कि हमारे ऋषि-महर्षियों एवं आचार्यों ने सदैव ही दृक्तुल्य गणित का समर्थन किया है। ऋषि वसिष्ठ का कथन है कि -

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्॥

इसी प्रकार प्रसिद्ध आर्षग्रन्थ सूर्यसिद्धान्त कालभेदानुसार गणित में अन्तर को - **युगानां परिवर्तनेन कालभेदोऽत्र केवलः** कहकर दृक्तुल्यता का ही समर्थन करता है। यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

एवमेव भास्कराचार्य द्वितीय, आचार्य गणेश दैवज्ञ आदि प्रायः सभी सिद्धान्त ज्योतिष के महान आचार्य दृक्तुल्य गणित को ही विवाहादि संस्कारों तथा व्रत-पर्वोत्सवादि कार्यों के लिए आवश्यक मानते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पंचांग दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकीय ग्रहगणितीय पद्धति पर दिल्ली के अक्षांश एवं रेखांश के अनुसार निर्मित है।

इस पंचांग में तिथि, नक्षत्र, योग और करण के आगे निर्दिष्ट घटी व पल तत्सम्बन्धी तिथ्यादि के सूर्योदय के बाद की स्थिति को बताता है। इसी प्रकार तिथि व नक्षत्र के घटी पल के आगे निर्दिष्ट घण्टा मिनट उसके समाप्ति काल को प्रदर्शित करता है। इस पंचांग में प्रयुक्त घण्टा व मिनट मान भारतीय स्टैण्डर्ड समय अर्थात् रेडियो टाइम के अनुसार दिये गये हैं। अतः इस पंचांग के समय को भारत में अपनी घडी के अनुरूप मिलाकर समय का अनुपालन कर सकते हैं। इस पंचांग में दिए गए मान यथासम्भव विशुद्ध देने के प्रयास किए गए हैं। फिर भी यान्त्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं। अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों पर ध्यान न देते हुए पंचांग के उपयोगी तथ्यों को ग्रहण करेंगे। यतः -

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः॥

- सम्पादक

विषय सूची

मंगल वाक्

॥श्रीमन्महागणाधिपतये नमः॥

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।

दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते॥

सर्वविद्या की राजधानी के अधिष्ठाता एवं सभी विद्याओं के गुरु बाबा विश्वनाथ के अनुग्रह से नैसर्गिक शोध संस्था के प्रारम्भिक उद्देश्यों में से चिरप्रतीक्षित पंचांग प्रकाशन का संकल्प साकार हुआ। इस महनीय अवसर पर मैं संस्था से जुडे सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। पंचांग प्रकाशन की यह एक महत्वाकांक्षी योजना संस्था के चारों केन्द्रों से प्रारम्भ करने की थी, किन्तु संसाधनों के अभाव तथा अन्य अनेक व्यवधानों के कारण प्रकाशन प्रारम्भ नहीं हो सका था। आज से कुछ वर्ष पूर्व प्रवासी भारतीय जो ट्रिनीडाड एवं टुबैको के नागरिक हो चुके हैं, उनकी आस्था और जिज्ञासा को देखते हुए ट्रिनीडाड के अक्षांश से एक सम्पूर्ण पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन काशिका ट्रिनीडाड पंचांग के नाम से संस्था के वाराणसी केन्द्र से किया गया था। वहाँ के प्रधानमन्त्री के काशी आगमन पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्कालीन यशस्वी कुलपति प्रो.(डॉ.) हरिगौतम ने अपने आवास पर उन्हें उक्त पंचांग की प्रति समर्पित की थी। ट्रिनीडाड में भी प्रधनमन्त्री महोदय ने एक समारोह में उसका लोकार्पण किया था। दो वर्षों तक काशी से प्रकाशन करने के उपरान्त इसका प्रकाशन, कलेवर परिवर्तन के साथ ट्रिनीडाड से होने लगा। भारतीय विधि से यह प्रयोग भारत से बाहर किसी अन्य देश के लिए प्रथम बार किया गया था, जो सफल एवं प्रशंसित रहा है।

तत्पश्चात् विगत वर्षों से पुनः पंचांग प्रकाशन की योजना पर विचार विमर्श चल रहा था, किन्तु पूर्व संकल्प के अनुसार इसे संस्था के चारों केन्द्रों से एक साथ प्रारम्भ करने में अत्यधिक धन की आवश्यकता पड रही थी। अत: अर्थसंकट को देखते हुए इस कार्य को चरणबद्ध ढंग से करने का निश्चय किया गया। संस्था ने यह निर्णय लिया कि सर्वप्रथम इस पंचांग का शुभारम्भ देश की राजधानी से किया जाय। कुछ आवश्यक संस्कारों द्वारा अन्य केन्द्रों में भी इसी पंचांग का उपयोग तब तक किया जाय जब तक अन्य केन्द्रों से प्रकाशन प्रारम्भ न हो जाय। अत: सर्वसम्मति से इस पंचांग निर्माण का दाथित्व दिल्ली केन्द्र के सचिव प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को दिया गया। प्रो. त्रिपाठी ने मनोयोग से इस कार्य को सम्पन्न किया। फलस्वरूप आज यह पंचांग अपने पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

भारतीय पद्धति से दृक्तुल्य पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन भी संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारतीय दैवज्ञों के सिद्धान्तों का सदैव मैं आदर करता रहा हूँ। इसीलिए आचार्यो के निर्देशानुसार सूर्यसिद्धान्त में अपेक्षित परिष्कारों के साथ उसी सिद्धान्त के अनुसरण का पक्षपाती रहा हूँ। मुझे प्रसन्नता है कि सूर्यसिद्धान्त के परिष्कार सम्बन्धी अनुसन्धान में कई युवा विद्वान कार्यरत हैं। इसी बीच भारतीय शुद्ध पंचांगों की आवश्यकता को देखते हुए आचार्य गणेशदैवज्ञ एवं आचार्य केतकर के मार्गो का अनुसरण करते हुए दृक् तुल्य पंचांग का प्रयास किया गया। आशा है कि पाठकगण इस प्रयास का स्वागत करेंगे। पाठकों की सन्तुष्टि ही संस्था के लिए रसायन होगी।

सर्व साधारण की सुविधा की दृष्टि से तिथि नक्षत्रादि के मान घटी पल के साथ साथ भारतीय मानक समयानुसार दिये गये हैं। दैनिक लग्नसारिणी भी मानक समयानुसार ही दी गई है। व्यावहारिक सरलता को ध्यान में रखते हुए अगले अंक से संस्था के अन्य केन्द्रों के अंक्षांशानुसार लग्न समाप्ति काल जानने के लिए एक पृथक् से सारिणी देने की योजना है। इस प्रकार समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन एवं संवर्धन भी किया जायेगा। संस्था न हानि न लाभ की दृष्टि से केवल भारतीय विद्याओं के प्रसार एवं संवर्धन हेतु कार्य करती है। व्यावहारिक दृष्टि से कुछ त्रुटियां भी सम्भव हैं। अत: प्रबुद्ध पाठकगण उनका मार्जन करते हुए संस्था को अवगत कराने का कष्ट करेंगे ताकि अग्रिम अंकों में उनका समुचित समाधान किया जा सके। सहयोग हेतु संस्था सदैव आभारी रहेगी।

मैं इस दुरूह तथा श्रमसाध्य कार्य के लिए प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने संस्था के लिए निःस्वार्थभाव से अपने व्यस्त क्षणों से समय निकाला तथा इस कार्य को पूर्णता तक पहुंचाया। साथ ही संस्था के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिनका सहयोग सदैव संस्था को सुलभ रहता है। अन्त में संस्था की ओर से आगामी भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें। नववर्ष देश एवं देशवासियों के लिए सभी प्रकार से सुख एवं सम्मान में वृद्धिकारक हो। जय भारत।

नववर्ष वर्षतु हर्षरसम्

शिवरात्रि, सं २०७५ — रामचन्द्रपाण्डेय

नैसर्गिक शोध संस्था, वाराणसी — प्रधान सम्पादक

संवत्सरादिफलम् 2019-20 ई.

कलियुगाब्द	5120	ईसवी सन्	2019-20
फसली	1426-27	शालिवाहन शक	1941
हिजरी	1440-41	विक्रम संवत्	2076
सप्तर्षिसंवत्	5095	महावीरजैननिर्वाणसंवत्	2544-45
श्रीबुद्धसंवत्	2642-43	भारतीय गणराज्यवर्ष	69-70

वर्षादिकृत्य -

अब्दादौ प्रातरुत्थाय दन्तधावनपूर्वकम्।
स्नानं सन्ध्याविधिं कृत्वा वर्णाचारक्रमेण तु॥
अब्दादौ मित्रसंयुक्तो मङ्लस्नानमाचरेत्।
वस्त्रैराभरणैर्देहमलङ्कृत्य ततश्शुचिः॥
अब्दादौ ग्रहपूजाञ्च पूजाञ्च चिरजीविनाम्।
मिष्टान्नेन द्विजान् बन्धून् पितृन् सन्तर्पयेत्ततः॥

वर्षारम्भ के दिन प्रातःकाल में दन्तधावनादि कार्योपरान्त मंगलस्नान करके सन्ध्यादि कृत्य पूरा करने के बाद नववस्त्र धारण करके ग्रहादि का पूजन करना चाहिए। साथ ही बन्धुजन,ब्राह्मण और पितरों को मिष्ठान्नादि से संतृप्त करना चाहिए।

प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद्ध्वजारोपणम्।
स्नानं मङ्गलमाचरेद् द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम्॥
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवालङ्कारवस्त्रादिभिः।
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च श्रृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम्॥
परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः॥
मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्।
अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये॥
यद् वर्षादौ निम्बसुमं शर्कराम्लघृतैर्युतम्।
भक्षितं पूर्वयामे च तद्वर्षं सौख्यदायकम्॥

संवत्सरादि फल श्रवण का माहात्म्य-

राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलम्।
धान्येशाद् कमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात्॥
धर्मे बुद्धिरधिष्ठाता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत्।
सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी वर्षावली श्रूयताम्॥

वर्षारम्भ में संवत्सर के राजा का फल सुनने से राज्य स्थिर होता है। मंत्री का फल सुनने से कुशलता बढ़ती है। धान्येश का फल श्रवण से लक्ष्मी स्थिर होती है। मेघपति का फल सुनने से वाणी रम्या होती है।रसपति के फल श्रवण से दीर्घायु मिलती है। अतः शुभ एवं कल्याणकारी वत्सरावली का श्रवण करना चाहिए।

संवत्सरादि फलश्रवणविधिः-

उदङ्मुखः प्राङ्मुखो वा दैवज्ञस्य तु सन्निधौ।
विघ्नेशं भारतीं खेटान् दैवज्ञं ब्राह्मणान् गुरून्॥
सम्पूज्य वत्सरफलं साङ्गोपाङ्गं यथाक्रमम्।
विकासवदनो भूत्वा ब्राह्मणो जन्मतः फलम्॥
अब्दाधीशचमूनाथसस्यापानां बलाबले।
तत्कालग्रहचारांश्च सम्यक् ज्ञात्वा फलं लभेत्॥

दैवज्ञ के समीप में पूर्वमुख या उत्तरमुख होकर गणेश, सरस्वती, नवग्रह, गुरु, ब्राह्मण आदि का पूजन करके सांगोपांग वर्ष का फल सुनना चाहिए।

ब्रह्मायुर्निरूपणम् -- श्रीमद्भगवतो विष्णोः नाभिकमलोद्भवस्य ब्रह्मणो ब्राह्ममानेन परमायुः 100 वर्षाणि। 311040000000000 सौरवर्षाणि ब्रह्मणः परमायुः। ब्रह्मणः जन्मादि गतसौरवर्षाणि 155521972949119 कल्पादितः गतसौरवर्षाणि 1972949119 सृष्ट्यादितः गतवर्षाणि 1955885119। अथ ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तविंशतिमहायुगानि व्यतीतानि। अष्टाविंशमहायुगस्य च कृतत्रेताद्वापराख्ययुगचरणत्रयं व्यतीतम्। **कृतयुगवर्णनम् -** कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमयामे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् 1728000 सौरवर्षाणि। अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः मत्स्यकच्छपवाराहनृसिंहाः चत्वारोऽवताराः। तत्र पापम् 0 पुण्यम् 20 । **त्रेतायुगवर्णनम्-** वैशाखशुक्लतृतीयायां द्वितीययामे रोहिणीनक्षत्रे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् 1296000 सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः वामनपरशुरामास्त्रयोऽवताराः। तत्र पापम् 5 पुण्यम् 15। **द्वापरयुगवर्णनम् -** माघकृष्णामावस्यायां तृतीययामे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयानयोगे द्वापरयुगोत्पत्तिः।

सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् 864000 सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः श्रीकृष्णबलरामावतारौ। तत्र पापम् 10 पुण्यम् 10। **कलियुगवर्णन** - भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां निशीथे कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपातयोगे कलियुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् 432000 सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः बुद्धावतारोऽभवत्। कलियुगस्य 821 वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारो भविष्यति। तत्र पापम् 15 पुण्यम् 5। सम्प्रति कलेः 5119 सौरवर्षाणि गतानि। भोग्यवर्षाणि 426882 कलिसम्वत् 5120 । **बार्हस्पत्यवर्षफलम्** - तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये चैत्रशुक्लप्रतिपदि परिधावी संवत्सरः। तस्य गतमासादयः तत्र मेषार्कसमये गतमासादयः 00/22/39/00 भोग्यमासादयः 11/07/20/39 परिधावीसंवत्सरः।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को प्रमादी संवत्सर है। वर्षारम्भ में होने के कारण वर्षान्तपर्यन्त प्रमादी संवत्सर का प्रयोग संकल्पादि में किया जाएगा।प्रमादी संवत्सर का फल इस प्रकार है-

निष्पत्ति सर्वसस्यानां रसानां च महर्घता।
सुभिक्षं च तथा सौख्यं प्रमादिनि न संशयः॥

अर्थात् प्रमादी संवत्सर में सभी अन्नों का उत्पादन होगा तथा रस-पदार्थों की महँगाई बढेंगी। सुभिक्ष तथा सौख्य बना रहेगा।प्रमादी संवत्सर का स्वामी बुध ग्रह है। चैत्र में अन्न का मूल्य सम, वैशाख-ज्येष्ठ मासों में अन्न का संग्रह होगा। आषाढ महीने में अल्पवृष्टि, श्रावण के मध्य में मेघवृष्टि,अन्न की महँगाई तथा अन्न के व्यापार में तीन गुणा लाभ होगा। भाद्रपद महीने में अतिवृष्टि और अन्नादि सस्ते होंगे। अश्विन्यादि 6 महीनों में सुभिक्ष, सभी रसपदार्थ मँहगे होगे तथा लोग सुखपूर्वक रहेंगे।

वर्षेश शनि का फल

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को शनिवार होने के कारण वर्ष का राजा शनि है। यदि वर्ष का राजा शनि हो तो वर्ष में एक ही बार वर्षा होती है । जनता भयंकर रोगो से पीडित रहती है । राजाओं में परस्पर युद्ध होता है। जनता में चोरों का आतंक रहता है तथा लोग भूख से पीडित रहते है। यथोक्तम्-

शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीरिता जनाः।
युद्धं नृपाणां बहुतस्कराद्भयं भवन्ति लोकाःक्षुधया प्रपीडिताः॥

शनि के वर्षेश होने के कारण समय का वाहन अश्व है। अतः वर्षभर भूकम्पादि से उत्पात,महाभय की स्थिति,राजाओं से युद्ध तथा वर्षा की कमी रहेगी। यथोक्तम्-

अश्वारूढो वत्सरश्च भूमिकम्पो महाभयम् ।
राजानो विग्रहं याति वृष्टिनाशो महर्घता ॥

मन्त्री रवि का फल-

सम्वत् का मन्त्री रवि होने से जनता को राजा से भय, रोग से भय तथा चोरों से भय रहता है। पृथ्वी पर प्रचुर अन्न का उत्पादन होगा तथा रसपदार्थ सस्ते होंगे। यथोक्तम्-

नृपभयं गदतोऽपि हि तस्करात्प्रचुरधान्यधनानिमहीतले।
रसचयं हि समर्धतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागतः॥

सस्येश मंगल का फल-

सम्वत् का सस्येश मंगल होने पर हाथी, घोडे, गधे, ऊँट, तथा गौओ को बहुत से रोग, वर्षा की कमी, सौख्य का अभाव तथा भूसीवाले अन्नों का नाश होता है। यथोक्तम्-

प्रथमधान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि ।
ननु भवेद्बहुरोग घनो जलं, न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत्॥

धान्येश चन्द्र का फल-

सम्वत् का धान्येश चन्द्र होने पर पृथ्वी जल से परिपूर्ण रहती है । सभी फसलों में वृद्धि होती है तथा संसार में विविध उत्सव मनाएँ जाते है। यथोक्तम्-

चन्द्रे धान्याधिपे जाते तोयपूर्णा वसुन्धरा ।
वर्द्धन्ते सर्वसस्यानि राजते विविधोत्सवैः ॥

रसेश बृहस्पति का फल-

सम्वत् का रसेश बृहस्पति होने पर जनता को सौख्य रहता है । तालाबों में कमल सुशोभित होते है तथा तृण की निष्पत्ति होती है । विप्रों का सत्कार होगा । राजा लोग हाथी-घोडे , रथ तथा ऊँटों से सम्पन्न रहते है। यथोक्तम्-

यदि गुरौ रसपे जनसौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च।
जनपदा द्विजपूजनतत्परा बहुगजवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः॥

नीरसेश मंगल का फल-

इस संवत् में नीरसेश मंगल है अतः मूँगा, लाल वस्त्र, लाल चन्दन तथा ताँबा के मूल्य में वर्ष भर वृद्धि होगी। यथोक्तम्-

नीरसेशो यदा भौमः प्रवालं रक्तवाससम् ।
रक्तचन्दनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने दिने ॥

मेघेश शनि का फल-

इस वर्ष में मेघेश शनि है। मेघेश शनि होने पर पृथ्वी पर थोडी वर्षा, राजा लोगों के मन में सन्ताप तथा जनता विविध रोगों से पीडित रहती है। यथोक्तम्-

रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरलवृष्टिवती वसुधा तदा ।
मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविधरोगयुता जनता तदा ॥

दुर्गेश शनि का फल-

इस सम्वत् में दुर्गेश शनि है। यदि दुर्गेश शनि हो तो सभी देशों में विग्रह तथा लोगों में व्यग्रता, नागरिकों में अनेक प्रकार से वैरभाव तथा कृषि का अभाव रहता है। यथोक्तम्-

रविसुते गढपालिनि विग्रहो सकलदेशगताश्चलिता जनाः ।
विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन् ॥

धनेश मंगल का फल-

इस संवत् में धनेश मंगल है अतः काले पदार्थो का भाव मँहगा रहता है। शरद्-ऋतु में सूखा तथा भूसी वाले अन्नों का नाश होता है। सभी देशों के लोग अशान्त तथा शासक जनता को कष्ट देने वाले होते है। यथोक्तम् -

असित मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्यहृत् ।
सकलदेशगताश्चलिता नरा नरपतिर्जनशोकविधायकः ॥

फलेश शनि का फल-

इस संवत् में फलेश शनि है अतः फल-पुष्प तथा वृक्षों के लिए मनुष्यों में लडाई-झगडे रहते हैं। मनुष्यों तथा चोरों से द्विजाति को कष्ट रहता है। जनपदों में जनसमूह व्याकुल रहता है। यथोक्तम्-

यदि शनिः फलपः कलहो भवेज्जनितपुष्पगणास्तरवः सदा ।
द्विजभयं नरतस्करजं तदा जनपदा जनराशिसमाकुला ॥

रोहिणी वास तथा सम्वत्सरवास-

वर्तमान सम्वत् में रोहिणी का वास समुद्र में है और सम्वत्सर का वास माली के घर में है। समुद्रे तु महावृष्टिः के अनुसार यदि रोहिणी का वास समुद्र में हो तो वर्ष में अधिक वर्षा होती है और सम्वत्सर का वास माली के घर में होने पर सभी वस्तुएँ सस्ती हो जाती हैं। यथोक्तम्-

सर्ववस्तुमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽब्दके

सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेशकालविचारः-

प्रवेशकाले यदि रौद्रभस्य वृष्टिर्भवेदीतिरनर्घता च ।
शेषेषु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदा च ॥

आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करते समय यदि वर्षा होती है तो अनर्घता अर्थात् मंदी जानना चाहिए। आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष्टि होने पर भय, तृतीय चरण में अत्यल्प वृष्टि तथा चतुर्थ चरण में भयंकर रोगों की सम्भावना बनती है।

आर्द्राप्रवेशे वृष्टिश्चेद्दिवा यदि वा निशि ।
स्तोक वृष्टिरनर्घत्वमवृष्टौ सस्यसम्पदः ॥
आर्द्रायाः प्रथमे पादे यदि वर्षति वासवः ।
तुषारमल्पवृष्टिः स्यादित्येव केचिदूचिरे ॥
सूर्ये मेषगते वृष्टिरार्द्रायाशगद्यपादके ।
एकादशसु ऋक्षेषु त्रिपक्षे वृष्टिनाशनम् ॥

विक्रमसम्वत् 2076 शाके 1941 आषाढमासे कृष्णपक्षे पंचम्यां शुभतिथौ शनिवासरे विष्कुम्भयोगे धनिष्ठानक्षत्रे तैतिलकरणे मार्तण्डमण्डलोदयादिष्टकालः 30/20/00 धनुलग्ने सूर्यस्यार्द्रा नक्षत्रे प्रवेशः।

अथ प्रवेशकालविचारः

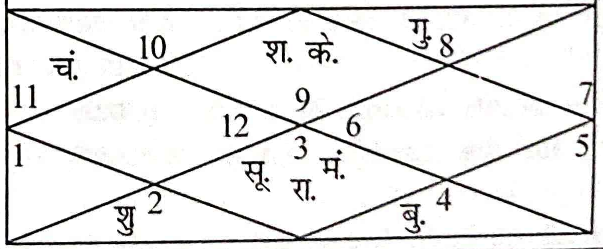
पंचमीतिथिफलम्	उत्तमफलं स्यात्।
शनिवासरफलम्	मन्दफलं स्यात्।
धनिष्ठानक्षत्रफलम्	सम्पूर्णफलदायकं स्यात्।

वासवर्क्षे तु धरणी सम्पूर्णफलदायिनी ।

योगफलम्	विष्कुम्भपंचके चैव रौद्रर्क्षे प्रविशो यदि।

आर्द्रा प्रवेशस्य फलम्-

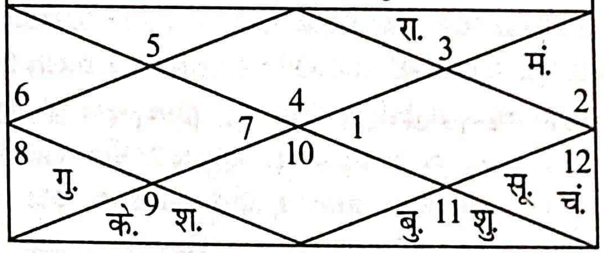
॥ अथार्कस्यार्द्राप्रवेशकालिककुण्डली ॥



आर्द्रा प्रवेश लग्न धनु है। लग्नेश बृहस्पति द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में है। लग्न में शनि और केतु स्थित है। यह स्थिति तेज हवाओं की द्योतक है। देश के पूर्वोत्तर भागों में बाढ यां तूफान की स्थिति रहेगी। चन्द्रमा की जलचर राशि में स्थिति वर्षा का योग बनाती है और उस पर शनि की दृष्टि होने से तेज हवा के साथ मध्यम वर्षा का योग है। सूर्य के आर्द्रा प्रवेश का समय सूर्यास्त से पहले का है अत:देश में अच्छी कृषि तथा सम्पत्ति लाभ के योग है। नवमेघों में से इस वर्ष पुष्कर नाम का मेघ है **पुष्करे मध्यमं तोयं** के अनुसार मध्यम वृष्टि का योग है। चतुर्मेघों में से द्रोण नाम का मेघ है और (द्रोणो वर्षति सर्वदा) के अनुसार द्रोण नामक मेघ में निरन्तर वर्षा का योग है। द्वादश मेघों में से वज्रदंष्ट्र नाम का मेघ है (वज्रदंष्ट्रे त्वनावृष्टि) के अनुसार अनावृष्टि का योग है। अत: पूर्ववर्णित मेघों और आर्द्रा प्रवेश कुण्डली के आधार पर इस वर्ष में तेज गति से चलने वाली हवाओं के साथ मध्यम वर्षा का योग है।

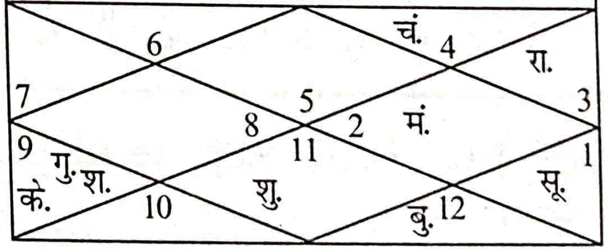
गत वर्ष के विरोधकृत् नामक विक्रम संवत्सर २०७५ की समाप्ति के उपरान्त प्रमादी नामक विक्रम संवत्सर २०७६ का प्रवेश ०५ अप्रैल २०१९ ई. शुक्रवार को अपराह्न ०२ बज कर २६ मिनट पर रेवती नक्षत्र, ऐन्द्र योग, नाग करण और मीनस्थ चन्द्र के समय में कर्क लग्न में होगा।

॥ अथवर्षप्रवेशकालिककुण्डली ॥



वसन्त नवरात्रारम्भ ०६ अप्रैल २०१९ ई. चैत्र मास २४ प्रविष्टे, शनिवार को प्रात: काल, रेवती नक्षत्र, वैधृति योग, बव करण में होगा और १४ अप्रैल २०१९ ई. दिन रविवार तक रहेंगे। नवरात्र के प्रथम दिन अर्थात् नवसंवत्सर चैत्र शुक्लपक्ष प्रतिपदा के दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन संवत्सरपूजन एवं श्रीगणेश, विष्णु, शिव और देवी दुर्गा के पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है। इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम संवत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर, उन्हे विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर नानाविध फलों एवं मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर, उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को सम्वत् का नाम, सम्वत् का वास, राजा एवं मंत्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रों में उल्लिखित है। जो बुद्धिमान व्यक्ति चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर का पवित्र फल सुनता है वह बहुत धन वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीड़ाएं समाप्त हो जाती हैं। इस सम्वत्सर का राजा शनि और मंत्री सूर्य है। सूर्य और शनि में परस्पर शत्रुभाव हैं अत: भारत के राजनेताओं में पारस्परिक शत्रुभाव बढेगा। राजनेताओं में परस्पर मतैक्य की कमी रहेगी और देश में संघर्ष का वातावरण बनेगा। सूर्य-चन्द्र की नवम भाव में स्थिति के कारण देश के उच्च शिक्षा संस्थान नये शोधकार्य में प्रवृत रहेंगे। धार्मिक कार्यों में प्रजा की रुचि बढेगी। अधिकारी वर्ग के लिए अनुकूल समय रहेगा तथा राजघराने के लोग लम्बी यात्रा पर रहेंगे। बुध और शुक्र की अष्टम भाव में स्थिति वर्ष में किसी बड़े कलाकार, गीतकार, लेखक यां महान शिक्षाविद् की मृत्यु की सूचक है। एकादश भाव में मंगल की शुक्र की राशि में स्थिति और गुरु का दृष्टि सम्बन्ध देश में धार्मिक संस्था तथा धार्मिक वातावरण के उन्नयन का सूचक है। देश में चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सा संसाधनों की प्रगति में सर्वकार का विशेष अवधान रहेगा। शनि की षष्ठ भाव में स्थिति और मंगल के साथ दृष्टि सम्बन्ध के कारण प्रजा में विशेषकर मजदूर वर्ग में असंतोष की भावना रहेगी। देश के पश्चिम भाग में स्थित प्रदेशों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आदि से कष्ट रहेगा।

॥ अथजगल्लग्नकुण्डली ॥



जगल्लग्नकुण्डली में लग्न पर मंगल की दृष्टि तथा लग्नेश की मंगल की राशि में स्थिति विश्व के विविध राष्ट्रों में परस्पर मत्सरता की भावना को बढाने की सूचक है। पश्चिमी देशों में आंतकवादी घटनाओं में वृद्धि होगी। विश्व के

अनेक देशों में पारस्परिक शत्रुभाव बढ़ेगा। विश्व के राजनेताओं में परस्पर मतैक्य की कमी रहेगी और विश्व में संघर्ष का वातावरण बनेगा ।

शनेः साढेसाती-ढैय्येति-विचारः

अथ गोचरवशाच्छनेः पादविचारः -

जन्मांगरुद्रेषु(1,6,11)सुवर्णपादं द्विपंचनन्दैः(2,5,9)रजतस्य पादम्।
त्रिसप्तदिक्ताम्रपदं(3,7,10)वदन्ति वेदाष्टचार्कष्विह(4,8,12)लौहपादम्॥

शनेः पादफलम्-

लोहे वित्तविनाशः स्यात्सर्वसौख्यं च कांचने ।
ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत् ॥

इदानीं शनिः धनुराशौ संचरति, जनवरीमासस्य 24 दिनांकं यावत् धनुराशावेव संचरिष्यति तदनन्तरं शनेः संचारः मकरराशौ भविष्यति। अस्मिन् वर्षे यदा शनेः संचारः धनुराशौ भविष्यति तदा वृश्चिकधनुमकरराशियुक्तजातकाः शनेः सार्धसप्ताब्दतः (साढ़ेसाती) प्रभाविताः भविष्यन्ति। वृषकन्याराशियुक्ताः जनाः सार्धद्वयाब्दतः (ढैया) प्रभाविताः भविष्यन्ति। यदा शनेः संचारः मकरराशौ भविष्यति तदा धनुमकरकुम्भराशियुक्तजातकाःशनेः सार्धसप्ताब्दतः (साढेसाती) प्रभाविताः भविष्यन्ति। मिथुनतुलाराशियुक्ताः जनाः सार्धद्वयाब्दतः (ढैया) प्रभाविताः भविष्यन्ति।

पादविचारः - यदा शनेः संचारः धनुराशौ भविष्यति तदा मेषस्य रजतपादः, वृषस्य लौहपादः, मिथुनस्य ताम्रपादः, कर्कस्य सुवर्णपादः, सिंहस्य रजतपादः, कन्यायाः लौहपादः, तुलायाः ताम्रपादः, वृश्चिकस्य रजतपादः, धनोः सुवर्णपादः, मकरस्य लौहः, कुम्भस्य सुवर्णपादः, मीनस्य ताम्रपादो भविष्यति। यदा शनेः संचारः मकरराशौ भविष्यति तदा मेषस्य ताम्रपादः, वृषस्य रजतपादः, मिथुनस्य लौहपादः, कर्कस्य ताम्रपादः, सिंहस्य सुवर्णपादः, कन्यायाः रजतपादः, तुलायाः लौहपादः, वृश्चिकस्य ताम्रपादः, धनोः रजतपादः, मकरस्य सुवर्णपादः, कुम्भस्य लौहपादः, मीनस्य सुवर्णपादो भविष्यति ।

शनिशान्त्यर्थमुपायाः - शनेः बीजमन्त्रादीनां जपः, शनिस्तोत्रस्य पाठः, अश्वत्थवृक्षस्य मूले तिलमाषादिमिश्रितजलदानं सायंकाले च दीपदानं, महामृत्युंजयजपः, शिवोपासना, हनुमदुपासना, सुन्दरकाण्डादिकानां पाठः, पक्षिणां कृते अन्नादिदानं, सदक्षिणां लौहपात्रस्य दानं, दरिद्र-कुष्ठादिरोगार्तानां कृते भोजनवस्त्रादिदानं, तुलादानं, माषादिवस्तूनां दानं, वृद्धजनानां परिचर्यादिकम्। भौतिकोपचारेषु शनिवासरे अमावस्यायां वा लौहमुद्रिकायाः धारणम्। **शनेःदानपदार्थाः**- नीलमणिः, सुवर्णः, लौहः, माषः, कुलथः, तैलं, कृष्णवस्त्रं, कस्तूरिका, कृष्णपुष्पं, कृष्णांगमहिषः, उपानहौ च। **दानसमयः**:- सायंकालः। **जपमन्त्रः**- ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः। जपसंख्या- 23000। बीजमन्त्रः- ऊँ शं शनैश्चराय नमः। **हवनसमिधा**- शमी इति ज्ञेयम्। **शनिस्तुतिः**- कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः रुद्रः रौद्रान्तको यमः। सौरिःशनैश्चरो मन्दः पिपलादेन संस्तुतः। एवं ध्यात्वा शनेः पीडां शमं याति न संशयः।

वार्षिकराशिफल संवत् 2076, सन् 2019-20

मेष - (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

मार्च - पारिवारिक कारणों से मानसिक क्लेश रह सकता है। जीवन में उथल-पुथल रह सकती है, इसलिए बेवजह के विवादों से बचने की कोशिश करें। जीवनसाथी से भी मतभेद होने की संभावना है। वाणी पर नियन्त्रण रखें। २२ मार्च के उपरान्त वाहन सम्पत्ति आदि सुख साधनों की प्राप्ति होगी। मातृपक्ष से लाभ होगा। पारिवारिक तनाव का असर आपके कार्य पर भी पड़ सकता है। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। काम में कुछ ज्यादा ही व्यस्तता रह सकती है अतः अपने परिवार को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल - इस महीने आपको पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। वहीं मेष राशि के कुछ जातकों को व्यवसाय से अच्छा लाभ होने की संभावना है। कार्य स्थल पर आप बेहतर कार्य करने में सक्षम होंगे और अच्छे काम के लिए आपको सम्मानित किया जाएगा। हालांकि इस माह कार्य स्थल पर सहकर्मियों के साथ कुछ मतभेद भी हो सकते हैं इसलिए अपने व्यवहार में परिपक्वता दिखाएं। पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे लोगों को अचानक बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। उदर संबंधी विकार की भी संभावना है। इस मास ४, ५, १३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई - धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। मातृ पक्ष में मामा नाना मौसी इत्यादि को कष्ट हो सकता है। गुदा संबंधित विकार हो सकते हैं। मानहानि से बचे। प्रशासनिक व सरकारी तन्त्र से परेशानी हो सकती है। परिवार से जुड़ा कोई भी निर्णय लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें। इस महीने आपके पिता की सेहत में गिरावट देखने को मिल सकती है या फिर पिता के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। भाईयों से विवाद हो सकता है। इस मास १, २, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट हैं।

जून - मेष राशि के जातकों के लिए जून का महीना प्रायः शुभ रहने वाला है। अपने प्रियजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। प्रियजनों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर आगे बढ़ेंगे और अपने रिश्ते अच्छे होंगे परन्तु माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। जीवनसाथी से किसी भी तरह का विवाद करने से बचें। साथ ही सौहार्दपूर्ण रिश्ते बनाये रखने के लिए एक-दूसरे के विचारों को महत्व दें। इस महीने अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें। क्योंकि अनिद्रा से पीड़ित रहने की संभावना अधिक है। इस मास ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई - नेत्र संबंधी रोग होने की संभावना है। कमर में पीड़ा हो सकती है। कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। विद्या प्राप्ति में कुछ बाधा होने के योग हैं। विद्यार्थियों को अध्ययन में अधिक परिश्रम करना होगा। संतान से मनमुटाव हो सकता है। शेयर सट्टा व्यापार में हानि हो सकती है। १५ जुलाई के पश्चात् शारीरिक कष्ट हो सकता है। आर्थिक सलाहकार और वैवाहिक सलाहकारों के लिए यह समय बेहद अच्छा रहने वाला है। मास के उत्तरार्ध में कोई बड़ा निवेश करने से बचें और अपने संसाधनों को सुरक्षित रखें। धन से संबंधित मामलों में विशेष सावधानी बरतें। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट हैं।

अगस्त - इस माह विवाह संबंधित बाधायें दूर होंगीं। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में मधुरता बनेगी। अविवाहितों के रिश्ते तय होंगे। इसके अतिरिक्त, बच्चों के साथ रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे और उनसे आपके मतभेद हो सकते हैं। घर के बड़े लोगों का सम्मान करें और उनकी देखभाल करें। परिवार में बड़े व्यक्तियों से खासकर पुरुषों से विवाद करने से बचें। अविवाहित इस महीने विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। प्रेम संबंध प्रगाढ होंगे। यह महीना उन लोगों के लिए भी अच्छा है जो स्वयं का व्यापार कर रहे हैं। इस मास १, २, १०, ११, १८, १९, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - मेष राशि के जातकों को सितम्बर के महीने में कुछ वैवाहिक जीवन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से तनाव परेशान कर सकते हैं। माता को कष्ट रह सकता है। भूमि संबंधित विवाद हो सकते हैं। हृदय व श्वसन संबंधित विकार हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। मेष राशि के कुछ जातकों को इस महीने आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ सकता है। इस मास ६, ७, १४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - मेष राशि के जातकों के लिए अक्टूबर मास उत्तम रहेगा। जो रियल इस्टेट, ट्रैवल-टूरिज्म और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं उन्हे अनेक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और उनसे लाभ प्राप्त होगा। कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। पराक्रम व साहस बढ़ेगा। प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। यात्रा के योग बन सकते हैं। पिता को कुछ शारीरिक कष्ट हो सकता है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं। अपने शब्द और वाणी पर संयम रखें क्योंकि शब्दों के गलत चयन के कारण आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। अपने कार्य में अच्छी मेहनत के लिए आपको प्रशंसा और पदोन्नति मिल सकती है। पराक्रम में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। अतिरिक्त लाभ की संभावना बनेगी। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में धन का आवागमन अच्छा रहेगा और पूंजी निवेश से लाभ प्राप्त होगा। सुखद और लाभकारी यात्रा के योग भी बन रहे हैं। परिवार का सुख प्राप्त होगा। संबंध प्रगाढ़ होंगे। लोगों से आपका मेल-जोल बढ़ेगा। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - दिसम्बर के महीने में आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे ज्वरपीड़ा हो सकती है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ जनों से आपका सहयोग मिलेगा और आप बेहतर काम करेंगे। इस मास आप सामाजिक जीवन में अधिक व्यस्त रहेंगे और परिजनों और मित्रों के साथ अच्छा समय गुजारेंगे। जीवनसाथी के साथ व्यर्थ विवाद का सामना करना पड़ सकता है और इससे आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। घर वाहन आदि का लाभ होगा। धार्मिक कार्यों की ओर झुकाव होगा। कुछ विषयों पर ध र्मिक गुरु से मतभेद भी हो सकता है। इस मास ६,७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - इस महीने आपको माता जी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। इस अवधि में आपका रुझान रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। जो लोक कल्याण और मानव संसाधन से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं उन्हें बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। इसके अलावा मैनजमेंट जैसे विषय की पढ़ाई कर रहे छात्र भी अच्छा प्रदर्शन करने में समर्थ होंगे। शांत रहें और सोच-समझकर ही बोलें। बेवजह की बातों पर ज्यादा ध्यान न दें । इस मास २, ३, १२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - धन प्राप्ति की संभावना बनेगी। जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है। तीर्थयात्रा व धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। पिता को कष्ट हो सकता है। ऋण से मुक्ति मिलेगी व शत्रुओं का विनाश होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रशासनिक लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। साल के पहले महीने में आपका वैवाहिक जीवन बहुत ही सुखमय रहेगा। पारिवारिक जीवन में थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है, क्योंकि परिजनों के बीच विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। इन विवादों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है । इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

वृषभ राशि (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

मार्च - इस मास आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपके जीवन साथी आपसे प्रेरणा पाकर खुद भी अध्यात्म की ओर झुक सकते हैं। वैवाहिक जीवन हेतु मास अच्छा रहेगा। कुछ जातक इस मास अपने आत्म-विश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं तो कुछ पारिवारिक जीवन में तनाव महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए यह माह काफी अच्छा रहेगा और आपका बैंक बैलेंस अच्छा हो जाएगा इस माह कारोबार में भी भारी लाभ की उम्मीद है। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - दाम्पत्य संबंधों व सामाजिक सहयोग की दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा। जातक अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी को भी अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। स्त्री व पुरुष दोनों को इस दौरान मान व सम्मान प्राप्त होगा। मनोवैज्ञानिक विषय में शोध करने वाले छात्र इस माह बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस महीने की शुरुआत में वृषभ

राशि वालों को आर्थिक रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - इस मास असंयमित खान-पान, जीवनशैली के कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। स्वभाव में कठोरता आ सकती है। अत्यधिक कार्यभार के कारण आप उचित आराम नहीं कर पाएंगे, जिस कारण काफी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस माह जातक को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस मास जातक अच्छी बचत कर लेंगे लेकिन घरेलू व्यय में वृद्धि भी हो जायेगी। इस माह पारिवारिक जीवन में अच्छा संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी। परिवार के सदस्यों में आपसी मनमुटाव रह सकता है। सामाजिक कार्यों में संघर्ष रहेगा। कार्यकर्ताओं को सम्मान व प्रतिष्ठा मिलेगी। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगीं।

जून - औषधि क्षेत्र से संबंधित कार्य करने वाले जातकों को इस मास अच्छा लाभ होगा। लंबे संघर्ष के बाद महिला उद्यमियों को बड़ी सफलता मिलेगी और अपने परिश्रम के लिए प्रतिष्ठा व पुरस्कार भी प्राप्त होगा। इस मास सन्तान पक्ष से आपके जीवन में खुशी प्राप्त होगी। बच्चों को अध्ययन से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी और वो अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। परिवार में शांति व सौहार्द बना रहेगा। जीवनसाथी से संबंध प्रगाढ होगा। १, २, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई - वृष राशि के जातक, बच्चों के प्रति थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं खासतौर पर उनकी पढ़ाई को लेकर ज्यादा परेशान हो सकते हैं। बच्चों के साथ अपना अधिक से अधिक समय बिताएंगे और उन्हें उनकी पढ़ाई में मदद करेंगें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अगर किसी प्रकार का लाभ नहीं मिलेगा तो हानि भी नहीं होगी। निजी या कार्य संबंधी यात्राएं हो सकती हैं। सितारों की चाल कहती है कि प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपनी मेहनत से अच्छे नंबर प्राप्त करेंगे। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त - वृषभ राशि वालों को इस माह समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन की हानि हो सकती है। परिवार में लड़ाई-झगड़े हो सकते हैं। छोटे भाई बहनों से मन मुटाव हो सकता है। आपस में लोगों के बीच कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं जिससे घर के वातावरण में सौहार्द की भावना भंग हो जाएगी। अगर आप संयम के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश करेंगे तो माह के अंत तक सब चीजों के सुध रने के आसार हैं। शोध व ज्ञान के प्रति रूचि बढेगी। इस माह आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। इस मास २, ३, ११, १२, २१ ,२२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर - धन में वृद्धि होगी। नेत्र संबंधी विकार हो सकते हैं। त्वचा संबंधी विकार भी हो सकते हैं। निजी जीवन में खुशियां की बहार आएगी और भाई-बहन के साथ मिलकर चलने से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। पिता को कुछ कष्ट हो सकता है। इस दौरान खेल-कूद, पुलिस, सेना, रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। चिकित्सा, सर्जरी, हेल्थ व फिटनेस से जुड़े उपकरणों का बिजनेस अच्छा लाभ देगा। कुछ जातक कलात्मकता का भाव अनुभव करेंगे और उस कला का बेहतरीन प्रयोग करेंगे। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर - स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने वाले छात्रों को सफलता प्राप्त होगी। पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता है। वैवाहिक अड़चन दूर होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। सेना, पुलिस, रेस्टोरेन्ट, मेडिकल संबंधी कार्य करने वालों को लाभ होगा। १८ तारीख के बाद ज्वर, शिरो वेदना पित्त विकार आदि कष्ट हो सकते हैं। मर्चेन्ट नेवी या नौसेना से जुड़े

लोगों के लिए ये समय काफी अच्छा है। सरकारी फंड से संबंधित परियोजनाओं को संभालने वाले सलाहकारों को विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है। इस मास ४, ५, ६, १४, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर – विद्यार्थियों को परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ प्राप्ति हेतु अधिक परिश्रम करना होगा। ससुराल पक्ष से कुछ अनबन हो सकती है। विदेश यात्राओं के योग भी बनते हैं। नेत्र संबंधित रोग होने की संभावनाऐ बनती है। राजकीय व राजनैतिक उद्देश्यों हेतु विशेष व्यय हो सकता है। तथापि अचल संपत्तियों से लाभ प्राप्त हो सकता है। नई प्रॉपर्टी लेने की संभावनाऐं हैं। बीमारियों के कारण खर्च संभव है वैवाहिक जीवन में टकराव हो सकते हैं जिस कारण आप और आपके जीवनसाथी के मध्य दूरी भी हो सकती है। इस मास १, २, १०, ११, १२, २०, २१, २९ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर – इस मास भाइयों से कुछ अनबन रहेगी। हाथों पर चोट लगने की संभावना है। नौकरों से धोखा हो सकता है। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाहन, भूमि, जायदाद का लाभ हो सकता है। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। मधुमेह, पेट रोग, कफ संबंधी विकार होने की संभावना है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। आध्यात्म की और रूझान बढेगा। भाग्य का सहयोग कम मिलेगा। इस मास ८, ९, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी २०२० – वृष राशि के जातको को इस माह भाग्य का साथ मिलेगा और आपका पूरा मास बहुत अच्छा रहेगा। समाज में लोगों से संबंध प्रगाढ़ होंगे। लोगों से मिलना-जुलना बढ़ेगा जिससे सामाजिक स्थिति अच्छी होगी। पारिवारिक व निजी आय में वृद्धि होगी । शेयर आदि में निवेश न करें बल्कि कोई अन्य सुरक्षित उपाय अपनाएं। इस मास पैसों से जुड़े मामलों में कोई फैसला लेने से पहले एक बार अवश्य चिन्तन कर लें। कार्यक्षेत्र पर सफलता मिलेगी, विशेष रूप से व्यवसाय करने वालों के लिए समय शुभ है। इस मास ४, ५, ६, १३, १४, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी – इस मास वृष राशि के जातकों को अपने कार्यक्षेत्र को बेहतर बनाने हेतु अधिक प्रयास करने होंगे। इस मास क्रोध में गलत शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे व्यर्थ कलह की संभावनाऐं बनेगी। स्वास्थ्य हेतु प्रारम्भ का आधा महीना अच्छा नहीं जाएगा और छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन बाद में आपका स्वास्थ्य उत्तम हो जाएगा और आप ज़्यादा शक्ति व स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। इस माह भाई-बहन के साथ मतभेद हो सकते हैं, परिवार के मुखिया से इस दौरान विवाद की संभावनाएं हैं। इस मास १, २, १०, ११, १८, १९, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मिथुन राशि (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह)

मार्च – कला विषय के छात्रों के लिए यह महीना अच्छा रहेगा। इसमें आपकी कलात्मक शैली का विकास होगा और करियर में आपको इसका लाभ मिलेगा। इस दौरान इंजीनियरिंग क्षेत्र से संबंध रखने वाले जातकों को अधिक सफलता मिलने के योग हैं। यदि आप निजी क्षेत्र में प्रबंधन में करियर की सोच रहे हैं तो इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में साझेदारी से आपको मुनाफा प्राप्त होगा। आपके वरिष्ठ जन हर संभव मदद को तैयार रहेंगे। इस मास २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल – इस महीने आप अपने कार्य पर ज्यादा ध्यान देंगे और इस कारण आप अपने पारिवारिक जीवन को कम समय दे पायेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके आपके रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं, लिहाजा ऐसी स्थिति को न आने दें और अपने पारिवारिक व व्यावसायिक

जीवन के बीच सामंजस्य बिठाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में यह माह आपके लिए आसान नहीं है। इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से भी आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, १९, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - इस महीने आप अपने कार्य को नये उत्साह से व बड़े ही कलात्मक ढंग से करेंगे। कार्टूनिस्ट, समीक्षकों, लेखकों और व्यंग्यकारों के लिए यह माह उत्तम रहेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। माह के दूसरे चरण के बाद कार्यक्षेत्र में आपको अपने वरिष्ठकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखना होगा। आपके घरेलू जीवन में कोई मांगलिक कार्य के होने की संभावना दिखाई दे रहे हैं। विवाहित जोड़ों को संतान प्राप्ति के भी योग हैं। इस मास ६, ७, १४, १५, १६, २३, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - जून माह आपके लिए उत्तम रहेगा। आपके घर का वातावरण सामान्य रहेगा और रिश्तों को सुधारने में भी आपको सफलता मिलने की संभावना है। हालाँकि छोटे-मोटे विवाद सामने आ सकते हैं परंतु आपको इसमें चिंता करने की जरुरत नहीं है। कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए आप अधिक परिश्रम करेंगे। नौकरी में आपकी आय में वृद्धि होने के योग हैं और यदि आप अपनी वर्तमान नौकरी में परिवर्तन करने का विचार कर रहे हैं तो समय आपके लिए अनुकूल है। इस मास २, ३, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - जुलाई माह मिथुन राशि के जातकों के लिए सामान्य रहेगा। आर्थिक दृष्टि से जुलाई मास आपके लिए ज्यादा अनुकूल नहीं है। आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। साथ ही आपके सामने आर्थिक संकट की स्थिति भी आ सकती है। अपने अनावश्यक खर्चों में लगाम लगाएँ और धन की बचत पर ध्यान दें। आपकी निजी समस्या आपके कार्यक्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। इस दौरान आपकी ऊर्जा में कमी देखी जा सकती है। अपनी वाणी में संयम रखें। इस मास १, ८, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त - आर्थिक दृष्टि से मिथुन राशि के जातकों के लिए अगस्त माह अच्छा रहेगा। यदि आप अपने बेवजह के व्यय पर लगाम लगाएंगे तो आपको इसमें और भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आप अपने परिवार से दूर भी जा सकते हैं। प्रेम संबंधों हेतु यह मास शुभ रहने वाला है। निजी जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए बड़े-बजुर्गों की सलाह लें। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वस्थ रहने के लिए आप योग व ध्यान कर सकते हैं। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - सितम्बर माह मिथुन राशि के जातकों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस महीने आपको अपने भाग्य को सुधारने के कई अवसर प्राप्त होंगे। इस माह लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा आपके योग में है। निजी अथवा व्यवसाय संबंधित कारणों से आप विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं। जो छात्र अनुसंधान एवं विकास संबंधी विषय से जुड़े हुए हैं उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपको उतार-चढ़ाव की परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इस मास १, २, १०, ११, १९, २०, २१, २९ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर - इस वर्ष अक्टूबर माह की शुरुआत में मिथुन राशि के जातकों के खर्च में वृद्धि संभव है। आपके लिए अच्छा तो यह रहेगा कि आप अपने व्यर्थ के खर्चों पर नियन्त्रण करें और धन का व्यय समझदारी के साथ करें। इस महीने आपको ज्वर और संक्रमण रह सकता है। इसके अलावा आपको चोट भी लग सकती हैं। आपको अजीर्ण की भी शिकायत रह सकती है इसलिए अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दें। माह का दूसरा चरण स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। इस मास ७, ८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - मिथुन राशि के जातकों के लिए नवम्बर माह थोड़ा प्रतिकूल रहेगा। इस महीने आपको हर क्षेत्र में थोड़ा ध्यान रखना होगा। इस माह आपके आसपास एक सकारात्मक वातावरण पैदा होगा। नौकरी क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए यह महीना विशेष रहने वाला है। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी और आपकी पदोन्नति के भी योग बनेंगे। किसी भी क्षेत्र में किया गया निवेश आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस मास स्टॉक मार्केट में निवेश करने से भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३ दिनांके नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - दिसंबर मास मिथुन राशि के जातकों के लिए उत्तम रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र में आपको आगे बढ़ने की कई अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थिति रहेगी। विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ-साथ आजीविका हेतु नौकरी आदि भी कर सकते हैं। इस दौरान जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें व उसके अनुसार व्यवहार करें। अपने घर में कुछ नवनिर्माण का कार्य इस महीने करा सकते हैं। इस मास १, २, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - यह मास मिथुन राशि के जातकों के लिए अनुकूल रहने वाला है। यदि आप छात्र है तो इस माह में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। विदेश में शिक्षा पाने की इच्छा रखने वाले छात्रों की इच्छा पूर्ण होगी। आपकी रुचि आध्यात्मिक क्रियाओं की ओर बढ़ेगी। सामाजिक जीवन में आपको कई अवसर प्राप्त करेंगे जिससे आपको अच्छी पहचान मिलेगी। फलस्वरूप सोसायटी में न केवल आपका रुतबा बढ़ेगा, बल्कि आपके दोस्तों की संख्या में भी गुणात्मक रूप से वृद्धि होगी। इस मास ७, ८, १५, १६, २४, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस माह में मिथुन राशि के जातकों के सामने उतार-चढ़ाव भरी परिस्थितियाँ रहेंगी। घर का माहौल अशांत रह सकता है। परिजनों के बीच गलतफहमी, संवाद का अभाव, तनाव आदि रह सकता है। इस दौरान आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आप अपने धैर्य को बनाए रखें। प्रेमी जनों के लिए यह माह उत्तम रहने वाला है। अध्ययन क्षेत्र में छात्रों को इस माह अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पढ़ाई में उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त होगा। इस मास ३, ४, १२, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

कर्क राशि (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

मार्च - इस माह कर्क राशि के जातकों का झुकाव मनोविज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। आप में से कुछ लोग इस दौरान तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। सितारों की चाल कहती है कि, वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं अपनी नौकरी में परिवर्तन करने के बारे में सोच सकते हैं। इस दौरान आपको लंबी और छोटी दूरी की यात्रा भी करनी पड़ सकती है। आप दोनों के बीच अच्छी समझ होगी और विषम परिस्थितियों में आप एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। परिवार के बड़े लोगों और बच्चों के लिए यह समय अच्छा साबित होगा। इस मास ४, ५, १२, १३, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - इस माह वैवाहिक जीवन में सुखद और सकारात्मक बदलाव होने की संभावना है। यदि आपने प्रयास जारी रखें तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। वैवाहिक रिश्तों में तनाव कम होगा और हर्ष व सद्भाव बना रहेगा। अच्छे काम की वजह से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और सम्मान भी बढ़ेगा। इसके अलावा इस माह आपका रुचि धार्मिक कार्यों के प्रति बढ़ेगी। मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आप नियमित रूप से ध्यान और मंत्र जाप करेंगे। इस मास १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - इस महीने में आप अपने सभी कार्यों को बहुत चतुराई और कुशलता के साथ पूरा करेंगे। भाई-बहन या दोस्तों के साथ साझेदारी में

बिजनेस कर रहे जातकों को आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। हालांकि पैसों के लेनदेन में थोड़ी सावधानी बरतने की जरुरत पड़ेगी। विवाहित जातकों के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। इस दौरान वे परिवार नियोजन के बारे में सोच सकते हैं। वहीं दूसरी ओर जो महिला जातक गर्भवती हैं उनका प्रसव सफल और सुरक्षित तरीके से हो जाएगा। इस मास ८, ९, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - इस महीने कर्क राशि के जातकों को घर-परिवार से जुड़े मामलों में बड़े लोगों की सलाह लेनी होगी। बड़े भाई-बहन, माता-पिता की सलाह से परिवार की शांति और समृद्धि के लिए लाभकारी रहेगी। इन सभी का मार्गदर्शन मिलने से व्यक्तिगत जीवन में होने वाला तनाव भी कम होगा। इस माह परिजनों के साथ मिलकर कोई शुभ कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा आपके सहकर्मी भी आपका सहयोग करेंगे। इस माह विरोधी भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - इस महीने आपके वैवाहिक जीवन में दुःखद मोड़ आ सकता है। विशेषकर महिलाओं को अपने वैवाहिक जीवन में अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान महिला जातकों को प्रताड़ना का सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में तनाव होने से पारिवारिक जीवन प्रभावित होगा और बच्चों पर इसका गलत प्रभाव पड़ेगा। जीवनसाथी के साथ सभी विवादों को शांति से बैठकर सुलझाएं। वहीं दूसरी ओर इस माह आपका ध्यान अपने काम पर होगा। इस मास १, २, ३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - यह महीना कर्क राशि के जातकों के लिए आर्थिक उन्नति का माह रहेगा। अपने प्रयासों से सफलता मिलेगी और विदेशी स्रोतों से भी आय होगी। यदि आपके परिवार का कोई सदस्य विदेश में रहकर कार्य कर रहा है या फिर आपके परिवार के व्यवसाय का संबंध विदेश से है, तो निश्चित रूप से आपकी पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। इस माह कुछ समय के लिए आप काम के बोझ से स्वयं को तनावग्रस्त महसूस करेंगे, इसलिए कुछ समय आराम करने के लिए निकालें। भाषा विज्ञानी और अनुवादकों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। कर्क राशि के वे जातक जो चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए भी यह समय बहुत लाभकारी रहेगा। इस मास ६, ७, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - कर्क राशि के जातकों का स्वास्थ्य इस मास में थोडा खराब रह सकता है। मानसिक तनाव बढ़ने से अनिद्रा की समस्या होने की भी संभावना है। अकारण तनाव लेने से बचें। कुछ समय के लिए काम से छुट्टी लें और आराम करें। ऐसा करने से आप बेहतर महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में परेशानियों के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने से बचें। छोटी-छोटी गलतियों पर ध्यान देने की बजाय स्नेह और शांति के साथ वैवाहिक जीवन को मधुर बनाएं। वहीं छात्रों के लिए यह माह बहुत शुभ संकेत दे रहा है। इस मास ३, ४, १२, १३, १४, २२, २३, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - यह महीना कर्क राशि के विवाहित जातकों के लिए कुछ कठिन रहने वाला है। इस दौरान वैवाहिक जीवन में आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस महीने जीवनसाथी के साथ विवाद व बहस करने से बचें और उनके साथ विनम्रता से व्यवहार करें। परिवार के बड़े लोगों की सलाह लें और उसका अनुसरण करें। इस समय अवधि में परिजनों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। आपके घर में सुख और शांति बनी रहेगी। आर्थिक उन्नति और पारिवारिक व्यवसाय के लिए भी यह समय शुभ संकेत दे रहा है। इस दौरान धन और संपत्ति में वृद्धि होगी। महंगे सामान खरीदने की वजह से इस माह खर्च ज्यादा हो सकता है। इस मास १, ९, १०, ११, १९, २०, २७, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - इस महीने में अपनी योजनाओं में सफलता मिलने के कारण आत्म विश्वास बढ़ेगा। पिता और गुरु से मिलने वाला सहयोग आपके अंदर साहस और इच्छाशक्ति पैदा करेगा। महीने के उत्तरार्ध में आपके पिता की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्योंकि इस दौरान उन्हें उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा, साथ ही अच्छे शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। कर्क राशि के वे जातक जो नौकरी की तलाश में हैं उन्हें कई अच्छे विकल्प मिलेंगे । इस मास ६, ७, १५, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - यह मास आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। अपने कार्य में मिलने वाली सफलता को लेकर आप उत्साहित रहेंगे। घर में शांति और सद्भाव का वातावरण रहेगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस माह घर की साज-सज्जा और पुनर्निर्माण का काम कराना आपका प्रमुख कार्य रहेगा। इसके अलावा धार्मिक और परोपकारी कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। इसकी वजह से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस महीने आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। पेट संबंधी कुछ बीमारी आपको परेशान कर सकती है। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - इस महीने में कर्क राशि के जातकों को अपने वैवाहिक जीवन में संभलकर चलना होगा। इस अवधि में क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी होगा । अपनी वाणी पर भी संयम रखें, क्योंकि कठोर शब्द आपके जीवनसाथी की भावना को ठेस पहुंचा सकते हैं। बेवजह शक करना और नियंत्रण रखने की भावना मन में नहीं रखें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। विरोधी और शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति और वृद्धि के लिए यह महीना बेहद अच्छा रहने वाला है। इस मास १, ९, १०, १७, १८, १९, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस मास में कर्क राशि के जातकों को अपने कार्यक्षेत्र में सुधार लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। प्रयासों की बदौलत आपको कामयाबी भी मिलेगी। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। इस दौरान जीवनसाथी को समय प्रदान करें। स्वास्थ्य हेतु भी यह महीना आपके लिए अच्छा दिखाई दे रहा है। सुबह की नियमित सैर और व्यायाम करने से आप स्वस्थ रहेंगे। इस मास ५, ६, ७, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सिंह राशि (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

मार्च - इस महीने में सिंह राशि के जातकों की रुचि योग, आध्यात्म और प्राणायाम के प्रति बढ़ेगी। आपका झुकाव अध्यात्म की ओर होगा और आप आध्यात्मिक क्रियाओं में व्यस्त रहेंगे। यह समय स्वयं के मूल्यांकन के लिए बहुत अच्छा होगा। कार्यस्थल पर स्थिरता बनी रहेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। वे जातक जो प्रिंटिंग और पब्लिशिंग के काम से जुड़े हैं उनके लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। यदि आप किसी के साथ साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो पार्टनर के साथ आपके रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे। हो सकता है कि आप साझेदारी तोड़कर व्यवसाय को अकेले ही संभालें। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल - इस मास में सिंह राशि के जातकों को पिता या पैतृक रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वृद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास ४, ५, १३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई - यह महीना सिंह राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में उन्नति करेंगे और आपकी मांग बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और भी मजबूत होंगे। बच्चों को मिलने वाली सफलता से आप बेहद खुश रहेंगे। बच्चे पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अन्य गतिविधि यों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। नौकरीपेशा और बिजनेस से जुड़ी महिलाओं की तरक्की होगी और उनकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास १, २, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट है।

जून - सिंह राशि के जातक इस महीने अच्छा प्रदर्शन करेंगे। संतुलित विचार और दृष्टिकोण से आप स्वयं को बेहतर स्थिति में पाएंगे। यदि आप किसी बड़े निवेश के बारे में विचार कर रहे हैं तो अवश्य करें क्योंकि यह समय आपके लिए उत्तम है। मास के अंत में इस निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन के लिए भी यह माह अच्छा संकेत दे रहा है। इस मास मनोरंजक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। वाचक, वक्ता और मीडिया से जुड़े जातकों के लिए समय बेहद अनुकूल है। इस मास ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई - सिंह राशि के जातकों के लिए महीने का पूर्वार्ध थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है, विशेषकर अपने कार्यक्षेत्र में थोड़ी समस्याएं आ सकती हैं। जीवन के प्रति अरुचि पैदा हो सकती है जो परेशानी का कारण बनेगी लेकिन ये परिस्थितियां ज्यादा दिन तक नहीं रहेंगी। महीने के उत्तरार्ध में आत्मविश्वास और साहस आने से सामान्य हो जाएंगे। इस महीने में कुछ दिन आर्थिक अस्थिरता बनी रह सकती है। सकारात्मकता के साथ एकाग्र होकर अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट है।

अगस्त - सिंह राशि के जातक इस महीने की शुरुआत में अपने लक्ष्यों में परिवर्तन कर सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ने से आपके व्यक्तित्व में मजबूती आएगी और आप सफलता प्राप्त करेंगे। माह के उत्तरार्ध में विश्वास की कमी होने से आपको स्वयं पर संशय होगा। अपनी क्षमता पर आपको पूरा भरोसा होगा और इसकी मदद से आप सफलता प्राप्त करेंगे। आपका जीवनसाथी भी बहुत सहयोगी होगा। नौकरी में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे और उन्हें प्रशंसा मिलेगी। जीवनसाथी आपकी शक्ति का स्त्रोत होगा। इस माह आपका स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है अत: सावधान रहें। इस मास १, २, १०, ११, १८, १९, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - सिंह राशि के जातक इस महीने अपनी तय धन-संपत्ति अर्जित करने के बारे में सोचेंगे। जबकि दूसरी ओर बेवजह की वस्तुओं पर खर्च करने से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें और किसी भी तरह के आर्थिक संकट से बचने के लिए अधिक से अधिक बचत करें। कार्य स्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और वरिष्ठ अधिकारियों को आप से बहुत उम्मीदें होंगी। इस मास ६, ७, १४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - सिंह राशि के जातकों को इस महीने अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है, इसलिए बेहतर होगा कि आप व्यायाम करें। आप में से कुछ लोग योग सीख सकते हैं। कार्य स्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से बेहद खुश रहेंगे। इसकी बदौलत आपको उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। यदि कार्य क्षेत्र में आप सोच-समझकर निर्णय लेंगे तो आप बहुत उन्नति करेंगे। वहीं आर्थिक मोर्चे पर आपकी आमदनी संतोषजनक रहेगी लेकिन भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए खर्च अधिक होगा। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - इस मास में सिंह राशि के जातकों को पिता या पैतृक रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। व्यावसायिक

जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वृद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - यह महीना सिंह राशि के जातकों के लिए थोड़ा संभलकर चलने का है। इस समय में किसी भी तरह का निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता है। लाभ और धनार्जन की संभावनाएं बनेंगी। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते सद्भावपूर्ण रहेंगे। मास के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं बरतें। यह समय आप एकांत में व्यतीत करना पसंद करेंगे और आपका झुकाव आध्यात्मिकता की ओर होगा। इस मास ६, ७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - सिंह राशि के जातकों को इस महीने व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान देने की ज्यादा आवश्यकता रहेगी। इसलिए इस दौरान विवादों से बचने का प्रयास करें। क्योंकि इससे आपकी खुशियां और प्रगति दोनों प्रभावित हो सकती हैं। आपका वैवाहिक जीवन उत्साह और सद्भाव से परिपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कुछ नया करने की संभावना बन रही है। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी तरह के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा और आपकी बचत भी अच्छी रहेगी। इस मास २,३,१२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - यह महीना सिंह राशि के जातकों के लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस वर्ष आप आर्थिक योजना बनाने में व्यस्त रहेंगे। वित्तीय मामलों को लेकर आप भाग्यशाली रहेंगे और धन का संचय करने में समर्थ रहेंगे। आपके पिता के लिए भी यह समय अच्छा रहेगा। उन्हें अचानक आर्थिक लाभ हो सकता है। इस वर्ष आपके भाई-बहनों का जीवन भी सुखद रहेगा। वे कार्य क्षेत्र में उन्नति का अनुभव करेंगे। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

कन्या राशि (टो पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

मार्च - यह महीना कन्या राशि के जातकों के लिए सामान्य रहेगा। इस माह के पूर्वार्ध में बच्चों के कारण आप परेशान रहेंगे। इस दौरान बच्चों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन ऐसी स्थिति में आपको धैर्य से काम लेना होगा। जीवनसाथी से आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनकी सफलता से आप खुश रहेंगे। इस अवधि में आपको जीवनसाथी की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा और आपका संबंध और मजबूत होगा। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और लेखन से जुड़े जातकों के लिए यह महीना अच्छा है। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - कन्या राशि के जातक इस महीने के पूर्वार्ध में स्वयं को उत्साहित और सक्रिय अनुभव करेंगे। इसके अलावा आपकी बेहतर कार्यशैली के कारण आपकी प्रशंसा होगी। बिना सोचे-समझे और गुस्से में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें अन्यथा इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। किसी की आलोचना या उसके साथ किसी भी तरह की राजनीति करने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से आपके व्यक्तिगत संबंध प्रभावित हो सकते हैं। इस माह आपकी सेहत बिल्कुल अच्छी रहेगी। आप अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा रुचि दिखाएंगे इस मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - कन्या राशि वाले विवाहित जातकों के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है लेकिन प्रेमी युगल को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस माह कार्यस्थल पर बड़ी सफलता मिलने की संभावना है,

साथ ही वरिष्ठ सहकर्मियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। यह महीना कन्या राशि के उन जातकों के लिए उत्तम रहेगा, जो शेयर बाजार व मार्केट रिसर्च से जुड़ा व्यवसाय करते हैं। ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जून - इस माह कन्या राशि के जातकों का पारिवारिक जीवन अच्छा रहने वाला है। घर की खुशियों में वृद्धि होगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं। घर में किसी शुभकार्य का आयोजन भी होने की संभावना है। इस महीने आपके जीवनसाथी को कार्यस्थल पर उन्नति मिलने की प्रबल संभावना है, साथ ही आर्थिक वृद्धि भी होगी। इस माह आप पूरी तरह से स्वस्थ रहेंगे। आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अपनी बात साफ शब्दों में स्पष्टता के साथ कहेंगे। १,२, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई - यह महीना कन्या राशि के लोगों के लिए अच्छे संकेत नहीं दे रहा है। महीने की शुरुआत में आपके मन में असमंजस की स्थिति बनी रहेगी। इस वजह से आप विवेकपूर्ण निर्णय लेने में असमर्थ रहेंगे। आर्थिक विषयों पर पर भी इस महीने आपको संभलकर चलना होगा। व्यर्थ खर्च करने से बचें और पैसों के लेनदेन पर विशेष ध्यान रखें अन्यथा धोखाधड़ी होने की संभावना है। कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से जुड़े जातक अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास ७, ८, १५, १६, २४, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त - यह महीना कन्या राशि के लोगों के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। इस माह पिता का खराब स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए इस अवधि में उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखें। इसके अलावा इलाज पर अधिक खर्च होने से आपका बजट बिगड़ सकता है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों से कुछ मतभेद होने की संभावना है, इसलिए अपने व्यवहार में संयम बरतें और अच्छे संबंध बनाकर चलें। इस मास ४, ५, ११, १२, २१, २२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर - इस महीने में कन्या राशि के जातकों के भाग्य में वृद्धि होगी। चुनौतियों के बावजूद इस माह आप प्रगति करेंगे। नौकरी या व्यवसाय के संबंध में विदेश यात्रा की संभावना है। पारिवारिक व्यवसाय में समृद्धि आएगी और आपको माता-पिता का सहयोग मिलेगा। इस माह पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा, लेकिन किशोरावस्था के बच्चों से आपको स्नेह और धैर्य के साथ व्यवहार करना होगा। इस माह आप हर तरफ से सकारात्मक ऊर्जा और आत्म विश्वास से भरे रहेंगे। फिल्म, अभिनय, नृत्य निर्देशक, फोटोग्राफर और वीडियो एडिटर्स को इस अवधि में लाभ होगा। इस मास १, ८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर - इस महीने में संतान पक्ष की ओर से कन्या राशि के जातकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बच्चों के साथ संबंध तनावपूर्ण होंगे और आप उनके साथ संबंध सामान्य करने में असमर्थ रह सकते हैं। अतः बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करें और विषम परिस्थितियों में धैर्य के साथ काम लें। अत्यधिक क्रोध करने से बचें अन्यथा आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। अपने कार्यक्षेत्र में हर विषय को लेकर अपना मत स्पष्ट रखें। वरिष्ठ सहकर्मियों की सलाह से स्थितियां अनुकूल होंगी। इस मास ५, ६, १४, १५, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर - कन्या राशि के जातकों को इस महीने में वाणी पर संयम रखना होगा। वैवाहिक जीवन में थोड़ी सावधानी रखनी होगी। यह समय अचल संपत्ति के क्षेत्र में निवेश करने के लिए सही नहीं है, इसलिए जमीन/मकान खरीदने या बेचने से बचें। प्रॉपर्टी या कार्य से जुड़े हर दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे अच्छे से पढ़ लें। क्योंकि ध ोखेबाजी की संभावना है। इस माह पिता की सेहत पर ध्यान देने की

आवश्यकता होगी। इस अवधि में उन्हें कोई गंभीर बीमारी से कष्ट हो सकता है हालांकि महीने के उत्तरार्ध में उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। इस मास १, २, १०, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर - यह महीना कन्या राशि के लोगों के लिए बहुत ही सकारात्मक

रहेगा। जीवन में खुशियां बनी रहेंगी और सब कुछ अच्छा रहेगा। विशेषकर विवाहित जातकों के लिए यह समय सुखद होगा। वे जातक जो सौंदर्य प्रसाधन, कलात्मक वस्तु, आभूषण और सर्वसुविधा युक्त सामानों का व्यवसाय करते हैं उनके लिए यह समय बेहद अनुकूल है। इस महीने व्यापार में अच्छा लाभ होने की संभावना है। इस अवधि में आप अपने व्यवसाय को विस्तार देने की योजना बनाएंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर भी कुछ नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। यह कार्य मनोरंजक, व्यावसायिक या यात्रा से जुड़ा भी हो सकता है। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी २०२० - इस महीने में कन्या राशि के जातकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। महीने के पूर्वार्ध में बच्चों की ओर से तनाव मिल सकता है। अपने प्रेम जीवन में संतुलन बनाये रखने की कोशिश करें और अपने साथी को अधिक समय देने का प्रयास करें। इस माह सेहत को लेकर भी आपको अपना विशेष ध्यान रखना होगा। अजीर्ण, उदर विकार, मुंह में छाला और कोई घाव हो सकता है। आपके स्वभाव में साहस, क्रोध और वीरता की वृद्धि होगी। ग्राफिक आर्टिस्ट, विदेशी भाषा के जानकार और तकनीकी लेखन से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अच्छा है। इस मास ४, ५, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी - यह महीना कन्या राशि के जातकों के लिए सामान्य रहने वाला है। वकील, शिक्षक, सलाहकार और वक्ताओं के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। कन्या राशि के जातक जनवरी के महीने में सभी क्षेत्रों में अच्छा कार्य करेंगे। क्रोध और वाणी पर संयम रखें क्योंकि गलत शब्दों के प्रयोग से आपके और परिजनों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए कड़वे वचन बिल्कुल नहीं बोलें। इस मास १, २, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

तुला राशि (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

मार्च - इस महीने में आपको परिवार की ओर ध्यान देने की आवश्यकता

होगी। पारिवारिक विवादों को जल्द से जल्द सुलझाएं अन्यथा देर भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर किसी शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह आदि के चलते परिवार में मेहमानों का आना-जाना हो सकता है। परिवार की आय इस दौरान बढ़ेगी लेकिन खर्चों पर नियन्त्रण नहीं रह पाएगा जिसके चलते बजट बिगड़ सकता है। जल्दबाजी में कार्यालय से जुड़े मामलों में कोई गलत फैसला न लें। इस माह आपको व्यवसाय में भी बड़ा लाभ मिलेगा। इस मास २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल - इस माह आप अपने अंदर आत्म-विश्वास की अनुभूति महसूस करेंगे और खुद को साहसी भी पाएंगे। अपनी मेहनत व सकारात्मक व्यवहार के जरिए आप सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे और यदि आपको पदोन्नति या वेतन बढ़ने की उम्मीद है तो आपकी इच्छा इस अवधि के दौरान पूरी हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस बीच खर्चे बढ़ जाएंगे क्योंकि आप घर की आवश्यकताओं के कुछ सामान खरीदेंगे। इस मास ९, १०, १८, १९, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मई - व्यापार क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए यह माह बहुत अच्छा रहने वाला है। व्यापार को बढ़ाने का विचार अच्छे परिणाम देगा और आपका व्यापार नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाएगा। जिन जातकों ने बैंक में लोन के लिए अर्जी लगा रखी है तो इस दौरान उसे स्वीकृति प्राप्त हो सकती है।

कार्यस्थल में आपके द्वारा किए गए प्रयासों और संसाधनों में वृद्धि के संकेत दिखाई दे रहे हैं। अपनी संवादशैली, बुद्धि आदि के लिए आपको दोस्तों, सहभागियों व पड़ोसियों से इस दौरान प्रशंसा प्राप्त हो सकती है। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - इस महीने के प्रारम्भ में परिवार के कुछ सदस्यों का स्वास्थ्य खराब रहने से आप परेशान हो सकते हैं। डॉक्टर, दवाई आदि पर खर्चे जरूरत से ज्यादा हो सकते हैं। लेकिन ये अवधि बस थोड़े हो समय के लिए है अतः चिन्ता न करें। चीजें बहुत जल्दी संभल जाएंगी और आपकी सभी शीघ्र समाप्त हो जाएंगी। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। जमीन-जायदाद खरीदने से पहले सभी बातें अच्छे से साफ कर लें। यदि निवेश का प्लान बना रहे हैं तो समय बिल्कुल अनुकूल है। बीते समय में किए गए सभी निवेश इस दौरान लाभदायक फल देंगे। इस मास २, ३, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांके नेष्ट रहेगी।

जुलाई - व्यापार क्षेत्र से जुडे जातक इस माह अच्छा लाभ कमाएंगे। इस मास आपको किसी विदेशी कंपनी से भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। लेकिन साझेदार के साथ काम करते वक्त आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। निजी जीवन में परेशानियां आ सकती हैं लेकिन शांति व खुशी फिर भी बनी रहेगी। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और आपको पैसों से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी। आपकी अपनी व पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। दूसरों के ऊपर हावी होने का आपका स्वभाव परेशानियों को उत्पन्न कर सकता है। इन्हें दूर करने के लिए संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। इस मास १, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - आर्थिक रूप से समय अच्छा रहेगा। बड़े भाई-बहन जो विदेश में अथवा अन्यत्र कहीं दूर कार्यरत हैं, उनकी सहायता से पैसों का आगमन होगा जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक स्थिति में भी पहले से बढ़ोत्तरी होगी और लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। नव विवाहित जोड़ों के लिए ये माह चुनौतीपूर्ण रहेगा। लड़ाई, झगड़े व विवाद इस दौरान आपके जीवन में रहेंगे जिससे मानसिक शांति भी भंग होगी। यदि आप स्थिति को सुधारना चाहते हैं तो ध्यान व समझदारी के साथ काम लें। माह के लगभग पंद्रह दिन बाद चीजें सुधरने लग जाएंगी और भाग्य आपका साथ देगा। इस मास ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - विदेश में काम करने वाले जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी संभावनाएं हैं कि आप पर कोई बड़ा जैसे कागजात या पैसों की चोरी का आरोप लग सकता है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से भी विवाद हो सकता है। आपके परिवार वालों को आपसे कुछ समस्या हो सकती हैं और वो आपसे नाखुश हो सकते हैं। परिवार की ये समस्याएं कार्यक्षेत्र में भी देखने को मिल सकती हैं। इन सभी समस्याओं को जल्द से जल्द हल करें और परिवारिक व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाएं। इस मास २, ३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - मल्टी नेशनल कंपनी में कार्यरत लोगों को इस दौरान करियर में सफलता मिलेगी और आगे की ट्रेनिंग के लिए विदेश जाने का मौका मिलेगा। निजी मामलों में आपकी जिंदगी में खुशी भरपूर रहेगी और आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बड़े भाई-बहनों के लिए भी ये समय तरक्की लेकर आएगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस माह आप मानसिक रूप से थोड़ा नीरस अनुभव करेंगे हालांकि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कार्यभार के कारण समय-समय पर दबाव अनुभव करेंगे। इस मास ७, ८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - तुला राशि के जातकों के पिता के लिए यह समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। वो इस दौरान किसी समस्या में फँस सकते हैं।

लेकिन अपने प्रयास के जरिए वो इस बड़ी मुसीबत से बाहर भी निकल जाएंगे। लेकिन सतर्क रहने की आवश्यकता है चाहें चीजें सही ही क्यों न जा रही हों। किसी गलतफहमी को अपने अंदर न पनपने दे और अगर यदि हो जाएं तो उन्हें सुलझाने की जल्द से जल्द कोशिश करें। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का वैरभाव न पनपने दें अन्यथा प्रॉब्लम्स खड़ी हो सकती हैं। इस मास ४, ५, १३, १४, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - इस मास जातक के जीवनसाथी की सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी और वो अपने कार्यक्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन करेंगे। उनकी सफलता आपको खुशी देगी । कुछ दम्पतियों के बीच अहंकार आ सकता है जिससे घर में असंतोष व विवाद बढ़ सकता है। विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों को इस दौरान किसी बड़े संस्थान में प्रवेश मिल सकता है। स्वास्थ्य के संबंध से थोड़ी समस्याएं देखने को मिल सकती हैं, ध्यान रखे अन्यथा ये आपके लिए बड़ी समस्या भी खड़ी कर सकती हैं। वैवाहिक संबंधों के लिए भी समय अच्छा है। आप इस दौरान अपने साथी के साथ यादगार समय बिताएंगे। इस मास १,२, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - तुला राशि के विवाह योग्य जातकों को अपना जीवनसाथी मिल सकता है और जो पहले से ही प्रेम संबंध में है उन्हें शादी के लिए माता-पिता से अनुमति प्राप्त हो सकती है। कुछ जातक इस बीच नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं लेकिन थोड़े से संघर्ष के बाद माह के पंद्रह दिन बीत जाने के बाद अच्छे विकल्प प्राप्त होंगे। वैवाहिक युगलों को इस समय का लाभ मिलेगा। संबंधों में प्रेम बढ़ेगा और आप एक खुशहाल और शांतिपूर्वक जीवन बिताएंगे। स्वास्थ्य के संबंध में आपको ज्यादा चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रतिदिन ध्यान व योग करने से आप स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। इस मास ७, ८, १७, १८, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी - इस मास धार्मिक व आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी। इस दौरान आपकी महात्माओं व आध्यात्मिक गुरुओं से वार्ता हो सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ कोई व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रहें कि किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले अच्छे से विचार-विमर्श कर लें ताकि आगे चलकर कोई परेशानी न आए। व्यापार के विस्तार के लिए ये उचित समय हैइस समय के दौरान उधार लेने से बचें अन्यथा आप ऋण के जाल में फँस सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी का पूर्ण समर्थन मिलेगा और आप एक सुखी वैवाहिक जीवन बिताएंगे। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

वृश्चिक राशि (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

मार्च - आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को कुशल तरीके से सुलझाने का प्रयास करेंगे और इस कार्य के लिए आपकी अंदर ही अंदर तारीफ भी की जाएगी। इस दौरान आप एक नई दिनचर्या अपनाएगे और स्वस्थ रहना आपकी पहली जरूरत बन जाएगी। इस मास आप अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देंगे। तुला राशि के कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जो आपके निजी जीवन में भी पहुंचकर घर की शांति व सौहार्द को बिगाड़ सकती हैं। आर्थिक स्थिति इस बीच अच्छी रहेगी। कुछ अप्रत्याशित आर्थिक लाभ से आय में वृद्धि होगी। इस मास २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - इस माह आप अपने धन व ऊर्जा को अनावश्यक मामलों में व्यय कर सकते हैं, जिससे आपको दुःख भी हो सकता है। किसी भी फैसले को लेने या कार्य करने से पहले अच्छे से विचार-विमर्श अवश्य कर लें। आप अच्छा धन इस दौरान एकत्रित कर लेंगे लेकिन फिर भी उसे बचा कर नहीं रख पाएंगे। इस माह वैवाहिक जीवन में कुछ समस्या हो सकती है। इस दौरान जीवनसाथी से कुछ विवाद हो सकते हैं। निजी

जिम्मेदारियों से जी चुराने की आदत जीवनसाथी के साथ आपका संबंध खराब कर सकती है। इस मास १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - यह माह आपके लिए उन्नति लेकर आएगा और आपके काम वैसे ही पूर्ण होंगे जैसे आप चाहते हैं। कार्यक्षेत्र पर आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और उच्च पद भी प्राप्त करेंगे। आपके साझा संसाधनों में वृद्धि होगी और ये आपको तरक्की की ओर लेकर जाएंगी। इस दौरान आपको अच्छे लाभ की प्राप्ति होगी और आप ज्यादा से ज्यादा बचत कर सकेंगे। बड़े निवेशों से बड़ा लाभ मिलेगा। विद्यार्थी अपने पढ़ाई के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और सफलता आपको खुशी देगी। विवाह योग्य जातक इस माह शादी के बंधन में बंध सकते हैं। प्रशासकों, योजनाकारों और सार्वजनिक कार्य से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। इस मास ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - वृश्चिक राशि के जातकों के लिये यह माह बहुत ही अच्छा रहने वाला है। घर व कार्यस्थल पर सुखद वातावरण रहेगा। इस माह परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे और आपके उनके साथ संबंध भी प्रगाढ़ होंगे। लोग आपका साथ पसंद करेंगे और आपकी लोकप्रियता भी बढ़ेगी। नए दोस्त बनेंगे और आपका सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा। रियल-एस्टेट का बिजनेस कर रहे लोगों को इस माह सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने के लिए भी बिल्कुल उपयुक्त समय है। इस मास ५, ६, १४, १५, २२, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - आपको इस दौरान कई संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। आप समय-समय पर बीमार भी पड़ सकते हैं। वृश्चिक राशि के कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी से संतुष्ट नहीं रहेंगे और नौकरी में परिवर्तन कर सकते हैं। अथवा वर्तमान कार्यक्षेत्र में भी बदलाव आ सकते हैं। घर में थोड़े बहुत विवाद संभव हैं। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। लेकिन इन सभी चीजों से परेशान व निराश न हों क्योंकि आपको खुशी जरूर मिलेगी। इस मास २,३,४,११,१२, १९, २०, २१, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - वृश्चिक राशि के जातक जो व्यापार क्षेत्र से जुडे हैं, उनके लिए यह काफी अच्छा समय है। इस दौरान उन्हें सात समुंद्र पार से कोई अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है जो उनके लिए काफी लाभदायक होगी। आमदनी अच्छी हो जाएगी लेकिन साथ ही साथ खर्चें भी बढ़ जाएंगे। इस दौरान आप भौतिक सुखों से परिपूर्ण व विलासिता का जीवन व्यतीत करेंगे। महीने के मध्य में जाकर आपकी कार्यक्षेत्र में भी इस समय का लाभ होगा। अच्छे वेतन के साथ-साथ पदोन्नति की भी संभावना दिखाई दे रही हैं। बड़े भाई-बहनों के लिए भी समय शुभ है। इस मास ८, ९, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - शादीशुदा जोड़ों के लिए यह माह थोड़ा चुनौती पूर्ण हो सकता है। एक-दूसरे के प्रति समय न दे पाने व गलतफहमियों की उत्पत्ति होने के कारण आपके वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है। झगड़ों व वाद-विवादों के कारण घर-परिवार से खुशहाल वातावरण कम हो जायेगा। परिवार में वरिष्ठ जनों के साथ भी विचार सहमत न हो पाने के कारण बहस हो सकती है। आधा माह गुजर जाने के बाद आपके व्यावसायिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लग जाएंगे। इस मास ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - आपके जीवन साथी इस मास प्रगति की ओर बढ़ेंगे। इस दौरान उन्हें भाग्य को संवारने के लिए कई मौके प्राप्त होंगे। वो इन अवसरों का भली-भांति तरीके से उपयोग करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे। जीवन साथी को इस दौरान बड़ा पद व वेतन प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र पर वरिष्ठ जनों व सहभागियों के साथ विवाद हो सकते हैं जिससे आपका प्रदर्शन खराब हो सकता है। ऐसे में बहस से बचें और

विवादों को समाप्त करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। प्रोफेशनल लाइफ में आपका करियर ग्राफ नीचे जा सकता है, इसलिए मेहनत करें व एकाग्रता के साथ अपना काम करें। इस मास १, २, १०, ११, १९, २०, २८, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - आपके जीवन साथी को इस माह विदेश जाने का अवसर मिल सकता है। यदि अगर आप अपना ज्यादा से ज्यादा समय अपने जीवन साथी के साथ बिताएं तो उत्तम रहेगा। व्यापार कर रहे जातकों के लिए समय अच्छा है। निर्यात में वृद्धि होगी और व्यापार में विदेशी सहयोग प्राप्त होने से लाभ होगा। साझेदारी में व्यापार करते समय सावधानी रखें। आपके अपने साथी के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं जिसको जल्द सुलझाने की जरूरत है अन्यथा साझेदारी समाप्त भी हो सकती है और व्यापार में हानि हो सकती है। इस मास ६, ७, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - यह माह शांति व खुशी से परिपूर्ण रहेगा। आत्म-विश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। आप समय-समय पर आक्रामक रवैया भी अपना सकते हैं। अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में अधिक प्रयास करेंगे और थोड़े समय बाद सफलता भी प्राप्त करेंगें। कार्य स्थल पर विरोधी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं लेकिन चिंता की कोई बात नहीं क्योंकि उन्हें सफलता नहीं मिलेगी। आपके साथ काम करने वाले कुछ सहभागी आपसे ईर्ष्या का भाव भी रख सकते हैं जिससे ऑफिस का वातावरण अनुकूल नहीं रह पाएगा। स्वास्थ्य हेतु यह माह उत्तम रहेगा। आप अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने लग जाएंगे। व्यायाम, योग व ध्यान को अपने रोजाना के नियम में सम्मिलित कर लेंगे। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - इस मास आप शांति व सौहार्द की खोज में आध्यात्मिक व धार्मिक चीजों की ओर झुकने लग जाएंगे। अधिक आशावादी होने का प्रयास करें, इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नकारात्मक भाव जैसे डर, ईर्ष्या, जलन, नफरत व बदले की भावना से स्वयं को दूर रखें। आर्थिक रूप से यह माह सामान्य रहेगा। इस माह निजी संबंधों में बहस व लड़ाई के कारण अशांति रह सकती है। परिवार के कुछ सदस्य आपके फैसले से ना खुश हो सकते हैं। विद्यार्थियों का शिक्षा में प्रदर्शन उत्तम रहेगा। कुछ लोग को आत्म-विश्वास में कमी भी महसूस हो सकती है। इन सबके अलावा आपकी गलत व खराब भाषा शैली से भी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इस मास १, ९, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस माह कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और इससे जुड़ी गतिविधियों में आप भाग लेंगें। परन्तु परिवार में कुछ विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ आपका रिश्ता गलतफहमियों के कारण बिगड़ सकता है। विद्यार्थियों को इस मास सफलता प्राप्त होगी। परिणाम का यदि इंतजार कर रहे हैं तो इस दौरान आपको काफी अच्छे अंक प्राप्त होंगे। लेखकों व कलाकारों के लिए समय अच्छा है। उनके रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा की जाएगी। इस मास ५, ६, ७, १५, १६, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

धनु राशि (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ, भे)

मार्च - इस माह आप अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। कुछ बोलने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। कार्यस्थल व परिवार में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। पारिवारिक आय में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। ज्यादा लाभ कमाने के लिए आप व्यापार में भाई-बहनों का सहयोग भी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यस्थल पर अपने बेहतर प्रदर्शन से आप लोगों को आश्चर्यचकित कर देंगे। सहभागियों को आप से ईर्ष्या की भावना हो सकती है और वो आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए सतर्क रहें और सावधानीपूर्वक

कार्य करें। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल - इस माह का प्रारम्भ ही धनु राशि वाले जातकों के लिए अच्छा रहेगा। हालांकि इस बीच घर में पिता या बड़े भाई-बहन के साथ थोड़े बहुत विवाद हो सकते हैं, लेकिन बातचीत से ये सभी समस्याएं सुलझ जाएंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप स्वयं को ज़्यादा ऊर्जावान और पॉजीटिव महसूस करेंगे। जनवरी के महीने में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और लॉटरी, शेयर आदि से अप्रत्याशित धन भी प्राप्त हो सकता है। जो जातक इस दौरान नौकरी परिवर्तित करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इस मास ४,५,१३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई - इस माह धनु राशि के जातकों को ध्यान व योगा से जुड़ी गतिविधियों को करने में फायदा होगा। इस दौरान अपने स्वभाव में अहंकार को न पनपने दें। फैसले लेते वक्त समझदारी दिखाएं और भावनाओं को बीच में न आने दें क्योंकि आपका गलत फैसला भविष्य में मंहगा पड़ सकता है। आप में से कुछ जातक विदेश में अपना घर खरीद सकते हैं। इस मास आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। व्यय बढ़ सकता हैं और आप आय से ज्यादा खर्च करेंगे, इसलिए व्यर्थ के खर्चो से बचें। इस मास १, २, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट है।

जून - इस माह आपके सामाजिक जीवन से अलगाव की संभावनाएं हैं। आप सामाजिक गतिविधियों व भौतिक जीवन से जुड़ी चीजों में कम रुचि लेंगे। इस दौरान आपके जीवन साथी और संतान को समय नहीं दे पायेंगे और घरेलू जीवन भी अस्त-व्यस्त रहेगा। अध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ने लग जाएगी। इस दौरान आपका मिलन कुछ आध्यात्मिक व धार्मिक लोगों से होगी जिनसे आपको आध्यात्मिक लाभ भी होगा। प्रारम्भ में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन धीरे-धीरे सभी चीजें ठीक हो जाएंगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी परन्तु आप धन जमा करने में ज़्यादा इच्छुक नहीं रहेंगे। इस मास ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई - धनु राशि के जातकों को इस माह आर्थिक रूप से कोई संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। ये स्थिति किसी शुभ कार्य की तरफ संकेत दे रही है जिसके चलते परिवार में सब लोग एक-साथ एकत्र होंगे। परिवार के प्रति आप अपने सभी कर्तव्यों को बखूबी निभाएंगे। अपने लक्ष्यों को पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। इस दौरान कुछ लंबी अवधि की योजनाएं बना सकते हैं। आप इस बीच अपने व्यापार में विस्तार कर सकते हैं अथवा कोई नया उद्योग भी प्रारम्भ कर सकते हैं। बड़े भाई-बहनों से लाभ प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के संबंध में देखा जाए तो आपको छोटी-मोटी समस्याएं हो सकती हैं। अच्छी जीवनशैली व स्वस्थ आहार आपको स्वस्थ रखने में मदद करेगा। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट है।

अगस्त - इस माह व्यापारी वर्ग को सफलता मिल सकती है। इस दौरान अच्छे लाभ की संभावना हैं। कुछ जातक इस मास व्यापार के संबंध में सात समुंद्र पार भी जा सकते हैं और अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप जॉब कर रहे हैं तो इस दौरान उच्च पद मिलने के आसार हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और आप सफलता प्राप्त करेंगे। कुछ समय अपने परिवार वालों के साथ भी बिताएं, ऐसा करने से संबंधों में मधुरता आएगी। इसके साथ ही अपने जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आंखों से संबंधित कोई समस्या उन्हें इस महीने परेशान कर सकती है। इस मास १, २, १०, ११, १८, १९, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - यह माह आपके लिए उलझन भरा रहेगा। एकाग्रता में कमी आ जाने से आपको परेशानी हो सकती है। कई बार आपको चिड़चिड़ापन

भी महसूस हो सकता है और आपका गुस्सा पारिवारिक समस्याओं को बढ़ा सकता है। इस दौरान आपको अपने बिजनेस व आर्थिक चीजों से जुड़े विषयों में सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि आपका अपना ही कोई करीबी आपके साथ धोखा कर सकता है। इस बीच आप आर्थिक तंगी से भी गुजर सकते हैं। बेहतर वित्तीय नियोजन की आवश्यकता है और खर्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। इस मास ६, ७, १४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - यह महीना आपके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इस दौरान स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं, इसलिए बिल्कुल भी लापरवाही न रखें और अपना ध्यान रखें। दवाइयों के व्यय बढ़ जाने से बजट बिगड़ सकता है। धनु राशि के कुछ जातक इस दौरान ज्वर आदि से बीमार भी पड़ सकते हैं। इस दौरान पिता को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसके साथ ही ये स्थिति कुछ और गंभीर पारिवारिक समस्याओं को इंगित कर रही है। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - इस माह आप अपनी नौकरी बदलने की योजना बना सकते हैं और इस बीच कुछ नये अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यरत लोगों को अपने सहभागियों के साथ अच्छा संबंध बनाये रखने की सलाह दी जाती है। अनावश्यक बहस से बचें। उत्तम होगा यदि आप अपने साथी पर थोड़ा विश्वास दिखाएं। धन का आगमन होता रहेगा और आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। कंप्यूटर के व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - इस माह आपके पिता को उनके सत्कर्मों के लिए सम्मानित किया जाएगा व समाज में उनकी प्रशंसा होगी। बच्चों के द्वारा अर्जित की गई सफलता आपको खुशी देगी व परिवार का नाम ऊंचा करेगी। अचानक से आपकी रुचि कलात्मक कार्यों और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों में बढ़ जाएगी। मुश्किल परिस्थितियों में अपने स्वभाव में विनम्रता लाएं व गुस्से पर कंट्रोल करें। इस दौरान आपकी तबियत बिगड़ भी सकती है। आंख, दांत, गले से संबंधित रोग हो सकता है। खान-पान की गलत आदतें अपच, गैस या एसिडिटी की समस्या उत्पन्न कर सकती हैं, इसलिए अपने भोजन का विशेष ध्यान रखें। इस मास ६, ७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - इस मास आपके पिता को कई अवसर मिलेंगे जो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। विद्यार्थी वर्ग की ओर से अच्छी सूचना प्राप्ति की उम्मीद है। वे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेंगे और अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। कुछ छात्रों को प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध अकादमिक संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। रचनात्मक क्षेत्रों में कार्य कर रहे पेशेवरों के लिए अनुकूल समय है। इस दौरान बड़ी सफलता मिलने के आसार हैं। इस मास २, ३, १२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस माह धनु राशि के जातकों को आर्थिक रूप से किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर पूरी तरह से बनी रहेगी और आप इस बीच सुख साधनों की प्राप्ति पर विशेष खर्च कर सकते हैं। वाहन चलाते समय सावधान रहें। इसके अलावा इसी दौरान आप अपने घर की मरम्मत या उसकी सजावट में भी रुपये खर्च कर सकते हैं। कुछ जातक इस बीच बचत के तौर पर या फिर खेती के लिए भी जमीन खरीद सकते हैं। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मकर राशि (भो,जा,जी,(जू,जे,जो,ख)खी,खू,खे,खो,गा,गी)

मार्च - यह मास आपके लिए अधिकांशतः शुभ रहेगा। पराक्रम में वृद्धि, वाहन लाभ विद्याध्ययन में रूचि , शत्रु पराजय, भाग्योदय, आय के

स्रोतों में वृद्धि एवं धार्मिक यात्राओं व सद्-व्यय से आप प्रफुल्लित रहेंगे। परन्तु जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ शिथिल रह सकता है। स्वयं का स्वास्थ्य भी रक्तविकार एवं वायुविकार के कारण कुछ प्रतिकूल रह सकता है। विद्याध्ययन में कुछ बाधाएं आ सकती है। कभी कभी विपक्षियों के हावी होने के कारण परेशानी हो सकती है। रोजगार के क्षेत्र में कड़े संघर्ष के उपरान्त सफलता प्राप्ति के योग बनते है। पारिवारिक वातावरण प्राय: अच्छा रहेगा। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - इस मास स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से आप ग्रसित रहेंगे। अस्थि विकार, एलर्जी, वायु विकार, रक्त विकार के कारण आप व्यथित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्यो में सफलता रहेगी। परन्तु अत्यधिक यात्राओं के कारण आप दुखी रहेंगे। परिवार का वातावरण भी प्राय: अच्छा नहीं रहेगा। मास के उत्तरार्ध में पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर भी आप परेशान रह सकते है। धार्मिक कार्यो में रूचि कम रहेगी। धन के अपव्यय से आप दुखी रह सकते है। शत्रुओं की प्रबलता रहेगी परन्तु आप अन्त में उन्हें परास्त करने में सफल होंगे। वाहन चलाने में सावधानी रखें। मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - यह मास प्राय: आपके लिए तनावपूर्ण रहेगा। पारिवारिक क्लेश एवं शारीरिक स्वास्थ्य से आप व्यथित रहेंगे, परन्तु पराक्रम में वृद्धि रहेगी। छोटे भाई बहनों का स्वास्थ्य भी कुछ प्रतिकूल रह सकता है। आप उनके लिए चिंतित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधित विवादों में धनव्यय संभावित है। न्यायालयीय निर्णय में विलम्ब से आप व्यथित रहेंगे। धनागम का अच्छा योग बनेगा। परन्तु धार्मिक कार्यों एवं यात्राओं में धनव्यय होगा। जिस कारण समाज में आपकी अच्छी प्रतिष्ठा रहेगी। कार्यक्षेत्र में मित्रों के सहयोग से सफलता मिलेगी। प्राय: इस मास आप वायुविकार, पित्त विकार, त्वचा संबंधी रोग एवं संक्रमण जनित रोगों से पीड़ित रह सकते है। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - यह मास आपके लिए प्राय: अच्छा रहेगा। पराक्रम में वृद्धि रहेगी। माता के स्वास्थ्य में कुछ सुधार सम्भव है। धनागम अच्छा रहेगा। धन संपत्ति व भूमि क्रय के योग बनते है। परन्तु यदा कदा अध्ययन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्राय: ठीक रहेगा परन्तु कभी कभी पित्त विकार, नेत्र विकार एवं शिरोवेदना से कष्ट संभावित है। भाग्य के साथ देने से कुछ रुके हुए काम बन सकते है। पद प्रतिष्ठा प्राप्ति के योग भी बनते है। इस मास धार्मिक यात्राएं भी संभावित है। पारिवारिक वातावरण प्राय: सौहार्दपूर्ण होगा १, २, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई - इस मास के प्रारम्भ में यदा कदा नेत्र कष्ट, रक्त विकार, मानसिक उलझनों से आप व्यथित रह सकते है। माता का स्वास्थ्य भी कष्टकारी रह सकता है। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहने की संभावना है। धन का आगमन अच्छा रहेगा। आय के नए स्रोत उत्पन्न हो सकते है। मास के उत्तरार्ध में धन सम्पत्ति प्राप्ति के कुछ योग बनते है परन्तु वाहन चलाते समय सावधानी अपेक्षित है। विद्याप्राप्ति के कुछ योग बनते है, परन्तु परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। रोजगार के क्षेत्र में नवीन संभावनाऐ बनेंगी, परन्तु पिता का स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। ७, ८, १५, १६, २४, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त - इस मास कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। अपना कार्य दुगुने उत्साह से संपन्न करेंगे। रुके हुए कार्य पुन: प्रारम्भ होंगे। इच्छित योजनाएं साकार रूप लेगी। लम्बे समय से अटका धन प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को भी अध्ययन में विशेष लाभ होगा। अध्ययन में किये गये परिश्रम का शुभ परिणाम प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंधों की चर्चा होगी व विवाह संबंध तय होंगे। प्रेम संबंध भी सफल होंगे व

संबंध विवाह में परिणित होंगे। दंपत्तियों को सन्तति की प्राप्ति होगी। भाग्य में वृद्धि होगी। सभी प्रकार की सुख सम्पदा में वृद्धि होगी। आजीविका प्राप्ति के नये अवसर उत्पन्न होंगे। ४, ५, ११, १२, २१, २२, ३०, ३१ दिनांके नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर - इस मास मित्र व जनता का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। विशेष रूप से राजनैतिक क्षैत्र से संबंधित जातकों को अपने कार्य में लाभ होगा। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों के लिये यह मास अतिउत्तम रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों की गहन शोध के प्रति रूचि बढेगी। नये विषयों का अध्ययन करेंगे। सन्तान पक्ष से शुभ सूचना प्राप्त होगी। भाई-बहनों से संबंध मधुर होगा व उनके सहयोग से रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे। त्वचा, मुख व वाणी संबंधित विकार हो सकते है। स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। इस मास १, ८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर - इस मास व्यापारी वर्ग को उत्तम लाभ होगा। धन प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त होंगे। नेत्र विकार हो सकते है। पिता को कष्ट व राजनीतिक पक्ष से बाधाऐं हो सकती है। हृदय व अस्थि विकार की संभावना हो सकती है। वात विकार से शारीरिक कष्ट हो सकता है। दिनांक १७ के उपरान्त साझेदार व जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है। यात्रा के योग बनेंगे। मित्रों व समाज के साथ संबंध प्रगाढ होंगे। वाहन, भूमि आदि सुख साधनों का लाभ होगा। इस मास ५, ६, १४, १५, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर - संतान से अनबन रह सकती है। नये विषयों का ज्ञान होगा। क्रोध व ऊर्जा में कुछ वृद्धि होगी। मुख, उदर व त्वचा संबंधित विकार हो सकते है। विद्यार्थियों को परिश्रम अधिक करना होगा, विद्याध्ययन व प्रतियोगी परिक्षाओं में कुछ बाधा रहेगी। मधुमेह, मूत्र विकार व गुप्त विकार हो सकते हैं। जीवनसाथी से व्यर्थ विवाद व आपसी अनबन रह सकती है। सन्तान संबंधित कष्ट होगा। भाई बहनों से संबंध उत्तम रहेंगे। परिश्रम का उचित फल न मिलने से निराशा हो सकती है। इस मास १, २, १०, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर - भूमि, जमीन, प्रोपर्टी, वाहन संबंधित लाभ होंगे। उत्साह व ऊर्जा बढेगी। योग, औषधि, स्वास्थ्य आदि के प्रति रुचि बढेगी। परन्तु दुर्घटना, चोट, अग्निभय आदि की संभावनाऐं बढेगी। व्यर्थ के विवादों से बचना चाहिये। लाभ प्राप्ति के अवसर बढेगे। भोजनालय, रेस्टोरेन्ट, मशीनरी, प्रोपर्टी, अग्नि संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ होगा। बच्चों की खेल के प्रति रुचि बढेगी। खेल व खेल सामग्री से जुडे जातकों को विशेष लाभ होगा। मनोरंजन व सुख साधनों की प्राप्ति हेतु विशेष व्यय होगा। वाणी का प्रभाव बढेगा। माता व ननिहाल पक्ष से विशेष लाभ हो सकता है। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी २०२० - इस मास विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। क्रोध में कुछ वृद्धि होगी व मन में संताप होगा। नव दम्पत्तियों को सन्तान लाभ होगा। विद्याध्ययन में उन्नति होगी। सुख साधन व मनोरंजन के नवीन साधन उपलब्ध होंगे। शेयर मार्केट से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। नौकरी आजीविका संबंधित बाधाऐं दूर होगी। पिता को लाभ होगा। अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। वस्त्र उद्योग, साफ्टवेयर, कम्प्यूटर, सौन्दर्य प्रसाधन संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंध तय होंगे। इस मास ४, ५, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी - इस मास में मकर राशि के जातकों के मन में भ्रम की स्थिति रहेगी। यात्रा व स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे। विदेश यात्राओं हेतु भी यह मास उत्तम है। जीवनसाथी से कुछ अनबन रह सकती है। व्यापार में कुछ बाधा हो सकती है। भाई-बहनों से संबंध मधुर बनेंगे। जिन जातकों को

आजीविका की चिंता है, उनकी चिन्ता दूर होगी। युवाओं को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों हेतु भी यह मास उत्तम रहेगा। वाहन-भूमि आदि का सुख प्राप्त होगा। माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। पैरों व हाथ में चोट लगने की संभावना है। बायीं आँख में चोट लग सकती है। त्वचा संबंधित रोग हो सकते हैं। इस मास १, २, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

कुंभ राशि (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

मार्च - यह महीना कुंभ राशि के जातकों के लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। इस अवधि में आपके द्वारा विवेकपूर्ण तरीके से लिए गए फैसलों से अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। इस माह आपको मिलने वाली सफलता से आपके माता-पिता बहुत प्रसन्न होंगे। साथ ही उनकी ओर से मिलने वाला स्नेह और सहयोग आपके लिए लाभकारी रहेगा। इस माह आपके माता-पिता को भी कोई अप्रत्याशित लाभ मिलने की संभावना है। कुछ विवाहित जोड़े मिलकर कोई संपत्ति खरीद सकते हैं। इस मास २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल - इस महीने की शुरुआत आपके लिए बेहद अच्छी रहेगी। व्यक्तिगत जीवन व कार्यक्षेत्र में आप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे। व्यक्तिगत जीवन में आप सौहार्दपूर्ण रिश्तों का आनंद लेंगे। इस माह आपका झुकाव आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों के प्रति अधिक होगा और आप इन कार्यों में सम्मिलित होंगे। कार्यस्थल पर अच्छा काम करने के कारण आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। सहकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। परन्तु कार्यक्षेत्र में साथ काम करने वाले लोगों से विवाद करने से बचें। भाई-बहन के साथ कर रहे व्यापार में लाभ की प्राप्ति होगी। इस मास ९, १०, १८, १९, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मई - यह महीना कुंभ राशि के जातकों के लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में आप काम और वित्तीय मामलों को लेकर सुखद स्थिति का अनुभव करेंगे। कार्यस्थल पर आप अपने काम और बेहतर प्रदर्शन से अधिकारियों को प्रसन्न कर देंगे। इसके फलस्वरुप ऑफिस में आपको विशेष जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, साथ ही आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आर्थिक मोर्चे पर इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा और आप सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे। इस अवधि में आप जो भी निवेश करेंगे उससे लाभ की प्राप्ति होगी। व्यापार को बढ़ाने के लिए यह समय बिल्कुल उपयुक्त है। परिवार में शांति, सद्भाव, स्नेह और एकता बनी रहेगी। आपके घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहेगा। इसके अलावा आपका वैवाहिक जीवन भी बहुत सुखमय रहेगा। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - इस माह कुंभ राशि के जातक भाग्यशाली और खुश रहेंगे। आप पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप आवश्य निर्णय लेने हेतु साहस और बुद्धि से काम लेंगे। कार्यस्थल पर सफलता प्राप्त करने के लिए आप बेहतर प्रयास करेंगे और निश्चित ही आपको अपनी मेहनत का परिणाम मिलेगा। कार्य में अधिक व्यस्त रहने के कारण आप परिवार को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। जीवनसाथी से आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे लेकिन काम से समय निकालकर उनके साथ कुछ समय व्यतीत करें तो यह आपके संबंधों के लिए बेहतर होगा। इस मास २, ३, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - इस महीने आपकी पदोन्नति और वेतन में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। वहीं पारिवारिक जीवन भी इस माह अच्छा रहने वाला है। इस महीने आपको भाग्य का सहयोग प्राप्त होने वाला है। कार्यस्थल पर आप अपने अच्छे प्रदर्शन से सबको आश्चर्यचकित कर देंगें इस दौरान आप परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं और उनके साथ अच्छा समय

व्यतीत करेंगे। इस माह घर पर शादी-विवाह व अन्य मांगलिक कार्यों का आयोजन संभव होगा। इस माह धन का आवागमन अच्छा रहने से आपको किसी प्रकार के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा, लेकिन जोखिम भरे मामलों में निवेश करने से बचें। निवेश करने से पहले अच्छी तरह शोध कर लें। इस मास १, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - यह महीना आपके पिता के लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में उनकी स्थिति मजबूत रहेगी और उन्हें प्रसिद्धि मिलेगी, साथ ही समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परोपकारी कार्यों में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। परिवार के प्रत्येक सदस्यों से आपको स्नेह और सहयोग मिलेगा। यह समय आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा। इस दौरान आपको माता-पिता से भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। महीने के अंतिम दिनों में जीवनसाथी/प्रियतम के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। जीवनसाथी की सेहत आपके लिए चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। इस मास ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - यह महीना विशेषकर कुंभ राशि की महिला जातकों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। इस माह उन्हें कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपना ध्यान रखें और डॉक्टर से परामर्श लेते रहें। आप अपने व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों को महसूस करेंगे। वहीं कार्यस्थल पर सहकर्मीयों व वरिष्ठों के साथ अच्छे संवंध बनाकर चलें। कार्यक्षेत्र में किसी की बुराई करने से बचें और सभी से विनम्रता से बात करें। महीने के उत्तरार्ध में रिश्तों को लेकर अपना दृष्टिकोण साफ रखना होगा। आपकी उन्नति में जीवनसाथी का महत्त्वपूर्ण योगदान होगा और आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। इस माह आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और यदि आप किसी योजना में निवेश करेंगे तो आपको इससे अच्छा लाभ होगा। इस मास २, ३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - कुंभ राशि के जातक इस महीने स्वस्थ रहेंगे हालांकि मानसिक रूप से थोड़े परेशान रह सकते हैं। इस कारण उनकी एकाग्रता और सोचने की क्षमता पर प्रभाव पड़ेगा, इसलिए नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर बिल्कुल हावी नहीं होने दें। मानसिक शांति के लिए आपको योग व प्राणायाम का सहारा लेना चाहिये। इस माह वैवाहिक जीवन में विषम परिस्थितियां उत्पन्न होगी। वे जातक जो अकेले हैं इस माह किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर सकते हैं। इस माह कुंभ राशि के जातक व्यर्थ के कामों में अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं करें बल्कि अपना ध्यान लक्ष्य की ओर रखें। कार्यक्षेत्र में उन्नति इस माह अच्छी रहने वाली है और पदोन्नति के योग बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में आंख मूंदकर किसी पर विश्वास ना करें, यह आपके लिए बेहतर होगा। इस मास ७, ८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - यह महीना कुंभ राशि के उन छात्रों के लिए अच्छा रहने वाला है, जो कलात्मक विषय की पढ़ाई कर रहे हैं। इस अवधि में वे अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और प्रशंसा पाएंगे। इस दौरान आपके खर्चों में अत्यधिक वृद्धि भी होगी। कुंभ राशि के वे जातक जो विदेशों में काम कर रहे हैं उन्हें कार्य स्थल पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, अतः वे धैर्य से काम लें। क्योंकि इस अवधि में जो भी विवाद व मतभेद सामने आएंगे वे जल्द ही हल हो जाएंगे। पारिवारिक जीवन में तनाव और विवाद की संभावना है। घर में जीवनसाथी और परिजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है, इसलिए सभी मतभेदों को धैर्य और परिपक्वता के साथ निपटाएं। इस मास ४, ५, १३, १४, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - इस महीने कुंभ राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और काम में सफलता मिलने से आप प्रसन्न रहेंगे। विदेशी संपर्क और संबंध आपके लिए लाभकारी होंगे और उनके द्वारा आपको अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। छोटे भाई-बहनों के लिए यह महीना अच्छा रह सकता है क्योंकि इस दौरान उच्च शिक्षा के लिए उनके विदेश जाने की संभावना बन रही है लेकिन इस संबंध में थोड़ी सावधानी बरतें। आप मानसिक रूप से बेहद खुश रहेंगे और आपके उत्साह में वृद्धि होगी। माँ का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, पुराने रोग शान्त होंगे। सामाजिक कार्यों में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, साथ ही वे आर्थिक रूप से आपकी मदद भी करेंगी। इस मास १,२, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२० - इस महीने में कुंभ राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंध ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से पेट से जुड़ी कोई बीमारी परेशान कर सकती है। इसलिए अपने खानपान पर विशेष ध्यान दें। मुंह में छाले, घाव और नेत्र संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। कार्य स्थल पर आप कठिन परिश्रम करेंगे और आपको सफलता प्राप्त होगी। इस माह विरोधी आपको चोट पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे। इस माह आप अपना सारा उधार चुका देंगे और आपकी वित्तीय स्थिति में मजबूती आएगी। शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस मास ७, ८, १७, १८, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस महीने में कुंभ राशि वाले जातकों को को किसी भी तरह की आर्थिक चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि इस अवधि में उन्हें अच्छा लाभ होने की संभावना है। क्योंकि इस दौरान किए गए निवेश से अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आपने प्रॉपर्टी में कोई निवेश किया हो तो बड़ा लाभ मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, साथ ही जीवनसाथी की ओर से मिलने वाले आर्थिक योगदान से परिवार की आय में वृद्धि होगी। इस माह आपको व्यवसाय में भी सफलता मिलने के योग हैं। जो जातक साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं उन्हे साझेदार की मदद से लाभ की प्राप्ति होगी। इस मास आपके दयालु स्वभाव और मधुर वाणी के कारण आपकी प्रशंसा होगी। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मीन राशि (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

मार्च - इस माह परिवार में आपके पिता का मान और बढ़ेगा। घर में कोई विवाद की स्थिति बनती है तो उनके दखल देने से मामला शांत हो जाएगा। आपके जीवनसाथी वा विवाद घर के किसी बड़े सदस्य के साथ हो सकता है और यह बात आपको परेशानी कर सकती है। यदि आप पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव चाहते हैं तो इस तरह के घरेलू मुद्दों को बेहद परिपक्वता के साथ सुलझाएं। बच्चों के साथ स्नेह बढेगा। शांति और संयम के साथ काम लें अन्यथा परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर जा सकती है। इस माह बड़े भाई-बहनों के साथ भी आपके रिश्ते अच्छे रहने की संभावना कम है। इन सबके अलावा जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, साथ ही उनके खानपान पर भी ध्यान दें। इस मास २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - इस माह आर्थिक लाभ होने की संभावना दिखाई दे रही है लेकिन इस अवधि में व्यर्थ खर्च करने से बचें। आपके पिता को किसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। इस माह मानसिक तनाव अधिक होने की वजह से व्यावसायिक जीवन में आप थकान और परेशानी महसूस करेंगे। इस दौरान वरिष्ठों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें सुलझाने की आवश्यकता होगी वरना इस कारण से कार्यस्थल पर आपकी एकाग्रता भंग होगी। अपने काम में

गुणवत्ता लाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस माह आप ज्यादा प्रसन्न नहीं रहेंगे, इसलिए बीती हुई बातों को याद ना करें और आराम करें। क्योंकि ज्यादा सोचने और निराश होने से आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इस मास १, २, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - इस माह आपके पिता को सेहत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए उनकी खास देखभाल करें। जरा सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकती है। यदि बात करें आपकी प्रोफेशनल लाइफ की तो, इस माह सीनियर्स के साथ कुछ परेशानियां हो सकती हैं। इस माह अपने कार्यक्षेत्र में होने वाली परेशानियों का आपके व्यक्तिगत जीवन पर बुरा असर पड़ेगा। समझदारी से काम लेने की वजह से सब कुछ ठीक हो जाएगा। इस महीने मेडिकल संबंध ी खर्च अधिक होने की वजह से आपका बजट बिगड़ सकता है। हालांकि इस माह आपकी सेहत बहुत अच्छी रहने वाली है लेकिन फिर भी स्वास्थ्य को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतें। इस मास ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - यह महीना मीन राशि वाले लोगों के लिए बहुत ही सकारात्मक और अच्छा रहने वाला है। इस माह आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने सभी अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे। आपको लगातार सफलता मिलेगी और कठिन परिश्रम से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। इस माह आध्यात्मिक चिंतन को लेकर आपकी रुचि बढ़ेगी। महीने के उत्तरार्ध में व्यक्तिगत जीवन में सुधार होगा। इस दौरान सभी तरह की चिंताएं खत्म होंगी और परिजनों से स्नेह और सहयोग मिलेगा, विशेषकर परिवार के बड़े लोगों से। अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर योग करें। यह आपकी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। इस मास ५, ६, १४, १५, २२, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - आर्थिक पक्ष से भी यह महीना मीन राशि के लोगों के लिए अच्छा नहीं होगा। अचानक कोई आर्थिक नुकसान होने की वजह से वित्तीय स्थिति पर बुरा असर पड़ सकता है। इस अवधि में पैसा उधार देने और उधार लेने से बचें। इस माह मीन राशि के जातकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सेहत पर खासतौर से ध्यान देने की जरुरत होगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, क्योंकि दुर्घटना की आशंका नजर आ रही है। इन सबके अलावा आपके पारिवारिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है। इस दौरान गलतफहमी की वजह से विवाद की संभावना है, विशेषकर घर की महिलाओं से रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र मंह भी काम की अधिकता की वजह से आप व्यस्त और तनाव में रहेंगे। इस मास २, ३, ४,११, १२, १९, २०, २१, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - इस महीने में आपको व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। संतुलन की कमी की वजह से स्थिति और भी बिगड़ सकती है, इसलिए कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में खुशियों के लिए शांति और संतुलन बनाकर चलें। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए समृद्धशाली रहेगा और इस दौरान आपको अचानक कोई वित्तीय लाभ हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय भी अच्छे से चलता रहेगा और आमदनी बढ़ेगी। इस माह आमदनी अच्छी रहेगी लेकिन जीवन में खुशियों का अभाव रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी समय अच्छा नहीं है। वैवाहिक जीवन में कुछ बड़े समस्याएं आ सकती हैं, जिन्हें बहुत ही नरमी के साथ हल करने की कोशिश करनी होगी अन्यथा आपको कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है। इस मास ८, ९, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - आर्थिक लिहाज से यह महीना आपके लिए सामान्य रहने वाला है। इस अवधि में यदि आप कोई बड़ा निवेश करने के बारे में

सोच रहे तो रुक जाएं। क्योंकि यह समय इस काम के लिए उपयुक्त नहीं है। इस माह अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। पेट संबंधी कुछ रोगों से पीड़ित रह सकते हैं। यदि आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो अपनी संयमित जीवनशैली और स्वच्छ भोजन की आदत डालें। अपने कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में जल्दबाजी में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें, क्योंकि ऐसा करना आपके लिए घातक साबित हो सकता है। आपके व्यक्तिगत जीवन में विवाद और अशांति रह सकती है। इस मास ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - यह महीना आपके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहेगा। मानसिक तनाव और क्रोध की अधिकता से हालात और भी खराब होने की संभावना है। इस दौरान बड़े भाई-बहनों से विवाद हो सकता है। आपके कड़वे शब्द और बेवजह के विवादों में उलझने से लोग आपकी निंदा करेंगे। कुल मिलाकर शांतिपूर्ण जीवन के लिए इस माह आपको अपने क्रोध और स्वभाव पर नियंत्रण रखना होगा। माह के उत्तरार्ध में बच्चों की शिक्षा में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, इसलिए आपको उनको अतिरिक्त समय देना होगा। किन बच्चों से दोस्ती की जाए इस बात को भी लेकर उन्हें आपसे सलाह की आवश्यकता होगी वरना ऐसा भी हो सकता है कि वे गलत संगत में पड़ जाएं। इस मास १, २, १०, ११, १९, २०, २८, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - इस माह मीन राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दें। क्योंकि किसी भी तरह की लापरवाही कष्टकारक हो सकती है। इस महीने आप घर पर हालात को बेहतर करने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश करेंगे। वहीं कार्य स्थल पर भी आप सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। जून के महीने में आपके व्यक्तिगत संबंधों में कुछ बदलाव होंगे और नए रिश्ते बनने की भी संभावना है। महिला जातकों को प्रेम-प्रसंग में आनी वाली परेशानियों को लेकर सावधान रहना होगा। क्योंकि संभव है कि प्रेम-प्रसंग के मामले में धोखा हो जाएं। इस दौरान संबंध टूट भी सकते हैं। इस मास ६, ७, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - मीन राशि के जातक इस माह कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। कार्यस्थल पर आपकी कड़ी मेहनत और बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए आपको पदोन्नति प्राप्त हो सकती है, साथ ही कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जो जातक व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस माह अप्रत्याशित मौद्रिक लाभ मिल सकता है। इस माह आपकी रुचि कलात्मक कार्यों के प्रति ज्यादा रहेगी और विभिन्न कलात्मक गतिविधियों में शामिल होंगे। आपके बड़े भाई-बहनों के लिए यह समय बेहद समृद्धशाली रहेगा और परिवार में उनकी स्थिति और मजबूत होगी। इस मास ३, ४, [illegible], १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०२[illegible] [illegible] माह में मीन राशि के जातकों को अपनी भाषा और शब्दों पर वि[illegible]ष [illegible]न देने की आवश्यकता है। क्योंकि इस कारण गलतफहमी होने की आशंका बन रही है। इस माह आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेंगे। यदि आप अपने व्यापार का विस्तार करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा और आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव होने से आप थोड़ा तनाव अनुभव करेंगे। इस मास में बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके बारे में ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन उनका ध्यान अवश्य ही रखना होगा। इस मास १,९, १०, ११,१९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस महीने आपके व्यापारिक क्षेत्र में बहुत से सकारात्मक बदलाव होंगे। आपके काम और कठिन परिश्रम की प्रशंसा की जाएगी। ऐसे में यदि आप नौकरी में हैं तो इस माह आपको पदोन्नति मिलने की

संभावना है। कार्य की अधिकता के चलते तनाव नहीं लें अन्यथा आप आत्मविश्वास की कमी अनुभव कर सकते हैं। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और आप कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। स्वभाव में उग्रता अधिक रहने से विषम परिस्थितियां उत्पन्न होंगी और कुछ लोग आपके विरोधी बन जाएंगे, अतः आप अपने मित्रवत व्यवहार और मधुर भाषा से संबंध बनाये रखने का प्रयास करें नेत्र से संबंधी पीड़ा आपको परेशान कर सकती है। इस मास ५, ६, ७, १५, १६, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

ग्रहण विवरण 2019-20

वि.सं. 2076(2019-20 ई.) में समस्त विश्व में 02 सूर्यग्रहण व 01 चन्द्रग्रहण दिखाई देंगे। 01 विरलाभास सूर्यग्रहण भी इस वर्ष है जिसका विश्व में प्रत्यक्ष दृश्य न होने से धार्मिक महत्व नही है। इस वर्ष केवल 1 चन्द्रग्रहण व 1 सूर्यग्रहण ही भारत में दृश्यमान होगें। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

1. भारत में अदृश्य सूर्यग्रहण (2 जुलाई 2019) - यह सूर्य ग्रहण दिनांक 2 जुलाई 2019 ई. को दक्षिणी प्रशान्त महासागर, पूर्वी न्यूजीलैण्ड, चिली देश के कोक्यूम्बियो क्षेत्र तथा अर्जेन्टीना में सूर्यास्त से कुछ पूर्व (लगभग साढ़े चार मिनट) ही दृष्टिगोचर होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण इसके सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं हैं।

2. भारत में दृश्य खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (16 जुलाई 2019 ई.)- यह चन्द्र ग्रहण सम्पूर्ण भारत में दृश्य होगा। इस ग्रहण का आरम्भ रात्रि 25:31 से होगा। ग्रहण मध्यकाल 27:00 बजे रहेगा। ग्रहण की समाप्ति 28:29 पर होगी। इस प्रकार कुल 2घण्टा 58 मिनट ग्रहण का स्थितिकाल रहेगा। इस ग्रहण का सूतक 16 जुलाई 2019 ई. को 16:31 (अर्थात् दिन में 04:31) बजे से आरम्भ हो जायेगा। सूतक काल में शिशुओं, गर्भवती महिलाओं, वृद्धों एवं निःशक्त व्यक्तियों को छोडकर अन्य को भोजनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण समय में स्नान, जप, दान इत्यादि का अत्यधिक महत्व धर्मशास्त्रों में कहा गया है। ग्रहण का स्पर्श व मध्यकाल धनु राशि (क्योंकि उ.षा. का प्रथम चरण 27:07 बजे तक है) में रहेगा। जबकि मोक्ष मकर राशि में होगा। ग्रहण का स्थितिकाल उत्तराषाढा नक्षत्र में है अतः इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता के अनुसार धनुराशि में ग्रहण होने पर मन्त्री, प्रधान मनुष्य, विदेह देश (मिथिला),पंजाब देश में निवास करने वाले मनुष्य, पहलवान, वैद्य, व्यापारी, कठोर अस्त्र प्रयोग जानने व करने वालों के लिए हानिकारक होता है। यथा -

धन्विन्यमात्यवरवाजिविदेहमल्लान्

पांचालवैद्यवणिजो विषमायुधज्ञान्। (राहुचारा. श्लोक 41)।

धनु राशि में ग्रहण होने के कारण सभी राशियों के लिए इसका शुभाशुभ निम्नप्रकार से है -

मेष - रोग, अपमान एवं व्ययाधिक्य
वृष - चिन्ता एवं कष्ट
मिथुन - स्त्री/ पति कष्ट व अपमान
कर्क - कार्यसिद्धि व सुख
सिंह - सन्तति कष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय
कन्या - कष्ट व अपमान
तुला - कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
वृश्चिक- धनहानि व पारिवारिक कलह
धनु - चोटभय एवं कष्ट
मकर - धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
कुम्भ - धनलाभ एवं कार्यसिद्धि
मीन - शारीरिक व पारिवारिक सुख

इसी प्रकार मकरराशि में भी ग्रहण होने के कारण यह ग्रहण मछलियों, मन्त्रिवर्ग व उनके परिवार, नीचकर्म करने वालों, मन्त्रौषधि का

ज्ञान रखने वालों, वृद्धों तथा शस्त्रधारियों के लिए कष्टकारी है। यथा -

हन्यान्मृगे तु झषमन्त्रिकुलानि नीचान्।

मन्त्रौषधीषु कुशलान् स्थविरायुधीयान्। (राहुचारा. श्लोक 41)

मकरराशि में भी ग्रहण का प्रभाव होने के कारण सभी राशियों के लिए इसका शुभाशुभ निम्नप्रकार से है -

मेष - शारीरिक व पारिवारिक सुख
वृष - रोग, अपमान एवं व्ययाधिक्य
मिथुन - चिन्ता एवं कष्ट
कर्क - स्त्री/ पति कष्ट व अपमान
सिंह - कार्यसिद्धि व सुख
कन्या - सन्तति कष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय
तुला - कष्ट व अपमान
वृश्चिक- कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
धनु - धनहानि व पारिवारिक कलह
मकर - चोटभय एवं कष्ट
कुम्भ - धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
मीन - धनलाभ एवं कार्यसिद्धि

3. भारत में दृश्य खण्डग्रास सूर्य ग्रहण (26 दिसम्बर 2019 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 26 दिसम्बर 2019 ई. को भारतीय मानक समयानुसार गढवाल में प्रात: 08:21 बजे ग्रहण का स्पर्श होगा। ग्रहण मध्यकाल 09:34 बजे रहेगा। ग्रहण की समाप्ति 10:58 पर होगी। इस प्रकार कुल 2घण्टा 37 मिनट ग्रहण का स्थितिकाल रहेगा। इस ग्रहण का सूतक 25 दिसम्बर 2019 ई. को 20:21 बजे (अर्थात् रात्रि 08 बजकर 21 मिनट) से आरम्भ हो जायेगा। सूतक काल में शिशुओं, गर्भवती महिलाओं, वृद्धों एवं नि:शक्त व्यक्तियों को छोडकर अन्य को भोजनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण समय में स्नान, जप, दान इत्यादि का अत्यधिक महत्व धर्मशास्त्रों में कहा गया है। ग्रहण धनु राशि एवं मूल नक्षत्र में है अत: इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता (राहुचारा. श्लोक 41)के अनुसार -

धन्विन्यमात्यवरवाजिविदेहमल्लान्

पांचालवैद्यवणिजो विषमायुधज्ञान्।

अर्थात् धनुराशि में ग्रहण होने पर मन्त्री, प्रधान मनुष्य, विदेह देश (मिथिला),पंजाब देश में निवास करने वाले मनुष्य, पहलवान, वैद्य, व्यापारी, कठोर अस्त्र प्रयोग जानने व करने वालों के लिए हानिकारक होता है। सभी राशियों के लिए इसका शुभाशुभ निम्नप्रकार से है -

मेष - रोग, अपमान एवं व्ययाधिक्य
वृष - चिन्ता एवं कष्ट
मिथुन - स्त्री/ पति कष्ट व अपमान
कर्क - कार्यसिद्धि व सुख
सिंह - सन्तति कष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय
कन्या - कष्ट व अपमान
तुला - कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
वृश्चिक- धनहानि व पारिवारिक कलह
धनु - चोटभय एवं कष्ट
मकर - धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
कुम्भ - धनलाभ एवं कार्यसिद्धि
मीन - शारीरिक व पारिवारिक सुख

4. भारत में अदृश्य चन्द्रग्रहण (10 जनवरी 2020 ई.)- दिनांक 10 जनवरी 2020 ई. को भारतीय मानक समयानुसार 17: 08 से 21:12 बजे के बीच विरलाभास सूर्यग्रहण होगा। यह विरलाभास ग्रहण दिखाई न देने के कारण इसमें सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं हैं।

बहुफलं जपदानहुतादिके स्मृतिपुराणविद: प्रवदन्ति हि।
सदुपयोगि जने सचमत्कृति: ग्रहणमिन्दिनयो: कथयाम्यत:।।

ग्रहों का राशि प्रवेशकाल विचार

2019-20 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष	14/04/2019	14:17
वृष	15/05/2019	11:11
मिथुन	15/06/2019	17:51
कर्क	16/07/2019	28:38
सिंह	17/08/2019	13:03
कन्या	17/09/2019	13:01
तुला	17/10/2019	24:59
वृश्चिक	16/11/2019	24:46
धनु	16/12/2019	15:24
मकर	14/01/2020	26:08
कुम्भ	13/02/2020	15:07
मीन	14/03/2020	11:58

मंगल राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मिथुन	06/05/2019	29:23
कर्क	22/06/2019	22:05
सिंह	08/08/2019	27:48
कन्या	24/09/2019	29:45
तुला	10/11/2019	13:48
वृश्चिक	25/12/2019	21:05
धनु	07/02/2020	27:40
मकर	22/03/2020	14:49

बुध राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मीन	12/04/2019	07:28
मेष	03/05/2019	18:38
वृष	18/05/2019	23:26
मिथुन	01/06/2019	23:22
कर्क	20/06/2019	26:16
मिथुन(वक्री)	29/07/2019	19:22
कर्क	03/08/2019	20:21
सिंह	26/08/2019	14:27
कन्या	10/09/2019	28:37
तुला	29/09/2019	12:35
वृश्चिक	23/10/2019	17:36
तुला (वक्री)	07/11/2019	15:19
वृश्चिक	05/12/2019	11:46
धनु	25/12/2019	15:38
मकर	13/01/2020	11:16
कुम्भ	30/01/2020	26:21

गुरु राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
वृश्चि.(वक्री)	20/04/2019	27:08
धनु	05/11/2019	09:47

शुक्र राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मीन	15/04/2019	25:24
मेष	10/05/2019	19:35
वृष	04/06/2019	11:29
मिथुन	28/06/2019	25:24
कर्क	23/07/2019	12:36
सिंह	16/08/2019	20:18
कन्या	09/09/2019	25:09
तुला	03/10/2019	28:43
वृश्चिक	28/10/2019	08:05
धनु	21/11/2019	11:43
मकर	15/12/2019	17:01
कुम्भ	08/01/2020	27:36
मीन	02/02/2020	26:12
मेष	28/02/2020	25:24

शनि राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मकर	24/01/2020	22:17

राहु/केतु राशि प्रवेश

इस वर्ष राहु आरम्भ से वर्षान्त तक मिथुन राशि में रहेगा। इसी प्रकार केतु भी वर्षारम्भ से वर्षान्त तक धनु राशि में रहेगा।

ग्रहों का नक्षत्र प्रवेशकाल विचार

2019-20 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
अश्विनी	14/04/2019	14:17
भरणी	28/042019	06:07
कृत्तिका	11/05/2019	24:08
रोहिणी	25/05/2019	20:32
मृगशिरा	08/06/2019	18:23
आर्द्रा	22/06/2019	17:23
पुनर्वसु	06/07/2019	16:57
पुष्य	20/07/2019	16:29
आश्लेषा	03/08/2019	15:21
मघा	17/08/2019	13:03
पू.फा.	31/08/2019	09:02
उ.फा.	13/09/2019	26:54
हस्त	27/09/2019	18:26
चित्रा	11/10/2019	07:26
स्वाती	24/10/2019	17:56
विशाखा	06/11/2019	26:04
अनुराधा	20/11/2019	08:06
ज्येष्ठा	03/12/2019	12:24
मूल	16/12/2019	15:24
पू.षा.	29/12/2019	17:39
उ.षा.	11/01/2020	19:37
श्रवण	24/01/2020	21:55
धनिष्ठा	06/02/2020	25:04
शतभिषा	19/02/2020	29:34
पू.भा.	04/03/2020	11:51
उ.भा.	17/03/2020	20:17

मंगल नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
रोहिणी	06/04/2019	16:13
मृगशिरा	26/04/2019	23:28
आर्द्रा	17/05/2019	12:34
पुनर्वसु	07/06/2019	06:19
पुष्य	27/06/2019	27:42
आश्लेषा	18/07/2019	27:22
मघा	08/08/2019	27:48
पू.फा.	29/08/2019	27:26
उ.फा.	19/09/2019	24:52
हस्त	10/10/2019	18:56
चित्रा	31/10/2019	08:43
स्वाती	20/11/2019	17:39
विशाखा	10/12/2019	21:32
अनुराधा	30/12/2019	20:19
ज्येष्ठा	19/01/2020	14:15
मूल	07/02/2020	27:40
पू.षा.	27/02/2020	13:08
उ.षा.	17/03/2020	19:33

बुध नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
उ.भा.	15/04/2019	09:38
रेवती	25/04/2019	12:45
अश्विनी	03/05/2019	18:38
भरणी	10/05/2019	22:28
कृत्तिका	17/05/2019	10:09
रोहिणी	23/05/2019	13:18
मृगशिरा	29/05/2019	17:17
आर्द्रा	05/06/2019	10:36
पुनर्वसु	13/06/2019	10:00
पुष्य	24/06/2019	07:56
पुनर्वसु(वक्री)	22/07/2019	28:28
पुष्य	09/08/2019	13:08
आश्लेषा	19/08/2019	11:51

नक्षत्र	दिनांक	समय
मघा	26/08/2019	14:27
पू.फा.	02/09/2019	08:07
उ.फा.	09/09/2019	08:36
हस्त	16/09/2019	22:23
चित्रा	24/09/2019	27:37
स्वाती	03/10/2019	26:25
विशाखा	13/10/2019	27:38
अनुराधा	29/10/2019	15:37
विशा.(वक्री)	02/11/2019	16:30
स्वाती(वक्री)	15/11/2019	20:12
विशाखा	26/11/2019	19:57
अनुराधा	07/12/2019	21:12
ज्येष्ठा	16/12/2019	22:07
मूल	25/12/2019	15:38
पू.षा.	02/01/2020	28:17
उ.षा.	11/01/2020	10:46
श्रवण	19/01/2020	10:04
धनिष्ठा	26/01/2020	28:16

नक्षत्र	दिनांक	समय
शतभिषा	03/02/2020	29:20
धनि.(वक्री)	03/03/2020	27:24
शतभिषा	17/03/2020	21:00

गुरु नक्षत्र प्रवेश

मूल	05/11/2019	09:47
पू.षा.	04/01/2020	19:53
उ.षा.	08/03/2020	11:33

शुक्र नक्षत्र प्रवेश

पू.भा.	07/04/2019	18:37
उ.भा.	18/04/2019	19:34
रेवती	29/04/2019	19:51
अश्विनी	10/05/2019	19:35
भरणी	21/05/2019	18:53
कृत्तिका	01/06/2019	17:48
रोहिणी	12/06/2019	16:21
मृगशिरा	23/06/2019	14:30
आर्द्रा	04/07/2019	12:10
पुनर्वसु	15/07/2019	09:14

नक्षत्र	दिनांक	समय
पुष्य	26/07/2019	05:38
आश्लेषा	06/08/2019	25:18
मघा	16/08/2019	20:18
पू.फा.	27/08/2019	14:44
उ.फा.	07/09/2019	08:43
हस्त	17/09/2019	26:24
चित्रा	28/09/2019	19:58
स्वाती	09/10/2019	13:28
विशाखा	20/10/2019	06:58
अनुराधा	30/10/2019	24:28
ज्येष्ठा	10/11/2019	18:02
मूल	21/11/2019	11:43
पू.षा.	01/12/2019	29:43
उ.षा.	12/12/2019	24:15
श्रवण	23/12/2019	19:41

नक्षत्र	दिनांक	समय
धनिष्ठा	03/01/2020	16:30
शतभिषा	14/01/2020	15:15
पू.भा.	25/01/2020	16:44
उ.भा.	05/02/2020	21:53
रेवती	17/02/2020	08:03
अश्विनी	28/02/2020	25:24
भरणी	11/03/2020	29:34
कृत्तिका	24/03/2020	27:42

शनि नक्षत्र प्रवेश

उ.षा.	27/12/2019	14:26

राहु नक्षत्र प्रवेश

आर्द्रा	12/09/2019	18:31

केतु नक्षत्र प्रवेश

पू.षा.	08/05/2019	12:45
मूल	15/01/2020	25:41

उदये राज्यदा खोटा: वक्रे देशाटनप्रदा:।
मार्गे चारोग्यकर्तार: ह्रस्ते मानार्थनाशका:।।

विक्रम संवत् 2076 (ई०सन् 2019-20) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वासन्तिक नवरात्रारम्भ	06/04/19	बगुलामुखी जयन्ती	07/05/19	स्कन्द षष्ठी	08/06/19
मत्स्य जयन्ती	08/04/19	गौरी पूजा	07/05/19	विन्ध्यवासिनी पूजन	08/06/19
गणगौरी तृतीया	08/04/19	मातंगी जयन्ती	07/05/19	आरण्यक गौरी व्रत	10/06/19
सौभाग्य गौरीव्रतम्	08/04/19	आदिगुरु शंकराचार्य जयन्ती	09/05/19	मेला क्षीर भवानी	10/06/19
विनायक चतुर्थी व्रतम्	09/04/19	रामानुजाचार्य जयन्ती	10/05/19	गंगा दशहरा	12/06/19
श्री पंचमी	10/04/19	चन्दन षष्ठी	10/05/19	रामेश्वर प्रतिष्ठा	12/06/19
रामराज्य महोत्सव	10/04/19	गंगोत्पत्ति	11/05/19	गायत्री जयन्ती	12/06/19
स्कन्द षष्ठी	11/04/19	चण्डिका पूजन	12/05/19	चम्पक द्वादशी	14/06/19
दुर्गाष्टमी व्रत	13/04/19	सीता जयन्ती	13/05/19	त्रिविक्रम द्वादशी	14/06/19
रामनवमी	13/04/19	मधुसूदन द्वादशी	16/05/19	वटसावित्री व्रत पूर्णिमा	17/06/19
नवरात्र समाप्त	14/04/19	छिन्नमस्ता जयन्ती	17/05/19	कबीर दास जयन्ती	17/06/19
वैशाखी	14/04/19	नृसिंह जयन्ती	17/05/19	शीतला अष्टमी	25/06/19
देवी विसर्जन	15/04/19	नारद जयन्ती	18/05/19	भौमवती अमावस्या	02/07/19
धर्मराज दशमी	15/04/19	कूर्म जयन्ती	18/05/19	गुप्त नवरात्रारम्भ	03/07/19
वामन द्वादशी	16/04/19	बुद्ध पूर्णिमा	18/05/19	श्री जगन्नाथ यात्रा	04/07/19
अनंग त्रयोदशी	17/04/19	सम्पद्गौरी व्रत	18/05/19	स्कन्द/कुमार षष्ठी	07/07/19
महावीर जयन्ती	17/04/19	भानू सप्तमी	26/05/19	विवस्वत् सप्तमी	08/07/19
नृसिंह दोलोत्सव	18/04/19	शीतला अष्टमी	26/05/19	महिषासुरमर्दिनी पूजा	09/07/19
अनसूया जयन्ती	23/04/19	वट सावित्री व्रत अमा.	03/06/19	मेला शरीक भवानी	10/07/19
कोकिला षष्ठी	25/04/19	भावुका अमावस्या	03/06/19	भडरी नवमी	10/07/19
शीतला अष्टमी	27/04/19	सोमवती अमावस्या	03/06/19	गुप्त नवरात्र समाप्त	10/07/19
शनैश्चरी अमावस्या	04/05/19	शनैश्चर जयन्ती	03/06/19	वासुदेव द्वादशी	13/07/19
शिवाजी जयन्ती	07/05/19	रम्भा तृतीया	06/06/19	कोकिला व्रत	16/07/19
परशुराम जयन्ती	07/05/19	महाराणाप्रताप जयन्ती	06/06/19	गुरु/व्यास पूर्णिमा	16/07/19
अक्षय तृतीया	07/05/19	महादेव विवाह	07/06/19	शीतला सप्तमी	24/07/19

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
हरियाली अमावस्या	01/08/19	दशावतार व्रत	08/09/19	महानवमी व्रत	07/10/19
सिन्धारा व्रत	02/08/19	शक्र द्वादशी	10/09/19	विजया दशमी	08/10/19
मधुश्रवा तृतीया	03/08/19	अनन्तचतुर्दशी व्रत	12/09/19	शरद पूर्णिमा	13/10/19
नाग पंचमी	05/08/19	प्रतिपदा का श्राद्ध	14/09/19	कार्तिक स्नान प्रारम्भ	13/10/19
श्री कल्की जयन्ती	06/08/19	द्वितीया का श्राद्ध	15/09/19	वाल्मीकि जयन्ती	13/10/19
शीतला सप्तमी (सिंध)	07/08/19	तृतीया का श्राद्ध	17/09/19	करवाचौथ व्रत	17/10/19
श्री तुलसी दास जयन्ती	07/08/19	चतुर्थी का श्राद्ध	18/09/19	अहोई अष्टमी	21/10/19
कौमारी देवी पूजा	08/08/19	पंचमी का श्राद्ध	19/09/19	राधा जयन्ती	21/10/19
दधिव्रत	10/08/19	षष्ठी का श्राद्ध	20/09/19	गोवत्स द्वादशी	25/10/19
दामोदर द्वादशी	12/08/19	सप्तमी का श्राद्ध	21/09/19	धनवन्तरी जयन्ती	25/10/19
स्वतन्त्रता दिवस	15/08/19	अष्टमी का श्राद्ध	22/09/19	धनतेरस	25/10/19
रक्षा बन्धन	15/08/19	जीवित पुत्रिका व्रत	22/09/19	नरक चतुर्दशी	26/10/19
कज्जली तृतीया	18/08/19	नवमी का श्राद्ध	23/09/19	दीपावली	27/10/19
ललही छठ	21/08/19	मातृ नवमी	23/09/19	महालक्ष्मी पूजा	27/10/19
हल षष्ठी	21/08/19	दशमी का श्राद्ध	24/09/19	यम तर्पण	28/10/19
वलराम जयन्ती	21/08/19	एकादशी का श्राद्ध	25/09/19	अन्नकूट	28/10/19
श्रीकृष्णजन्माष्टमी स्मा.	23/08/19	द्वादशी का श्राद्ध	25/09/19	गोवर्धन पूजा	28/10/19
श्रीकृष्णजन्माष्टमी वै.	24/08/19	त्रयोदशी का श्राद्ध	26/09/19	विश्वकर्मा पूजा	28/10/19
कुशोत्पाटिनी अमावस्या	30/08/19	चतुर्दशी का श्राद्ध	27/09/19	भैयादूज, यमद्वितीया	29/10/19
हरितालिका तीज	01/09/19	अमावस्या का श्राद्ध	28/09/19	सूर्यषष्ठी व्रत	02/11/19
ऋषि पंचमी	03/09/19	सर्व पितृ विसर्जन	28/09/19	अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी	05/11/19
लोलार्क षष्ठी	04/09/19	शारदीय नवरात्रारम्भ	29/09/19	हरिप्रबोधिनी एकादशी	08/11/19
शिक्षक दिवस	05/09/19	कलश स्थापना	29/09/19	तुलसी विवाह	08/11/19
नन्दा देवी पूजा	06/09/19	उपांगललिता व्रत	03/10/19	वैकुण्ठ चतुर्दशी	10/11/19
राधा अष्टमी	06/09/19	सरस्वती आवाहन	05/10/19	विश्वनाथ स्थापना दिवस	11/11/19
दूर्वा अष्टमी	06/09/19	महानिशा पूजा	05/10/19	गुरु नानक जयन्ती	12/11/19
अदु:ख नवमी	07/09/19	महाष्टमी व्रत	06/10/19	देव दीपावली	12/11/19

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
कार्तिकव्रत पारणा	13/11/19	माघी (हिमाचल)	15/01/20	सीता पूजन	03/03/20
बालदिवस, नेहरूजयन्ती	14/11/19	तिल संक्रान्ति	15/01/20	दुर्गाष्टमी	03/03/20
कालभैरवाष्टमी	19/11/19	तिल द्वादशी	21/01/20	फल्गु दशमी	05/03/20
रुक्मिणी व्रत	19/11/19	सुभाष जय.	23/01/20	रंगभरी एकादशी	06/03/20
कार्त्तिक पूजा बंगाल	26/11/19	मौनी अमावस्या	24/01/20	गोविन्द द्वादशी	07/03/20
रुद्रव्रत	27/11/19	शिशिर गुप्त नवरात्रारम्भ	25/01/20	कामदहन चतुर्दशी	08/03/20
रम्भा व्रत	28/11/19	गणतन्त्र दिवस	26/01/20	होलिकादहन	09/03/20
रामविवाहोत्सव	01/12/19	गौरी तृतीया व्रत	27/01/20	होलिकाष्टक समाप्ति	09/03/20
संहार षष्ठी	02/12/19	तिल चतुर्थी	29/01/20	चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती	09/03/20
मल्लार षष्ठी	02/12/19	वसन्त पंचमी	30/01/20	होली (धुलैण्डी)	10/03/20
चम्पा षष्ठी	02/12/19	सरस्वती पूजा	30/01/20	होलिका भस्मधारण	10/03/20
महानवमीव्रत	05/12/19	श्रीपंचमी	30/01/20	वसन्तोत्सव	10/03/20
गीता जयन्ती	08/12/19	मदनपंचमी	30/01/20	आम्रकलिका प्राशन	10/03/20
मत्स्य द्वादशी	08/12/19	रथसप्तमी	01/02/20	रंग पंचमी	13/03/20
अखण्ड द्वादशी	09/12/19	अभोज्यार्कव्रत	01/02/20	मेला नौचंदी प्रारम्भ(मेरठ)	13/03/20
श्रीदत्त जयन्ती	11/12/19	भीमाष्टमी	02/02/20	स्कन्द षष्ठी	14/03/20
अष्टका श्राद्ध	19/12/19	नन्दिनीदेवी पूजन	03/02/20	एकनाथ षष्ठी	14/03/20
सुरूपद्वादशी	23/12/19	भक्त पुण्डरीक उत्सव	05/02/20	व्यष्टका श्राद्ध	15/03/20
पौषी अमावस्या	26/12/19	सन्तान द्वादशी	06/02/20	मेला नौचंदी समाप्त(मेरठ)	15/03/20
बकुला अमावस्या	26/12/19	माघस्नान समाप्ति	09/02/20	शीतला पूजा/बासोड़ा	16/03/20
कूर्मद्वादशी	07/01/20	सन्त रैदास जयन्ती	09/02/20	अष्टकाश्राद्ध	16/03/20
माघस्नानारम्भ	10/01/20	महाशिवरात्रि व्रत	21/02/20	अन्वष्टका श्राद्ध	17/03/20
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12/01/20	ब्रह्म पूजा	23/02/20	शनि प्रदोष व्रत	21/03/20
लोहड़ी (मासान्त)	14/01/20	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	25/02/20	वारुणी योग	22/03/20
खिचडी संक्रान्ति	15/01/20	पुत्र गणपति व्रत	27/02/20	चैती अमावस्या	24/03/20
पोंगल(द.भा.)	15/01/20	कामदा सप्तमी व्रत	02/03/20	मेला पेहवा	24/03/20
बिहू (आसाम)	15/01/20	होलाष्टक प्रारम्भ	03/03/20	विक्रम संवत् समाप्ति	24/03/20

विक्रम संवत् 2075 (ई०सन् 2018-19) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

विनायक चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	09/04/19
वैशाख	शुक्ल	08/05/19
ज्येष्ठ	शुक्ल	06/06/19
आषाढ	शुक्ल	06/07/19
श्रावण	शुक्ल	04/08/19
भाद्रपद	शुक्ल	02/09/19
आश्विन	शुक्ल	02/10/19
कार्तिक	शुक्ल	31/10/19
मार्गशीर्ष	शुक्ल	30/11/19
पौष	शुक्ल	30/12/19
माघ	शुक्ल	29/01/20
फाल्गुन	शुक्ल	27/02/20

संकष्ट चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	22/04/19
ज्येष्ठ	कृष्ण	22/05/19
आषाढ	कृष्ण	20/06/19
श्रावण	कृष्ण	20/07/19
भाद्रपद	कृष्ण	19/08/19
आश्विन	कृष्ण	17/09/19
कार्तिक	कृष्ण	17/10/19
मार्गशीर्ष	कृष्ण	15/11/19
पौष	कृष्ण	15/12/19
माघ	कृष्ण	13/01/20
फाल्गुन	कृष्ण	12/02/20
चैत्र	कृष्ण	12/03/20

दुर्गाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	13/04/19
वैशाख	शुक्ल	12/05/19
ज्येष्ठ	शुक्ल	10/06/19
आषाढ	शुक्ल	09/07/19
श्रावण	शुक्ल	08/08/19
भाद्रपद	शुक्ल	06/09/19
आश्विन	शुक्ल	06/10/19
कार्तिक	शुक्ल	04/11/19
मार्गशीर्ष	शुक्ल	04/12/19
पौष	शुक्ल	03/01/20
माघ	शुक्ल	02/02/20
फाल्गुन	शुक्ल	03/03/20

कालाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	26/04/19
ज्येष्ठ	कृष्ण	26/05/19
आषाढ	कृष्ण	25/06/19
श्रावण	कृष्ण	24/07/19
भाद्रपद	कृष्ण	23/08/19
आश्विन	कृष्ण	21/09/19
कार्तिक	कृष्ण	21/10/19
मार्गशीर्ष	कृष्ण	19/11/19
पौष	कृष्ण	18/12/19
माघ	कृष्ण	16/01/20
फाल्गुन	कृष्ण	15/02/20
चैत्र	कृष्ण	16/03/20

मास शिवरात्रि व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	03/05/19
ज्येष्ठ	कृष्ण	01/06/19
आषाढ	कृष्ण	01/07/19
श्रावण	कृष्ण	30/07/19
भाद्रपद	कृष्ण	28/08/19
आश्विन	कृष्ण	27/09/19
कार्तिक	कृष्ण	26/10/19
मार्गशीर्ष	कृष्ण	24/11/19
पौष	कृष्ण	24/12/19
माघ	कृष्ण	23/01/20
फाल्गुन	कृष्ण	21/02/20
चैत्र	कृष्ण	22/03/20

एकादशी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल स्मा.	15/04/19
चैत्र	शुक्ल वै.	16/04/19
वैशाख	कृष्ण	30/04/19
वैशाख	शुक्ल	15/05/19
ज्येष्ठ	कृष्ण	30/05/19
ज्येष्ठ	शुक्ल	13/06/19
आषाढ	कृष्ण	29/06/19
आषाढ	शुक्ल	12/07/19
श्रावण	कृष्ण	28/07/19

विक्रम संवत् 2074 (ई०सन् 2017-18) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

मास	पक्ष	दिनांक	मास	पक्ष	दिनांक	मास	पक्ष	दिनांक
श्रावण	शुक्ल	11/08/19	ज्येष्ठ	कृष्ण	31/05/19	आषाढ	शुक्ल	16/07/19
भाद्रपद	कृष्ण (स्मा.)	26/08/19	ज्येष्ठ	शुक्ल	14/06/19	श्रावण	शुक्ल	14/08/19
भाद्रपद	कृष्ण (वै.)	27/08/19	आषाढ	कृष्ण	30/06/19	भाद्रपद	शुक्ल	13/09/19
भाद्रपद	शुक्ल	09/09/19	आषाढ	शुक्ल	14/07/19	आश्विन	शुक्ल	13/10/19
आश्विन	कृष्ण	25/09/19	श्रावण	कृष्ण	29/07/19	कार्तिक	शुक्ल	12/11/19
आश्विन	शुक्ल	09/10/19	श्रावण	शुक्ल	12/08/19	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11/12/19
कार्तिक	कृष्ण	24/10/19	भाद्रपद	कृष्ण	28/08/19	पौष	शुक्ल	10/01/20
कार्तिक	शुक्ल	08/11/19	भाद्रपद	शुक्ल	11/09/19	माघ	शुक्ल	08/02/20
मार्गशीर्ष	कृष्ण (स्मा.)	22/11/19	आश्विन	कृष्ण	26/09/19	फाल्गुन	शुक्ल	09/03/20
मार्गशीर्ष	कृष्ण (वै.)	23/11/19	आश्विन	शुक्ल	11/10/19			
मार्गशीर्ष	शुक्ल	08/12/19	कार्तिक	कृष्ण	25/10/19			
पौष	कृष्ण	22/12/19	कार्तिक	शुक्ल	09/11/19			
पौष	शुक्ल(स्मा./वै.)	06/01/20	मार्गशीर्ष	कृष्ण	24/11/19			
पौष	शुक्ल (निम्बा.)	07/01/20	मार्गशीर्ष	शुक्ल	09/12/19			
माघ	कृष्ण(स्मा./वै.)	20/01/20	पौष	कृष्ण	23/12/19			
माघ	कृष्ण(निम्बा.)	21/01/20	पौष	शुक्ल	08/01/20			
माघ	शुक्ल	05/02/20	माघ	कृष्ण	22/01/20			
फाल्गुन	कृष्ण	19/02/20	माघ	शुक्ल	07/02/20			
फाल्गुन	शुक्ल	06/03/20	फाल्गुन	कृष्ण	20/02/20			
चैत्र	कृष्ण(स्मा./वै.)	19/03/20	फाल्गुन	शुक्ल	07/03/20			
चैत्र	कृष्ण(निम्बा.)	20/03/20	चैत्र	कृष्ण	21/03/20			

प्रदोष व्रत

चैत्र	शुक्ल	17/04/19
वैशाख	कृष्ण	02/05/19
वैशाख	शुक्ल	16/05/19

पूर्णिमा व्रत

चैत्र	शुक्ल	18/04/19
वैशाख	शुक्ल	18/05/19
ज्येष्ठ	शुक्ल	16/06/19

सूर्यसंक्रान्ति पुण्यकाल

राशि	दिनांक	समय
मेष	14/04/19	10:17 से
वृष	15/05/19	11:11 तक
मिथुन	15/06/19	17:51 से
कर्क	17/07/19	मध्याह्न तक
सिंह	17/08/19	13:03 तक
कन्या	17/09/19	13:10 से
तुला	18/10/19	10:23 तक
वृश्चिक	17/11/19	मध्याह्न तक
धनु	16/12/19	15:24 से
मकर	15/01/20	मध्याह्न तक
कुम्भ	13/02/20	15:07 तक
मीन	14/03/20	11:58 से

विविध शुभ योग ई0 सन् 2019-20

सर्वार्थसिद्धि योग

दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
		24 मई 2019	07:26 से	14 जुलाई 2019	17:18 से	17 सितम्बर 2019	सम्पूर्ण
07 अप्रैल 2019	08:47 तक	25 मई 2019	10:09 तक	23 जुलाई 2019	13:15 तक	21 सितम्बर 2019	11:27 तक
09 अप्रैल 2019	10:25 तक	28 मई 2019	19:06 तक	25 जुलाई 2019	17:51 तक	29 सितम्बर 2019	19:04 तक
10 अप्रैल 2019	सम्पूर्ण	30 मई 2019	23:25 तक	27 जुलाई 2019	19:48 से	03 अक्टूबर 2019	12:02 तक
12 अप्रैल 2019	09:59 से	31 मई 2019	24:36 तक	29 जुलाई 2019	18:35 तक	06 अक्टूबर 2019	14:54 से
14 अप्रैल 2019	07:44 तक	03 जून 2019	सम्पूर्ण	01 अगस्त 2019	12:14 तक	07 अक्टूबर 2019	17:16 से
20 अप्रैल 2019	17:49 तक	06 जून 2019	सम्पूर्ण	04 अगस्त 2019	25:29 तक	13 अक्टूबर 2019	07:53 तक
22 अप्रैल 2019	16:33 से	12 जून 2019	11:46 तक	09 अगस्त 2019	21:37 तक	15 अक्टूबर 2019	12:31 तक
27 अप्रैल 2019	26:01 तक	21 जून 2019	18:02 तक	11 अगस्त 2019	24:29 तक	16 अक्टूबर 2019	14:23 से
02 मई 2019	13:08 से	25 जून 2019	सम्पूर्ण	18 अगस्त 2019	16:51 से	21 अक्टूबर 2019	17:46 से
03 मई 2019	सम्पूर्ण	27 जून 2019	सम्पूर्ण	20 अगस्त 2019	22:35 से	22 अक्टूबर 2019	16:52 से
06 मई 2019	16:45 से	28 जून 2019	09:16 तक	24 अगस्त 2019	28:52 तक	30 अक्टूबर 2019	21:38 तक
08 मई 2019	16:06 तक	01 जुलाई 2019	सम्पूर्ण	01सितम्बर 2019	11:10 तक	03 नवम्बर 2019	24:26 तक
09 मई 2019	15:23 से	04 जुलाई 2019	सम्पूर्ण	05सितम्बर 2019	27:26 तक	04 नवम्बर 2019	26:57 तक
10 मई 2019	14:27 तक	07 जुलाई 2019	20:07 से	08सितम्बर 2019	06:30 तक	10 नवम्बर 2019	17:27 से
15 मई 2019	07:16 से	12 जुलाई 2019	15:46 से	15सितम्बर 2019	25:47 तक	12 नवम्बर 2019	21:01 से

दिनांक	समय
13 नवम्बर 2019	सम्पूर्ण
17 नवम्बर 2019	23:13 से
18 नवम्बर 2019	22:35 तक
19 नवम्बर 2019	21:27 तक
27 नवम्बर 2019	08:12 तक
01दिसम्बर 2019	09:35 तक
06दिसम्बर 2019	23:06 से
08दिसम्बर 2019	27:54 तक
10दिसम्बर 2019	30:25 तक
11दिसम्बर 2019	सम्पूर्ण
13दिसम्बर 2019	30:13 से
15दिसम्बर 2019	28:18 तक
21दिसम्बर 2019	19:43 से
23दिसम्बर 2019	17:32 से
28दिसम्बर 2019	18:31 से
03 जनवरी 2020	07:20 से
05 जनवरी 2020	12:35 तक
07 जनवरी 2020	15:34 तक
08 जनवरी 2020	सम्पूर्ण
10 जनवरी 2020	14:55 से
12 जनवरी 2020	11:54 तक
18 जनवरी 2020	23:58 तक
20 जनवरी 2020	23:14 तक
24 जनवरी 2020	26:32 से
25 जनवरी 2020	28:17 तक
30 जनवरी 2020	15:10 से
31 जनवरी 2020	सम्पूर्ण
03 फरवरी 2020	25:16 से
05 फरवरी 2020	26:30 तक
06 फरवरी 2020	25:51 से
07 फरवरी 2020	24:28 तक
12 फरवरी 2020	11:46 से
21 फरवरी 2020	09:15 से
22 फरवरी 2020	11:20 तक
25 फरवरी 2020	19:04 से
27 फरवरी 2020	सम्पूर्ण
28 फरवरी 2020	28:08 तक
02 मार्च 2020	08:58 से
04 मार्च 2020	11:28 तक
05 मार्च 2020	11:31 से
06 मार्च 2020	10:42 तक
11 मार्च 2020	18:55 तक
20 मार्च 2020	17:01 तक
24 मार्च 2020	28:16 तक

सिद्ध योग

दिनांक	समय
01 मई 2019	26:25 तक
07 मई 2019	26:34 तक
09 मई 2019	23:39 तक
10 मई 2019	21:52 तक
21 मई 2019	25:12 तक
23 मई 2019	27:46 तक
24 मई 2019	सम्पूर्ण
05 जून 2019	12:05 तक
19 जून 2019	15:26 तक
25 जून 2019	28:31 तक
27 जून 2019	05:46 से
06 जुलाई 2019	13:10 तक
09 जुलाई 2019	05:23 से
11 जुलाई 2019	24:36 तक
12 जुलाई 2019	24:08 तक
20 जुलाई 2019	09:07 से
24 जुलाई 2019	18:16 तक
30 जुलाई 2019	14:53 तक
07 अगस्त 2019	11:32 तक
13 अगस्त 2019	13:47 तक
15 अगस्त 2019	17:53 तक
16 अगस्त 2019	20:17 तक
07सितम्बर 2019	21:01 तक
17सितम्बर 2019	16:36 तक
19सितम्बर 2019	19:38 तक
20सितम्बर 2019	20:26 तक
01अक्टूबर 2019	13:47 तक

दिनांक	समय
03अक्टूबर 2019	10:07 तक
04अक्टूबर 2019	09:31 तक
12अक्टूबर 2019	24:45 तक
07 नवम्बर 2019	09:55 तक
08 नवम्बर 2019	12:28 तक
16 नवम्बर 2019	19:24 तक
22 नवम्बर 2019	09:03 से
30 नवम्बर 2019	17:49 तक
10दिसम्बर 2019	10:48 तक
12दिसम्बर 2019	10:44 तक
13दिसम्बर 2019	09:57 तक
24दिसम्बर 2019	12:15 तक
27दिसम्बर 2019	10:39 तक
04 जनवरी 2020	25:51 तक
18 जनवरी 2020	27:36 तक
28 जनवरी 2020	08:17 तक
08 फरवरी 2020	16:12 तक
11 फरवरी 2020	26:54 तक

दिनांक	समय
13 फरवरी 2020	20:33 तक
14 फरवरी 2020	18:07 तक
22 फरवरी 2020	18:58 तक
03 मार्च 2020	13:58 तक
05 मार्च 2020	13:27 तक
06 मार्च 2020	11:53 तक

रविपुष्ययोग

14 अप्रैल 2019	07:44 तक
17 नवम्बर2019	23:13 से
15 दिसम्बर2019	28:18 तक
12 जनवरी 2020	11:54 तक

गुरुपुष्ययोग

06 जून 2019	20:34 से
04 जुलाई 2019	26:40 तक
01 अगस्त 2019	12:14 तक

सिद्धि योग

20 अप्रैल 2019	17:49 तक

दिनांक	समय
28 मई 2019	19:06 से
06 जून 2019	20:34 तक
25 जून 2019	सम्पूर्ण
14 जुलाई 2019	17:18 से
23 जुलाई 2019	13:15 तक
11 अगस्त 2019	24:29 तक
08सितम्बर 2019	06:30 तक
27सितम्बर 2019	25:22 तक
16अक्टूबर 2019	14:23 से
25अक्टूबर 2019	11:05 तक
04नवम्बर 2019	26:57 तक
13नवम्बर 2019	22:09 तक
02दिसम्बर 2019	11:35 तक
18 जनवरी 2020	23:58 तक
06 फरवरी 2020	25:51 से
25 फरवरी 2020	19:04 से
24 मार्च 2020	28:16 तक

अमृतयोग

दिनांक	समय
06 अप्रैल 2019	15:30 तक
10 अप्रैल 2019	15:45 से
14 अप्रैल 2019	09:41 से
15 अप्रैल 2019	07:12 तक
16 अप्रैल 2019	25:40 तक
20 अप्रैल 2019	14:16 तक
24 अप्रैल 2019	11:26 से
28 अप्रैल 2019	19:32 से
29 अप्रैल 2019	22:10 तक
30 अप्रैल 2019	24:31 से
02 मई 2019	27:46 तक
03 मई 2019	28:30 तक
04 मई 2019	28:42 से
13 मई 2019	15:25 से
15 मई 2019	10:35 तक
16 मई 2019	08:15 से
17 मई 2019	06:06से27:54

दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
18 मई 2019	26:21 से	05 जुलाई 2019	16:10 से	25 अगस्त 2019	08:12 से	13 अक्टूबर 2019	26:48 तक
25 मई 2019	06:21 तक	07 जुलाई 2019	10:18 तक	26 अगस्त 2019	07:02 तक	15 अक्टूबर 2019	29:59 तक
29 मई 2019	15:31 से	15 जुलाई 2019	25:33 से	27 अगस्त 2019	27:14 तक	17 अक्टूबर 2019	06:47 तक
04 जून 2019	14:00 से	17 जुलाई 2019	28:34 तक	31 अगस्त 2019	12:16 तक	18 अक्टूबर 2019	07:29 तक
06 जून 2019	09:56 तक	21 जुलाई 2019	11:33 से	04 सितम्बर 2019	21:16 तक	19 अक्टूबर 2019	07:45 से
07 जून 2019	07:39 तक	22 जुलाई 2019	14:01 तक	05 सितम्बर 2019	20:23 से	23 अक्टूबर 2019	25:39 से
08 जून 2019	26:58 तक	23 जुलाई 2019	16:20 से	06 सितम्बर 2019	20:19 से	29 अक्टूबर 2019	27:19 तक
16 जून 2019	13:57 से	25 जुलाई 2019	19:37 तक	08 सितम्बर 2019	22:24 तक	02 नवम्बर 2019	24:56 तक
17 जून 2019	13:57 तक	26 जुलाई 2019	20:16 तक	10 सितम्बर 2019	26:33 तक	11 नवम्बर 2019	18:11 से
18 जून 2019	14:26 से	27 जुलाई 2019	20:07 से	13 सितम्बर 2019	07:36 तक	13 नवम्बर 2019	19:49 तक
20 जून 2019	16:57 तक	04 अगस्त 2019	18:41 से	25 सितम्बर 2019	14:22 तक	14 नवम्बर 2019	20:03 से
21 जून 2019	18:54 तक	05 अगस्त 2019	15:44 तक	26 सितम्बर 2019	11:10 से	15 नवम्बर 2019	19:54 से
22 जून 2019	21:13 से	06 अगस्त 2019	13:20 से	27 सितम्बर 2019	07:36से27:49	17 नवम्बर 2019	18:34 तक
29 जून 2019	18:54 तक	08 अगस्त 2019	10:23 तक	28 सितम्बर 2019	24:03 से	19 नवम्बर 2019	15:46 तक
22 जून 2019	21:13 से	09 अगस्त 2019	09:55 तक	07 अक्टूबर 2019	12:33 से	27 नवम्बर 2019	18:47 तक
29 जून 2019	06:46 तक	10 अगस्त 2019	10:05 से	09 अक्टूबर 2019	17:17 तक	28 नवम्बर 2019	17:47 से
03 जुलाई 2019	22:15 तक	19 अगस्त 2019	27:34 से	10 अक्टूबर 2019	26:33 तक	29 नवम्बर 2019	17:27 से
04 जुलाई 2019	19:15 से	21 अगस्त 2019	सम्पूर्ण दिन	11 अक्टूबर 2019	22:26 से	01 दिसम्बर 2019	18:54 तक

दिनांक	समय		
03 दिसम्बर 2019	22:56 तक	03 फरवरी 2020	21:38 से
16 दिसम्बर 2019	27:55 तक	05 फरवरी 2020	21:53 तक
17 दिसम्बर 2019	25:48 से	06 फरवरी 2020	20:44 से
19 दिसम्बर 2019	21:24 तक	07 फरवरी 2020	18:48 से
20 दिसम्बर 2019	19:14 तक	09 फरवरी 2020	13:08 तक
21 दिसम्बर 2019	17:10 से	17 फरवरी 2020	14:27 से
01 जनवरी 2020	18:18 तक	19 फरवरी 2020	14:57 तक
02 जनवरी 2020	20:58 से	20 फरवरी 2020	15:56 से
03 जनवरी 2020	23:54 से	21 फरवरी 2020	17:18 से
05 जनवरी 2020	27:35 तक	25 फरवरी 2020	25:30 तक
07 जनवरी 2020	28:50 तक	09 मार्च 2020	23:32 तक
11 जनवरी 2020	22:59 तक	10 मार्च 2020	19:26 से
15 जनवरी 2020	12:11 से	12 मार्च 2020	11:55 तक
19 जनवरी 2020	26:29 तक	13 मार्च 2020	08:48 तक
21 जनवरी 2020	25:27 तक	14 मार्च 2020	27:42 तक
25 जनवरी 2020	28:11 तक	18 मार्च 2020	27:57 से
		23 मार्च 2020	12:30 से

ग्रहाः राज्यं प्रयच्छन्ति ग्रहाः राज्यं हरन्ति च।
ग्रहाधीनं जगत्सर्वमिति मे निश्चिता मतिः।।

-श्रीनवग्रहस्तोत्रम्-

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च मुनीनां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।
इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशनम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।

विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 06 अप्रैल से 19 अप्रैल 2019 ई. तक)

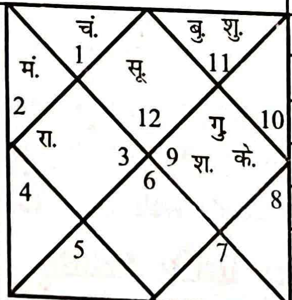
 'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2922 अयनांश 24/06/33

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	23	21	15	30	रेवती	03	05	07	24	वैधृति	39	32	बव	23	21	06	10	18	37	31	08	23	39	मेष07:24	24	6अप्रैल	नववर्षारम्भ,कल्पादि,वसन्तनवरात्रारम्भ,चन्द्रदर्शनA
2	रवि	25	04	16	10	अश्विनी	06	37	08	47	विष्कु.	37	59	कौल	25	04	06	09	18	37	31	13	23	22	मेष	25	7	सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती
3	सोम	25	45	16	25	भरणी	09	10	09	47	प्रीति	35	38	गर	25	45	06	08	18	38	31	17	23	05	वृष15:56	26	8	भद्रा 28:26 से, मत्स्यजयन्ती,गणगौरीतृतीयाB
4	मंगल	25	28	16	18	कृत्तिका	10	47	10	25	आयु.	32	33	विष्टि	25	28	06	07	18	39	31	21	22	48	वृष	27	9	भद्रा 16:18तक, विनायकचतुर्थी C
5	बुध	24	09	15	45	रोहिणी	11	23	10	38	सौभा	28	39	बाल	24	09	06	05	18	40	31	25	22	31	मिथुन22:34	28	10	श्रीपंचमी,श्वेतवाराहकल्पादि,रामराज्यमहोत्सव
6	गुरु	21	56	14	51	मृगसिरा	11	06	10	31	शोभ	24	03	तैति	21	56	06	04	18	40	31	29	22	15	मिथुन	29	11	स्कन्दषष्ठी,सूर्यषष्ठीव्रत(विहार),महासप्तमीD
7	शुक्र	18	41	13	31	आर्द्रा	09	49	09	59	अति	18	37	वणि	18	41	06	03	18	41	31	33	21	59	कर्क27:17	30	12	भद्रा 13:31से 24:39तक,भवानीयात्रा E
8	शनि	14	26	11	48	पुनर्वसु	07	33	09	03	सुक	12	24	बव	14	26	06	02	18	41	31	37	21	43	कर्क	31	13	दुर्गाष्टमी,रामनवमी,मेलावाहुफोर्ट(जम्मू),मेलाF
9	रवि	09	10	09	41	पुष्य	04	17	07	44	धृति शूल	05 57	21 37	कौल	09	10	06	01	18	42	31	41	21	28	कर्क	वै.1	14	वैशाखी, सूर्य मेषसंक्रान्ति14:17बजे,पुण्यकाल 10:17से 18:17 तक,नवरात्रसमाप्त, नवमीG
10 11	सोम	03 56	02 07	07 28	12 27	आश्लेषा मघा	07 55	30 59	06 28	03 23	गण्ड	49	53	गर	03	02	06	00	18	42	31	46	21	13	सिंह06:03	2	15	भद्रा 17:49से 28:27तक,नवरात्र पारणा, धर्मराजदशमी,देवीविसर्जन,कामदा एकादशी H
12	मंगल	49	14	25	40	पू.फा.	50	14	26	04	वृद्धि	40	48	बव	22	40	05	59	18	43	31	50	20	58	सिंह	3	16	कामदा एकादशीव्रत(वैष्णव),वामनद्वादशी I
13	बुध	41	20	22	30	उ.फा.	44	19	23	41	ध्रुव	31	35	कौल	15	17	05	58	18	44	31	54	20	44	कन्या07:28	4	17	अनंगत्रयोदशी] प्रदोषव्रत,श्रीमहावीरजयन्ती (tSu)
14	गुरु	33	42	19	25	हस्त	38	37	21	24	व्याघात	22	33	गर	07	31	05	57	18	44	31	58	20	31	कन्या	5	18	भद्रा 19:25 से, शैवचतुर्दशी, पूर्णिमाव्रत J
15	शुक्र	26	45	16	38	चित्रा	33	38	19	23	हर्षण	14	01	विष्टि	00	13	05	56	18	44	32	02	20	17	तुला08:23	6	19	भद्रा 06:01 तक, स्नानदानादि पूर्णिमा, K

A विसं2075 प्रारम्भ, घटस्थापन, गुडी परवा, रामायण नवाह्न पारायण प्रारम्भ, पंचक समाप्ति 07:24 पर **B** स्वायम्भुवमन्वादि, शिवदोलोत्सव, सौभाग्यगौरीव्रत **C** दमनकचतुर्थी। **D** वासन्ती दुर्गा पूजारम्भ, कालरात्रि सप्तमी, यमुना छठ। **E** अशोकाष्टमी, अन्नपूर्णा परिक्रमा प्रारम्भ, महानिशा पूजा, अन्नपूर्णा पूजा **F** मनसा देवी प्रारम्भ, तारा जयन्ती। **G** होमादि, राजेश्वरी मेला, सिद्धिदात्री नवमी, औली जैन प्रारम्भ, रामायण नवाह्न समाप्त, आर्यभट जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती।**H** व्रत (स्मार्त), विष्णुदोलोत्सव **I** अनन्तपूजा, दमनोत्सव, मदन द्वादशी, दमनोत्सव **J** नृसिंहदोलोत्सव **K** सत्यनारायणव्रत, हनुमानजयन्ती(दक्षिणभारत), वैशाखस्नान प्रारम्भ, औलीजैन समाप्त, मन्वादि 15 सिद्धाचलयात्रा, गुड फ्राइडे(ईसाई)। **वर्षादिकृत्य**-परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषत:सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानत:।। मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्। अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये।। **रामनवमी** -अशोककुसुमैर्युक्तंमर्घ्यं दद्याद्विचक्षणः। दशाननवधार्थाय धर्मसंस्थापनाय च।।परित्राणाय साधूनां जातो रामः स्वयं हरिः।।

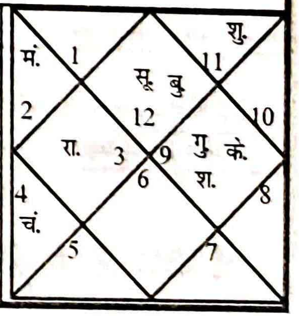
चैत्र शुक्ल 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.04.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	00	01	10	08	10	08	02	08
अं.	22	11	10	25	00	19	25	28	28
क.	47	56	23	39	08	22	54	20	20
वि.	37	31	51	57	38	21	13	41	41
गति	59	755	39	41	00	72	02	व03	व03
	03	35	35	41	46	21	15	11	11



चैत्र शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.04.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	03	01	11	08	10	08	02	08
अं.	29	15	15	02	00	27	26	27	27
क.	39	39	00	03	08	48	07	58	58
वि.	43	30	05	22	47	55	23	27	27
गति	58	845	39	63	व00	72	01	व03	व03
	49	00	26	41	33	28	36	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, वैशाख कृष्ण पक्ष (दिनांक 20 अप्रैल से 04 मई 2019 ई. तक)

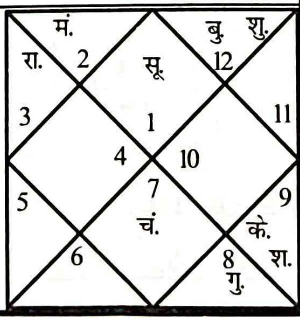
'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2936 अयनांश 24/06/34

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	शनि	20	52	14	16	स्वाती	29	46	17	49	वज्र सिद्धि	06 59	18 35	कौलव	20	52	05	55	18	45	32	05	20	05	तुला	7	20अप्रैल	प्रपाकार्य,घटदान,कच्छपावतार, विष्णुपूजा
02	रवि	16	25	12	28	विशाखा	27	21	16	50	व्यतीपात	52	49	गर	16	25	05	54	18	45	32	09	19	52	वृश्चि11:05	8	21	भद्रा 23:54 से, ईस्टर सण्डे (ईसाई)
03	सोम	13	40	11	21	अनुराधा	26	41	16	33	वरीयान	48	54	विष्टि	13	40	05	53	18	46	32	13	19	41	वृश्चिक	9	22	भद्रा 11:21 तक, संकटचतुर्थीव्रत
04	मंगल	12	50	11	00	ज्येष्ठा	27	58	17	03	परिघ	46	38	बालव	12	50	05	52	18	47	32	17	19	29	धनु17:03	10	23	अनुसूया जयन्ती
05	बुध	13	58	11	26	मूल	31	09	18	19	शिव	45	55	तैतिल	13	58	05	51	18	47	32	21	19	18	धनु	11	24	
06	गुरु	17	03	12	39	पू.षा.	36	14	20	20	सिद्ध	46	42	वणिज	17	03	05	50	18	48	32	25	19	08	मकर26:59	12	25	भद्रा12:39से25:35तक,कोकिलाषष्ठी,शर्कराषष्ठी
07	शुक्र	21	47	14	32	उ.षा.	42	50	22	57	साध्य	48	36	बव	21	47	05	49	18	48	32	29	18	58	मकर	13	26	शर्करा सप्तमी, कालाष्टमी,
08	शनि	27	48	16	55	श्रवण	50	34	26	01	शुभ	51	20	कौल	27	48	05	48	18	49	32	32	18	49	मकर	14	27	शीतलाष्टमी व्रत
09	रवि	34	23	19	32	धनिष्ठा	58	39	29	15	शुक्ल	54	16	तैति	01	05	05	47	18	50	32	36	18	40	कुम्भ15:38	15	28	पंचक प्रारम्भ 15:38 से
10	सोम	41	00	22	10	शतभिषा	60	00	--	--	ब्रह्म	57	04	वणि	07	41	05	46	18	50	32	40	18	32	कुम्भ	16	29	भद्रा 08:51 से 22:10 तक
11	मंगल	46	55	24	31	शतभिषा	06	21	08	18	ऐन्द्र	59	10	बव	13	57	05	46	18	51	32	43	18	25	मीन28:17	17	30	वरुथिनी एकादशी व्रत(समस्त), A
12	बुध	51	41	26	25	पू.भा.	13	00	10	56	वैधृ	59	30	कौल	19	18	05	45	18	51	32	47	18	18	मीन	18	01मई	श्रमदिवस
13	गुरु	55	06	27	46	उ.भा.	18	31	13	08	विष्कु	59	22	गर	23	23	05	44	18	52	32	51	18	11	मीन	19	02	प्रदोषव्रत, भद्रा 27:46 से
14	शुक्र	56	59	28	30	रेवती	22	41	14	47	प्रीति	59	07	विष्टि	26	02	05	43	18	53	32	54	18	05	मेष 14:47	20	03	भद्रा 16:08 तक,पंचकसमाप्ति 14:47 पर B
30	शनि	57	31	28	42	अश्विनी	25	33	15	55	आयु	56	52	चतु.	27	15	05	43	18	53	32	58	18	00	मेष	21	04	शनैश्चरी अमावस्या, मेलापिंजोर (हरियाणा)

A वल्लभाचार्यजयन्ती B मासशिवरात्रि, **वैशाखे कर्त्तव्यविचार** - तीर्थे चानुदिनं स्नानं तिलैश्च पितृतर्पणम्। दानं धर्मघटादीनां मधुसूदनपूजनम्। माधवे मासि कुर्वीत मधुसूदनतुष्टिदम्।। **वैशाखे त्याज्यवस्तूनि**- कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने।। **वैशाखे दानमाहात्म्यम्**- ददाति यो हि मेषादौ सक्तूनम्बुघटान्वितान्। पितृनुद्दिश्य विप्रेभ्यः सर्वपापैः प्रमुच्यते।।

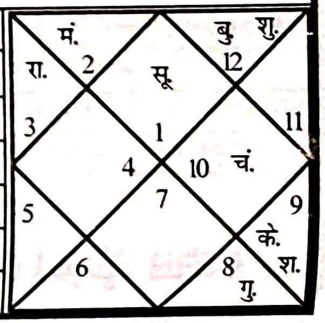
वैशाख कृष्ण 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.04.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	06	01	11	07	11	08	02	08
अं.	06	26	19	10	29	06	26	27	27
क.	30	55	35	35	59	16	15	36	36
वि.	13	15	17	26	47	25	51	12	12
गति	58	843	39	79	व01	72	00	व03	व03
	36	54	17	50	51	36	55	11	11



वैशाख कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.04.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	09	01	11	07	11	08	02	08
अं.	13	25	24	20	29	14	26	27	27
क.	19	05	09	48	41	44	19	13	13
वि.	11	32	27	29	49	42	33	58	58
गति	58	710	39	93	व03	72	00	व03	व03
	22	16	08	26	06	42	14	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 05 मई से 18 मई 2019 ई. तक)

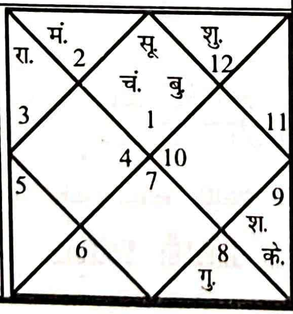
'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2951, अयनांश 24/06/37

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	56	43	28	22	भरणी	27	08	16	33	सौग्भ	53	36	किंस्तु.	27	07	05	42	18	54	33	01	17	55	वृष22:36	22	05मई	घटादिदान
2	सोम	54	57	27	39	कृत्तिका	27	41	16	45	शो.	49	34	बालव	25	50	05	41	18	54	33	05	17	51	वृष	23	06	चन्द्रदर्शन
3	मंगल	52	14	26	34	रोहिणी	27	15	16	34	अति	44	46	तैतिल	23	36	05	40	18	55	33	08	17	47	मिथुन28:20	24	07	परशुराम जयन्ती, अक्षयतृतीया, शिवाजीA
4	बुध	48	56	25	13	मृगासिरा	26	03	16	06	सुर्क	39	30	वणिज	20	35	05	39	18	56	33	11	17	44	मिथुन	25	08	भद्रा 13:53से 25:13 तक ,नाग चतुर्थी B
5	गुरु	45	01	23	39	आर्द्रा	24	22	15	23	धृति	33	45	बव	16	58	05	39	18	56	33	15	17	41	मिथुन	26	09	आदिगुरुशंकराचार्यजयन्ती, सूरदास जयन्ती
6	शुक्र	40	35	21	52	पुनर्वसु	22	08	14	27	शूल	27	34	कौलव	12	48	05	38	18	57	33	18	17	39	कर्क08:41	27	10	श्रीरामानुजाचार्य जयन्ती, चन्दन षष्ठी
7	शनि	35	40	19	53	पुष्य	19	14	13	18	गण्ड	21	00	गर	08	07	05	37	18	57	33	21	17	38	कर्क	28	11	गंगोत्पत्ति, भद्रा 19:53 से C
8	रवि	30	18	17	44	आश्लेषा	15	57	11	59	वृद्धि.	14	04	विष्टि	02	59	05	36	18	58	33	24	17	37	सिंह11:59	29	12	भद्रा 06:48तक,दुर्गाष्टमी व्रत,चण्डिकादेवीपूजा
9	सोम	24	34	15	25	मघा	12	16	10	30	ध्रुव व्याघात	06 59	49 20	कौलव	24	34	05	36	18	59	33	27	17	37	सिंह	30	13	अपराजिता देवी पूजा, सीता नवमी, जानकी जयन्ती
10	मंगल	18	35	13	01	पू.फा.	08	18	08	54	हर्षण	51	51	गर	18	35	05	35	18	59	33	30	17	37	कन्या14:30	31	14	भद्रा 23:48 से
11	बुध	12	32	10	35	उ.फा.	04	14	07	16	वज्र	44	09	विष्टि	12	32	05	35	19	00	33	33	17	38	कन्या	01	15	भद्रा 10:35तक,सूर्य वृषसंक्रान्ति 11:11 D
12	गुरु	06	42	08	15	हस्त चित्रा	00 56	20 24	05 28	42 08	सिद्धि.	36	48	बालव	06	42	05	34	19	01	33	36	17	39	तुला16:55	02	16	परशुरामद्वादशी,रुक्मिणीद्वादशी(बंग)प्रदोषव्रत, मधुसदन द्वादशी
13 14	शुक्र	01 55	20 52	06 27	06 54	स्वाती	53	19	26	53	व्यती	29	57	तैतिल	01	20	05	34	19	01	33	39	17	41	तुला	03	17	भद्रा 27:54 से, छिन्नमस्ता जयन्ती, नृसिंह जयन्ती,
15	शनि	51	59	26	21	विशा.	51	16	26	03	वरी	23	52	विष्टि	23	55	05	33	19	02	33	42	17	43	वृश्चि20:16	04	18	भद्रा 15:07 तक, पूर्णिमाव्रत, महावैशाखी E

A जयन्ती, त्रेतायुगादि मन्वादि, कल्पादि,मातंगी जयन्ती, बगलामुखी जयन्ती, लक्ष्मीनारायणपूजा, गौरी पूजा, समुद्र स्नान, सत्तू भोजन, काशी में त्रिलोचन यात्रा, बदरी केदार यात्रा प्रारम्भ, रोहिणी व्रत, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर जयन्ती **B** गणेश चतुर्थी, विनायक चतुर्थी व्रत **C** गंगा सप्तमी **D** मोहिनी एकादशी व्रत (समस्त), संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से 11:11 तक **E** नारद जयन्ती, वैशाख पूर्णिमा, सत्यव्रत, बुद्धजयन्ती, कूर्मजयन्ती, बुद्धपूर्णिमा, सम्पद्गौरीव्रत, वैशाख स्नान समाप्त। **गंगोत्पत्तिः**-वैशाखे शुक्लसप्तम्यां जह्नुना जाह्नवी पुरा। क्रोधात्पीता पुनस्त्यक्त्वा कर्णरन्ध्रात्तु दक्षिणात्। तां तत्र पूजयेद्देवीं गंगां गगनमेखलाम्।। **नृसिंह जयन्ती** - वैशाखस्य चतुर्दश्यां सोमवारेऽनिलर्क्षके, अवतारो नृसिंहस्य प्रदोषस्य समये द्विजाः। स्वातीनक्षत्रयोगे च शनिवारे तु महद्व्रतम्। सिद्धियोगस्य संयोगे वणिजे करणे तथा।।

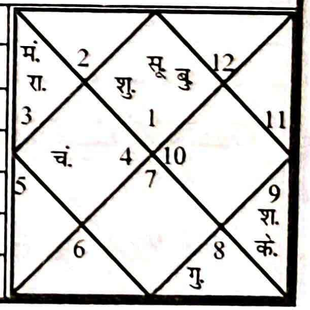
वैशाख शुक्ल 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.05.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	00	01	00	07	11	08	02	08
अं.	20	20	28	02	29	23	26	26	26
क.	06	49	42	35	15	13	18	51	51
वि.	41	48	36	27	19	41	27	43	43
गति	58	774	38	106	व04	72	व00	व03	व03
	09	07	59	52	18	47	26	11	11



वैशाख शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.05.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	03	02	00	07	00	08	02	08
अं.	26	26	03	15	28	01	26	26	26
क.	52	15	14	54	41	43	12	29	29
वि.	50	27	49	37	02	19	36	28	28
गति	57	844	38	119	व05	72	व01	व03	व03
	59	27	51	37	22	53	08	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 19 मई से 03 जून 2019 ई. तक)

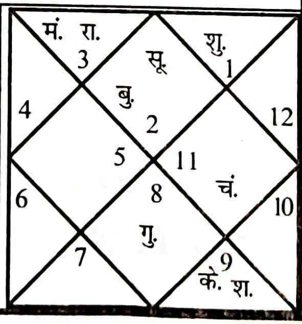
'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2965, अयनांश 24/06/38

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	49	30	25	20	अनुराधा	50	34	25	46	परिघ	18	47	बालव	20	45	05	33	19	02	33	45	17	46	वृश्चिक	05	19मई	
2	सोम	48	33	24	57	ज्येष्ठा	51	22	26	05	शिव.	14	50	तैतिल	19	01	05	32	19	03	33	47	17	50	धनु26:05	06	20	
3	मंगल	49	11	25	12	मूल	53	44	27	01	सिद्ध	12	05	वणिज	18	52	05	32	19	04	33	50	17	54	धनु	07	21	भद्रा 13:04 से भद्रा 25:12तक,
4	बुध	51	37	26	10	पू.षा.	57	51	28	39	साध्य	10	41	बब	20	24	05	31	19	04	33	53	17	58	धनु	08	22	संकष्टहरचतुर्थीव्रत, मां आनन्दमयी जयन्ती
5	गुरु	55	39	27	46	उ.षा.	60	00	--	--	शुभ	10	35	कौलव	23	38	05	31	19	05	33	55	18	03	मकर11:21	09	23	
6	शुक्र	60	00	--	--	उ.षा.	04	49	07	26	शुक्ल	11	36	गर	28	53	05	31	19	05	33	58	18	08	मकर	10	24	श्रीक्षेत्र पुरी में भौंरी
6	शनि	02	08	06	21	श्रवण	11	37	10	09	ब्रह्म	13	33	वणिज	02	08	05	30	19	06	34	00	18	14	कुम्भ23:40	11	25	भद्रा 06:21 से 19:33 तक, पंचक A
7	रवि	08	10	08	46	धनिष्ठा	19	11	13	10	ऐन्द्र	16	04	बव	08	10	05	30	19	06	34	02	18	20	कुम्भ	12	26	भानुसप्तमी,चण्डिकादेवीपूजा, B
8	सोम	14	27	11	16	शतभिषा	26	53	16	14	वैधृति	18	40	कौलव	14	27	05	29	19	07	34	05	18	27	कुम्भ	13	27	
9	मंगल	20	17	13	36	पू.भा.	34	04	19	06	विष्कु.	20	52	गर	20	17	05	29	19	08	34	07	18	34	मीन12:24	14	28	भद्रा 26:33 से
10	बुध	25	05	15	31	उ.भा.	40	11	21	33	प्रीति	22	15	विष्टि	25	05	05	29	19	08	34	09	18	41	मीन	15	29	भद्रा 15:31 तक
11	गुरु	28	27	16	51	रेवती	44	51	23	25	आयुष्मान	22	31	बालव	28	27	05	29	19	09	34	11	18	49	मेष23:25	16	30	अपरा एकादशी व्रत (समस्त), पंचक C
12	शुक्र	30	07	17	31	अश्विनी	47	49	24	36	सौभाग्य	21	28	तैतिल	30	07	05	28	19	09	34	13	18	58	मेष	17	31	प्रदोषव्रत, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस
13	शनि	30	03	17	29	भरणी	49	05	25	06	शोभन	19	04	वणिज	00	05	05	28	19	10	34	15	19	06	मेष	18	01जून	भद्रा 17:29 से 29:09 तक D
14	रवि	28	25	16	49	कृतिका	48	49	24	59	अति	15	25	शकुनि	28	25	05	28	19	10	34	16	19	15	वृष07:04	19	02	सावित्री चतुर्दशी
30	सोम	25	26	15	38	रोहि	47	17	24	22	सुक	10	41	नाग	25	26	05	28	19	11	34	16	19	25	वृष	20	03	भावुका अमावस्या, वटसावित्री अमावस्याG

A प्रारम्भ 23:40 से, **B** कालाष्टमी, शीतलाष्टमी, त्रिलोचनाष्टमी **C** समाप्ति 23:25 पर, भद्रकाली एकादशी, **D** मासशिवरात्रि, वटसावित्रीव्रतारम्भ **G** व्रत(अमा.पक्ष), सोमवती अमावस्या, शनैश्चर जयन्ती। **अमायां वटसावित्रीव्रतम्** - अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती। त्रिरात्रोपोषिता नारी विधानेन प्रपूजयेत्। **जन्ममासे विचारणीयः** - यो जन्ममासे क्षुरकर्म यात्रां कर्णस्य वेधं कुरुते हि मोहात्। मूढः स रोगी धनपुत्रनाशं प्राप्नोति गूढं निधनं तदाशु।। **भद्रकाली प्रार्थना** - जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।

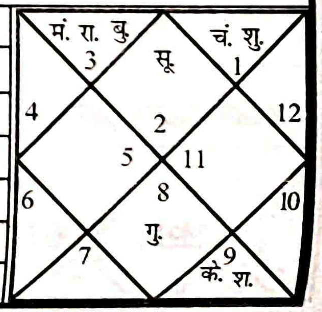
ज्येष्ठ कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 26.05.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	10	02	01	07	00	08	02	08
अं.	10	02	12	15	27	18	25	25	25
क.	21	52	16	50	13	44	47	44	44
वि.	32	21	38	08	18	14	26	58	58
गति	57	711	38	130	व06	73	व02	व03	व03
	38	38	36	55	57	00	22	11	11



ज्येष्ठ कृष्ण 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 02.06.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	00	02	02	07	00	08	02	08
अं.	17	29	16	00	26	27	25	25	25
क.	04	18	46	30	22	15	28	22	22
वि.	24	00	21	28	40	29	41	43	43
गति	57	788	38	119	व07	73	व02	व03	व03
	31	50	29	59	25	05	55	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 04 जून से 17 जून 2019 ई. तक)

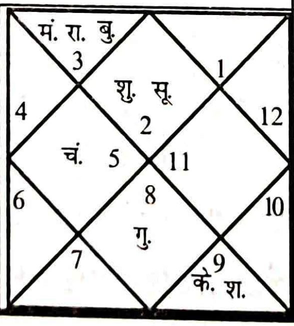
'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2981, अयनांश 24/06/41

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योर्ग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	21	22	14	00	मृगसिरा	44	42	23	20	धृति शूल	05 58	02 45	बब	21	22	05	28	19	11	34	20	19	34	मिथुन11:51	21	04जून	करवीर व्रत, रोहिणी व्रत, दशाश्वमेध स्नान प्रारम्भ, चन्द्रदर्शन,
2	बुध	16	34	12	05	आर्द्रा	41	30	22	03	गण्ड	52	29	कौलव	16	34	05	27	19	12	34	21	19	44	मिथुन	22	05	काशी दशाश्वमेध स्नानारम्भ, ईद उल A
3	गुरु	11	11	09	56	पुनर्वसु	37	48	20	34	वृदि.	45	05	गर	11	11	05	27	19	12	34	23	19	54	कर्क14:56	23	06	भद्रा 20:47 से, रम्भातृतीयाव्रत, B
4 5	शुक्र	05 59	30 37	07 29	39 18	पुष्य	33	54	19	01	ध्रुव	37	35	विष्टि	05	30	05	27	19	12	34	24	20	05	कर्क	24	07	भद्रा 07:39 तक, महादेवविवाह (उडीसा),
6	शनि	53	47	26	58	आश्लेषा	29	54	17	24	व्या.	30	03	बालव	53	47	05	27	19	13	34	25	20	16	सिंह17:24	25	08	श्रुति पंचमी(जैन) स्कन्दषष्ठी, अरण्य C
7	रवि	47	50	24	35	मघा	25	57	15	50	हर्ष.	22	35	गर	20	48	05	27	19	13	34	26	20	27	सिंह	26	09	भद्रा 24:35 से, भानु सप्तमी
8	सोम	42	08	22	18	पू.फा.	22	11	14	19	वज्र.	15	16	विष्टि	14	59	05	27	19	14	34	27	20	38	कन्या19:59	27	10	भद्रा 11:26 तक, शुक्लादेवी पूजा, D
9	मंगल	36	53	20	12	उ.फा.	18	46	12	57	सिदि.	08	15	बालव	09	31	05	27	19	14	34	28	20	49	कन्या	28	11	नवमी का उपवास कर शुक्लादेवीपूजा
10	बुध	32	07	18	17	हस्त	15	48	11	46	व्यती. वरीयान	01 54	35 52	तैतिल	04	30	05	27	19	15	34	29	21	01	तुला23:18	29	12	श्रीगंगादशहरा, गायत्री जयन्ती, गंगावतरण, सेतुबन्ध रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस, दशाश्वE
11	गुरु	28	01	16	39	चित्रा	13	27	10	50	परिघ	49	11	वणिज	00	04	05	27	19	15	34	30	21	12	तुला	30	13	भद्रा 05:28 से 16:39 तक तक,निर्जला F
12	शुक्र	24	46	15	21	स्वाती	11	53	10	12	शिव	44	16	बालव	24	46	05	27	19	15	34	31	21	24	वृश्चि28:00	31	14	त्रिविक्रमद्वादशी, चम्पकद्वादशी G
13	शनि	22	28	14	26	विशा.	11	13	09	56	सिध्द	40	09	तैतिल	22	28	05	27	19	16	34	32	21	36	वृश्चिक	01	15	सूर्य मिथुन में, सौर मिथुन संक्रान्ति H
14	रवि	21	15	13	57	अनु.	11	36	10	06	साध्य	36	58	वणिज	21	15	05	27	19	16	34	32	21	48	वृश्चिक	02	16	भद्रा 13:57 से 25:57 तक, पूर्णिमा व्रत
15	सोम	21	14	13	57	ज्ये.	13	08	10	42	शुभ	34	45	बब	21	14	05	27	19	16	34	33	22	00	धनु10:42	03	17	सत्यनारायण व्रत, वट सावित्री व्रत I

A फितर (मुस्लिम), विश्वपर्यावरण दिवस B महाराणा प्रताप जयन्ती, विनायकचतुर्थी, गणेश चतुर्थी C षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा, , D ब्रह्माणी पूजा, दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, धूमावती जयन्ती , आरण्यक गौरी व्रत, मेला क्षीर भवानी(कश्मीर), E मेधस्नान समाप्त F एकादशी व्रत (समस्त), भीमसेनी एकादशी G वटसावित्री व्रत प्रारम्भ (पूर्णिमा पक्ष), प्रदोष व्रत H 17:51, पुण्यकाल 17:51 से सूर्यास्त तक, वटसावित्रीव्रतारम्भ(पूर्णिमा पक्ष),सोमप्रदोष I पूर्णिमापक्ष) वट पूर्णिमा, वैवस्वत मन्वादि, स्नानदानादि पूर्णिमा, ज्येष्ठीपूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, मन्वादि पूर्णिमा।

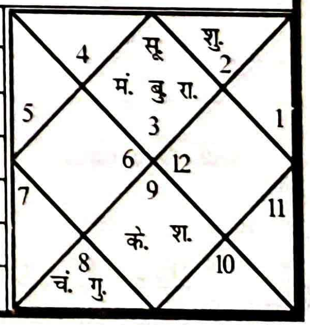
ज्येष्ठ शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.06.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	04	02	02	07	01	08	02	08
अं.	23	07	21	13	25	05	25	25	25
क.	46	09	15	21	29	47	06	00	00
वि.	26	40	24	40	42	14	23	28	28
गति	57	856	38	102	व07	73	व03	व03	व03
	24	00	23	12	37	09	23	11	11



ज्येष्ठ शुक्ल 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.06.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	07	02	02	07	01	08	02	08
अं.	00	14	25	23	24	14	24	24	24
क.	27	05	43	59	36	19	40	38	38
वि.	51	45	51	44	14	31	59	12	12
गति	57	796	38	82	व07	73	व03	व03	व03
	19	50	19	31	36	13	48	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दिनांक 18 जून से 02 जुलाई 2019 ई. तक)

'परिधावी' संवत्सर, उत्तर/दक्षिणायन, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2995, अयनांश 24/06/43

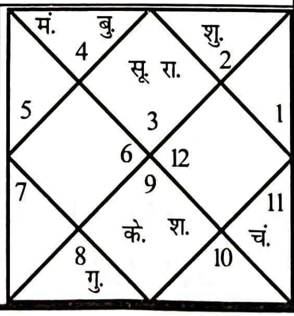
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	मंगल	22	26	14	26	मूल	15	53	11	48	शुक्ल	33	31	कौलव	22	26	05	27	19	16	34	33	22	13	धनु	04	18जून	अशून्यशयनव्रत
02	बुध	24	57	15	26	पू.षा.	19	53	13	25	ब्रह्म	33	18	गर	24	57	05	28	19	17	34	33	22	25	मकर19:57	05	19	भद्रा 28:11 से
03	गुरु	28	43	16	57	उ.षा.	25	07	15	30	ऐन्द्र	34	04	विष्टि	28	43	05	28	19	17	34	34	22	37	मकर	06	20	भद्रा 16:57 तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत,
04	शुक्र	33	36	18	54	श्रवण	31	26	18	02	वैधृति	35	41	बब	01	10	05	28	19	17	34	34	22	49	मकर	07	21	अन्ताराष्टिय योग दिवस
05	शनि	39	23	21	13	धनिष्ठा	38	37	20	55	विष्कुम्भ	37	58	कौलव	06	29	05	28	19	17	34	34	23	02	कुम्भ07:28	08	22	पंचक प्रारम्भ 07:28 से
06	रवि	45	43	23	45	शतभिषा	46	21	24	01	प्रीति	40	39	गर	12	33	05	28	19	18	34	34	23	14	कुम्भ	09	23	भद्रा 23:45 से,
07	सोम	51	57	26	15	पू.भा.	54	01	27	05	आयुष्मान	43	15	विष्टि	18	50	05	29	19	18	34	33	23	26	मीन20:19	10	24	भद्रा 13:00 तक, भानु सप्तमी
08	मंगल	57	35	28	31	उ.भा.	60	00	-	-	सौभाग्य	45	24	बालव	24	46	05	29	19	18	34	33	23	38	मीन	11	25	कालाष्टमी, शीतलाष्टमी व्रत, त्रिलोचनपूजा
09	बुध	60	00	-	-	उ.भा.	00	20	05	38	शोभन	46	32	तैतिल	29	08	05	29	19	18	34	33	23	50	मीन	12	26	
09	गुरु	00	42	05	46	रेवती	05	44	07	47	अतिगण्ड	46	24	गर	00	42	05	29	19	18	34	32	24	02	मेष07:47	13	27	पंचकसमाप्ति 07:47 पर,भद्रा 18:12 से
10	शुक्र	02	52	06	38	अश्विनी	09	26	09	16	सुकर्मा	44	42	विष्टि	02	52	05	30	19	18	34	32	24	14	मेष	14	28	भद्रा 06:38 तक
11	शनि	03	10	06	46	भरणी	11	18	10	01	धृति	41	26	बालब	03	10	05	30	19	18	34	31	24	25	वृष16:01	15	29	योगिनी एकादशी व्रत (समस्त)
12	रवि	01	37	06	09	कृत्तिका	11	22	10	03	शूल	36	40	तैतिल	01	37	05	30	19	18	34	30	24	36	वृष	16	30	भद्रा 28:51 से, प्रदोषव्रत, कूर्मजयन्ती,
13		58	22	28	51																							
14	सोम	55	06	27	33	रोहिणी	09	43	09	24	गण्ड	30	33	विष्टि	26	44	05	31	19	18	34	30	24	48	मिथुन20:48	17	01जुला.	भद्रा 16:12 तक, मास शिवरात्रि, A
30	मंगल	48	55	25	05	मृग	06	42	08	12	वृद्धि	23	25	चतुष्पद	22	01	05	31	19	18	34	29	24	59		18	02	भौमवती अमावस्या

A रोहिणी व्रत।

आषाढे प्रवर्षणविचार:- ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसतज्ज्ञै:।। येषु च भेष्वभिवृष्टं भूयस्तेष्वेव वर्षति प्राय:।।

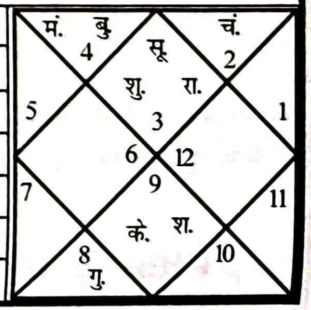
आषाढ़ कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.06.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	10	03	03	07	01	08	02	08
अं.	07	10	00	02	23	22	24	24	24
क.	08	49	11	15	44	52	13	15	15
वि.	48	54	44	42	06	23	09	57	57
गति	57	711	38	61	व07	73	व04	व03	व03
	15	57	14	39	18	18	06	11	11



आषाढ़ कृष्ण 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.06.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	01	03	03	07	02	08	02	08
अं.	13	07	04	07	22	01	23	23	23
क.	49	29	39	54	55	25	43	53	53
वि.	28	13	12	40	04	54	34	41	41
गति	57	795	38	37	व06	73	व04	व03	व03
	13	41	11	31	45	23	19	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दिनांक 03 जुलाई से 16 जुलाई 2018 ई. तक)

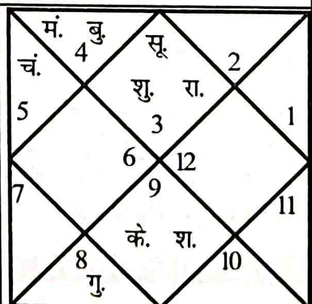
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3010, अयनांश - 24/06/45

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	मि.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	41	50	22	15	आर्द्रा पुनर्वसु	02 57	35 45	06 28	33 37	ध्रुव	15	28	किंस्तुघ्न	15	22	05	31	19	18	34	28	25	09	कर्क23:06	19	03जुला.	गुप्तनवरात्रारम्भ, घटस्थापन
2	गुरु	34	19	19	15	पुष्य	52	52	26	40	व्याघात हर्षण	07 58	01 17	बालव	08	05	05	32	19	18	34	27	25	20	कर्क	20	04	जगन्नाथ रथयात्रा, श्रीकृष्णबलराम A
3	शुक्र	26	36	16	10	आश्लेषा	47	02	24	21	वज्र	49	34	तैतिल	00	28	05	32	19	18	34	26	25	30	सिंह24:21	21	05	भद्रा 26:40 से
4	शनि	19	03	13	10	मघा	41	30	22	08	सिद्धि	40	42	विष्टि	19	03	05	33	19	18	34	24	25	40	सिंह	22	06	भद्रा 13:10तक, विनायक चतुर्थी, गणेश B
5	रवि	11	52	10	18	पू.फा.	36	26	20	07	व्यतीपात	32	16	बालव	11	52	05	33	19	18	34	23	25	50	कन्या25:41	23	07	स्कन्दपंचमी स्कन्दषष्ठी, कुमारषष्ठी, C
6 7	सोम	05 59	18 32	07 29	41 23	उ.फा.	32	08	18	25	वरीयान	24	29	तैतिल	05	18	05	34	19	18	34	22	25	59	कन्या	24	08	विवस्वत सप्तमी,सूर्यपूजा, शीतलासप्तमी
8	मंगल	53	46	27	04	हस्त	28	47	17	04	परिघ	17	27	वणिज	26	39	05	34	19	18	34	20	26	08	तुला28:37	25	09	भद्रा 05:23 से 16:13 तक, अष्टमीव्रत D
9	बुध	50	02	25	35	चित्रा	26	28	16	10	शिव	11	17	बालव	21	54	05	34	19	18	34	19	26	17	तुला	26	10	गुप्तनवरात्रिसमाप्त, मेलाशरीक मवानी E
10	गुरु	47	34	24	36	स्वाती	25	21	15	43	सिद्ध	06	02	तैतिल	18	48	05	35	19	17	34	17	26	25	तुला	27	11	गिरिराजपूजा, रैवत मन्वादि
11	शुक्र	46	23	24	08	विशाखा	25	28	15	46	साध्य शुभ	01 57	47 28	वणिज	16	58	05	35	19	17	34	15	26	33	वृश्चि09:46	28	12	भद्रा 12:22 से 24:08 तक, हरिशयन एकादशी व्रत(समस्त), चातुर्मास्यव्रतारम्भ
12	शनि	46	21	24	08	अनुराधा	26	46	16	18	शुक्ल	55	13	बव	16	22	05	36	19	17	34	13	26	41	वृश्चिक	29	13	वासुदेव द्वादशी, एकादशी व्रत पारणा,
13	रवि	47	33	24	37	ज्येष्ठा	29	15	17	18	ब्रह्म	53	54	कौलव	16	57	05	36	19	17	34	11	26	48	धनु17:28	30	14	प्रदोष व्रत
14	सोम	49	52	25	33	मूल	32	52	18	45	ऐन्द्र	53	28	गर	18	42	05	37	19	16	34	09	26	54	धनु	31	15	भद्रा 25:33 से, मेला चक्रेश्वरी (जैन) F
15	मंगल	53	10	26	53	पू.षा	37	28	20	36	वैधृ	53	48	विष्टि	21	31	05	37	19	16	34	07	27	01	मकर27:10	01	16	भद्रा 14:13तक,कर्कसंक्रान्ति,पूर्णिमाव्रत,G

A रथोत्सव, मनोरथ द्वितीया, चन्द्रदर्शन B चतुर्थी व्रत, C कर्दमषष्ठी(बंगाल) D महिषासुरमर्दिनी पूजा, दुर्गाष्टमी, अष्टाह्निक प्रारम्भ (जैन), शीतलाष्टमी, ऐन्द्री देवी पूजा, खर्चि पूजा (त्रिपुरा)। E (कश्मीर), मृदुली नवमी, कन्दर्प नवमी, भड्डली नवमी। F चौमासी चौदह (जैन), शिवशयनोत्सव, मेला ज्वालामुखी (कश्मीर)। G सूर्य कर्क में 28:38 बजे, सत्यव्रत, पवित्रारोपण, कोकिलाव्रत, गुरुपूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा,आषाढीपूर्णिमा, अन्नादिदान, सत्यनारायणव्रत, चाक्षुष मन्वादि, वायुपरीक्षण, चातुर्मासारम्भ (संन्यासी), जया पार्वतीव्रत, अष्टाह्निक पर्व (जैन)समाप्त, चन्द्रग्रहण।

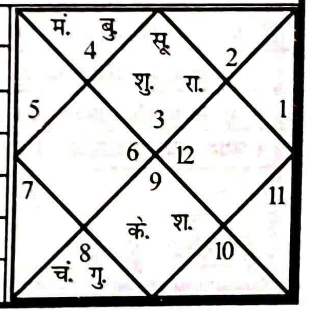
आषाढ़ शुक्ल 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.07.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	04	03	03	07	02	08	02	08
अं.	20	17	09	10	22	10	23	23	23
क.	30	47	06	20	10	00	12	31	31
वि.	00	55	18	29	44	09	54	25	25
गति	57	876	38	07	व05	73	व04	व03	व03
	12	06	08	07	59	30	25	11	11



आषाढ़ शुक्ल 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.07.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	07	03	03	07	02	08	02	08
अं.	27	23	13	08	21	18	22	23	23
क.	10	42	33	59	32	35	41	09	09
वि.	36	35	07	45	32	13	57	10	10
गति	57	773	38	व25	व05	73	व04	व03	व03
	14	51	06	06	01	36	25	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 17 जुलाई से 01 अगस्त 2019 ई. तक)

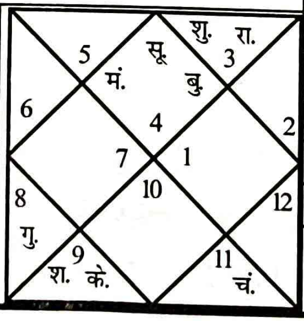
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3024, अयनांश - 24/06/47

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	57	22	28	34	उ.षा.	42	58	22	49	विष्कु	54	47	बालव	25	16	05	38	19	16	34	05	27	06	मकर	02	17जुला.	अशून्यशयनव्रत, संकान्तिपुण्यकाल A
2	गुरु	60	00	--	-	श्रवण	49	16	25	21	प्रीति	56	23	तैतिल	30	12	05	38	19	15	34	03	27	12	मकर	03	18	चातुर्मास्य द्वितीया, अशून्यशयनव्रत
2	शुक्र	03	02	06	52	धनिष्ठा	56	17	28	09	आयुष्मान	58	33	गर	03	02	05	39	19	15	34	01	27	17	कुम्भ14:45	04	19	पंचक प्रारम्भ 14:45 से,भद्रा 19:59से, B
3	शनि	08	40	09	07	शतभिषा	60	00	-	-	सौभाग्य	60	00	विष्टि	08	40	05	40	19	15	33	59	27	21	कुम्भ	05	20	भद्रा 09:07 तक, संकष्टहरचतुर्थी व्रत,
4	रवि	14	43	11	33	शतभिषा	04	08	07	19	सौभाग्य	01	20	बालव	14	43	05	41	19	14	33	56	27	25	मीन27:35	06	21	
5	सोम	20	51	14	01	पू.भा.	11	41	10	21	शोभन	03	52	तैतिल	20	51	05	41	19	14	33	54	27	28	मीन	07	22	श्रावण सोमवार व्रत,नागपंचमी(बंगाल),
6	मंगल	26	37	16	20	उ.भा.	18	55	13	15	अतिगण्ड	06	09	वणिज	26	37	05	42	19	13	33	51	27	31	मीन	08	23	भद्रा 16:20 से 29:18 से, मौमव्रत C
7	बुध	31	26	18	16	रेवती	25	20	15	49	सुकर्मा	07	47	बब	31	26	05	42	19	13	33	49	27	33	मेष15:49	09	24	पंचकसमाप्ति 15:49 पर, रवि सप्तमी D
8	गुरु	34	48	19	37	अश्विनी	30	23	17	51	धृति	08	24	बालव	03	07	05	43	19	12	33	46	27	35	मेष	10	25	मनसा देवी पूजा प्रारम्भ
9	शुक्र	36	24	20	16	भरणी	33	47	19	13	शूल	07	44	तैतिल	05	36	05	43	19	12	33	43	27	36	वृष25:23	11	26	दुर्गा यात्रा
10	शनि	35	59	20	07	कृत्तिका	35	13	19	48	गण्ड	05	34	वणिज	06	11	05	44	19	11	33	40	27	37	वृष	12	27	भद्रा 08:11 से 20:07 तक,
11	रवि	33	26	19	06	रोहिणी	34	35	19	34	वृद्धि ध्रुव	01 58	47 08	बब	04	42	05	45	19	11	33	38	27	37	वृष	13	28	कामिका एकादशीव्रत (समस्त),रोहिणी व्रत
12	सोम	29	02	17	21	मृगसिरा	32	08	18	35	व्याधात	51	14	कौलव	01	14	05	45	19	10	33	35	27	36	मिथुन07:05	14	29	श्रावण सोमवार व्रत, सोम प्रदोषव्रत,
13	मंगल	22	58	14	56	आर्द्रा	27	59	16	56	हर्षण	43	00	वणिज	22	58	05	45	19	10	33	32	27	35	मिथुन	15	30	भद्रा 14:56 सं 25:28 तक, भौमव्रत, E
14	बुध	15	37	12	00	पुनर्वसु	22	32	14	46	वज्र	33	48	शकुनि	15	37	05	46	19	09	33	29	27	34	कर्क09:20	16	31	श्राद्धादि अमावस्या
30 01	गुरु	07 58	19 33	08 29	42 11	पुष्य	16	10	12	14	सिद्धि	23	56	नाग	07	19	05	46	19	08	33	26	27	31	कर्क	17	01अग.	श्रावण हरियाली अमावस्या,देवसावर्णि - मन्वादि, चिताऊ अमावस्या(उडीसा), F

A सूर्योदय से मध्याह्न तक, हिण्डोले (ब्रज)आरम्भ, श्रावण में शाक वर्जित, मैथिल नववर्षारम्भ, B गौरीपूजा,दुर्गायात्रा, C हनुमद्दर्शन D भानु सप्तमी, कालाष्टमी,केरपूजा (त्रिपुरा), ऐन्द्रीदेवी पूजा,इन्द्रसावर्णि मन्वादि, ीतला सप्तमी E मासशिवरात्रिव्रत,हनुमद्दर्शन F स्नान दानादि अमावस्या, मेला छिन्नमस्ता (चिन्तपूर्णी),दोलोत्सवारम्भ, रुद्राभिषेक। **सोमवासरव्रतम्**- सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथा विधिः। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशि भोजनम्।।

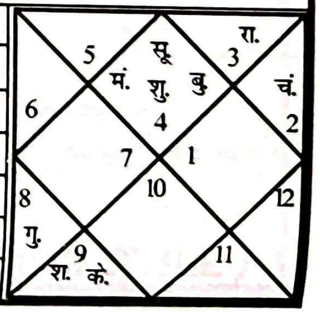
श्रावण कृष्ण 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.07.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	10	03	03	07	02	08	02	08
अं.	03	19	17	04	21	27	22	22	22
क.	51	10	59	41	01	11	11	46	46
वि.	26	55	45	07	33	10	29	54	54
गति	57	711	38	व42	व03	73	व04	व03	व03
	16	30	04	04	56	43	18	11	11



श्रावण कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.07.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	01	03	03	07	03	08	02	08
अं.	10	15	22	00	20	05	21	22	22
क.	32	41	26	30	38	48	42	24	24
वि.	41	53	18	16	40	01	13	38	38
गति	57	794	38	व26	व02	73	व04	व03	व03
	20	32	03	02	44	52	06	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 02 अगस्त से 15 अगस्त 2019 ई. तक)

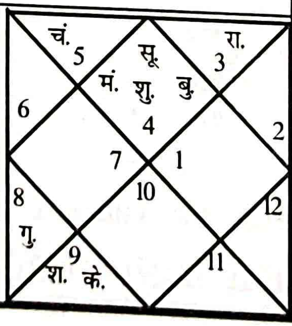
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3040, अयनांश 24/06/49

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	शुक्र	49	50	25	43	आश्लेषा	09	19	09	30	व्यती	13	48	बालव	49	50	05	47	19	08	33	23	27	29	सिंह09:30	18	02अग.	चन्द्रदर्शन, सिन्धाराव्रत
3	शनि	40	36	22	02	मघा पू.फा.	02 55	22 47	06 28	44 06	वरी. परिघ	03 53	39 52	तैतिल	15	13	05	47	19	07	33	20	27	25	सिंह	19	03	हरियाली तीज, स्वामीकरपात्री जयन्ती, गौरीपूजा,स्वर्णगौरीव्रत, मधुश्रवा A
4	रवि	32	12	18	41	उ.फा.	49	13	25	29	शिव	44	06	वणिज	06	24	05	48	19	06	33	16	27	21	कन्या09:28	20	04	भद्रा 08:21 से 18:41तक,गणेश चतुर्थीB
5	सोम	24	50	15	44	हस्त	44	06	23	27	सिद्ध	35	34	बालव	24	50	05	49	19	06	33	13	27	17	कन्या	21	05	नागपंचमी,श्रावणसोमवार,सोमेश्वर पूजन,C
6	मंगल	18	48	13	20	चित्रा	40	27	22	00	साध्य	28	14	तैतिल	18	48	05	49	19	05	33	10	27	11	तुला10:44	22	06	लुण्ठनषष्ठी (बंगाल), श्रीकल्किजयन्ती D
7	बुध	14	16	11	32	स्वाती	38	25	21	12	शुभ	22	11	वणिज	14	16	05	50	19	04	33	07	27	06	तुला	23	07	भद्रा 11:32से 22:57 तक E
8	गुरु	11	23	10	23	विशाखा	38	07	21	05	शुक्ल	17	30	बब	11	23	05	50	19	03	33	03	26	59	वृश्चि15:07	24	08	दुर्गाष्टमी, कौमारीदेवीपूजा, F
9	शुक्र	10	11	09	55	अनुराधा	39	27	21	37	ब्रह्म	14	09	कौलव	10	11	05	51	19	02	33	00	26	52	वृश्चिक	25	09	दुर्गा पूजा,
10	शनि	10	34	10	05	ज्येष्ठा	42	18	22	46	ऐन्द्र	12	03	गर	10	34	05	51	19	02	32	56	26	45	धनु22:46	26	10	भद्रा 22:27 से,दधिव्रतारम्भ, वेदव्रतारम्भ G
11	रवि	12	27	10	50	मूल	46	34	24	29	वैधृति	11	07	विष्टि	12	27	05	52	19	01	32	53	26	37	धनु	27	11	भद्रा 10:50तक, पवित्राएकादशी(समस्त)H
12	सोम	15	36	12	07	पू.षा.	51	56	26	39	विष्कुम्भ	11	10	बालव	15	36	05	52	19	00	32	49	26	28	धनु	28	12	दामोदर द्वादशी,सोम प्रदोषव्रत,बुद्धद्वादशी I
13	मंगल	19	45	13	47	उ.षा.	58	06	29	07	प्रीति	11	58	तैतिल	19	45	05	53	18	59	32	46	26	19	मकर09:17	29	13	प्रदोषव्रत, आखेटक त्रयोदशी(उडीसा) J
14	बुध	24	40	15	45	श्रवण	60	00	--	--	आयु.	13	23	वणिज	24	40	05	54	18	58	32	42	26	09	मकर	30	14	भद्रा 15:45 से भद्रा 28:50 तक, K
15	गुरु	30	06	17	56	श्रवण	05	23	08	03	सौभाग्य	15	13	बब	30	06	05	54	18	57	32	38	25	58	कुम्भ21:29	31	15	श्रावणीपूर्णिमा,रक्षाबन्धन,स्वतन्त्रता दिवस L

Aतृतीया(मिथिला, गुजरात), ठकुराठन जयन्ती, B विनायक चतुर्थीव्रत, दूर्वागणपति व्रत, वरदचतुर्थी।C तक्षकपूजा भित्तिनागपूजा, ऋग्वेद-यजुर्वेद -हिरण्यकेशी उपाकर्म(श्रावणी D वर्ण षष्ठी, भौमव्रत, हनुमद्दर्शन, भानुसप्तमी E श्रीतुलसीदास जयन्ती, शीतला सप्तमी (सिन्ध)। F चिन्तपूर्णी व नैनादेवीपूजा (हिमाचल) मेला ज्वाला जी। G झूलनयात्रा आरम्भ H पुत्रदा एकादशीव्रत(समस्त)। I श्रावण सोमवारव्रत, J भौमव्रत, हनुमद्दर्शन K पूर्णिमा व्रत L ऋषितर्पण,श्रीसत्यनारायणव्रत,दोलोत्सव समाप्ति,अमरनाथयात्रासमाप्त,संस्कृतदिवस,बलभद्रपूजा (उडीसा), आवणि अविट्टम(दक्षिण भारत),हयग्रीवोत्पत्ति,श्रावणी उपाकर्म, हिण्डोलसमाप्त।**रक्षासूत्रबन्धन मन्त्रः**-येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः।तेन त्वां प्रतिबध्नामि रक्षे माचल माचल।।

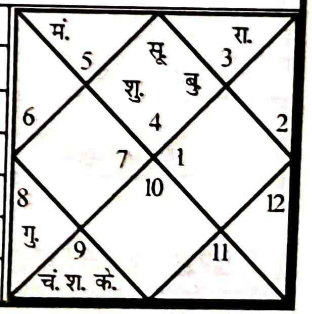
श्रावण शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.08.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	04	03	03	07	03	08	02	08
अं.	17	27	26	00	20	14	21	22	22
क.	14	43	52	06	24	25	14	02	02
वि.	30	02	50	06	28	48	56	22	22
गति	57	898	38	15	व01	73	व03	व03	व03
	25	19	04	46	29	59	45	11	11



श्रावण शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.08.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	08	04	03	07	03	08	02	08
अं.	23	03	01	04	20	23	20	21	21
क.	57	31	19	58	19	04	50	40	40
वि.	05	42	26	36	16	28	13	06	06
गति	57	757	38	60	व00	74	व03	व03	व03
	32	56	05	45	10	08	21	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 16 अगस्त से 30 अगस्त 2019 ई. तक)

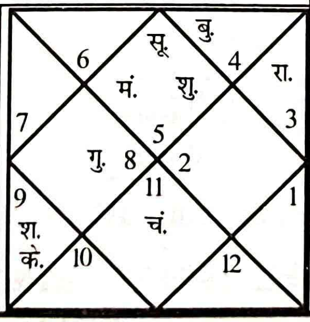
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा/शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3054, अयनांश 24/06/51

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	35	56	20	17	धनिष्ठा	12	29	10	54	शोभन	17	21	बालव	03	01	05	55	18	56	32	35	25	47	कुम्भ	32	16	दधित्यागव्रतारम्भ
2	शनि	41	59	22	42	शतभिषा	19	50	13	51	अतिगण्ड	19	41	तैतिल	08	57	05	55	18	55	32	31	25	35	कुम्भ	01	17	सिंहसंक्रान्ति 13:03,पुण्यकाल 06:39 से A
3	रवि	48	08	25	11	पू.भा.	27	19	16	51	सुकर्मा	22	06	गर	15	03	05	56	18	54	32	27	25	23	मीन10:07	02	18	भद्रा 11:56 से 25:11 तक,कज्जली B
4	सोम	54	05	27	34	उ.भा.	34	41	19	48	धृति	24	25	विष्टि	21	07	05	56	18	54	32	24	25	11	मीन	03	19	श्रीगणेशसंकष्टहर चतुर्थी, बहुला चतुर्थी C
5	मंगल	59	28	29	44	रेवती	41	36	22	35	शूल	26	23	बालव	26	47	05	57	18	53	32	20	24	57	मेष22:25	04	20	रक्षापंचमी (उडीसा),पंचक समाप्ति 22:25
6	बुध	60	00	--	--	अश्विनी	47	41	25	02	गण्ड	27	42	तैतिल	31	11	05	57	18	52	32	16	24	43	मेष	05	21	हलषष्ठी, चन्दनषष्ठी ,D
6	गुरु	02	55	07	08	भरणी	52	35	26	59	वृद्धि	28	06	वणिज	02	55	05	58	18	51	32	12	24	29	मेष	06	22	भद्रा 07:08 से 19:40तक
7	शुक्र	05	36	08	13	कृत्तिका	55	51	28	19	ध्रुव	27	16	बब	05	36	05	58	18	50	32	08	24	14	वृष09:20	07	23	श्रीकृष्णजन्माष्टमी(स्मार्त), E
8	शनि	06	31	08	35	रोहिणी	57	12	28	52	व्याघात	24	58	कौलव	06	31	05	59	18	48	32	05	23	59	वृष	08	24	श्रीकृष्णजन्माष्टमी(वैष्णव),F
9	रवि	05	33	08	12	मृगसिरा	56	34	28	37	हर्षण	21	06	गर	05	33	05	59	18	47	32	01	23	43	मिथुन16:45	09	25	भद्रा 19:37 से, नन्दोत्सव, गोकुलोत्सव
10 11	सोम	02 58	36 15	07 29	02 18	आर्द्रा	53	53	27	33	वज्र	15	38	विष्टि	02	36	06	00	18	46	31	57	23	27	मिथुन	10	26	भद्रा 07:02 तक,मनसादेवी पूजा(बंगाल), अजा एकादशीव्रत व जया एकादशी(स्मार्त)
12	मंगल	53	04	27	14	पुनर्वसु	49	20	25	44	सिद्धि व्यतीपात	08 00	40 23	कौलव	25	40	06	00	18	45	31	53	23	10	कर्क14:22	11	27	अजा एकादशी व्रत (वैष्णवी), जया एकादशी(वैष्णव),अघोर द्वादशी
13	बुध	44	46	23	55	पुष्य	43	14	23	18	वरी	52	17	गर	18	55	06	01	18	44	31	49	22	53	कर्क	12	28	भद्रा 23:55 से, प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रिG
14	गुरु	35	26	20	12	आश्लेषा	36	02	20	26	परिध	41	38	विष्टि	10	06	06	02	18	43	31	45	22	35	सिंह20:26	13	29	भद्रा 10:03तक, अघोर चतुर्दशी,
30	शुक्र	25	31	16	14	मघा	28	12	17	19	शिव	30	34	नाग	00	29	06	02	18	42	31	41	22	17	सिंह	14	30	कुशोत्पाटिनी अमावस्या,पिठौरी अमावस्याH

A 13:03 तक, विन्ध्याचलदेवी जयन्ती, भीमचण्डी देवीजयन्ती, अशून्यशयनव्रत, कज्जली निमित्त रात्रिजागरण, पलंग पर लक्ष्मीविष्णु पूजन। B तृतीया, बूढी तीज, गोपूजा, विशालाक्षी यात्रा, तीजड(सिन्ध) Cगोपपूजा,D ललही छठ, श्रीचन्द्रषष्ठी, चम्पा षष्ठी, बलरामजयन्ती। E कालाष्टमी, शीतलाव्रत, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती F दूर्वाष्टमी, कौमारी पूजा, गोकुलाष्टमी, कृष्णजयन्ती, रोहिणी व्रत। G व्रत, कलियुगादि त्रयोदशी डाकिनी चतुर्दशी। H ऊं हूं फट् इति मन्त्रेण कुशग्रहणम्। **कुशोत्पाटनमन्त्रः**:-कुशाग्रे वसते रुद्रः कुशमध्ये तु केशवः। कुश मूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देह मेंदिनि। कुशोऽसि कुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मितः पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्।

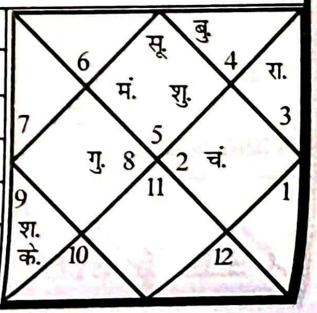
भाद्रपद कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.08.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	10	04	03	07	04	08	02	08
अं.	00	27	05	14	20	01	20	21	21
क.	40	56	46	33	23	43	28	17	17
वि.	33	04	11	42	10	57	44	50	50
गति	57	711	38	96	01	74	व02	व03	व03
	41	26	07	38	06	14	50	11	11



भाद्रपद कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.08.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	01	04	03	07	04	08	02	08
अं.	07	24	10	27	20	10	20	20	20
क.	25	17	13	20	36	24	10	55	55
वि.	03	29	12	28	06	12	57	34	34
गति	57	787	38	116	02	74	व02	व03	व03
	50	26	10	28	24	21	22	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दिनांक 31 अगस्त से 14 सितम्बर 2019 ई. तक)

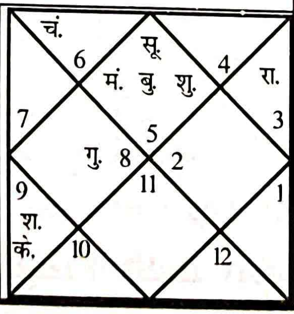
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3069, अयनांश 24/06/53

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	15	34	12	16	पू.फा.	20	17	14	09	सिद्ध	19	31	बब	15	34	06	03	18	41	31	37	21	59	कन्या19:25	15	31	चन्द्रदर्शन
2 3	रवि	06 57	01 18	08 28	27 58	उ.फा.	12	48	11	10	साध्य शुभ	08 59	54 00	कौलव	06	01	06	03	18	40	31	33	21	40	कन्या	16	01सित.	सुवर्णगौरी व्रत, हरितालिका A
4	सोम	48	27	25	26	हस्त	06	10	08	31	शुक्ल	48	59	वणिज	22	53	06	04	18	39	31	29	21	21	तुला19:27	17	02	भद्रा 15:12 से 25:26 तक,कलंक B
5	मंगल	42	14	22	58	चित्रा स्वाती	00 55	50 20	06 28	24 12	ब्रहम	41	14	बब	15	21	06	04	18	38	31	25	21	02	तुला	18	03	ऋषि पंचमी, मेलापाट (जम्मू)
6	बुध	37	59	21	16	विशाखा	53	20	27	24	ऐन्द्र	35	06	कौलव	10	07	06	04	18	36	31	20	20	42	वृश्चि21:36	19	04	सूर्यषष्ठी, देवषष्ठी,लोलार्कषष्ठी,स्कन्द C
7	गुरु	35	46	20	23	अनुराधा	53	23	27	26	वैधृति	30	37	गर	06	52	06	05	18	35	31	16	20	22	वृश्चिक	20	05	भद्रा 20:23 से, शिक्षकदिवस, आमुक्ता D
8	शुक्र	35	34	20	19	ज्येष्ठा	55	28	28	16	विष्कुम्भ	27	43	विष्टि	05	40	06	05	18	34	31	12	20	01	धनु28:16	21	06	भद्रा 08:21 तक, नन्दाष्टमी, राधाष्टमी, E
9	शनि	37	18	21	01	मूल	60	00	–	–	प्रीति	26	21	बालब	06	26	06	06	18	33	31	08	19	41	धनु	22	07	अदु:खनवमी, महानंदानवमी, श्रीचन्द्रजयन्ती
10	रवि	40	45	22	24	मूल	00	58	06	30	आयुष्मान	26	18	तैतिल	09	01	06	06	18	32	31	04	19	20	धनु	23	08	दशावतार दशमी व्रत,
11	सोम	45	27	24	17	पू.षा.	06	16	08	37	सौभाग्य	27	16	वणिज	13	06	06	07	18	31	31	00	18	58	मकर15:16	24	09	भद्रा 11:20 से 24:17तक,पद्मा एकादशीF
12	मंगल	51	05	26	33	उ.षा.	12	38	11	10	शोभन	29	00	बव	18	16	06	07	18	29	30	56	18	37	मकर	25	10	शक्रद्वादशी, वामनद्वादशी,श्रवण G
13	बुध	57	14	29	01	श्रवण	19	42	14	00	अतिगण्ड	31	10	कौलव	24	10	06	08	18	28	30	51	18	15	कुम्भ27:30	26	11	पंचकप्रारम्भ 27:30 से, प्रदोष व्रत
14	गुरु	60	00	–	–	धनि	27	08	16	59	सुक	33	34	गर	30	27	06	08	18	27	30	47	17	54	कुम्भ	27	12	अनन्तचतुर्दशी व्रत, H
14	शुक्र	03	39	07	36	शत	34	35	19	59	धृति	35	54	वणिज	03	39	06	08	18	26	30	43	17	32	कुम्भ	28	13	भद्रा 07:36से 20:49तक,व्रत व श्राद्धपूर्णिमा
15	शनि	09	43	10	02	पूभा	41	57	22	56	शूल	38	10	बब	09	43	06	09	18	25	30	39	17	10	मीन16:13	29	14	भाद्रपदपूर्णिमा स्नानदानादि, पितृपक्षीय I

A तृतीया व्रत, गौरी तृतीया, वराह जयन्ती, सामवेदी उपाकर्म, मन्वादि 3। **B** चतुर्थी, चन्द्रदर्शन निषेध,विनायकचतुर्थी,सौभाग्य चतुर्थी (बंगाल), गणेशोत्सवारम्भ, वरद चतुर्थी, जैन संवत्सरी **C** दर्शन, बलदेव छठ, ललिता षष्ठी **D** भरण सप्तमी,भानुसप्तमी, सन्तान सप्तमी, ललिता सप्तमी (बंगाल)।**E** विश्वकर्मापूजा,दूर्वाष्टमी, दुर्गाशयनाष्टमी (उडीसा), महालक्ष्मीव्रतारम्भ। **F** व्रत(समस्त), कर्मा एकादशी, पार्श्व परिवर्तन, डोल ग्यारस, दधिदान, दुग्धत्यागव्रतारम्भ, जलझूलनी (राजस्थान)**G** द्वादशी, समर्थगुरुरामदास जयन्ती, वामन जयन्ती, भुवनेश्वरी जयन्ती, कल्कि द्वादशी, मोहर्रम (मुस्लिम)।**H** गणेश विसर्जन, श्रीशिवपरिवर्तनोत्सव, **I**पार्वण तर्पणारम्भ, सत्यव्रत, प्रतिपदाश्राद्ध, महालयारम्भ, आपस्तम्बीय बोधायनीय अथर्ववेदियों का उपाकर्म, हिन्दी दिवस।**चतुर्थीचन्द्रदर्शन निषेध**-सिंहादित्ये शुक्लपक्षे चतुर्थ्यां चन्द्रदर्शनम्।मिथ्याभिदूषणं कुर्यात्तस्मात्पश्येन्न तं सदा।।

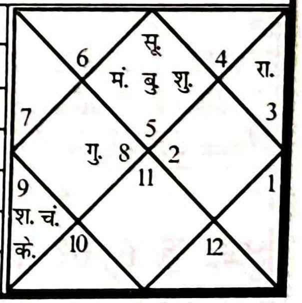
भाद्रपद शुक्ल 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.09.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	05	04	04	07	04	08	02	08
अं.	14	06	14	11	20	19	19	20	20
क.	10	44	40	12	57	05	57	33	33
वि.	48	44	32	00	49	02	16	18	18
गति	58	914	38	118	03	74	व01	व03	व03
	01	25	12	28	38	24	46	11	11



भाद्रपद शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.09.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	08	04	04	07	04	08	02	08
अं.	20	13	19	24	21	27	19	20	20
क.	57	07	08	37	27	46	47	11	11
वि.	50	23	18	48	59	21	59	02	02
गति	58	750	38	111	04	74	व01	व03	व03
	13	52	16	56	49	29	03	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 15 सितम्बर से 28 सितम्बर 2019 ई. तक)

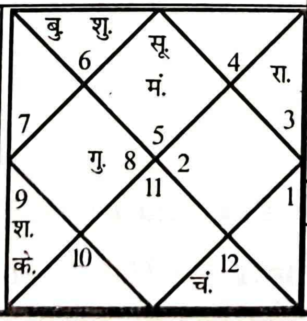
'परिधावी 'संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3084, अयनांश 24/06/55

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	15	34	12	23	उ.भा.	49	04	25	47	गण्ड	40	12	कौलव	15	34	06	10	18	23	30	35	16	48	मीन	30	15	द्वितीया श्राद्ध(अपराह्न) अशून्यशून्यव्रत
2	सोम	21	03	14	35	रेवती	55	45	28	28	वृद्धि	41	53	गर	21	03	06	10	18	22	30	30	16	25	मेष28:28	31	16	भद्रा 27:35 से,पंचकसमाप्ति 28:28,A
3	मंगल	26	03	16	36	अश्विनी	60	00	-	-	ध्रुव	43	10	विष्टि	26	03	06	11	18	21	30	26	16	03	मेष	01	17	तृतीया श्राद्ध, भद्रा 16:36 तक,सूर्य कन्याB
4	बुध	30	20	18	19	अश्विनी	01	22	06	44	व्याघात	43	53	बालव	30	20	06	11	18	20	30	22	15	41	मेष	02	18	चतुर्थी श्रादध, भरणी श्रादध
5	गुरु	33	36	19	38	भरणी	06	28	08	47	हर्षण	43	41	कौलव	01	58	06	12	18	18	30	18	15	19	वृष15:11	03	19	पंचमी श्राद्ध,
6	शुक्र	35	36	20	26	कृत्तिका	10	28	10	23	वज्र	42	28	गर	04	36	06	12	18	17	30	14	14	56	वृष	04	20	भद्रा 20:26 से षष्ठी श्राद्ध, कपिला षष्ठी
7	शनि	36	07	20	39	रोहिणी	13	06	11	27	सिद्धि	40	04	विष्टि	05	51	06	13	18	16	30	09	14	34	मिथुन23:39	05	21	भद्रा 08:32 तक,रोहिणी व्रत,सप्तमीश्राद्ध,C
8	रवि	34	52	20	10	मृगसिरा	14	08	11	52	व्यतीपात	36	14	बालव	05	29	06	13	18	15	30	05	14	12	मिथुन	06	22	अष्टमीश्राद्ध ,जीवितपुत्रिकाव्रतD
9	सोम	31	48	18	56	आर्द्रा	13	26	11	36	वरीयान	30	57	तैतिल	03	20	06	14	18	14	30	01	13	50	कर्क28:51	07	23	भद्रा 29:57से, नवमीश्राद्ध, मातृनवमी,E
10	मंगल	26	54	16	59	पुन.	10	58	10	37	परिघ	24	11	विष्टि	26	54	06	14	18	12	29	57	13	28	कर्क	08	24	भद्रा 16:59 तक, दशमी श्राद्ध
11	बुध	20	18	14	22	पुष्य	06	48	08	57	शिव	16	03	बालव	20	18	06	15	18	11	29	52	13	06	कर्क	09	25	एकादशी व द्वादशी श्राद्ध,इन्दिरा एकादशीF
12	गुरु	12	19	11	10	आश्लेषा मघा	01 54	10 28	06 28	43 02	सिद्ध साध्य	06 56	46 43	तैतिल	12	19	06	15	18	10	29	48	12	44	सिंह06:43	10	26	त्रयोदशी श्राद्ध, मघा श्राद्ध, प्रदोषव्रत
13 14	शुक्र	03 53	22 53	07 27	36 49	पू.फा.	47	48	25	22	शुभ	46	44	वणिज	03	22	06	16	18	09	29	44	12	23	सिंह	11	27	भद्रा 07:36 से 17:42तक,चतुर्दशीश्राद्ध G
30	शनि	44	28	24	03	उ.फा.	39	42	22	08	शुक्ल	35	30	चतुष्पद	19	11	06	16	18	08	29	39	12	01	कन्या06:34	12	28	शनैश्चरी अमावस्या,अमा श्राद्ध F

A द्वितीया श्राद्ध(मतान्तर से)B में 13:10 , कन्या संक्रान्ति पुण्यकाल 13:10 से सूर्यास्त तक, विश्वकर्मा पूजा, कज्जली बहुला व्रत, बृहद्गौरीव्रत, संकष्टहरचतुर्थी व्रत। C महालक्ष्मीव्रत, कालाष्टमी, D जीमूतवाहनव्रत, जितिया। E सौभाग्यवती श्राद्ध। F व्रत (समस्त), यतिमहालय । मघा श्राद्ध, गजच्छाया योग G मासशिवरात्रिव्रत, शस्त्रहत महालय, शस्त्रादि हत श्राद्ध, Fसर्वपितृ-अमावस्या श्राद्ध, पितृविसर्जन,महालय समाप्ति। **श्राद्ध माहात्म्य** - आषाढ्याः पंचमे पक्षे कन्यासंस्थे दिवाकरे। यो वै श्राद्धं नरः कुर्यादेकस्मिन्नपि वासरे। तस्य संवत्सरं यावत् संतृप्ताः पितरो ध्रुवम्। **जीवितपुत्रिकाव्रतम्** - इषे मास्यसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत्। पुत्रसौभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवितपुत्रिका।शालिवाहनराजस्य पुत्रो जीमूतवाहनः। तस्यां पूज्यः स नारीभिः पुत्रसौभाग्यलिप्सया।

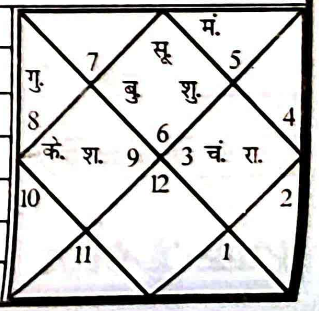
आश्विन कृष्ण 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.09.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	11	04	05	07	05	08	02	08
अं.	27	06	23	07	22	06	19	19	19
क.	46	56	36	08	06	28	43	48	48
वि.	18	06	33	51	10	01	24	47	47
गति	58	713	38	103	05	74	व00	व03	व03
	26	57	21	45	55	31	22	11	11



आश्विन कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.09.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	02	04	05	07	05	08	02	08
अं.	04	03	28	18	22	15	19	19	19
क.	36	35	05	46	51	09	43	26	26
वि.	19	38	22	01	53	56	35	31	31
गति	58	782	38	96	06	74	00	व03	व03
	39	23	26	35	59	33	18	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, आश्विन शुक्लपक्ष (दिनांक 29 सितम्बर से 13 अक्टूबर 2019 ई. तक)

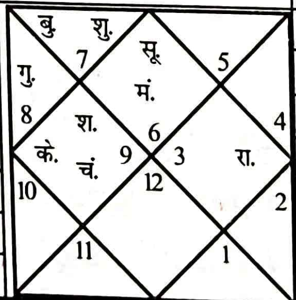
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3098, अयनांश 24/06/57

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	34	46	20	11	हस्त	32	01	19	04	ब्रहम	24	40	किंस्तुघ्न	09	37	06	17	18	06	29	35	11	40	तुला29:44	13	29	शारदीय नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन A
2	सोम	26	03	16	42	चित्रा	25	14	16	22	ऐन्द्र	14	34	बालव	00	24	06	17	18	05	29	31	11	20	तुला	14	30	चन्द्रदर्शन, प्रीति द्वितीया,
3	मंगल	18	44	13	47	स्वाती	19	48	14	13	वैधृति विष्कुम्भ	05 57	32 48	गर	18	44	06	18	18	04	29	27	10	59	तुला	15	01अक.	भद्रा 24:10 से, गौरीतृतीया, रेमन्त पूजा
4	बुध	13	09	11	33	विशाखा	16	06	12	44	प्रीति	49	57	विष्टि	13	09	06	18	18	03	29	22	10	39	वृश्चि07:06	16	02	भद्रा 11:33 तक, विनायकचतुर्थीव्रत B
5	गुरु	09	31	10	07	अनुराधा	14	20	12	02	आयुष्मान	45	27	बालव	09	31	06	19	18	02	29	18	10	19	वृश्चिक	17	03	ललिता पंचमी, उपांगललितागौरीव्रत
6	शुक्र	08	00	09	31	ज्येष्ठा	14	41	12	11	सौभाग्य	42	44	तैतिल	08	00	06	19	18	00	29	14	09	59	धनु12:11	18	04	बिल्वामन्त्रण,कालरात्रिपूजा.
7	शनि	08	36	09	46	मूल	17	05	13	09	शोभन	41	37	वणिज	08	36	06	20	17	59	29	10	09	40	धनु	19	05	भद्रा 09:46 से 22:17 तक, C
8	रवि	11	14	10	49	पू.षा.	21	26	14	54	अतिगण्ड	41	58	बव	11	14	06	20	17	58	29	05	09	21	मकर21:30	20	06	महाष्टमी व्रत, दुर्गाष्टमी, अन्नपूर्णा D
9	सोम	15	31	12	33	उ.षा.	27	19	17	16	सुकर्मा	43	24	कौलव	15	31	06	21	17	57	29	01	09	03	मकर	21	07	महानवमीव्रत, बलिहोमादि, स्वारोचिष E
10	मंगल	21	04	14	47	श्रवण	34	21	20	05	धृति	45	38	गर	21	04	06	21	17	56	28	57	08	45	मकर	22	08	भद्रा 28:02 से,विजयदशमी,दशहरा F
11	बुध	27	19	17	17	धनिष्ठा	41	59	23	09	शूल	48	10	विष्टि	27	19	06	22	17	55	28	53	08	28	कुम्भ09:37	23	09	भद्रा 17:17 तक, पापांकुशा G
12	गुरु	33	48	19	53	शतभिषा	49	43	26	15	गण्ड	50	43	बव	00	34	06	22	17	54	28	49	08	11	कुम्भ	24	10	गोद्वादशी, पद्मनाभद्वादशी।
13	शुक्र	40	07	22	26	पू.भा.	57	16	29	17	वृद्धि	53	03	कौलव	06	57	06	23	17	52	28	44	07	54	मीन22:32	25	11	प्रदोष व्रत
14	शनि	45	53	24	45	उ.भा.	60	00	-	-	ध्रुव	54	52	गर	13	00	06	24	17	51	28	40	07	38	मीन	26	12	भद्रा 24:45 से
15	रवि	51	00	26	48	उ.भा.	03	43	07	53	व्याघात	56	09	विष्टि	18	27	06	24	17	50	28	36	07	23	मीन	27	13	भद्रा 13:46 तक, शरत् पूर्णिमा, कौमुदी H

A मातामह श्राद्ध, महाराज अग्रसेन जयन्ती। B महात्मा गान्धी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती। C सरस्वतीआवाहन, वल्वादि नवपत्रिका प्रवेश प्रातः काल, सन्धि पूजा, महानिशापूजा, देवीत्रिरात्रिव्रतारम्भ। D परिक्रमा, सन्धिपूजा, औलीजैन प्रारम्भ, महानवमी रात्रि पूजा E मन्वादि, त्रिशूलिनी पूजा, नवरात्रि समाप्ति F दुर्गाविसर्जन,शमीपूजा,अपराजिता देवी पूजा, दशरथगौरीव्रत, सीमोल्लंघन, नीलकंठदर्शन, शस्त्रादि पूजा, वाहन पूजा, नवरात्रपारणा, बुद्धावतार जयन्ती। G एकादशी व्रत (समस्त),भरत मिलाप(काशी)माधवाचार्य जयन्ती, पंचक प्रारम्भ 09:37 से । H महोत्सव, कोजागरी, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायणव्रत, रात्रौ अक्षक्रीडा, कार्तिकस्नानारम्भ, श्रीबाल्मीकिजयन्ती, औली समाप्त (जैन), अन्नाभिषेक(दक्षिणभारत),मीराबाई जयन्ती, रासमहोत्सव। **नवरात्रिसमये घटस्थापन कालविमर्श** -न रात्रौ स्थापनं कार्यं न च कुम्भाभिषेचनम्।भास्करोदयमारभ्य यावत्तु दशनाडिका। प्रातः काल इति प्रोक्तः स्थापनारोपणादिषु।

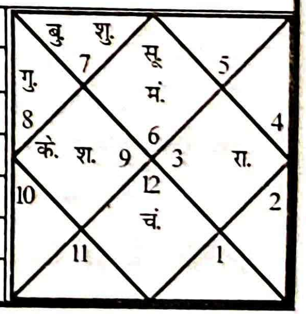
आश्विन शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.10.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	08	05	06	07	06	08	02	08
अं.	18	22	07	09	24	02	19	18	18
क.	21	11	05	42	43	34	58	41	41
वि.	11	25	01	01	53	06	27	59	59
गति	59	751	38	83	08	74	01	व03	व03
	07	48	38	31	50	34	42	11	11



आश्विन शुक्ल 15, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.10.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	11	05	06	07	06	08	02	08
अं.	25	15	11	18	25	11	20	18	18
क.	16	55	35	54	49	16	13	19	19
वि.	07	18	57	50	04	16	00	43	43
गति	59	718	38	75	09	74	02	व03	व03
	21	58	44	07	38	34	23	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 14 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2019 ई. तक)

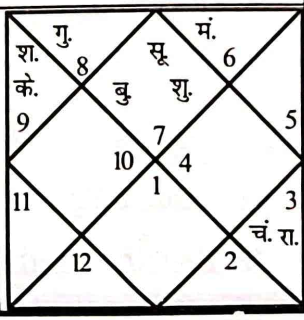
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद्/हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3113, अयनांश 24/06/59

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	55	23	28	33	रेवती	09	51	10	21	हर्षण	56	51	बालव	23	11	06	25	17	49	28	32	07	08	मेष10:21	28	14	पंचकसमाप्ति 10:21 पर
2	मंगल	58	56	29	59	अश्विनी	15	15	12	31	वज्र	56	54	तैतिल	27	09	06	25	17	48	28	28	06	54	मेष	29	15	अशून्यशयन व्रत
3	बुध	60	00	--	--	भरणी	19	54	14	23	सिद्धि	56	20	वणिज	29	54	06	26	17	47	28	24	06	40	वृष20:46	30	16	भद्रा 18:23से
3	गुरु	00	52	06	47	कृत्तिका	23	42	15	55	व्यतीपात	55	03	विष्टि	00	52	06	26	17	46	28	19	06	27	वृष	01	17	भद्रा 06:47तक,तुलासंक्रान्ति24:59,करवाA
4	शुक्र	02	35	07	29	रोहिणी	26	36	17	05	वरीयान	53	00	बालव	02	35	06	27	17	45	28	15	06	15	मिथुन29:27	02	18	रोहिणीव्रत, संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय B
5	शनि	03	15	07	45	मृगसिरा	28	26	17	50	परिघ	50	01	तैतिल	03	15	06	28	17	44	28	11	06	03	मिथुन	03	19	
6	रवि	02	40	07	32	आर्द्रा	29	00	18	04	शिव	45	56	वणिज	02	40	06	28	17	43	28	07	05	52	मिथुन	04	20	भद्रा 07:32 से 19:09 तक, स्कन्द षष्ठी
7 8	सोम	00 57	46 25	06 29	47 27	पुनर्वसु	28	12	17	46	सिद्ध	40	43	बव	00	46	06	29	17	4[illegible]	28	03	05	42	कर्क11:50	05	21	अहोई अष्टमी, अष्टमीव्रत, राधाष्टमी राधाजयन्ती, कालाष्टमी, राधा कुण्ड स्नान
9	मंगल	54	09	28	09	पुष्य	25	57	16	52	साध्य	34	16	तैतिल	25	47	06	30	17	41	27	59	05	33	कर्क	06	22	
10	बुध	47	53	25	39	आश्लेषा	22	16	15	25	शुभ	26	40	वणिज	21	01	06	30	17	40	27	55	05	24	सिंह15:25	07	23	भद्रा 14:54 से 25:39 तक।
11	गुरु	40	22	22	40	मघा	17	19	13	26	शुक्ल	18	02	बव	14	07	06	31	17	39	27	51	05	16	सिंह	08	24	रम्भा (रमा)एकादशी व्रत(समस्त)
12	शुक्र	32	03	19	21	पू.फा.	11	24	11	05	ब्रह्म ऐन्द्र	08 58	41 50	कौलव	06	13	06	32	17	38	27	47	05	08	कन्या16:26	09	25	गोवत्स द्वादशी,धन्वन्तरिजयन्ती, धनतेरस, धन त्रयोदशी, यमदीपदान, प्रदोष व्रत
13	शनि	23	19	15	52	उ.फा. हस्त	04 58	54 15	08 29	30 51	वैधृ	49	11	वणिज	23	19	06	32	17	37	27	43	05	02	कन्या	10	26	भद्रा 15:52से 26:08 तक, नरकचतुर्दशी, हनुमान जयन्ती(उ.भा.), रूप चौदस C
14	रवि	14	39	12	24	चित्रा	51	40	27	13	विष्कु	38	59	शकुनि	14	39	06	33	17	36	27	39	04	56	तुला16:32	11	27	दीपावली, महालक्ष्मी पूजा, यमदीपदान D
30 01	सोम	06 59	29 10	09 30	09 15	स्वाती	45	35	24	48	प्रीति	29	28	नाग	06	29	06	34	17	35	27	35	04	51	तुला	12	28	अमावस्या स्नानदानादि,गोवर्धन पूजा, प्रातः यमतर्पण, गोकीडा, अन्नकूट,बलिपूजा E

A चौथ, करकचतुर्थी व्रत, संकटचतुथी व्रत। B से 10:23 तक, दशरथ चतुर्थी(बंगाल),C सायं दीपदान, कामेश्वरी जयन्ती। Dयमतर्पण, महाकाली पूजा, श्राद्धादि अमावस्या, पितृविसर्जन, लक्ष्मीकुबेरादि पूजन, सायं दीपदान,उल्काभ्रमण, गोत्रिरात्रि व्रत, केदारव्रत, कमला जयन्ती, शंकराचार्य निर्वाण दिन, दयानन्दनिर्वाण दिन, श्रीमहावीर निर्वाण(जैन), Eसोमवती अमावस्या, आकाश दीपारम्भ, अखण्डदीप प्रारम्भ, मंगलमालिका, द्यूतक्रीडा, विश्वकर्मापूजा।

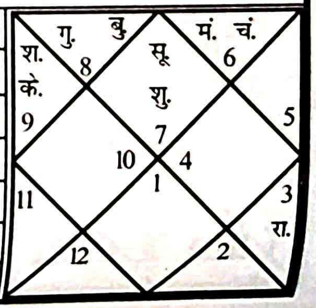
कार्तिक कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 20.10.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	02	05	06	07	06	08	02	08
अं.	02	13	16	26	26	19	20	17	17
क.	12	40	07	51	59	58	32	57	57
वि.	44	21	42	14	39	27	05	27	27
गति	59	785	38	61	10	74	03	व03	व03
	35	26	52	30	23	34	01	11	11



कार्तिक कृष्ण 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.10.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	05	05	07	07	06	08	02	08
अं.	09	23	20	02	28	28	20	17	17
क.	11	46	40	23	15	40	55	35	35
वि.	01	05	21	52	07	37	31	11	11
गति	59	898	38	34	11	74	03	व03	व03
	49	43	59	10	04	33	38	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 29 अक्टूबर से 12 नवम्बर 2019 ई. तक)

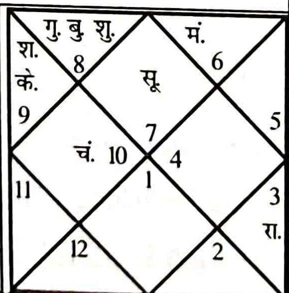
'परिधावी 'संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण-गोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3128, अयनांश 24/07/01

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	मंगल	51	53	27	19	विशाखा	40	48	22	53	आयुष्मान	20	55	बालव	25	02	06	34	17	35	27	31	04	47	वृश्चि17:22	13	29	भ्रातृद्वितीया, भैया दूज, यमपूजा, चन्द्रदर्शन A
3	बुध	47	16	25	29	अनुराधा	37	38	21	38	सौभाग्य	13	35	तैतिल	19	35	06	35	17	34	27	27	04	43	वृश्चिक	14	30	त्रिलोचनगौरीव्रत
4	गुरु	44	41	24	28	ज्येष्ठा	36	23	21	09	शोभन	07	41	वणिज	15	59	06	36	17	33	27	23	04	40	धनु21:09	15	31	भद्रा 12:58 से 24:28 तक, नागचतुर्थी, B
5	शुक्र	44	11	24	17	मूल	37	07	21	27	अतिगण्ड	03	19	बव	14	26	06	37	17	32	27	20	04	39	धनु	16	01नव.	लाभपंचमी, सौभाग्यपंचमी, ज्ञानपंचमी
6	शनि	45	47	24	56	पू.षा.	39	54	22	34	सुकर्मा धृति	00 59	33 18	कौलव	14	59	06	37	17	31	27	16	04	38	मकर29:02	17	02	स्कन्दषष्ठी, सूर्यषष्ठीव्रत, प्रतिहारषष्ठीव्रत (सांयार्घ्य)
7	रवि	49	18	26	21	उ.षा.	44	32	24	26	शूल	58	05	गर	17	33	06	38	17	31	27	12	04	38	मकर	18	03	भद्रा26:21से, प्रतिहारषष्ठी सूर्यार्घ्य, व्रत पारणा
8	सोम	54	29	28	26	श्रवण	50	47	26	57	गण्ड	60	00	विष्टि	21	54	06	39	17	30	27	08	04	38	मकर	19	04	भद्रा 15:23 तक दुर्गाष्टमी, C
9	मंगल	60	00	-	-	धनिष्ठा	58	10	29	55	गण्ड	00	44	बालव	28	03	06	40	17	29	27	05	04	40	कुम्भ16:27	20	05	पंचकप्रारम्भ 16:27 से, अक्षयनवमी, D
9	बुध	01	37	07	19	शतभिषा	60	00	-	-	वृद्धि	02	43	कौलव	01	13	06	40	17	29	27	01	04	42	कुम्भ	21	06	
10	गुरु	08	06	09	55	शतभिषा	06	26	09	15	ध्रुव	05	02	गर	08	06	06	41	17	28	26	58	04	45	मीन29:30	22	07	भद्रा 23:11 से , मथुरा मेला (कंस)
11	शुक्र	14	26	12	28	पू.भा.	13	54	12	15	व्याघात	07	14	विष्टि	14	26	06	42	17	27	26	54	04	49	मीन	23	08	भद्रा 12:28 तक, हरिप्रबोधिनी E
12	शनि	20	10	14	46	उ.भा.	20	49	15	02	हर्षण	08	59	बालव	20	10	06	43	17	27	26	51	04	54	मीन	24	09	शनि प्रदोषव्रत, गरुड द्वादशी
13	रवि	24	57	16	42	रेवती	26	49	17	27	व्रज	10	03	तैतिल	24	57	06	43	17	26	26	47	05	00	मेष17:27	25	10	पंचकसमाप्ति 17:27 पर, वैकुण्ठचतुर्दशी
14	सोम	28	37	18	11	अश्विनी	31	46	19	27	सिद्धि	10	17	वणिज	28	37	06	44	17	25	26	44	05	07	मेष	26	11	भद्रा 18:11 से पाषाण चतुर्दशी F
15	मंगल	31	11	19	13	भरणी	35	39	21	01	व्यती	09	40	बव	31	11	06	45	17	25	26	40	05	14	वृष27:18	27	12	भद्रा 06:42तक, कार्तिकपूर्णिमा, पूर्णिमाव्रत G

A चित्रगुप्त पूजा, यमुना स्नान B विनायकचतुर्थी, दूर्वागणपति व्रत, सरदार पटेल जयन्ती, एकता दिवस, त्रिदिवसीय सूर्यषष्ठीव्रतारम्भ। C मेला गोचारण (मथुरा), गोपाष्टमी, कार्तवीर्योत्पत्ति, औली (जैन) प्रारम्भ D कूष्माण्डनवमी, सतयुगादि, विष्णुत्रिरात्रिव्रतारम्भ, जगद्धात्री पूजा, धात्रीवृक्ष के नीचे भोजन, अयोध्या मथुरा परिक्रमा। E एकादशी व्रत(समस्त), देवउठनी, तुलसी विवाह, भीष्मपंचक प्रारम्भ, श्रीविष्णु त्रिरात्रिव्रतसमाप्त, कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचकव्रतारम्भ, चातुर्मास्य समाप्ति। F विश्वेश्वरप्रतिष्ठाव्रत, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा, धात्रीपूजन, श्रीमहाविष्णु पूजा। G कार्तिकव्रतोद्यापन, सत्यनारायणव्रत, गुरुनानक जयन्ती, त्रिपुरोत्सव, तुलसी उद्यापन, पुष्कर मेला, भीष्मपंचकसमाप्ति, देव दीपावली, निम्बार्क जयन्ती, वैशानस दीप(द.भा.)।

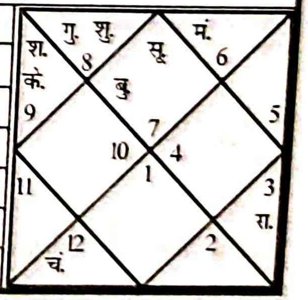
कार्तिक शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.11.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	09	05	07	07	07	08	02	08
अं.	16	00	25	03	29	07	21	17	17
क.	10	38	13	09	34	22	23	12	12
वि.	54	18	53	22	55	47	02	55	55
गति	60	.756	39	व18	11	74	04	व03	व03
	03	44	07	04	38	33	11	11	11



कार्तिक शुक्ल 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.11.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	11	05	06	08	07	08	02	08
अं.	23	24	29	26	00	16	21	16	16
क.	12	36	48	53	58	04	54	50	50
वि.	21	13	24	02	33	51	24	39	39
गति	60	724	39	व75	12	74	04	व03	व03
	16	12	15	43	09	32	43	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 13 नवम्बर से 26 नवम्बर 2019 ई. तक)

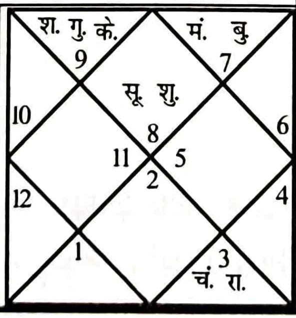
'परिधावी' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3143, अयनांश 24/07/03

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्री	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	32	37	19	49	कृत्तिका	38	28	22	09	वरीयान	08	13	बालव	01	54	06	46	17	24	26	37	05	22	वृष	28	13	कार्तिकव्रतपारणा,
2	गुरु	33	12	20	03	रोहिणी	40	27	22	57	परिघ	06	03	तैतिल	02	55	06	47	17	24	26	34	05	32	वृष	29	14	बाल दिवस
3	शुक्र	32	48	19	54	मृगसिरा	41	29	23	23	शिव सिद्ध	03 59	09 35	वणिज	03	00	06	47	17	23	26	31	05	42	मिथुन11:11	30	15	भद्रा 07:58 से 19:54तक,सौभाग्यसुन्दरीव्रत संकष्टहरचतुर्थी व्रत,
4	शनि	31	31	19	24	आर्द्रा	41	40	23	28	साध्य	55	18	बव	02	09	06	48	17	23	26	27	05	52	मिथुन	01	16	वृश्चिक संक्रान्ति 24:46, सूर्य वृश्चिक में
5	रवि	29	23	18	34	पुनर्वसु	41	01	23	13	शुभ	51	01	कौलव	00	27	06	49	17	23	26	24	06	04	कर्क17:18	02	17	संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक
6	सोम	26	17	17	20	पुष्य	39	24	22	35	शुक्ल	45	13	वणिज	26	17	06	50	17	22	26	21	06	16	कर्क	03	18	भद्रा 17:20 से 28:33 तक
7	मंगल	22	18	15	46	आश्लेषा	36	56	21	37	ब्रहम	38	44	बव	22	18	06	51	17	22	26	18	06	30	सिंह21:27	04	19	सावित्रीकल्प, रुक्मणी अष्टमी A
8	बुध	17	23	13	49	मघा	33	32	20	16	ऐन्द्र	31	29	कौलव	17	23	06	52	17	21	26	15	06	44	सिंह	05	20	
9	गुरु	11	43	11	33	पू.फा.	29	24	18	38	वैधृति	23	40	गर	11	43	06	52	17	21	26	12	06	58	कन्या24:09	06	21	भद्रा 22:18 से
10 11	शुक्र	05 58	25 45	09 30	03 23	उ.फा.	24	40	16	45	विष्कुम्भ	15	22	विष्टि	05	25	06	53	17	21	26	10	07	14	कन्या	07	22	भद्रा 09:03 तक, उत्पन्ना एकादशो व्रत (स्मार्त),
12	शनि	52	11	27	46	हस्त	19	39	14	45	प्रीति आयुष्मान	06 58	50 18	कौलव	25	28	06	54	17	21	26	07	07	30	तुला25:45	08	23	उत्पन्ना एकादशी व्रत (वैष्णव),
13	रवि	45	17	25	01	चित्रा	14	38	12	46	सौभा.	49	46	गर	18	44	06	55	17	20	26	04	07	47	तुला	09	24	रवि प्रदोषव्रत,भद्रा 25:01 से, मासशिवरात्रि
14	सोम	38	59	22	31	स्वाती	09	59	10	55	शोभ.	41	38	विष्टि	12	08	06	56	17	20	26	02	08	05	वृश्चि27:45	10	25	भद्रा 11:46तक,
30	मंगल	33	42	20	25	विशाखा	06	04	09	22	अति.	34	22	चतुष्पद	06	20	06	56	17	20	25	59	08	23	वृश्चिक	11	26	भौमवती अमावस्या, कार्तिकपूजा(बं.)

A कालभैरवाष्टमी, कालाष्टमी, भैरव जयन्ती **नवान्नभक्षणम्**-वृश्चिके पूर्वभागे तु नवान्नं शस्यते बुधैः। अपरे क्रियमाणे तु धनुष्येव कृतं भवेत्।। धनुषि यत्कृतं श्राद्धं मृगनेत्रासु रात्रिषु। पितरस्तन्न गृह्णन्ति नवान्नामृतकांक्षिणः।। कालभैरवपूजने विशेषः - कृत्वा च विविधां पूजां महासम्भार- विस्तरैः। नरो मार्गासिताष्टम्यां वार्षिकं विघ्नमुत्सृजेत्। तीर्थे कालोदके स्नात्वा कृत्वा तर्पणमत्वरः। विलोक्य कालराजानं निरयादुद्धरेत्पितॄन्। **रविवासरे त्याज्य वस्तूनि**-क्षौरं तैलं जलं चोष्णमामिषं निशि भोजनम्। रतिः स्नानं च मध्याह्ने रवौ सप्त विवर्जयेत्।।

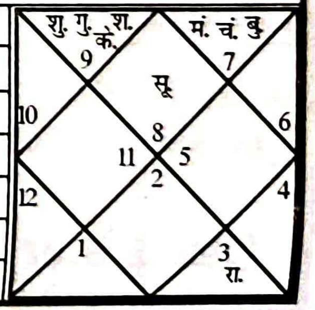
मार्गशीर्ष कृष्ण 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.11.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	02	06	06	08	07	08	02	08
अं.	00	24	04	18	02	24	22	16	16
क.	15	12	23	44	25	46	29	28	28
वि.	13	44	52	13	31	47	13	23	23
गति	60	800	39	व49	12	74	05	व03	व03
	27	26	23	38	35	30	09	11	11



मार्गशीर्ष कृष्ण 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.11.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	06	06	06	08	08	08	02	08
अं.	07	03	09	18	03	03	23	16	16
क.	19	07	00	13	55	28	07	06	06
वि.	22	17	20	21	18	25	14	06	06
गति	60	871	39	27	12	74	05	व03	व03
	39	25	32	10	58	28	36	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दिनांक 27 नवम्बर से 12 दिसम्बर 2018 ई. तक)

'विरोधकृत्/परिधावी 'संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3157, अयनांश 24/07/05

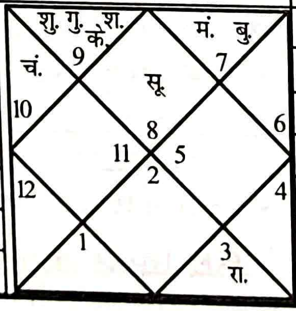
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	29	36	18	47	अनुराधा	03	08	08	12	सुकर्मा	28	04	किंस्तुघ्न	01	39	06	57	17	20	25	57	08	42	वृश्चिक	12	27	प्रतिपत्प्रदोष, रुद्रव्रत
2	गुरु	27	03	17	47	ज्येष्ठा	01	33	07	35	धृति	23	01	कौलव	27	03	06	58	17	20	25	54	09	02	धनु07:35	13	28	रम्भाव्रत, चन्द्रदर्शन
3	शुक्र	26	10	17	27	मूल	01	30	07	34	शूल	19	16	गर	26	10	06	59	17	19	25	52	09	23	धनु	14	29	भद्रा 29:38 से
4	शनि	27	05	17	49	पू.षा.	03	07	08	14	गण्ड	16	54	विष्टि	27	05	07	00	17	19	25	50	09	44	मकर14:35	15	30	भद्रा 17:49 तक, विनायकचतुर्थी व्रत
5	रवि	29	45	18	54	उ.षा.	06	27	09	35	वृद्धि	15	52	बालव	29	45	07	00	17	19	25	48	10	05	मकर	16	01दिस.	रामविवाहोत्सव, विवाह पंचमी A
6	सोम	34	06	20	39	श्रवण	11	25	11	35	ध्रुव	16	07	कौलव	01	56	07	01	17	19	25	46	10	28	कुम्भ24:50	17	02	पंचकप्रारम्भ 24:50 से, स्कन्दषष्ठी B
7	मंगल	39	45	22	56	धनिष्ठा	17	43	14	07	व्याघात	17	23	गर	06	56	07	02	17	19	25	44	10	51	कुम्भ	18	03	भद्रा 22:56 से, नन्दासप्तमी,मित्रसप्तमी
8	बुध	46	17	25	33	शतभिषा	24	59	17	02	हर्षण	19	23	विष्टि	13	01	07	03	17	19	25	42	11	14	कुम्भ	19	04	भद्रा 12:14 तक, दुर्गाष्टमी
9	गुरु	53	04	28	17	पू.भा.	32	39	20	07	वज्र	21	40	बालव	19	41	07	03	17	19	25	40	11	38	मीन13:21	20	05	कल्पादि नवमी, महानवमी व्रत
10	शुक्र	59	25	30	50	उ.भा.	40	05	23	06	सिद्धि	23	47	तैतिल	26	15	07	04	17	19	25	39	12	02	मीन	21	06	
11	शनि	60	00	-	-	रेवती	46	41	25	45	व्यतिपात	25	17	वणिज	31	34	07	05	17	19	25	37	12	27	मेष25:45	22	07	भद्रा 19:42 से, पंचकसमाप्ति 25:45 पर
11	रवि	03	42	08	34	अश्विनी	52	01	27	54	वरीयान	25	50	विष्टि	03	42	07	06	17	20	25	36	12	53	मेष	23	08	भद्रा 08:34 तक,मोक्षदा एकादशीव्रत C
12	सोम	07	12	09	59	भरणी	55	55	29	28	परिघ	25	18	बालव	07	12	07	06	17	20	25	34	13	19	मेष	24	09	अखण्डद्वादशी,सोमप्रदोषव्रत, अनंग त्रयोदशी
13	मंगल	09	12	10	48	कृत्तिका	58	17	30	25	शिव	23	34	तैतिल	09	12	07	07	17	20	25	33	13	45	वृष11:44	25	10	पिशाचमोचन श्राद्ध
14	बुध	09	45	11	01	रोहिणी	59	14	30	49	सिद्ध	20	44	वणिज	09	45	07	08	17	20	25	32	14	11	वृष	26	11	भद्रा 11:01 से 22:52 तक,दत्तजयन्ती, D
15	गुरु	08	59	10	44	मृग	59	00	30	44	साध्य	16	54	बव	08	59	07	08	17	20	25	31	14	38	मिथु18:47	27	12	मार्गशीर्ष पूर्णिमा, सत्यनारायणव्रत. E

A नागपंचमी, बाबू वैजनाथ जयन्ती, रामदास जयन्ती, स्वामी हरिदास जयन्ती B संहारषष्ठी, मल्लारषष्ठी; चम्पाषष्ठी(महाराष्ट्र), सुब्रह्मण्यमषष्ठी(द.भारत), गुह षष्ठी । C (समस्त) मत्स्या द्वादशी, गीता जयन्ती, मौनी एकादशी(जैन), धरणी व्रत। D दत्तात्रेय उत्पत्ति, रोहिणीव्रत, पूर्णिमा व्रत E काशी पिशाचमोचनयात्रा, दर्शन तर्पणादि, स्नानदानादि पूर्णिमा, त्रिपुरभैरव जयन्ती। **अथसौरव्रतम्**-मार्गे मासि तथा माघे वैशाखाषाढयोरपि। शुक्लपक्षे व्रतं कुर्यात्सम्यग्देवस्य भास्वत:।।

नवान्नफलभक्षणम् - हरियुगलेऽदितियुगले पूषायुगले विरंचियुगले च। करपंचकोत्तरेषु च नवान्नफलभक्षणं शस्तम्।।

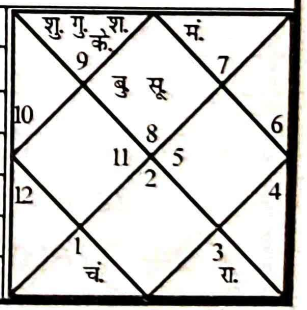
मार्गशीर्ष शुक्ल 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.12.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	09	06	06	08	08	08	02	08
अं.	14	08	13	24	05	12	23	15	15
क.	24	38	37	36	27	09	48	43	43
वि.	40	19	48	02	27	37	02	50	50
गति	60	759	39	69	13	74	05	व03	व03
	47	03	40	35	17	24	59	11	11



मार्गशीर्ष शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.12.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	00	06	07	08	08	08	02	08
अं.	21	02	18	03	07	20	24	15	15
क.	30	49	16	54	01	50	31	21	21
वि.	57	43	17	59	26	07	17	34	34
गति	60	726	39	85	13	74	06	व03	व03
	55	56	49	01	31	17	18	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 13 दिसम्बर से 26 दिसम्बर 2019 ई. तक)

'परिधावी' संवत्सर, दक्षिण/सौम्यायन, दक्षिणगोल, हेमन्त/शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3173, अयनांश 24/07/07

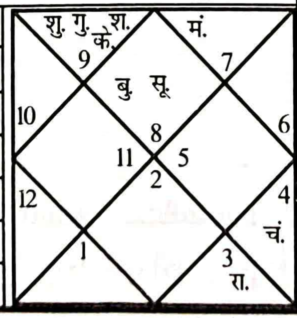
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	07	02	09	57	आर्द्रा	57	40	30	13	शुभ	12	10	कौलव	07	02	07	09	17	21	25	30	15	06	मिथुन	28	13	
2	शनि	04	08	08	49	पुनर्वसु	55	35	29	23	शुक्ल	06	43	वणिज	04	08	07	10	17	21	25	29	15	33	कर्क23:36	29	14	भद्रा 20:05 से
3	रवि	00	27	07	21	पुष्य	52	49	28	18	ब्रह्म	00	39	बव	00	27	07	10	17	22	25	28	16	01	कर्क	30	15	भद्रा 07:21 तक, संकष्टहरचतुर्थी व्रत
4		56	10	29	38						ऐन्द्र	54	08															
5	सोम	51	51	27	55	आश्लेषा	49	34	27	00	वैधृति	47	35	कौलव	24	01	07	11	17	22	25	27	16	29	सिंह27:00	01	16	सूर्य धनुसंक्रान्ति 15:24,पुण्यकाल 15:24A
6	मंगल	46	31	25	48	मघा	45	59	25	35	विष्कुम्भ	40	13	गर	19	11	07	12	17	22	25	27	16	58	सिंह	02	17	भद्रा 25:48 से
7	बुध	41	02	23	36	पू.फा.	42	14	24	05	प्रीति	32	43	विष्टि	13	46	07	12	17	23	25	26	17	26	कन्या29:43	03	18	भद्रा 12:42 तक,भानु सप्तमी, B
8	गुरु	35	29	21	24	उ.फा.	38	25	22	34	आयुष्मान	25	11	बालव	08	16	07	13	17	23	25	26	17	55	कन्या	04	19	अष्टकाश्राद्ध,
9	शुक्र	30	02	19	14	हस्त	34	41	21	05	सौभाग्य	17	41	तैतिल	02	46	07	13	17	24	25	26	18	23	कन्या	05	20	भद्रा 30:12 से, अन्वष्टकाश्रादध
10	शनि	24	52	17	10	चित्रा	31	14	19	43	शोभन	10	24	विष्टि	24	52	07	14	17	24	25	25	18	52	तुला08:24	06	21	भद्रा 17:10 तक
11	रवि	20	06	15	16	स्वाती	28	11	18	30	अति	03	24	बालव	20	06	07	14	17	25	25	25	19	21	तुला	07	22	सफला एकादशी व्रत(समस्त)
											सुकर्मा	56	53															
12	सोम	15	56	13	37	विशाखा	25	45	17	32	धृति	50	15	तैतिल	15	56	07	15	17	25	25	25	19	50	वृश्चि11:47	08	23	सुरूपा द्वादशी,रूप द्वादशी,सोम प्रदोष व्रत
13	मंगल	12	30	12	15	अनुराधा	24	03	16	52	शूल	44	49	वणिज	12	30	07	15	17	26	25	26	20	19	वृश्चिक	09	24	भद्रा 12:15 से 23:45 तक, मासशिवरात्रि
14	बुध	10	00	11	15	ज्येष्ठा	23	18	16	34	गण्ड	40	14	शकुनि	10	00	07	16	17	26	25	26	20	48	धनु16:34	10	25	श्रादधादि अमावस्या C
30	गुरु	08	36	10	42	मूल	23	40	16	40	वृद्धि	36	35	नाग	08	36	07	16	17	26	25	26	21	17	धनु	11	26	पौषी अमावस्या, सूर्यग्रहण, स्नानदानादि D

A से सूर्यास्त तक B व्यष्टकाश्राद्ध, कालाष्टमी C क्रिसमस डे(ईसाई), ईसामसीह जयन्ती, मदनमोहनमालवीय जयन्ती D अमावस्या, बकुला अमावस्या।

दशतारकविचार -पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण वर्षति। आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति। एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षे प्रयत्नत:। आर्द्रादिदशताराणां ज्ञात्वा गर्भं वदेत्फलम्।। **मेघगर्भपुष्टिविचार:**-वाताभ्रगर्जत्तडितोदकानि हिमप्रपात: करकावघात:।अकालसन्ध्या परिवेषणश्च नवप्रकारै: प्रभवन्ति गर्भा:।।

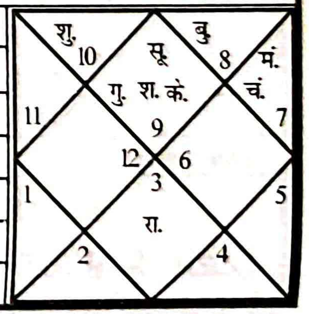
पौष कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.12.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	03	06	07	08	08	08	02	08
अं.	28	04	22	14	08	29	25	14	14
क.	37	32	55	13	36	29	16	59	59
वि.	59	12	47	12	47	36	35	18	18
गति	61	826	39	89	13	74	06	व03	व03
	01	42	59	55	41	06	34	11	11



पौष कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.12.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	06	06	07	08	09	08	02	08
अं.	05	13	27	24	10	08	26	14	14
क.	45	22	36	50	13	07	03	37	37
वि.	38	54	18	54	06	48	35	02	02
गति	61	845	40	91	13	73	06	व03	व03
	06	19	07	45	47	54	48	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, पौष शुक्लपक्ष (दिनांक 27 दिसम्बर 2019 से 10 जनवरी 2020 ई.तक)

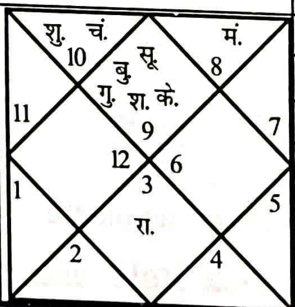
'परिधावी 'संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3187, अयनांश 24/07/09

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	08	26	10	39	पू.षा.	25	15	17	22	ध्रुव	33	57	बव	08	26	07	16	17	27	25	27	21	46	मकर23:39	12	27	चन्द्रदर्शन
2	शनि	09	36	11	07	उ.षा.	28	07	18	31	व्याघात	32	22	कौलव	09	36	07	17	17	27	25	27	22	15	मकर	13	28	
3	रवि	12	10	12	09	श्रवण	32	22	20	14	हर्षण	31	53	गर	12	10	07	17	17	28	25	28	22	44	मकर	14	29	भद्रा 24:56 से,
4	सोम	16	07	13	44	घनिष्ठा	37	55	22	27	वज्र	32	25	विष्टि	16	07	07	17	17	29	25	29	23	12	कुम्भ09:21	15	30	पंचकप्रारम्भ 09:21 से,भद्रा 13:44 तक,A
5	मंगल	21	21	15	50	शतभिषा	44	39	25	09	सिद्धि	33	53	बालव	21	21	07	18	17	29	25	29	23	40	कुम्भ	16	31	ईस्वी सन् 2019 की समाप्ति
6	बुध	27	30	18	18	पू.भा.	52	09	28	09	व्यतीपात	35	57	तैतिल	27	30	07	18	17	30	25	30	24	09	मीन21:24	17	01जन.	अन्नरूपाषष्ठी, आंग्ल नववर्ष 2010 प्रारम्भ
7	गुरु	34	10	20	58	उ.भा.	60	00	-	-	वरीयान	38	21	गर	00	50	07	18	17	31	25	31	24	36	मीन	18	02	भद्रा 24:58 से, भानुसप्तमी
8	शुक्र	40	39	23	54	उ.भा.	00	05	07	20	परिघ	40	31	विष्टि	07	25	07	18	17	31	25	33	25	04	मीन	19	03	भद्रा 10:16 तक, महाभद्राष्टमी, दुर्गाष्टमी
9	शनि	46	22	25	51	रेवती	07	08	10	10	शिव	42	04	बालव	13	31	07	19	17	32	25	34	25	31	मेष10:10	20	04	पंचक समाप्ति 10:10 पर
10	रवि	50	40	27	35	अश्विनी	13	10	12	35	सिद्ध	42	31	तैतिल	18	31	07	19	17	33	25	35	25	58	मेष	21	05	साम्ब दशमी, सूर्य पूजा (उडीसा)
11	सोम	53	10	28	35	भरणी	17	43	14	24	साध्य	41	37	वणिज	21	55	07	19	17	33	25	37	26	25	वृष20:41	22	06	भद्रा 16:05 से 28:35तक,पुत्रदा एकादशीB
12	मंगल	53	48	28	50	कृत्तिका	20	37	15	34	शुभ	39	18	बव	23	29	07	19	17	34	25	38	26	51	वृष	23	07	कूर्म द्वादशी, पुत्रदा एकादशी (निम्बार्क)
13	बुध	52	28	28	18	रोहिणी	21	43	16	00	शुक्ल	35	29	कौलव	23	08	07	19	17	35	25	40	27	17	मिथु27:54	24	08	प्रदोष व्रत
14	गुरु	49	23	27	04	मृगसिरा	21	07	15	46	ब्रह्म	30	19	गर	20	55	07	19	17	36	25	42	27	42	मिथुन	25	09	भद्रा 27:04 से,
15	शुक्र	44	50	25	15	आर्द्रा	19	00	14	55	ऐन्द्र	23	59	विष्टि	17	06	07	19	17	36	25	43	28	07	मिथुन	26	10	भद्रा 14:09तक, पूर्णिमाव्रत,पौषी पूर्णिमाC

A विनायक चतुर्थी व्रत, गणेश चतुर्थी B व्रत (स्मार्त+ वैष्णव), रैवत मन्वादि, गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती1 C माघ स्नान आरम्भ, श्रीसत्यनारायण व्रत, तूल परीक्षा, दशाश्वमेध गंगा स्नान, शाकम्भरी जयन्ती। **पूर्णिमातः माघस्नानारम्भे मन्त्रः** -दुःखदारिद्र्यनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशिने। **माघे विष्णुपूजा** - पौष्यां तु समतीतायां यावद्भवति पौर्णिमा। माघमासस्य तावद्धि पूजा विष्णोर्विधीयते।। **माघे अर्घ्यदानमन्त्रः** -सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम। त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्रधा।

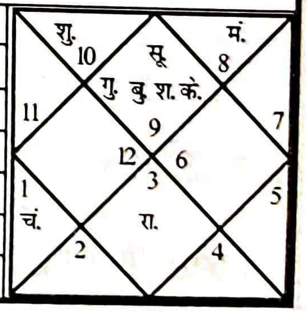
पौष शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.12.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	09	07	08	08	09	08	02	08
अं.	12	16	02	05	11	16	26	14	14
क.	53	32	17	40	49	44	51	14	14
वि.	36	56	48	01	49	16	49	46	46
गति	61	754	40	93	13	73	06	व03	व03
	08	15	16	27	49	39	57	11	11



पौष शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.01.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	00	07	08	08	09	08	02	08
अं.	20	10	07	16	13	25	27	13	13
क.	01	40	00	43	26	18	40	52	52
वि.	45	39	19	02	34	36	57	31	31
गति	61	725	40	95	13	73	07	व3	व3
	09	27	25	40	48	20	03	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 11 जनवरी से 24 जनवरी 2020 ई. तक)

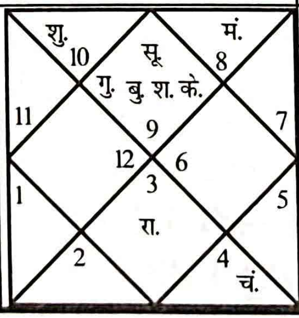
'परिधावी 'संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3202, अयनांश 24/07/11

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		विनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	39	11	22	59	पुनर्वसु	15	42	13	36	वैधृति	16	43	बालव	12	00	07	19	17	37	25	45	28	31	कर्क07:56	27	11	
2	रवि	32	42	20	24	पुष्य	11	27	11	54	विष्कुम्भ	08	44	तैतिल	05	56	07	19	17	38	25	47	28	55	कर्क	28	12	भद्रा 31:01 से, युवादिवस, विवेकानन्द जय.
3	सोम	25	50	17	39	आश्लेषा	06	39	09	58	प्रीति आयुष्मान	00 51	20 48	विष्टि	25	50	07	19	17	39	25	50	29	18	सिंह09:58	29	13	भद्रा17:39तक,लोहिडी(पंजाब),संकष्टहरA
4	मंगल	18	55	14	53	मघा पू.फा.	01 56	38 40	07 29	58 59	सौभाग्य	43	11	बालव	18	55	07	19	17	40	25	52	29	41	सिंह	01	14	सूर्य मकरसंक्रान्ति 26:08, लोहिडी (मासन्त पक्ष)
5	बुध	12	12	12	11	उ.फा.	51	43	28	00	शोभन	34	37	तैतिल	12	12	07	19	17	40	25	54	30	03	कन्या11:29	02	15	संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्न तक, पोंगलB
6	गुरु	05	57	09	42	हस्त	47	29	26	18	अतिगण्ड	26	37	वणिज	05	57	07	19	17	41	25	56	30	25	कन्या	03	16	व्यष्टका श्राद्ध, कालाष्टमी
7 8	शुक्र	00 55	21 35	07 29	27 33	चित्रा	44	04	24	56	सुकर्मा	19	13	बव	00	21	07	19	17	42	25	59	30	46	तुला13:38	04	17	भद्रा 09:42 से 20:34 तक,अष्टकाश्राद्ध, कालाष्टमी
9	शनि	50	45	27	36	स्वाती	41	39	23	58	धृति	12	33	तैतिल	23	10	07	19	17	43	26	01	31	07	तुला	05	18	अन्वष्टकाश्राद्ध
10	रवि	47	56	26	29	विशाखा	40	14	23	24	शूल	06	40	वणिज	19	20	07	19	17	44	26	04	31	26	वृश्चि17:33	06	19	भद्रा 15:04 से 26:29 तक
11	सोम	46	07	25	45	अनुराधा	39	49	23	14	गण्ड वृद्धि	01 57	34 18	बव	17	01	07	18	17	45	26	06	31	45	वृश्चिक	07	20	षट्तिला एकादशीव्रत(स्मार्त+वैष्णव)
12	मंगल	45	23	25	27	ज्येष्ठा	40	27	23	29	ध्रुव	52	55	कौलव	15	45	07	18	17	46	26	09	32	04	धनु23:29	08	21	तिलद्वादशी, षट्तिला एकादशीव्रत(निम्बार्क)
13	बुध	45	38	25	33	मूल	42	03	24	07	व्या	50	16	गर	15	31	07	18	17	47	26	12	32	22	धनु	09	22	भद्रा 25:33 से, प्रदोषव्रत, मेरुत्रयोदशी जैन
14	गुरु	46	53	26	03	पू. षा	44	36	25	08	हर्षण	48	24	विष्टि	16	16	07	18	17	47	26	15	32	39	धनु	10	23	भद्रा 13:48 तक,मासशिवरात्रि, सुभाष जय.
30	शुक्र	49	07	26	56	उ. षा	48	07	26	32	वज्र	47	16	चतुष्पद	18	00	07	17	17	48	26	18	32	55	मकर07:29	11	24	मौनी अमावस्या, माघी अमावस्या, C

A चतुर्थी व्रत, गणेश चतुर्थी व्रत, गणेशोत्पत्ति, चन्द्रार्घ्यदान B खिचडी संक्रान्ति C त्रिवेणी गंगा स्नान, थई अमावस्या (दक्षिण भारत) ।

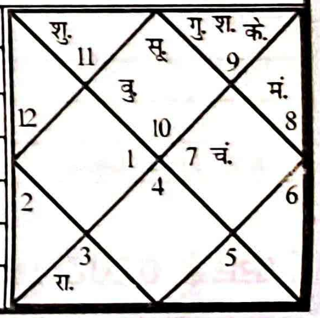
माघ कृष्ण 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.01.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	03	07	08	08	10	08	02	08
अं.	27	13	11	28	15	03	28	13	13
क.	09	56	43	04	02	50	30	30	30
वि.	48	34	48	30	49	16	35	15	15
गति	61	855	40	98	13	72	07	व03	व03
	09	42	34	39	43	55	06	11	11



माघ कृष्ण 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 19.01.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	06	07	09	08	10	08	02	08
अं.	04	24	16	09	16	12	29	13	13
क.	17	03	28	48	38	18	20	07	07
वि.	32	20	14	16	07	46	16	60	60
गति	61	829	40	101	13	72	07	व03	व03
	06	51	42	55	32	27	05	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 25 जनवरी से 09 फरवरी 2020 ई. तक)

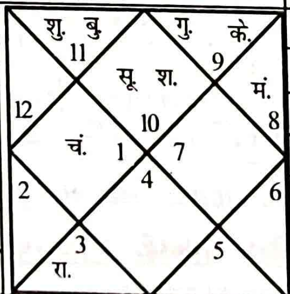
'परिधावी 'संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3216, अयनांश 24/07/13

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	52	17	28	11	श्रवण	52	31	28	17	सिद्धि	46	50	किंस्तुघ्न	20	42	07	17	17	49	26	21	33	10	मकर	12	25	शिशिर गुप्तनवरात्रारम्भ, घटस्थापन
2	रवि	56	27	29	51	धनिष्ठा	57	53	30	25	व्यतीपात	47	10	बालव	24	22	07	17	17	50	26	24	33	25	कुम्भ17:21	13	26	पंचकप्रारम्भ 17:21 से, गणतन्त्र दिवस A
3	सोम	60	00	-	-	शतभिषा	60	00	-	-	वरीयान	48	18	तैतिल	29	30	07	16	17	51	26	27	33	39	कुम्भ	14	27	गौरीतृतीया व्रत,गुडलवण दान, सोपपदम्
3	मंगल	02	33	08	17	शतभिषा	05	05	09	18	परिघ	50	03	गर	02	33	07	16	17	52	26	30	33	52	मीन29:25	15	28	भद्रा 21:28 से,
4	बुध	08	32	10	40	पू.भा.	12	11	12	08	शिव	52	19	विष्टि	08	32	07	15	17	53	26	33	34	05	मीन	16	29	भद्रा 10:40 तक, तिल/कुन्द/विनायक चतुर्थी
5	गुरु	15	04	13	16	उ.भा.	19	47	15	10	सिद्ध	54	51	बालव	15	04	07	15	17	54	26	37	34	17	मीन	17	30	वसन्तपंचमी, सरस्वती पूजन, B
6	शुक्र	21	38	15	53	रेवती	27	25	18	12	साध्य	57	11	तैतिल	21	38	07	14	17	54	26	40	34	27	मेष18:12	18	31	पंचकसमाप्ति 18:12शीतलाषष्ठी,स्कन्दषष्ठी
7	शनि	27	42	18	18	अश्विनी	34	33	21	03	शुभ	58	54	वणिज	27	42	07	14	17	55	26	43	34	38	मेष	19	01फर.	भद्रा 18:18 से, रथ सप्तमी, अचला C
8	रवि	32	42	20	18	भरणी	40	38	23	28	शुक्ल	58	37	विष्टि	00	12	07	13	17	56	26	47	34	47	वृष29:56	20	02	भद्रा 07:18 तक, दुर्गाष्टमी D
9	सोम	36	05	21	38	कृत्तिका	45	09	25	16	ब्रह्म	57	32	बालव	04	23	07	13	17	57	26	50	34	55	वृष	21	03	महानन्दा नवमी, गुप्तनवरात्रि समाप्त E
10	मंगल	37	30	22	12	रोहिणी	47	47	26	19	ऐन्द्र	56	31	तैतिल	06	48	07	12	17	58	26	54	35	03	वृष	22	04	
11	बुध	36	45	21	53	मृगसिरा	48	17	26	30	वैधृति	52	23	वणिज	07	08	07	12	17	59	26	57	35	10	मिथुन14:24	23	05	भद्रा10:02 से 21:53 तक,जया एकादशीF
12	गुरु	33	52	20	44	आर्द्रा	46	41	25	51	विष्कुम्भ	46	33	बव	05	19	07	11	18	00	27	01	35	16	मिथुन	24	06	भीमद्वादशी, वराहद्वादशी सन्तान द्वादशी G
13	शुक्र	29	05	18	48	पुनर्वसु	43	14	24	28	प्रीति	39	14	कौलव	01	29	07	10	18	00	27	05	35	21	कर्क18:46	25	07	कल्पादि त्रयोदशी, प्रदोष व्रत H
14	शनि	22	37	16	12	पुष्य	38	09	22	25	आयु	30	36	वणिज	22	37	07	10	18	01	27	08	35	25	कर्क	26	08	भद्रा 16:12 से 26:40 तक, पूर्णिमा व्रत
15	रवि	14	58	13	08	आश्लेषा	31	57	19	56	सौभा.	21	06	बव	14	58	07	09	18	02	27	12	35	29	सिंह19:56	27	09	महामाघी पूर्णिमा, माघीपूर्णिमा I

A चन्द्रदर्शन। गुडलवणदान, सोपपदम्, **B** मदनपंचमी, वागीशवरी जयन्ती, लेखनी पूजा(बंगाल), तक्षकपूजा।**C** सप्तमी, सूर्यजयन्ती, आरोग्य सप्तमी, अभोज्यार्कव्रत। **D** भीमाष्टमी, भीष्माष्टमी **E** नन्दिनीदेवी पूजा, **F** व्रत (समस्त), भैमी एकादशी, भक्तपुण्डरीक उत्सव। **G** सोपपदम्, आमलकी द्वादशी, भीष्म द्वादशी, भीष्म तर्पण, **H** मरु महोत्सव प्रारम्भ (जैसलमेर)। **I** माघ स्नान समाप्ति, श्रीसत्यनारायण व्रत, गुरु रविदास जयन्ती, कम्बलदान, थईपूषम् (दक्षिण भारत),मरु महोत्सव समाप्त (जैसलमेर)।

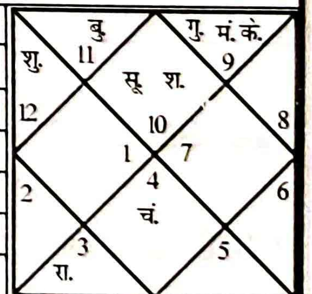
माघ शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि.02.02.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	00	07	10	08	10	09	02	08
अं.	18	18	25	03	19	29	00	12	12
क.	31	30	59	37	43	03	58	23	23
वि.	19	58	54	44	59	49	20	30	30
गति	60	722	40	97	13	71	06	व03	व03
	54	02	58	58	01	12	54	11	11



माघ शुक्ल 15, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.02.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	03	08	10	08	11	09	02	08
अं.	25	22	00	13	21	07	01	12	12
क.	36	13	47	41	13	18	45	01	01
वि.	58	29	04	56	36	54	54	15	15
गति	60	875	41	73	12	70	06	व03	व03
	47	40	06	54	39	25	43	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 10 फरवरी से 23 फरवरी 2020 ई. तक)

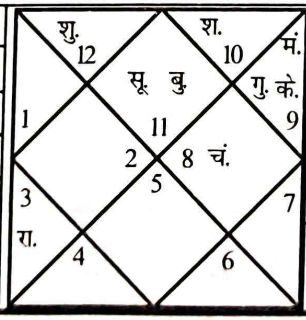
'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3232, अयनांश 24/07/15

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	06	37	09	47	मघा	25	09	17	12	शोभन	11	06	कौलव	06	37	07	08	18	03	27	16	35	31	सिंह	28	10	
2		58	03	30	21																							
3	मंगल	49	26	26	54	पू.फा.	18	14	14	25	अतिगण्ड	00	57	वणिज	23	45	07	07	18	04	27	20	35	33	कन्या19:45	29	11	भद्रा 16:37 से 26:54 तक
											सुकर्मा	51	00															
4	बुध	41	01	23	31	उ.फा.	11	38	11	46	धृति	40	57	बव	15	13	07	07	18	04	27	24	35	34	कन्या	30	12	संकष्टहर गणेश चतुर्थी व्रत
5	गुरु	33	38	20	33	हस्त	05	45	09	24	शूल	31	54	कौलव	07	20	07	06	18	05	27	27	35	35	तुला20:26	01	13	सूर्य कुम्भ संक्रान्ति,पुण्यकाल 08:52 से A
6	शुक्र	27	36	18	07	चित्रा	00	54	07	27	गण्ड	23	58	गर	00	37	07	05	18	06	27	31	35	34	तुला	02	14	भद्रा 18:07 से 29:11 तक
						स्वाती	57	23	30	02																		
7	शनि	23	00	16	16	विशाखा	53	41	28	33	वृद्धि	17	11	बव	23	00	07	04	18	07	27	35	35	33	वृश्चि22:55	03	15	व्यष्टका श्रादध, कालाष्टमी
8	रवि	19	58	15	02	अनुराधा	53	08	28	18	ध्रुव	11	39	कौलव	19	58	07	03	18	07	27	39	35	31	वृश्चिक	04	16	अष्टका श्रादध, सीताष्टमी, B
9	सोम	18	30	14	27	ज्येष्ठा	54	08	28	42	व्याघात	07	20	गर	18	30	07	03	18	08	27	43	35	28	धनु28:42	05	17	भद्रा 26:26 से, अन्वष्टका श्रादध
10	मंगल	18	30	14	26	मूल	56	30	29	38	हर्षण	04	10	विष्टि	18	30	07	02	18	09	27	47	35	25	धनु	06	18	भद्रा 14:26 तक, स्वामी दयानन्द जयन्ती
11	बुध	19	51	14	57	पू.षा.	60	00	-	-	वज्र	02	04	बालव	19	51	07	01	18	10	27	51	35	20	धनु	07	19	विजया एकादशी व्रत (समस्त)
12	गुरु	22	20	15	56	पू.षा.	01	15	07	30	सिद्धि	00	53	तैतिल	22	20	07	00	18	10	27	55	35	15	मकर13:57	08	20	महाद्वादशी, प्रदोष व्रत
13	शुक्र	25	48	17	18	उ.षा.	05	41	09	15	व्यती.	00	29	वणिज	25	48	06	59	18	11	28	00	35	09	मकर	09	21	भद्रा 17:18से 30:08तक,महाशिवरात्रि व्रत
14	शनि	30	00	18	58	श्रवण	10	54	11	20	वरीयान	00	43	शकुनि	30	00	06	58	18	12	28	04	35	03	कुम्भ24:31	10	22	पंचकप्रारम्भ 24:31 से,आरटन्ती चतुर्दशीC
30	रवि	34	54	20	54	धनिष्ठा	16	49	13	40	परिघ	01	30	चतुष्पद	02	27	06	57	18	13	28	08	34	55	कुम्भ	11	23	फाल्गुनी अमावस्या,ब्रह्मपूजा, युगादि 30

A 15:07 तक B जानकी जयन्ती, हलाष्टमी। C महाशिवरात्रि व्रत पारणा, **शिवरात्रि**-माघफाल्गुनयोर्मध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी। दत्ते शिव: फलं यस्मात्तेन सर्वसुरासुरै:।। शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता। मम भक्त्यस्तु यो देवि शिवरात्रिमुपोषक:। गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिवशासनम्।। सर्वान्भुक्त्वा महाभोगान् ततो मोक्षमवाप्नुयात्।। **शिवरात्रिनिर्णय:** -तत्कालव्यापिनी ग्राह्या शिवरात्रिव्रते तिथि:। अर्धरात्रादधश्चोर्ध्वं युक्ता यत्र चतुर्दशी।। शिवरात्रिपूजने विशेष: - तद्दिने प्रथमप्रहरे दुग्धेन 'ऊं ह्रौं ईशानाय नम:' इति मन्त्रेण, द्वितीयप्रहरे दधिद्वारा 'ऊं ह्रौं अघोराय नम:' इति मन्त्रेण, तृतीयप्रहरे घृतेन ' ऊं ह्रौं वामदेवाय नम:' इति मन्त्रेण तथा च चतुर्थप्रहरे मधुद्वारा 'ऊं ह्रौं सद्योजाताय नम:' इति मन्त्रेण पूजनमभिषेकं च कुर्यात्। अर्धरात्रौ विल्वार्चनं कार्यम्।

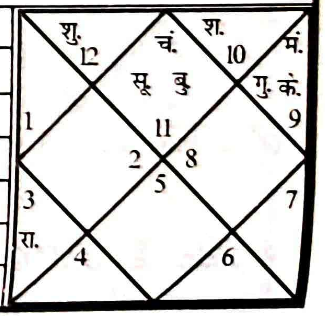
फाल्गुन कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.02.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	07	08	10	08	11	09	02	08
अं.	02	04	05	18	22	15	02	11	11
क.	41	25	35	46	40	27	31	39	39
वि.	32	41	04	03	17	48	59	00	00
गति	60	829	41	16	12	69	06	व03	व03
	37	11	13	03	12	28	29	11	11



फाल्गुन कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.02.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	10	08	10	08	11	09	02	08
अं.	09	03	10	15	24	23	03	11	11
क.	44	15	23	51	03	29	16	16	16
वि.	53	20	51	51	35	24	12	46	46
गति	60	730	41	व51	11	68	06	व03	व03
	26	03	19	36	41	21	11	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 24 फरवरी से 09 मार्च 2020 ई. तक)

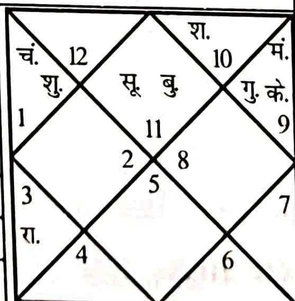
'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3246, अयनांश 24/07/17

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	40	24	23	06	शतभिषा	23	19	16	16	शिव	02	46	किंस्तुघ्न	07	39	06	56	18	13	28	12	34	48	कुम्भ	12	24	
2	मंगल	46	27	25	30	पू.भा.	30	23	19	04	सिद्ध	04	29	बालव	13	25	06	55	18	14	28	16	34	39	मीन12:23	13	25	रामकृष्णपरमहंस जय.,चन्द्रदर्शन,फुलैरादूज,
3	बुध	52	55	28	04	उ.भा.	37	51	22	03	साध्य	06	33	तैतिल	19	41	06	54	18	15	28	20	34	30	मीन	14	26	
4	गुरु	59	31	30	42	रेवती	45	31	25	05	शुभ	08	49	वणिज	26	13	06	53	18	15	28	24	34	20	मेष25:05	15	27	पंचक समाप्ति 25:05, भद्रा 17:23 से A
5	शुक्र	60	00	-	-	अश्विनी	53	09	28	08	शुक्ल	11	08	बव	32	39	06	52	18	16	28	29	34	09	मेष	16	28	
5	शनि	05	46	09	09	भरणी	59	40	30	43	ब्रहम	13	08	बालव	05	46	06	51	18	16	28	33	33	58	मेष	17	29	
6	रवि	11	13	11	19	कृत्तिका	60	00	-	-	ऐन्द्र	14	35	तैतिल	11	13	06	50	18	17	28	37	33	47	वृष13:17	18	01मार्च	गोरूपिणी षष्ठीव्रत।
7	सोम	15	25	12	59	कृत्तिका	05	22	08	58	वैधृति	15	02	वणिज	15	25	06	49	18	18	28	41	33	34	वृष	19	02	भद्रा12:59 से 25:28 तक,कामदासप्तमीव्रत।
8	मंगल	17	55	13	58	रोहिणी	09	29	10	35	विष्कुम्भ	14	11	बव	17	55	06	48	18	18	28	46	33	22	मिथु23:03	20	03	होलाष्टक प्रारम्भ, लक्ष्मी पूजन, B
9	बुध	18	26	14	09	मृगसिरा	11	44	11	28	प्रीति	11	48	कौलव	18	26	06	47	18	19	28	50	33	08	मिथुन	21	04	
10	गुरु	16	44	13	27	आर्द्रा	11	53	11	31	आयुष्मान	07	43	गर	16	44	06	46	18	20	28	54	32	54	कर्क28:56	22	05	भद्रा 24:40 से, फल्गुदशमी (उडीसा)
11	शुक्र	12	51	11	53	पुनर्वसु	09	55	10	42	सौभाग्य	01	56	विष्टि	12	51	06	45	18	20	28	58	32	40	कर्क	23	06	भद्रा 11:53 तक, आमलकी C
											शोभन	54	33															
12	शनि	06	58	09	31	पुष्य	05	57	09	06	अति.	47	12	बालव	06	58	06	44	18	21	29	03	32	25	कर्क	24	07	शनि प्रदोषव्रत, गोविन्द द्वादशी
13	रवि	00	31	06	30	आश्लेषा	00	22	06	51	सुकर्मा	36	55	तैतिल	00	31	06	43	18	22	29	07	32	10	सिंह06:51	25	08	भद्रा 27:03से, हजरत अलीजयन्ती(मुस्लि.)
14		50	50	27	03	मघा	53	38	28	10																		
15	सोम	42	08	23	32	पू.फा.	46	49	25	25	धृति	25	59	विष्टि	16	29	06	42	18	22	29	11	31	55	सिंह	26	09	होलिकादहन, होलाष्टकसमाप्त,मन्वादि D

A 30:42 तक, विनायक चतुर्थी, गणेश चतुर्थी, पुत्रगणपति व्रत। B सीतापूजन, दुर्गाष्टमी, औली जैन प्रारम्भ C एकादशी व्रत(समस्त), रंगभरी एकादशी व्रत। D चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, पूर्णिमा, सत्यव्रत, औली जैन समाप्त। **होलिका पूजन** - निशागमे प्रपूज्येत होलिका सर्वदा बुधैः। न दिवा पूजयेड्ढुण्ढां पूजिता दुःखदा भवेत्। **होलिकाप्रदीपनमन्त्रः** - दीपयाम्यत्र ते घोरां चिति राक्षसि ते नमः।हिताय सर्वजगतः प्रीतये पार्वतीपतेः।। **होलाष्टकनिषेधः**-विपाशेरावतीतीरे शुतद्रूंश्च त्रिपुष्करे।विवाहादिशुभे नेष्टं होलिका प्राग्दिनाष्टकम्।।

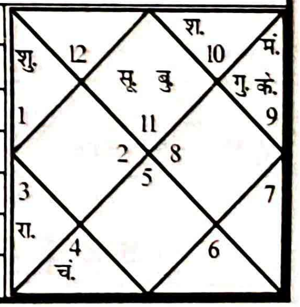
फाल्गुन शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.03.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	00	08	10	08	00	09	02	08
अं.	16	26	15	08	25	01	03	10	10
क.	46	43	13	31	22	22	58	54	54
वि.	53	21	22	13	59	13	11	31	31
गति	60	720	41	व60	11	67	05	व03	व03
	15	02	25	12	06	00	51	11	11



फाल्गुन शुक्ल 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.03.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	03	08	10	08	00	09	02	08
अं.	23	29	20	04	26	09	04	10	10
क.	47	54	03	14	37	04	37	32	32
वि.	24	30	33	48	54	25	34	17	17
गति	60	879	41	वा16	10	65	05	व03	व03
	02	29	31	26	26	21	30	11	11



विक्रमसंवत् 2076, शाके 1941, चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 10 मार्च से 24 मार्च 2020 ई. तक)

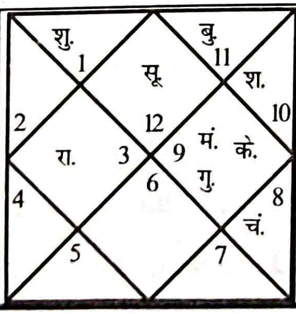
'परिधावी' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 3261, अयनांश 24/07/19

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	31	55	19	26	उ.फा.	38	31	22	05	शूल	14	49	बालव	07	01	06	40	18	22	29	16	31	39	कन्या06:34	27	10	होली, धुलैण्डी, आम्रकुसुम प्राशन, A
2	बुध	22	08	15	30	हस्त	30	40	18	55	गण्ड वृद्धि	03 53	51 28	गर	22	08	06	39	18	23	29	20	31	22	तुला29:33	28	11	भद्रा 25:42 से
3	गुरु	13	13	11	55	चित्रा	23	45	16	08	ध्रुव	42	52	विष्टि	13	13	06	38	18	24	29	24	31	06	तुला	29	12	भद्रा 11:55 तक, संकष्टहरचतुर्थी व्रत
4 5	शुक्र	05 59	29 15	08 30	48 19	स्वाती	18	06	13	51	व्याघात	34	11	बालव	05	29	06	37	18	24	29	29	30	49	तुला	30	13	रंगपंचमी, मेला नौचन्दी (मेरठ)प्रारम्भ
6	शनि	52	46	27	42	विशाखा	14	04	12	13	हर्षण	26	58	गर	26	01	06	36	18	25	29	33	30	31	वृश्चि06:38	01	14	भद्रा 27:42 से, सूर्य मीन संक्रान्ति B
7	रवि	50	10	26	38	अनुराधा	11	48	11	18	वज्र	21	17	विष्टि	21	28	06	35	18	25	29	37	30	14	वृश्चिक	02	15	भद्रा 15:10 तक, व्यष्टकाश्राद्ध, मेला नौचन्दी समाप्त,
8	सोम	49	36	26	23	ज्येष्ठा	11	27	11	08	सिद्धि	17	08	बालव	19	53	06	33	18	26	29	42	29	56	धनु11:08	03	16	अष्टका श्राद्ध, शीतलाष्टमी (वासोडा)C
9	मंगल	50	47	26	51	मूल	12	55	11	42	व्यतीपात	14	25	तैतिल	20	11	06	32	18	26	29	46	29	38	धनु	04	17	अन्वष्टका श्राद्ध
10	बुध	53	36	27	57	पू.षा.	16	03	12	56	वरीयान	13	02	वणिज	22	11	06	31	18	27	29	50	29	19	मकर19:24	05	18	भद्रा 15:24 से 27:57 तक
11	गुरु	57	43	29	35	उ.षा.	20	38	14	45	परिघ	12	47	बव	25	40	06	30	18	28	29	55	29	01	मकर	06	19	पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मार्त+वैष्णव)
12	शुक्र	60	00	-	-	श्रवण	26	20	17	01	शिव	13	26	कौलव	30	44	06	29	18	28	29	59	28	42	कुम्भ30:19	07	20	पंचकप्रारम्भ 30:19 से, पापमोचिनी D
12	शनि	03	44	07	57	धनिष्ठा	32	50	19	35	सिद्ध	14	44	तैतिल	03	44	06	28	18	29	30	03	28	24	कुम्भ	08	21	शनि प्रदोष व्रत, गोविन्द द्वादशी
13	रवि	09	15	10	08	शतभिषा	39	51	22	23	साध्य	16	30	वणिज	09	15	06	26	18	29	30	08	28	05	कुम्भ	09	22	भद्रा10:08 से 23:19तक,मासशिवरात्रिव्रतE
14	सोम	15	12	12	30	पू.भा.	47	12	25	18	शुभ	18	33	शकुनि	15	12	06	25	18	30	30	12	27	46	मीन18:34	10	23	
30	मंगल	21	22	14	57	उ.भा.	54	42	28	16	शुक्ल	20	46	नाग	21	22	06	24	18	30	30	16	27	27	मीन	11	24	भौमवती अमावस्या, चैती अमावस्या F

A कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण, होलिका भस्म धारण, वसन्तोत्सव, पारसी नववर्ष B 11:58, संक्रान्ति पुण्यकाल 11:58 से सूर्यास्त तक, स्कन्द षष्ठी (बंगाल), एकनाथ षष्ठी। C कालाष्टमी D एकादशी व्रत (निम्बार्क)E वारुणी योग 10:08 तक F मन्वादि अमावस्या, मेला पेहवा, वर्षान्त, विक्रमसंवत् 2076 पूर्ण। **होलिकादिने कर्त्तव्यम्** -प्रवृत्ते मधुमासे तु प्रतिपद्युदिते रवौ। कृत्वा चावश्यककार्याणि सन्तर्प्य पितृदेवता:। वन्दयेत् होलिकाभूमिं सर्वदु:खोपशान्तये। यतस्तत्रश्वपचं स्पृष्ट्वा स्नानं कुर्यान्नरोत्तम:। न तस्य दुरितं किंचिन्नाधयो व्याधयो नृप।। **आम्रकुसुमप्राशनमन्त्र:** - चूतमग्र्यं वसन्तस्य माकन्दकुसुमं तव। सचन्दनं पिबाम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये।। **होलिकाभस्मधारणमन्त्र:**-वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभि:। अतस्त्वं पाहि नो भीतेर्भूषिता भूतिदा भव।।

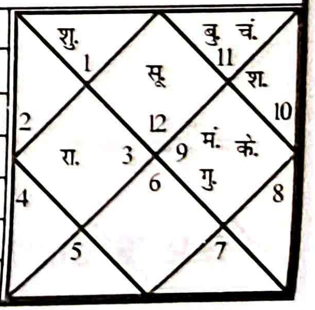
चैत्र कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.03.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	07	08	10	08	00	09	02	08
अं.	00	13	24	05	27	16	05	10	10
क.	46	54	54	13	47	33	13	10	10
वि.	22	47	16	49	50	39	58	03	03
गति	59	838	41	24	09	63	05	व03	व03
	48	56	36	50	41	19	01	11	11



चैत्र कृष्ण 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.03.2020

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	10	08	10	08	00	09	02	08
अं.	07	12	29	10	28	23	05	09	09
क.	43	01	45	02	52	46	47	47	47
वि.	44	49	27	33	12	52	06	48	48
गति	59	719	41	51	08	60	04	व03	व03
	34	44	39	55	50	49	32	11	11



औदयिक स्पष्ट ग्रह, अप्रैल 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा	अ.	क.	वि.
06	11	21	48	37	11	29	21	39	01	09	44	18	10	24	58	20	08	00	07	51	10	18	10	03	08	25	51	58	02	28	23	52
07	11	22	47	37	00	11	56	31	01	10	23	51	10	25	39	57	08	00	08	38	10	19	22	21	08	25	54	13	02	28	20	41
08	11	23	46	36	00	24	42	41	01	11	03	22	10	26	25	11	08	00	09	12	10	20	34	39	08	25	56	23	02	28	17	30
09	11	24	45	32	01	07	40	08	01	11	42	53	10	27	13	52	08	00	09	37	10	21	47	00	08	25	58	27	02	28	14	20
10	11	25	44	26	01	20	49	49	01	12	22	22	10	28	05	48	08	00	09	50	10	22	59	20	08	26	00	25	02	28	11	09
11	11	26	43	19	02	04	11	24	01	13	01	50	10	29	00	51	08	00	09	50	10	24	11	42	08	26	02	19	02	28	07	59
12	11	27	42	09	02	17	46	24	01	13	41	16	10	29	58	54	08	00	09	41	10	25	24	06	08	26	04	05	02	28	04	48
13	11	28	40	57	03	01	35	23	01	14	20	41	11	00	59	47	08	00	09	20	10	26	36	30	08	26	05	47	02	28	01	37
14	11	29	39	43	03	15	39	30	01	15	00	05	11	02	03	22	08	00	08	47	10	27	48	55	08	26	07	23	02	27	58	27
15	00	00	38	28	03	29	57	58	01	15	39	28	11	03	09	33	08	00	08	04	10	29	01	23	08	26	08	54	02	27	55	16
16	00	01	37	10	04	14	29	29	01	16	18	49	11	04	18	12	08	00	07	09	11	00	13	50	08	26	10	17	02	27	52	05
17	00	02	35	51	04	29	09	24	01	16	58	10	11	05	29	14	08	00	06	03	11	01	26	19	08	26	11	36	02	27	48	55
18	00	03	34	29	05	13	51	33	01	17	37	29	11	06	42	32	08	00	04	46	11	02	38	50	08	26	12	49	02	27	45	44
19	00	04	33	06	05	28	28	08	01	18	16	45	11	07	58	04	08	00	03	17	11	03	51	20	08	26	13	54	02	27	42	33
20	00	05	31	40	06	12	51	29	01	18	56	02	11	09	15	42	08	00	01	38	11	05	03	52	08	26	14	55	02	27	39	23
21	00	06	30	13	06	26	55	15	01	19	35	17	11	10	35	26	07	29	59	47	11	06	16	25	08	26	15	51	02	27	36	12
22	00	07	28	44	07	10	35	09	01	20	14	30	11	11	57	10	07	29	57	45	11	07	28	59	08	26	16	40	02	27	33	02
23	00	08	27	14	07	23	49	38	01	20	53	43	11	13	20	55	07	29	55	33	11	08	41	34	08	26	17	23	02	27	29	51
24	00	09	25	41	08	06	39	55	01	21	32	54	11	14	46	35	07	29	53	09	11	09	54	10	08	26	18	01	02	27	26	40
25	00	10	24	06	08	19	08	03	01	22	12	04	11	16	14	11	07	29	50	35	11	11	06	46	08	26	18	33	02	27	23	30
26	00	11	22	29	09	01	18	25	01	22	51	13	11	17	43	43	07	29	47	51	11	12	19	25	08	26	18	58	02	27	20	19
27	00	12	20	51	09	13	15	31	01	23	30	20	11	19	15	09	07	29	44	55	11	13	32	02	08	26	19	19	02	27	17	08
28	00	13	19	11	09	25	05	32	01	24	09	27	11	20	48	29	07	29	41	49	11	14	44	42	08	26	19	33	02	27	13	58
29	00	14	17	28	10	06	53	21	01	24	48	31	11	22	23	43	07	29	38	33	11	15	57	22	08	26	19	40	02	27	10	47
30	00	15	15	45	10	18	44	39	01	25	27	35	11	24	00	53	07	29	35	05	11	17	10	03	08	26	19	42	02	27	07	36

देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यहं साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्।।

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मई 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	00	16	14	00	11	00	43	58	01	26	06	38	11	25	39	56	07	29	31	29	11	18	22	45	08	26	19	39	02	27	04	26
02	00	17	12	12	11	12	54	15	01	26	45	39	11	27	20	56	07	29	27	41	11	19	35	28	08	26	19	30	02	27	01	15
03	00	18	10	23	11	25	18	14	01	27	24	39	11	29	03	51	07	29	23	44	11	20	48	11	08	26	19	15	02	26	58	04
04	00	19	08	33	00	07	56	34	01	28	03	38	00	00	48	42	07	29	19	37	11	22	00	56	08	26	18	53	02	26	54	54
05	00	20	06	41	00	20	49	48	01	28	42	36	00	02	35	27	07	29	15	19	11	23	13	41	08	26	18	27	02	26	51	43
06	00	21	04	46	01	03	56	33	01	29	21	33	00	04	24	07	07	29	10	53	11	24	26	27	08	26	17	54	02	26	48	32
07	00	22	02	51	01	17	16	19	02	00	00	28	00	06	14	40	07	29	06	17	11	25	39	14	08	26	17	15	02	26	45	22
08	00	23	00	53	02	00	46	40	02	00	39	22	00	08	07	04	07	29	01	33	11	26	52	01	08	26	16	29	02	26	42	11
09	00	23	58	55	02	14	26	41	02	01	18	16	00	10	01	19	07	28	56	38	11	28	04	50	08	26	15	40	02	26	39	00
10	00	24	56	55	02	28	15	13	02	01	57	08	00	11	57	20	07	28	51	34	11	29	17	38	08	26	14	44	02	26	35	50
11	00	25	54	53	03	12	11	38	02	02	35	59	00	13	55	07	07	28	46	23	00	00	30	28	08	26	13	43	02	26	32	39
12	00	26	52	50	03	26	15	27	02	03	14	49	00	15	54	37	07	28	41	02	00	01	43	19	08	26	12	36	02	26	29	28
13	00	27	50	45	04	10	25	53	02	03	53	38	00	17	55	46	07	28	35	33	00	02	56	11	08	26	11	24	02	26	26	18
14	00	28	48	38	04	24	41	23	02	04	32	26	00	19	58	29	07	28	29	56	00	04	09	02	08	26	10	05	02	26	23	07
15	00	29	46	30	05	08	59	13	02	05	11	12	00	22	02	45	07	28	24	11	00	05	21	54	08	26	08	41	02	26	19	56
16	01	00	44	21	05	23	15	03	02	05	49	58	00	24	08	25	07	28	18	18	00	06	34	47	08	26	07	12	02	26	16	45
17	01	01	42	09	06	07	24	45	02	06	28	42	00	26	15	26	07	28	12	18	00	07	47	41	08	26	05	38	02	26	13	35
18	01	02	39	57	06	21	23	24	02	07	07	26	00	28	23	41	07	28	06	11	00	09	00	35	08	26	03	57	02	26	10	24
19	01	03	37	43	07	05	06	30	02	07	46	08	01	00	32	58	07	27	59	56	00	10	13	31	08	26	02	11	02	26	07	13
20	01	04	35	29	07	18	31	20	02	08	24	49	01	02	43	12	07	27	53	35	00	11	26	26	08	26	00	21	02	26	04	03
21	01	05	33	12	08	01	36	52	02	09	03	30	01	04	54	06	07	27	47	07	00	12	39	23	08	25	58	25	02	26	00	52
22	01	06	30	55	08	14	22	24	02	09	42	10	01	07	05	32	07	27	40	32	00	13	52	20	08	25	56	23	02	25	57	41
23	01	07	28	36	08	26	49	29	02	10	20	48	01	09	17	13	07	27	33	53	00	15	05	18	28	25	54	17	02	25	54	30
24	01	08	26	16	09	09	01	08	02	10	59	25	01	11	28	56	07	27	27	07	00	16	18	15	08	25	52	05	02	25	51	20
25	01	09	23	55	09	21	00	36	02	11	38	02	01	13	40	22	07	27	20	15	00	17	31	15	08	25	49	48	02	25	48	09
26	01	10	21	32	10	02	52	21	02	12	16	38	01	15	51	17	07	27	13	18	00	18	44	14	08	25	47	26	02	25	44	58
27	01	11	19	09	10	14	41	56	02	12	55	12	01	18	01	23	07	27	06	16	00	19	57	15	08	25	45	00	02	25	41	48
28	01	12	16	44	10	26	35	01	02	13	33	46	01	20	10	21	07	26	59	10	00	21	10	16	08	25	42	28	02	25	38	37
29	01	13	14	18	11	08	36	26	02	14	12	19	01	22	18	00	07	26	52	00	00	22	23	17	08	25	39	52	02	25	35	26
30	01	14	11	51	11	20	50	36	02	14	50	51	01	24	24	01	07	26	44	46	00	23	36	18	08	25	37	12	02	25	32	15
31	01	15	09	22	00	03	21	07	02	15	29	22	01	26	28	13	07	26	37	26	00	24	49	22	08	25	34	26	02	25	29	05

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जून 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	01	16	06	53	00	16	10	03	02	16	07	52	01	28	30	25	07	26	30	04	00	26	02	25	08	25	31	36	02	25	25	54
02	01	17	04	24	00	29	18	00	02	16	46	21	02	00	30	28	07	26	22	40	00	27	15	29	08	25	28	41	02	25	22	43
03	01	18	01	52	01	12	44	05	02	17	24	50	02	02	28	12	07	26	15	11	00	28	28	33	08	25	25	43	02	25	19	32
04	01	18	59	20	01	26	26	34	02	18	03	18	02	04	23	33	07	26	07	41	00	29	41	39	08	25	22	38	02	25	16	22
05	01	19	56	47	02	10	21	47	02	18	41	45	02	06	16	24	07	26	00	08	01	00	54	44	08	25	19	31	02	25	13	11
06	01	20	54	13	02	24	27	06	02	19	20	10	02	08	06	41	07	25	52	34	01	02	07	51	08	25	16	20	02	25	10	00
07	01	21	51	38	03	08	38	36	02	19	58	36	02	09	54	21	07	25	44	57	01	03	20	58	08	25	13	06	02	25	06	49
08	01	22	49	03	03	22	53	43	02	20	37	01	02	11	39	21	07	25	37	20	01	04	34	05	08	25	09	46	02	25	03	39
09	01	23	46	26	04	07	09	40	02	21	15	24	02	13	21	40	07	25	29	42	01	05	47	14	08	25	06	23	02	25	00	28
10	01	24	43	49	04	21	24	01	02	21	53	47	02	15	01	14	07	25	22	03	01	07	00	22	08	25	02	57	02	24	57	17
11	01	25	41	11	05	05	34	01	02	22	32	09	02	16	38	03	07	25	14	23	01	08	13	32	08	24	59	25	02	24	54	06
12	01	26	38	32	05	19	37	43	02	23	10	31	02	18	12	03	07	25	06	44	01	09	26	43	08	24	55	51	02	24	50	56
13	01	27	35	53	06	03	32	44	02	23	48	52	02	19	43	14	07	24	59	05	01	10	39	54	08	24	52	12	02	24	47	45
14	01	28	33	13	06	17	16	48	02	24	27	11	02	21	11	36	07	24	51	27	01	11	53	06	08	24	48	31	02	24	44	34
15	01	29	30	32	07	00	48	16	02	25	05	31	02	22	37	06	07	24	43	50	01	13	06	17	08	24	44	47	02	24	41	23
16	02	00	27	51	07	14	05	45	02	25	43	51	02	23	59	44	07	24	36	14	01	14	19	31	08	24	40	59	02	24	38	12
17	02	01	25	10	07	27	08	35	02	26	22	08	02	25	19	28	07	24	28	39	01	15	32	44	08	24	37	10	02	24	35	02
18	02	02	22	28	08	09	56	44	02	27	00	26	02	26	36	18	07	24	21	07	01	16	45	59	08	24	33	16	02	24	31	51
19	02	03	19	45	08	22	30	22	02	27	38	43	02	27	50	11	07	24	13	37	01	17	59	15	08	24	29	20	02	24	28	40
20	02	04	17	01	09	04	50	26	02	28	16	59	02	29	01	06	07	24	06	09	01	19	12	30	08	24	25	21	02	24	25	29
21	02	05	14	17	09	16	58	42	02	28	55	14	03	00	09	02	07	23	58	45	01	20	25	47	08	24	21	20	02	24	22	18
22	02	06	11	33	09	28	57	35	02	29	33	30	03	01	13	55	07	23	51	24	01	21	39	04	08	24	17	15	02	24	19	08
23	02	07	08	48	10	10	49	54	03	00	11	44	03	02	15	42	07	23	44	06	01	22	52	23	08	24	13	09	02	24	15	57
24	02	08	06	04	10	22	40	26	03	00	49	59	03	03	14	20	07	23	36	52	01	24	05	42	08	24	09	01	02	24	12	46
25	02	09	03	18	11	04	33	39	03	01	28	12	03	04	09	43	07	23	29	43	01	25	19	02	08	24	04	51	02	24	09	35
26	02	10	00	33	11	16	35	11	03	02	06	25	03	05	01	48	07	23	22	36	01	26	32	23	08	24	00	39	02	24	06	24
27	02	10	57	46	11	28	49	39	03	02	44	37	03	05	50	26	07	23	15	36	01	27	45	44	08	23	56	26	02	24	03	14
28	02	11	55	00	00	11	21	37	03	03	22	49	03	06	35	32	07	23	08	40	01	28	59	06	08	23	52	11	02	24	00	03
29	02	12	52	14	00	24	14	15	03	04	01	01	03	07	17	00	07	23	01	49	02	00	12	29	08	23	47	54	02	23	56	52
30	02	13	49	28	01	07	29	13	03	04	39	12	03	07	54	40	07	23	55	04	02	01	25	54	08	23	43	34	02	23	53	41

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जुलाई 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	दः.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	02	14	46	41	01	21	07	12	03	05	17	23	03	08	28	24	07	22	48	25	02	02	39	19	08	23	39	14	02	23	50	30
02	02	15	43	54	02	05	06	05	03	05	55	33	03	08	58	03	07	22	41	51	02	03	52	45	08	23	34	53	02	23	47	20
03	02	16	41	07	02	19	23	02	03	06	33	42	03	09	23	29	07	22	35	25	02	05	06	12	08	23	30	30	02	23	44	09
04	02	17	38	20	03	03	53	05	03	07	11	52	03	09	44	35	07	22	29	04	02	06	19	39	08	23	26	07	02	23	40	58
05	02	18	35	34	03	18	31	23	03	07	50	01	03	10	01	13	07	22	22	51	02	07	33	09	08	23	21	44	02	23	37	47
06	02	19	32	47	04	03	11	25	03	08	28	09	03	10	13	11	07	22	16	44	02	08	46	38	08	23	17	19	02	23	34	36
07	02	20	30	00	04	17	47	55	03	09	06	18	03	10	20	29	07	22	10	44	02	10	00	09	08	23	12	54	02	23	31	25
08	02	21	27	13	05	02	15	28	03	09	44	26	03	10	23	01	07	22	04	53	02	11	13	42	08	23	08	28	02	23	28	15
09	02	22	24	26	05	16	30	17	03	10	22	34	03	10	20	44	07	21	59	09	02	12	27	14	08	23	04	04	02	23	25	04
10	02	23	21	40	06	00	29	49	03	11	00	41	03	10	13	42	07	21	53	33	02	13	40	48	08	22	59	37	02	23	21	53
11	02	24	18	54	06	14	12	35	03	11	38	48	03	10	01	56	07	21	48	05	02	14	54	22	08	22	55	12	02	23	18	42
12	02	25	16	08	06	27	38	14	03	12	16	55	03	09	45	34	07	21	42	45	02	16	07	58	08	22	50	47	02	23	15	31
13	02	26	13	21	07	10	47	57	03	12	55	01	03	09	24	43	07	21	37	34	02	17	21	36	08	22	46	21	02	23	12	20
14	02	27	10	36	07	23	42	35	03	13	33	07	03	08	59	45	07	21	32	32	02	18	35	13	08	22	41	57	02	23	09	10
15	02	28	07	50	08	06	23	33	03	14	11	13	03	08	30	49	07	21	27	38	02	19	48	52	08	22	37	33	02	23	05	59
16	02	29	05	05	08	18	52	34	03	14	49	19	03	07	58	21	07	21	22	54	02	21	02	33	08	22	33	10	02	23	02	48
17	03	00	02	21	09	01	11	17	03	15	27	25	03	07	22	50	07	21	18	19	02	22	16	13	08	22	28	48	02	22	59	37
18	03	00	59	36	09	13	21	07	03	16	05	30	03	06	44	44	07	21	13	53	02	23	29	55	08	22	24	26	02	22	56	26
19	03	01	56	52	09	25	23	09	03	16	43	36	03	06	04	38	07	21	09	37	02	24	43	39	08	22	20	07	02	22	53	15
20	03	02	54	09	10	07	19	02	03	17	21	41	03	05	23	11	07	21	05	30	02	25	57	25	08	22	15	47	02	22	50	05
21	03	03	51	26	10	19	10	55	03	17	59	45	03	04	41	07	07	21	01	33	02	27	11	10	08	22	11	29	02	22	46	54
22	03	04	48	43	11	01	01	39	03	18	37	50	03	03	59	08	07	20	57	46	02	28	24	57	08	22	07	12	02	22	43	43
23	03	05	46	02	11	12	54	59	03	19	15	55	03	03	17	56	07	20	54	10	02	29	38	45	08	22	02	58	02	22	40	32
24	03	06	43	20	11	24	55	41	03	19	54	00	03	02	38	22	07	20	50	43	03	00	52	33	08	21	58	45	02	22	37	21
25	03	07	40	39	00	07	08	38	03	20	32	05	03	02	01	07	07	20	47	26	03	02	06	24	08	21	54	34	02	22	34	10
26	03	08	37	59	00	19	37	54	03	21	10	09	03	01	26	54	07	20	44	21	03	03	20	16	08	21	50	25	02	22	30	59
27	03	09	35	20	01	02	27	47	03	21	48	14	03	00	56	26	07	20	41	25	03	04	34	07	08	21	46	19	02	22	27	49
28	03	10	32	41	01	15	41	53	03	22	26	18	03	00	30	16	07	20	38	40	03	05	48	01	08	21	42	13	02	22	24	38
29	03	11	30	02	01	29	21	03	03	23	04	22	03	00	08	59	07	20	36	06	03	07	01	56	08	21	38	11	02	22	21	27
30	03	12	27	25	02	13	25	46	03	23	42	26	02	29	53	08	07	20	33	43	03	08	15	51	08	21	34	12	02	22	18	16
31	03	13	24	49	02	27	53	42	03	24	20	31	02	29	43	04	07	20	31	30	03	09	29	49	08	21	30	15	02	22	15	05

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अगस्त 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	03	14	22	13	03	12	40	49	03	24	58	36	02	29	39	08	07	20	29	28	03	10	43	47	08	21	26	20	02	22	11	54
02	03	15	19	38	03	27	40	11	03	25	36	40	02	29	41	33	07	20	27	37	03	11	57	46	08	21	22	29	02	22	08	44
03	03	16	17	03	04	12	44	12	03	26	14	45	02	29	50	30	07	20	25	57	03	13	11	47	08	21	18	41	02	22	05	33
04	03	17	14	30	04	27	43	02	03	26	52	50	03	00	06	06	07	20	24	28	03	14	25	48	08	21	14	56	02	22	02	22
05	03	18	11	57	05	12	29	06	03	27	30	54	03	00	28	24	07	20	23	11	03	15	39	50	08	21	11	14	02	21	59	11
06	03	19	09	26	05	26	55	58	03	28	08	59	03	00	57	22	07	20	22	04	03	16	53	54	08	21	07	35	02	21	56	00
07	03	20	06	55	06	10	59	59	03	28	47	04	03	01	32	54	07	20	21	08	03	18	07	59	08	21	03	59	02	21	52	49
08	03	21	04	26	06	24	39	47	03	29	25	09	03	02	14	58	07	20	20	23	03	19	22	05	08	21	00	27	02	21	49	38
09	03	22	01	57	07	07	56	36	04	00	03	14	03	03	03	22	07	20	19	50	03	20	36	11	08	20	56	60	02	21	46	28
10	03	22	59	31	07	20	53	02	04	00	41	20	03	03	57	59	07	20	19	27	03	21	50	19	08	20	53	35	02	21	43	17
11	03	23	57	05	08	03	31	42	04	01	19	26	03	04	58	36	07	20	19	16	03	23	04	08	08	20	50	13	02	21	40	06
12	03	24	54	39	08	15	56	05	04	01	57	32	03	06	05	03	07	20	19	16	03	24	18	37	08	20	46	57	02	21	36	55
13	03	25	52	15	08	28	09	50	04	02	35	37	03	07	17	09	07	20	19	28	03	25	32	49	08	20	43	45	02	21	33	44
14	03	26	49	52	09	10	15	24	04	03	13	43	03	08	34	38	07	20	19	50	03	26	47	01	08	20	40	36	02	21	30	33
15	03	27	47	31	09	22	15	19	04	03	51	50	03	09	57	19	07	20	20	23	03	28	01	14	08	20	37	31	02	21	27	23
16	03	28	45	10	10	04	11	07	04	04	29	57	03	11	24	54	07	20	21	08	03	29	15	28	08	20	34	30	02	21	24	12
17	03	29	42	50	10	16	04	20	04	05	08	04	03	12	57	08	07	20	22	04	04	00	29	42	08	20	31	34	02	21	21	17
18	04	00	40	33	10	27	56	04	04	05	46	11	03	14	33	42	07	20	23	10	04	01	43	57	08	20	28	44	02	21	17	50
19	04	01	38	16	11	09	48	19	04	06	24	19	03	16	14	16	07	20	24	28	04	02	58	15	08	20	25	57	02	21	14	39
20	04	02	35	60	11	21	43	57	04	07	02	27	03	17	58	30	07	20	25	58	04	04	12	32	08	20	23	16	02	21	11	28
21	04	03	33	46	00	03	46	04	04	07	40	35	03	19	45	57	07	20	27	38	04	05	26	50	08	20	20	37	02	21	08	17
22	04	04	31	34	00	15	58	18	04	08	18	44	03	21	36	19	07	20	29	28	04	06	41	09	08	20	18	04	02	21	05	07
23	04	05	29	22	00	28	24	54	04	08	56	52	03	23	29	07	07	20	31	30	04	07	55	29	08	20	15	37	02	21	01	56
24	04	06	27	12	01	11	10	12	04	09	35	02	03	25	23	59	07	20	33	42	04	09	09	50	08	20	13	15	02	20	58	45
25	04	07	25	03	01	24	17	29	04	10	13	12	03	27	20	28	07	20	36	06	04	10	24	12	08	20	10	57	02	20	55	34
26	04	08	22	56	02	07	50	04	04	10	51	22	03	29	18	11	07	20	38	41	04	11	38	34	08	20	08	44	02	20	52	23
27	04	09	20	51	02	21	49	28	04	11	29	32	04	01	16	47	07	20	41	26	04	12	52	57	08	20	06	36	02	20	49	12
28	04	10	18	48	03	06	15	35	04	12	07	44	04	03	15	54	07	20	44	21	04	14	07	21	08	20	04	33	02	20	46	02
29	04	11	16	46	03	21	05	20	04	12	45	55	04	05	15	14	07	20	47	27	04	15	21	45	08	20	02	35	02	20	42	51
30	04	12	14	45	04	06	13	09	04	13	24	07	04	07	14	29	07	20	50	44	04	16	36	10	08	20	00	44	02	20	39	40
31	04	13	12	45	04	21	29	59	04	14	02	20	04	09	13	29	07	20	54	11	04	17	50	36	08	19	58	58	02	20	36	29

औदयिक स्पष्ट ग्रह, सितम्बर 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	04	14	10	48	05	06	44	44	04	14	40	32	04	11	12	00	07	20	57	49	04	19	05	02	08	19	57	16	02	20	33	18
02	04	15	08	51	05	21	47	12	04	15	18	46	04	13	09	53	07	21	01	37	04	20	19	29	08	19	55	40	02	20	30	07
03	04	16	06	57	06	06	28	03	04	15	57	00	04	15	07	00	07	21	05	36	04	21	33	56	08	19	54	08	02	20	26	56
04	04	17	05	04	06	20	41	44	04	16	35	14	04	17	03	13	07	21	09	44	04	22	48	25	08	19	52	44	02	20	23	46
05	04	18	03	13	07	04	26	35	04	17	13	30	04	18	58	28	07	21	14	03	04	24	02	53	08	19	51	24	02	20	20	35
06	04	19	01	23	07	17	43	41	04	17	51	45	04	20	52	41	07	21	18	31	04	25	17	22	08	19	50	11	02	20	17	24
07	04	19	59	36	08	00	35	57	04	18	30	01	04	22	45	49	07	21	23	10	04	26	31	51	08	19	49	03	02	20	14	13
08	04	20	57	50	08	13	07	23	04	19	08	18	04	24	37	48	07	21	27	59	04	27	46	21	08	19	47	59	02	20	11	02
09	04	21	56	06	08	25	23	10	04	19	46	35	04	26	28	37	07	21	32	58	04	29	00	52	08	19	47	05	02	20	07	51
10	04	22	54	23	09	07	27	32	04	20	24	53	04	28	18	15	07	21	38	06	05	00	15	22	08	19	46	12	02	20	04	41
11	04	23	52	42	09	19	24	33	04	21	03	12	05	00	06	44	07	21	43	23	05	01	29	53	08	19	45	26	02	20	01	30
12	04	24	51	03	10	01	17	33	04	21	41	31	05	01	53	60	07	21	48	50	05	02	44	24	08	19	44	47	02	19	58	19
13	04	25	49	27	10	13	09	35	04	22	19	51	05	03	40	07	07	21	54	28	05	03	58	57	08	19	44	15	02	19	55	08
14	04	26	47	51	10	25	01	56	04	22	58	11	05	05	25	03	07	22	00	14	05	05	13	29	08	19	43	47	02	19	51	57
15	04	27	46	18	11	06	56	06	04	23	36	33	05	07	08	51	07	22	06	10	05	06	28	01	08	19	43	24	02	19	48	47
16	04	28	44	47	11	18	53	32	04	24	14	55	05	08	51	35	07	22	12	15	05	07	42	34	08	19	43	09	02	19	45	36
17	04	29	43	18	00	00	55	18	04	24	53	18	05	10	33	11	07	22	18	29	05	08	57	07	08	19	42	59	02	19	42	25
18	05	00	41	50	00	13	03	23	04	25	31	41	05	12	13	46	07	22	24	52	05	10	11	41	08	19	42	53	02	19	39	14
19	05	01	40	24	00	25	20	23	04	26	10	05	05	13	53	18	07	22	31	24	05	11	26	14	08	19	42	55	02	19	36	03
20	05	02	39	00	01	07	49	20	04	26	48	30	05	15	31	50	07	22	38	05	05	12	40	47	08	19	43	03	02	19	32	52
21	05	03	37	39	01	20	33	11	04	27	26	56	05	17	09	24	07	22	44	55	05	13	55	22	08	19	43	16	02	19	29	41
22	05	04	36	19	02	03	35	38	04	28	05	22	05	18	46	01	07	22	51	53	05	15	09	56	08	19	43	35	02	19	26	31
23	05	05	35	00	02	16	59	51	04	28	43	49	05	20	21	40	07	22	59	00	05	16	24	30	08	19	44	02	02	19	23	20
24	05	06	33	45	03	00	48	27	04	29	22	17	05	21	56	24	07	23	06	15	05	17	39	04	08	19	44	32	02	19	20	09
25	05	07	32	31	03	15	03	06	05	00	00	46	05	23	30	14	07	23	13	40	05	18	53	39	08	19	45	09	02	19	16	58
26	05	08	31	19	03	29	42	45	05	00	39	16	05	25	03	09	07	23	21	12	05	20	08	14	08	19	45	52	02	19	13	47
27	05	09	30	09	04	14	42	55	05	01	17	46	05	26	35	11	07	23	28	52	05	21	22	48	08	19	46	42	02	19	10	36
28	05	10	29	01	04	29	55	56	05	01	56	18	05	28	06	19	07	23	36	42	05	22	37	23	08	19	47	36	02	19	07	26
29	05	11	27	54	05	15	11	34	05	02	34	50	05	29	36	32	07	23	44	38	05	23	51	58	08	19	48	36	02	19	04	15
30	05	12	26	50	06	00	18	38	05	03	13	23	06	01	05	51	07	23	52	42	05	25	06	33	08	19	49	43	02	19	01	04

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अक्टूबर 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	05	13	25	48	06	15	06	51	05	03	51	56	06	02	34	16	07	24	00	55	05	26	21	08	08	19	50	56	02	18	57	53
02	05	14	24	49	06	29	28	48	05	04	30	31	06	04	01	45	07	24	09	15	05	27	35	44	08	19	52	15	02	18	54	42
03	05	15	23	50	07	13	21	12	05	05	09	07	06	05	28	16	07	24	17	43	05	28	50	18	08	19	53	40	02	18	51	31
04	05	16	22	56	07	26	43	43	05	05	47	44	06	06	53	52	07	24	26	19	06	00	04	55	08	19	55	09	02	18	48	21
05	05	17	22	02	08	09	39	14	05	06	26	22	06	08	18	27	07	24	35	02	06	01	19	30	08	19	56	45	02	18	45	10
06	05	18	21	11	08	22	11	25	05	07	05	01	06	09	42	01	07	24	43	53	06	02	34	06	08	19	58	27	02	18	41	59
07	05	19	20	21	09	04	25	47	05	07	43	40	06	11	04	29	07	24	52	50	06	03	48	43	08	20	00	14	02	18	38	48
08	05	20	19	33	09	16	27	05	05	08	22	20	06	12	25	54	07	25	01	54	06	05	03	18	08	20	02	07	02	18	35	37
09	05	21	18	48	09	28	20	48	05	09	01	02	06	13	46	11	07	25	11	07	06	06	17	53	08	20	04	07	02	18	32	26
10	05	22	18	05	10	10	11	19	05	09	39	44	06	15	05	17	07	25	20	26	06	07	32	29	08	20	06	11	02	18	29	15
11	05	23	17	23	10	22	01	57	05	10	18	27	06	16	23	07	07	25	29	51	06	08	47	04	08	20	08	22	02	18	26	05
12	05	24	16	44	11	03	56	03	05	10	57	11	06	17	39	41	07	25	39	25	06	10	01	40	08	20	10	37	02	18	22	54
13	05	25	16	07	11	15	55	18	05	11	35	57	06	18	54	50	07	25	49	04	06	11	16	16	08	20	13	00	02	18	19	43
14	05	26	15	31	11	28	00	52	05	12	14	43	06	20	08	29	07	25	58	49	06	12	30	52	08	20	15	27	02	18	16	32
15	05	27	14	58	00	10	13	45	05	12	53	30	06	21	20	33	07	26	08	42	06	13	45	28	08	20	17	59	02	18	13	21
16	05	28	14	27	00	22	34	26	05	13	32	18	06	22	30	52	07	26	18	41	06	15	00	03	08	20	20	36	02	18	10	10
17	05	29	13	58	01	05	03	59	05	14	11	08	06	23	39	17	07	26	28	46	06	16	14	39	08	20	23	21	02	18	06	60
18	06	00	13	32	01	17	43	23	05	14	49	58	06	24	45	39	07	26	38	57	06	17	29	14	08	20	26	10	02	18	03	49
19	06	01	13	07	02	00	34	34	05	15	28	50	06	25	49	43	07	26	49	16	06	18	43	51	08	20	29	04	02	18	00	38
20	06	02	12	44	02	13	40	21	05	16	07	42	06	26	51	14	07	26	59	39	06	19	58	27	08	20	32	05	02	17	57	27
21	06	03	12	22	02	27	02	50	05	16	46	36	06	27	49	59	07	27	10	09	06	21	13	02	08	20	35	10	02	17	54	16
22	06	04	12	05	03	10	44	37	05	17	25	31	06	28	45	38	07	27	20	43	06	22	27	39	08	20	38	20	02	17	51	05
23	06	05	11	48	03	24	47	16	05	18	04	26	06	29	37	50	07	27	31	26	06	23	42	14	08	20	41	36	02	17	47	54
24	06	06	11	34	04	09	10	52	05	18	43	24	07	00	26	12	07	27	42	13	06	24	56	51	08	20	44	57	02	17	44	44
25	06	07	11	20	04	23	52	24	05	19	22	21	07	01	10	18	07	27	53	05	06	26	11	27	08	20	48	23	02	17	41	33
26	06	08	11	10	05	08	46	55	05	20	01	20	07	01	49	42	07	28	04	03	06	27	26	02	08	20	51	53	02	17	38	22
27	06	09	11	01	05	23	46	05	05	20	40	21	07	02	23	52	07	28	15	07	06	28	40	37	08	20	55	31	02	17	35	11
28	06	10	10	54	06	08	40	33	05	21	19	22	07	02	52	15	07	28	26	15	06	29	55	13	08	20	59	12	02	17	32	00
29	06	11	10	50	06	23	21	16	05	21	58	24	07	03	14	19	07	28	37	29	07	01	09	49	08	21	02	58	02	17	28	49
30	06	12	10	47	07	07	40	54	05	22	37	28	07	03	29	27	07	28	48	49	07	02	24	25	08	21	06	50	02	17	25	38
31	06	13	10	46	07	21	34	36	05	23	16	33	07	03	37	04	07	29	00	13	07	03	39	01	08	21	10	46	02	17	22	28

औदयिक स्पष्ट ग्रह, नवम्बर 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	06	14	10	47	08	05	01	10	05	23	55	38	07	03	36	36	07	29	11	42	07	04	53	36	08	21	14	46	02	17	19	17
02	06	15	10	50	08	18	01	20	05	24	34	45	07	03	27	31	07	29	23	17	07	06	08	11	08	21	18	50	02	17	16	06
03	06	16	10	54	09	00	38	18	05	25	13	53	07	03	09	22	07	29	34	55	07	07	22	47	08	21	23	02	02	17	12	55
04	06	17	11	02	09	12	55	53	05	25	53	03	07	02	41	50	07	29	46	39	07	08	37	22	08	21	27	17	02	17	09	44
05	06	18	11	10	09	24	59	06	05	26	32	13	07	02	04	49	07	29	58	27	07	09	51	57	08	21	31	36	02	17	06	33
06	06	19	11	20	10	06	53	33	05	27	11	25	07	01	18	22	08	00	10	20	07	11	06	33	08	21	36	01	02	17	03	22
07	06	20	11	33	10	18	43	47	05	27	50	38	07	00	22	55	08	00	22	16	07	12	21	08	08	21	40	29	02	17	00	11
08	06	21	11	46	11	00	35	07	05	28	29	51	06	29	19	21	08	00	34	18	07	13	35	42	08	21	45	03	02	16	57	00
09	06	22	12	03	11	12	31	32	05	29	09	07	06	28	08	51	08	00	46	24	07	14	50	17	08	21	49	41	02	16	53	50
10	06	23	12	21	11	24	36	13	05	29	48	24	06	26	53	02	08	00	58	33	07	16	04	51	08	21	54	24	02	16	50	39
11	06	24	12	41	00	06	51	03	06	00	27	41	06	25	33	58	08	01	10	48	07	17	19	25	08	21	59	09	02	16	47	28
12	06	25	13	02	00	19	16	57	06	01	07	00	06	24	14	00	08	01	23	06	07	18	34	00	08	22	03	59	02	16	44	17
13	06	26	13	24	01	01	54	31	06	01	46	20	06	22	55	32	08	01	35	27	07	19	48	34	08	22	08	55	02	16	41	06
14	06	27	13	49	01	14	42	32	06	02	25	41	06	21	41	14	08	01	47	53	07	21	03	08	08	22	13	53	02	16	37	55
15	06	28	14	15	01	27	41	36	06	03	05	03	06	20	33	16	08	02	00	22	07	22	17	41	08	22	18	55	02	16	34	44
16	06	29	14	43	02	10	51	40	06	03	44	27	06	19	33	44	08	02	12	55	07	23	32	14	08	22	24	03	02	16	31	33
17	07	00	15	13	02	24	12	44	06	04	23	52	06	18	44	13	08	02	25	31	07	24	46	47	08	22	29	13	02	16	28	23
18	07	01	15	44	03	07	46	06	06	05	03	18	06	18	05	44	08	02	38	11	07	26	01	19	08	22	34	29	02	16	25	12
19	07	02	16	16	03	21	31	57	06	05	42	45	06	17	38	55	08	02	50	56	07	27	15	51	08	22	39	46	02	16	22	01
20	07	03	16	50	04	05	31	15	06	06	22	13	06	17	23	56	08	03	03	42	07	28	30	23	08	22	45	08	02	16	18	50
21	07	04	17	26	04	19	42	54	06	07	01	43	06	17	20	29	08	03	16	30	07	29	44	54	08	22	50	34	02	16	15	39
22	07	05	18	03	05	04	05	33	06	07	41	14	06	17	28	05	08	03	29	24	08	00	59	25	08	22	56	03	02	16	12	28
23	07	06	18	41	05	18	35	19	06	08	20	46	06	17	45	59	08	03	42	19	08	02	13	55	08	23	01	38	02	16	09	17
24	07	07	19	22	06	03	07	17	06	09	00	20	06	18	13	21	08	03	55	18	08	03	28	25	08	23	07	14	02	16	06	06
25	07	08	20	03	06	17	35	29	06	09	39	54	06	18	49	13	08	04	08	21	08	04	42	54	08	23	12	53	02	16	02	56
26	07	09	20	46	07	01	53	12	06	10	19	30	06	19	32	45	08	04	21	25	08	05	57	23	08	23	18	38	02	15	59	45
27	07	10	21	31	07	15	55	49	06	10	59	07	06	20	23	01	08	04	34	32	08	07	11	52	08	23	24	24	02	15	56	34
28	07	11	22	16	07	29	38	37	06	11	38	45	06	21	19	11	08	04	47	42	08	08	26	19	08	23	30	12	02	15	53	23
29	07	12	23	03	08	12	59	55	06	12	18	25	06	22	20	31	08	05	00	55	08	09	40	45	08	23	36	05	02	15	50	12
30	07	13	23	51	08	25	59	19	06	12	58	06	06	23	26	19	08	05	14	09	08	10	55	11	08	23	42	03	02	15	47	01

औदयिक स्पष्ट ग्रह, दिसम्बर 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	07	14	24	40	09	08	38	19	06	13	37	48	06	24	36	02	08	05	27	27	08	12	09	37	08	23	48	02	02	15	43	50
02	07	15	25	31	09	20	58	59	06	14	17	31	06	25	49	04	08	05	40	47	08	13	24	01	08	23	54	05	02	15	40	39
03	07	16	26	23	10	03	05	22	06	14	57	16	06	27	04	58	08	05	54	07	08	14	38	25	08	24	00	10	02	15	37	29
04	07	17	27	15	10	15	01	40	06	15	37	01	06	28	23	20	08	06	07	31	08	15	52	46	08	24	06	18	02	15	34	18
05	07	18	28	09	10	26	52	56	06	16	16	48	06	29	43	49	08	06	20	57	08	17	07	07	08	24	12	28	02	15	31	07
06	07	19	29	04	11	08	44	43	06	16	56	37	07	01	06	05	08	06	34	24	08	18	21	29	08	24	18	42	02	15	27	56
07	07	20	30	00	11	20	42	09	06	17	36	26	07	02	29	53	08	06	47	54	08	19	35	48	08	24	24	59	02	15	24	45
08	07	21	30	57	00	02	49	43	06	18	16	17	07	03	54	59	08	07	01	26	08	20	50	07	08	24	31	17	02	15	21	34
09	07	22	31	54	00	15	10	21	06	18	56	09	07	05	21	08	08	07	14	58	08	22	04	23	08	24	37	39	02	15	18	23
10	07	23	32	53	00	27	46	21	06	19	36	02	07	06	48	13	08	07	28	33	08	23	18	39	08	24	44	02	02	15	15	13
11	07	24	33	53	01	10	38	25	06	20	15	57	07	08	16	06	08	07	42	09	08	24	32	53	08	24	50	28	02	15	12	02
12	07	25	34	53	01	23	47	07	06	20	55	52	07	09	44	37	08	07	55	47	08	25	47	06	08	24	56	57	02	15	08	51
13	07	26	35	55	02	07	09	02	06	21	35	49	07	11	13	42	08	08	09	26	08	27	01	18	08	25	03	28	02	15	05	40
14	07	27	36	56	02	20	44	48	06	22	15	47	07	12	43	14	08	08	23	06	08	28	15	28	08	25	10	01	02	15	02	29
15	07	28	37	59	03	04	32	12	06	22	55	47	07	14	13	12	08	08	36	47	08	29	29	36	08	25	16	35	02	14	59	18
16	07	29	39	04	03	18	29	08	06	23	35	48	07	15	43	31	08	08	50	31	09	00	43	44	08	25	23	11	02	14	56	07
17	08	00	40	08	04	02	33	17	06	24	15	50	07	17	14	09	08	09	04	14	09	01	57	49	08	25	29	51	02	14	52	56
18	08	01	41	13	04	16	42	31	06	24	55	53	07	18	45	00	08	09	17	59	09	03	11	52	08	25	36	32	02	14	49	46
19	08	02	42	18	05	00	54	34	06	25	35	57	07	20	16	10	08	09	31	44	09	04	25	55	08	25	43	15	02	14	46	35
20	08	03	43	24	05	15	07	13	06	26	16	06	07	21	47	31	08	09	45	30	09	05	39	55	08	25	50	01	02	14	43	24
21	08	04	44	30	05	29	17	27	06	26	56	10	07	23	19	07	08	09	59	18	09	06	53	52	08	25	56	47	02	14	40	13
22	08	05	45	38	06	13	22	54	06	27	36	18	07	24	50	54	08	10	13	06	09	08	07	48	08	26	03	35	02	14	37	02
23	08	06	46	45	06	27	20	31	06	28	16	27	07	26	22	55	08	10	26	53	09	09	21	42	08	26	10	24	02	14	33	51
24	08	07	47	53	07	11	08	10	06	28	56	38	07	27	55	10	08	10	40	43	09	10	35	33	08	26	17	15	02	14	30	41
25	08	08	49	02	07	24	43	17	06	29	36	49	07	29	27	38	08	10	54	32	09	11	49	23	08	26	24	07	02	14	27	30
26	08	09	50	09	08	08	04	01	07	00	17	03	08	01	00	22	08	11	08	20	09	13	03	10	08	26	31	01	02	14	24	19
27	08	10	51	18	08	21	09	21	07	00	57	17	08	02	33	17	08	11	22	11	09	14	16	55	08	26	37	56	02	14	21	08
28	08	11	52	27	09	03	59	02	07	01	37	32	08	04	06	32	08	11	36	00	09	15	30	37	08	26	44	52	02	14	17	57
29	08	12	53	36	09	16	32	56	07	02	17	48	08	05	40	01	08	11	49	49	09	16	44	16	08	26	51	49	02	14	14	46
30	08	13	54	46	09	28	52	23	07	02	58	06	08	07	13	47	08	12	03	40	09	17	57	53	08	26	58	49	02	14	11	36
31	08	14	55	56	10	10	58	55	07	03	38	25	08	08	47	51	08	12	17	30	09	19	11	28	08	27	05	48	02	14	08	25

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जनवरी 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	08	15	57	05	10	22	56	12	07	04	18	45	08	10	22	14	08	12	31	19	09	20	24	59	08	27	12	48	02	14	05	14
02	08	16	58	15	11	04	47	44	07	04	59	07	08	11	56	56	08	12	45	08	09	21	38	28	08	27	19	49	02	14	02	03
03	08	17	59	25	11	16	38	56	07	05	39	30	08	13	31	57	08	12	58	57	09	22	51	54	08	27	26	51	02	13	58	52
04	08	19	00	35	11	28	34	46	07	06	19	54	08	15	07	21	08	13	12	46	09	24	05	15	08	27	26	54	02	13	55	42
05	08	20	01	45	00	10	40	39	07	07	00	19	08	16	43	02	08	13	26	34	09	25	18	36	08	27	40	57	02	13	52	31
06	08	21	02	55	00	23	01	18	07	07	40	45	08	18	19	10	08	13	40	21	09	26	31	52	08	27	48	02	02	13	49	20
07	08	22	04	04	01	05	39	35	07	08	21	13	08	19	55	38	08	13	54	08	09	27	45	04	08	27	55	06	02	13	46	09
08	08	23	05	13	01	18	38	22	07	09	01	41	08	21	32	33	08	14	07	54	09	28	58	14	08	28	02	11	02	13	42	58
09	08	24	06	22	02	01	58	36	07	09	42	11	08	23	09	52	08	14	21	39	10	00	11	20	08	28	09	18	02	13	39	48
10	08	25	07	31	02	15	39	59	07	10	22	42	08	24	47	37	08	14	35	24	10	01	24	22	08	28	16	23	02	13	36	37
11	08	26	08	39	02	29	40	17	07	11	03	14	08	26	25	50	08	14	49	06	10	02	37	21	08	28	23	28	02	13	33	26
12	08	27	09	48	03	13	56	34	07	11	43	48	08	28	04	30	08	15	02	49	10	03	50	16	08	28	30	35	02	13	30	15
13	08	28	10	55	03	28	23	52	07	12	24	23	08	29	43	39	08	15	16	30	10	05	03	07	08	28	37	41	02	13	27	05
14	08	29	12	03	04	12	56	08	07	13	04	58	09	01	23	15	08	15	30	10	10	06	15	54	08	28	44	46	02	13	23	54
15	09	00	13	09	04	27	28	14	07	13	45	35	09	03	03	20	08	15	43	49	10	07	28	37	08	28	51	53	02	13	20	43
16	09	01	14	16	05	11	54	16	07	14	26	13	09	04	43	52	08	15	57	26	10	08	41	16	08	28	59	00	02	13	17	32
17	09	02	15	22	05	26	10	36	07	15	06	52	09	06	24	53	08	16	11	01	10	09	53	50	08	29	06	05	02	13	14	21
18	09	03	16	27	06	10	14	05	07	15	47	32	09	08	06	20	08	16	24	35	10	11	06	20	08	29	13	10	02	13	11	11
19	09	04	17	32	06	24	03	20	07	16	28	14	09	09	48	16	08	16	38	07	10	12	18	46	08	29	20	16	02	13	08	00
20	09	05	18	36	07	07	38	27	07	17	08	57	09	11	30	34	08	16	51	37	10	13	31	07	08	29	27	20	02	13	04	49
21	09	06	19	40	07	20	59	27	07	17	49	41	09	13	13	13	08	17	05	07	10	14	43	24	08	29	34	26	02	13	01	38
22	09	07	20	44	08	04	07	21	07	18	30	26	09	14	56	14	08	17	18	33	10	15	55	35	08	29	41	30	02	12	58	28
23	09	08	21	45	08	17	02	53	07	19	11	12	09	16	39	26	08	17	31	58	10	17	07	42	08	29	48	34	02	12	55	17
24	09	09	22	47	08	29	46	49	07	19	51	59	09	18	22	50	08	17	45	22	10	18	19	43	08	29	55	35	02	12	52	06
25	09	10	23	48	09	12	20	03	07	20	32	47	09	20	06	18	08	17	58	41	10	19	31	40	09	00	02	39	02	12	48	56
26	09	11	24	47	09	24	42	49	07	21	13	37	09	21	49	42	08	18	12	00	10	20	43	31	09	00	09	39	02	12	45	45
27	09	12	25	46	10	06	55	03	07	21	54	28	09	23	32	54	08	18	25	17	10	21	55	17	09	00	16	40	02	12	42	34
28	09	13	26	44	10	18	58	29	07	22	35	19	09	25	15	47	08	18	38	29	10	23	06	57	09	00	23	39	02	12	39	23
29	09	14	27	43	11	00	54	23	07	23	16	12	09	26	58	09	08	18	51	40	10	24	18	31	09	00	30	38	02	12	36	13
30	09	15	28	37	11	12	45	17	07	23	57	05	09	28	39	47	08	19	04	50	10	25	29	59	09	00	37	34	02	12	33	02
31	09	16	29	33	11	24	35	19	07	24	38	01	10	00	20	27	08	19	17	54	10	26	41	23	09	00	44	31	02	12	29	51

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	09	17	30	26	00	06	28	56	07	25	18	56	10	01	59	51	08	19	30	58	10	27	52	38	09	00	51	26	02	12	26	41
02	09	18	31	19	00	18	30	58	07	25	59	54	10	03	37	44	08	19	43	59	10	29	03	49	09	00	58	20	02	12	23	30
03	09	19	32	11	01	00	46	29	07	26	40	52	10	05	13	41	08	19	56	56	11	00	14	53	09	01	05	12	02	12	20	19
04	09	20	33	01	01	13	20	04	07	27	21	51	10	06	47	18	08	20	09	50	11	01	25	50	09	01	12	04	02	12	17	08
05	09	21	33	51	01	26	15	56	07	28	02	52	10	08	18	08	08	20	22	42	11	02	36	40	09	01	18	53	02	12	13	58
06	09	22	34	39	02	09	36	55	07	28	43	53	10	09	45	38	08	20	35	31	11	03	47	25	09	01	25	40	02	12	10	47
07	09	23	35	27	02	23	24	07	07	29	24	55	10	11	09	13	08	20	48	15	11	04	58	02	09	01	32	26	02	12	07	36
08	09	24	36	13	03	07	37	34	08	00	05	59	10	12	28	13	08	21	00	57	11	06	08	32	09	01	39	11	02	12	04	26
09	09	25	36	58	03	22	13	39	08	00	47	04	10	13	41	56	08	21	13	36	11	07	18	54	09	01	45	54	02	12	01	15
10	09	26	37	41	04	07	05	48	08	01	28	09	10	14	49	35	08	21	26	08	11	08	29	09	09	01	52	34	02	11	58	04
11	09	27	38	23	04	22	06	17	08	02	09	16	10	15	50	26	08	21	38	39	11	09	39	16	09	01	59	14	02	11	54	54
12	09	28	39	03	05	07	05	27	08	02	50	23	10	16	43	40	08	21	51	07	11	10	49	15	09	02	05	51	02	11	51	43
13	09	29	39	43	05	21	54	41	08	03	31	32	10	17	28	31	08	22	03	30	11	11	59	06	09	02	12	26	02	11	48	32
14	10	00	40	21	06	06	26	41	08	04	12	42	10	18	04	17	08	22	15	50	11	13	08	49	09	02	18	59	02	11	45	22
15	10	01	40	57	06	20	37	34	08	04	53	52	10	18	30	16	08	22	28	05	11	14	18	23	09	02	25	30	02	11	42	11
16	10	02	41	32	07	04	25	41	08	05	35	04	10	18	46	03	08	22	40	17	11	15	27	48	09	02	31	59	02	11	39	00
17	10	03	42	06	07	17	51	44	08	06	16	17	10	18	51	19	08	22	52	24	11	16	37	06	09	02	38	25	02	11	35	50
18	10	04	42	37	08	00	58	17	08	06	57	30	10	18	45	50	08	23	04	28	11	17	46	13	09	02	44	50	02	11	32	39
19	10	05	43	07	08	13	48	03	08	07	38	44	10	18	29	50	08	23	16	25	11	18	55	11	09	02	51	11	02	11	29	28
20	10	06	43	36	08	26	24	12	08	08	19	59	10	18	03	39	08	23	28	20	11	20	03	59	09	02	57	30	02	11	26	18
21	10	07	44	29	09	08	49	20	08	09	01	16	10	17	27	56	08	23	40	09	11	21	12	37	09	03	03	47	02	11	23	07
22	10	08	44	29	09	21	05	55	08	09	42	33	10	16	43	35	08	23	51	54	11	22	21	06	09	03	10	01	02	11	19	56
23	10	09	44	53	10	03	15	20	08	10	23	51	10	15	51	51	08	24	03	35	11	23	29	24	09	03	16	12	02	11	16	46
24	10	10	45	15	10	15	18	32	08	11	05	10	10	14	54	02	08	24	15	11	11	24	37	31	09	03	22	21	02	11	13	35
25	10	11	45	35	10	27	16	10	08	11	46	30	10	13	51	45	08	24	26	41	11	25	45	28	09	03	28	26	02	11	10	25
26	10	12	45	55	11	09	09	28	08	12	27	50	10	12	46	42	08	24	38	08	11	26	53	13	09	03	34	29	02	11	07	14
27	10	13	46	12	11	21	00	16	08	13	09	13	10	11	40	31	08	24	49	28	11	28	00	46	09	03	40	30	02	11	04	03
28	10	14	46	27	00	02	50	25	08	13	50	35	10	10	34	54	08	25	00	44	11	29	08	07	09	03	46	26	02	11	00	53
29	10	15	46	41	00	14	43	44	08	14	31	58	10	09	31	20	08	25	11	54	00	00	15	16	09	03	52	20	02	10	57	42

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	09	17	30	26	00	06	28	56	07	25	18	56	10	01	59	51	08	19	30	58	10	27	52	38	09	00	51	26	02	12	26	41
02	09	18	31	19	00	18	30	58	07	25	59	54	10	03	37	44	08	19	43	59	10	29	03	49	09	00	58	20	02	12	23	30
03	09	19	32	11	01	00	46	29	07	26	40	52	10	05	13	41	08	19	56	56	11	00	14	53	09	01	05	12	02	12	20	19
04	09	20	33	01	01	13	20	04	07	27	21	51	10	06	47	18	08	20	09	50	11	01	25	50	09	01	12	04	02	12	17	08
05	09	21	33	51	01	26	15	56	07	28	02	52	10	08	18	08	08	20	22	42	11	02	36	40	09	01	18	53	02	12	13	58
06	09	22	34	39	02	09	36	55	07	28	43	53	10	09	45	38	08	20	35	31	11	03	47	25	09	01	25	40	02	12	10	47
07	09	23	35	27	02	23	24	07	07	29	24	55	10	11	09	13	08	20	48	15	11	04	58	02	09	01	32	26	02	12	07	36
08	09	24	36	13	03	07	37	34	08	00	05	59	10	12	28	13	08	21	00	57	11	06	08	32	09	01	39	11	02	12	04	26
09	09	25	36	58	03	22	13	39	08	00	47	04	10	13	41	56	08	21	13	36	11	07	18	54	09	01	45	54	02	12	01	15
10	09	26	37	41	04	07	05	48	08	01	28	09	10	14	49	35	08	21	26	08	11	08	29	09	09	01	52	34	02	11	58	04
11	09	27	38	23	04	22	06	17	08	02	09	16	10	15	50	26	08	21	38	39	11	09	39	16	09	01	59	14	02	11	54	54
12	09	28	39	03	05	07	05	27	08	02	50	23	10	16	43	40	08	21	51	07	11	10	49	15	09	02	05	51	02	11	51	43
13	09	29	39	43	05	21	54	41	08	03	31	32	10	17	28	31	08	22	03	30	11	11	59	06	09	02	12	26	02	11	48	32
14	10	00	40	21	06	06	26	41	08	04	12	42	10	18	04	17	08	22	15	50	11	13	08	49	09	02	18	59	02	11	45	22
15	10	01	40	57	06	20	37	34	08	04	53	52	10	18	30	16	08	22	28	05	11	14	18	23	09	02	25	30	02	11	42	11
16	10	02	41	32	07	04	25	41	08	05	35	04	10	18	46	03	08	22	40	17	11	15	27	48	09	02	31	59	02	11	39	00
17	10	03	42	06	07	17	51	44	08	06	16	17	10	18	51	19	08	22	52	24	11	16	37	06	09	02	38	25	02	11	35	50
18	10	04	42	37	08	00	58	17	08	06	57	30	10	18	45	50	08	23	04	28	11	17	46	13	09	02	44	50	02	11	32	39
19	10	05	43	07	08	13	48	03	08	07	38	44	10	18	29	50	08	23	16	25	11	18	55	11	09	02	51	11	02	11	29	28
20	10	06	43	36	08	26	24	12	08	08	19	59	10	18	03	39	08	23	28	20	11	20	03	59	09	02	57	30	02	11	26	18
21	10	07	44	29	09	08	49	20	08	09	01	16	10	17	27	56	08	23	40	09	11	21	12	37	09	03	03	47	02	11	23	07
22	10	08	44	29	09	21	05	55	08	09	42	33	10	16	43	35	08	23	51	54	11	22	21	06	09	03	10	01	02	11	19	56
23	10	09	44	53	10	03	15	20	08	10	23	51	10	15	51	51	08	24	03	35	11	23	29	24	09	03	16	12	02	11	16	46
24	10	10	45	15	10	15	18	32	08	11	05	10	10	14	54	02	08	24	15	11	11	24	37	31	09	03	22	21	02	11	13	35
25	10	11	45	35	10	27	16	10	08	11	46	30	10	13	51	45	08	24	26	41	11	25	45	28	09	03	28	26	02	11	10	25
26	10	12	45	55	11	09	09	28	08	12	27	50	10	12	46	42	08	24	38	08	11	26	53	13	09	03	34	29	02	11	07	14
27	10	13	46	12	11	21	00	16	08	13	09	13	10	11	40	31	08	24	49	28	11	28	00	46	09	03	40	30	02	11	04	03
28	10	14	46	27	00	02	50	25	08	13	50	35	10	10	34	54	08	25	00	44	11	29	08	07	09	03	46	26	02	11	00	53
29	10	15	46	41	00	14	43	44	08	14	31	58	10	09	31	20	08	25	11	54	00	00	15	16	09	03	52	20	02	10	57	42

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2020

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	10	16	46	53	00	26	43	21	08	15	13	22	10	08	31	13	08	25	22	59	00	01	22	13	09	03	58	11	02	10	54	31
02	10	17	47	03	01	08	54	26	08	15	54	47	10	07	35	41	08	25	33	58	00	02	28	57	09	04	03	58	02	10	51	21
03	10	18	47	11	01	21	21	45	08	16	36	12	10	06	45	41	08	25	44	51	00	03	35	28	09	04	09	42	02	10	48	10
04	10	19	47	17	02	04	09	40	08	17	17	40	10	06	01	50	08	25	55	39	00	04	41	44	09	04	15	23	02	10	44	59
05	10	20	47	22	02	17	22	41	08	17	59	07	10	05	24	40	08	26	06	22	00	05	47	46	09	04	21	01	02	10	41	49
06	10	21	47	24	03	01	04	09	08	18	40	34	10	04	54	25	08	26	16	59	00	06	53	34	09	04	26	35	02	10	38	38
07	10	22	47	25	03	15	15	22	08	19	22	04	10	04	31	08	08	26	27	29	00	07	59	07	09	04	32	05	02	10	35	28
08	10	23	47	24	03	29	54	30	08	20	03	33	10	04	14	48	08	26	37	54	00	09	04	25	09	04	37	34	02	10	32	17
09	10	24	47	21	04	14	56	03	08	20	45	02	10	04	05	13	08	26	48	13	00	10	09	27	09	04	42	58	02	10	29	06
10	10	25	47	15	05	00	11	38	08	21	26	33	10	04	02	10	08	26	58	26	00	11	14	13	09	04	48	16	02	10	25	56
11	10	26	47	09	05	15	30	01	08	22	08	04	10	04	05	19	08	27	08	31	00	12	18	42	09	04	53	33	02	10	22	45
12	10	27	47	00	06	00	39	35	08	22	49	37	10	04	14	24	08	27	18	32	00	13	22	53	09	04	58	44	02	10	19	34
13	10	28	46	49	06	15	30	43	08	23	31	09	10	04	29	04	08	27	28	24	00	14	26	47	09	05	03	53	02	10	16	24
14	10	29	46	37	06	29	56	42	08	24	12	42	10	04	48	59	08	27	38	10	00	15	30	23	09	05	08	58	02	10	13	13
15	11	00	46	22	07	13	54	47	08	24	54	16	10	05	13	49	08	27	47	50	00	16	33	39	09	05	13	58	02	10	10	03
16	11	01	46	06	07	27	25	03	08	25	35	51	10	05	43	19	08	27	57	23	00	17	36	37	09	05	18	55	02	10	06	52
17	11	02	45	48	08	10	30	41	08	26	17	26	10	06	17	08	08	28	06	48	00	18	39	14	09	05	23	48	02	10	03	41
18	11	03	45	27	08	23	15	11	08	26	59	01	10	06	55	00	08	28	16	08	00	19	41	30	09	05	28	36	02	10	00	31
19	11	04	45	04	09	05	42	39	08	27	40	37	10	07	36	42	08	28	25	20	00	20	43	24	09	05	33	20	02	09	57	20
20	11	05	44	39	09	17	57	13	08	28	22	13	10	08	21	59	08	28	34	24	00	21	44	56	09	05	37	59	02	09	54	10
21	11	06	44	12	10	00	02	40	08	29	03	51	10	09	10	40	08	28	43	23	00	22	46	06	09	05	42	35	02	09	50	59
22	11	07	43	44	10	12	01	49	08	29	45	27	10	10	02	33	08	28	52	12	00	23	46	52	09	05	47	06	02	09	47	48
23	11	08	43	13	10	23	56	54	09	00	27	05	10	10	57	27	08	29	00	54	00	24	47	13	09	05	51	33	02	09	44	38
24	11	09	42	40	11	05	49	40	09	01	08	43	10	11	55	14	08	29	09	30	00	25	47	10	09	05	55	55	02	09	41	27

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
अथ प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या।।
आयुश्च वित्तञ्च तथा सुखञ्च धर्मार्थलाभो बहुपुत्रताञ्च।
शत्रुक्षयं राज्यसु पूज्यताञ्च तुष्टाः ग्रहाः शान्तिकरा भवन्तु।।

ज्योतिषशास्त्रफलं पुराणगणकैरादेश इत्युच्यते
नूनं लग्नबलाश्रितं पुनरयं तत्स्पष्टखेटाश्रयम्।
ते गोलाश्रयिणोऽन्तरेण गणितं गोलोऽपि न ज्ञायते
तस्माद्यो गणितं न वेत्ति स कथं गोलादिकं ज्ञास्यति।।

ग्रहों का उदयास्त विचार

मंगलग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा	स्थिति
12/07/0219	शुक्र	06:36	पश्चिम	अस्त
22/10/2019	मंगल	11:13	पूर्व	उदय

बुध ग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा	स्थिति
09/05/2019	गुरु	29:27	पूर्व	अस्त
01/06/2019	शनि	19:27	पश्चिम	उदय
13/07/2019	शनि	08:57	पश्चिम	अस्त
30/07/2019	मंगल	14:52	पूर्व	उदय
21/08/2019	बुध	27:48	पूर्व	अस्त
20/09/2019	शुक्र	10:38	पश्चिम	उदय
05/11/2019	मंगल	18:44	पश्चिम	अस्त
17/11/2019	रवि	28:25	पूर्व	उदय
17/12/2019	मंगल	28:08	पूर्व	अस्त
29/01/2020	बुध	24:39	पश्चिम	उदय
18/02/2020	मंगल	26:51	पश्चिम	अस्त
03/03/2020	मंगल	20:19	पूर्व	उदय

गुरुग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा	स्थिति
16/12/0219	सोम	25:25	पश्चिम	अस्त
11/01/2020	शनि	26:51	पूर्व	उदय

शुक्रग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा	स्थिति
22/07/0219	सोम	29:43	पूर्व	अस्त
02/10/2019	बुध	20:36	पश्चिम	उदय

शनिग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा	स्थिति
27/12/2019	शुक्र	27:55	पश्चिम	अस्त
30/01/2020	गुरु	11:13	पूर्व	उदय

अगस्त्य का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	स्थिति
26/04/2019	शुक्र	12:12	अस्त
30/08/2019	शुक्र	09:02	उदय

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

भौम ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

वर्ष भर मार्गी रहेगा।

बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
08/07/2019	सोम	18:12	वक्री
01/08/2019	गुरु	20:39	मार्गी
31/10/2019	गुरु	29:13	वक्री
21/11/2019	गुरु	14:21	मार्गी
17/02/2020	सोम	18:49	वक्री
10/03/2020	मंगल	18:29	मार्गी

गुरुग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
11/04/2019	गुरु	06:27	वक्री
12/08/2019	सोम	06:27	मार्गी

शुक्रग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

वर्ष भर मार्गी रहेगा।

शनिग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
30/04/2019	मंगल	14:36	वक्री
18/09/2019	बुध	24:22	मार्गी

अक्षांश, रेखांश, स्टैंडर्ड अन्तरादि सारणी

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अजमेर	26।27	74।42	-31	उधमपुर(पंजाब)	32।56	74।43	-31
अयोध्या	26।48	82।14	-01	औरंगाबाद, (महाराष्ट्र)	19।53	75।23	-28
अम्बाला	30।21	76।52	-23	औरंगाबाद(बिहार)	24।45	84।25	+08
अमृतसर	31।37	74।55	-31	कटक	20।28	85।54	+14
अहमद्पुर	29।17	71।35	-44	कराची(पाकिस्तान)	24।51	67।04	-32
अलमोड़ा	29।37	79।40	-11	कन्नौज	27।03	79।58	-10
अखनूर	32।54	74।35	-32	करनाल	29।42	77।02	-22
अलीगढ	27।54	78।06	-18	कलकत्ता	22।34	88।24	+24
अमेठी	26।07	81।47	-03	कपूरथला	31।23	75।25	-28
अगरतला	23।49	91।17	+35	कल्याण(महाराष्ट्र)	19।17	73।11	-37
अहमदनगर	19।05	74।48	-31	कोयम्बटूर	11।00	77।00	-22
अहमदाबाद	23।02	72।38	-39	कालका	30।50	76।56	-22
आबू	24।40	72।45	-39	काशी-वाराणसी	25।20	83।00	+02
आगरा	27।10	78।05	-18	काठमांडु,नेपाल	27।42	85।12	+11
आजमगढ	26।03	83।13	+03	कानपुर	26।28	80।24	-08
इटावा	26।47	79।02	-14	कांचीपुरम्,तमि.	12।51	79।53	-11
इन्दौर	22।45	75।50	-27	कांगडा	32।09	76।18	-25

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
इम्फाल	24।54	93।54	+46	किश्तवाड़ा,जम्मू	33।12	75।48	-27
उदयपुर(राज)	24।37	73।42	-35	कुरूक्षेत्र	29।58	76।48	-23
उज्जैन	23।09	75।43	-27	कन्याकुमारी	08।06	77।34	-20
उन्नाव	26।48	80।43	-07	कोल्हापुर	16।42	74।16	-33
कोटा(राज.)	25।10	75।52	-27	जम्मू	3244	74।54	-30
कोच्चीन	09।58	76।17	-25	जसवन्तनगर	2651	78।55	-14
खम्भात	22।19	72।36	-40	जामनगर	2227	70।07	-50
गुड़गांव	28।27	77।04	-22	जालन्धर	3119	75।18	-29
गुलबर्गा	17।22	76।47	-23	जूनागढ (गुज.)	2131	70।36	-48
गुन्टूर	16।20	80।27	-08	जैसलमेर	2655	70।57	-46
गयाजी	24।49	85।01	+10	जौनपुर	2542	82।44	+01
ग्वालियर	26।14	78।10	-17	जोधपुर	2619	73।04	-38
गाजीपुर	25।34	83।35	+04	झांसी	2537	78।37	-16
गिलगिल	35।54	74।22	-33	झालरापाटन	2432	76।12	-25
गोरखपुर	26।45	83।27	+04	ट्रावनकोर	0900	77।00	-22
गोंडा	27।28	82।01	-02	टुण्डला जं	2713	78।13	-17
गोवा	15।30	73।57	-34	टाटानगर	2909	80।10	-09
गोहाटी	26।11	91।45	+37	टोंक (राज.)	2611	75।50	-27

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
गोकर्ण	14133	74118	-33	डलहौजी	3230	75154	-27
चम्बा	32134	76110	-25	डिबरूगढ	2729	94156	+50
चंडीगढ	30140	76152	-22	ढाका(बांग्ला.)	2343	90126	+32
चिकमंगलूर	13120	75146	-27	त्रिचूर	1032	76114	-25
चित्तौड़गढ	24154	74142	-31	त्रिवेन्द्रम्	0830	76154	-22
चित्रकूट	25115	80128	-08	दरभंगा	2610	85157	+14
चेरापूंजी	25117	91147	-37	दाहोद(गुज.)	2250	74115	-33
छपरा	24147	84131	+09	दार्जिलिंग	2706	88118	+23
छतरपुर	24154	79138	-11	द्वारकाधाम	2212	69101	-54
जलगांव	21101	75139	-29	दिल्ली	28138	77112	-21
जगन्नाथपुरी	19146	85148	+13	देहरादून	30120	78104	-18
जमशेदपुर	22150	86110	+15	दौलताबाद	19157	75112	-29
जलपाईगुडी	26132	88146	+25	धर्मशाला	32116	76123	-24
जबलपुर	23110	80101	-10	धारवाड़	15126	75100	-30
जयपुर	26156	75152	-27	धार (म.प्र)	22136	75112	-29
धूलिया	20158	74142	-31	फतेहपुर(उ.प्र.)	25155	80152	-06
नसीराबाद	26108	74146	-31	फतेहपुर(राज.)	27152	75102	-30
नड़ियाद,गुज.	22141	72155	-38	फिरोजपुर	30156	74140	-31

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
नासिक	20।02	73।50	-35	फैजाबाद	26।47	82।12	-01
नागपुर	21।09	79।09	-13	बड़ौदा (गुज.)	22।16	73।12	-37
नाथद्वारा	24।56	73।52	-35	बद्रीनाथ	30।44	79।32	-12
नीमच	24।27	74।52	-31	बरेली	28।22	79।27	-12
पटियाला	30।22	76।25	-24	बेलगांव	15।54	74।36	-32
पटना(बिहा.)	25।37	85।13	+11	बेलूर-कर्नाटक	13।08	75।51	-27
पठानकोट	32।15	75।42	-27	बांदा(उ.प्र.)	25।28	80।20	-09
प्रयागराज	25।24	81।54	-03	बांसवाड़ा	23।30	74।24	-32
पालीतादा	21।30	71।40	-43	बिलासपुर(म.प्र.	22।05	82।13	-01
पानीपत	29।23	77।01	-21	बिलासपुर(हि.प्र	31।19	76।50	-23
पांडीचेरी	11।56	79।53	-10	बीजापुर	16।50	75।47	-27
पीलीभीत	28।40	79।50	-11	बीकानेर	28।01	73।22	-37
पुरुलिया,बिहा.	23।20	86।25	+16	बूंदी(राज.)	25।27	75।41	-27
पूना	18।19	73।55	-34	बुलन्दशहर	28।24	77।54	-18
पोरबन्दर	21।37	69।49	-51	बंगलौर	12।58	77।38	-19
फरीदकोट	30।40	74।57	-30	भिवानीहरि.	28।48	76।08	-36
फरीदाबाद	28।26	77।19	-21	भिवण्डी	19।15	73।05	-38
फर्रूखाबाद	27।24	79।37	-12	भुसावल	21।02	75।47	-27

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
भरतपुर	27।15	77।30	-20	रतलाम	23।21	75।07	-30
भटिण्डा	30।11	75।00	-30	रायचूर	16।15	77।20	-21
भड़ोच	21।41	73।00	-38	राजकोट	22।18	70।59	-46
भावनगर	21।46	72।11	-41	रायगढ	21।58	83।26	-04
भागलपुर	25।13	86।59	+18	रायबरेली	26।15	81।16	-05
भुवनेश्वर	20।28	85।54	+14	रामेश्वरम्	09।17	79।22	-13
भूटान	27।30	90।00	+30	रायपुर(छ.ग.)	21।15	81।41	-03
महेन्द्रगढ़ हरि.	28।17	76।09	-25	रांची	23।40	85।34	+12
भोपाल	23।16	77।36	-20	रायपुर(उ.प्र.)	28।48	75।05	-14
मदुराई	09।55	78।07	-18	रीवा	24।32	81।19	-05
मेहसाणा	23।42	72।37	-40	रेवाड़ी-जंक्शन	28।12	76।40	-23
मणीपुरस्टेट	24।44	93।58	+46	रोहतक	28।54	76।38	-23
मण्डी(हि.प्र.)	31।40	76।58	-22	रंगून(बर्मा)	16।50	96।13	+55
मद्रास	13।04	80।17	-09	लद्दाख	33।00	78।48	-15
मथुरा	27।28	77।41	-19	लखनऊ	26।55	80।59	-06
मालेगांव	20।31	74।30	-32	ललितपुर	24।22	78।28	-16
मिर्जापुर	25।06	82।37	-00	लातूर	18।24	76।34	-24
मुरादाबाद	28।50	78।49	-15	लुधियाना	30।55	75।54	-26

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
मुंगेर-बिहार	25।23	86।30	+16	लाहौर(पाकि.)	31।37	74।26	-02
मुर्शिदाबाद	24।10	88।19	+23	वर्धा	20।45	78।39	-15
मुजफ्फरनगर	29।30	77।44	-19	विजयवाड़ा	16।31	80।39	-07
मुजफ्फरपुर	26।12	85।27	+12	विशाखापटनम्	17।42	83।20	+03
मुम्बई	18।57	72।50	-39	शिमला	/ 31।06	77।13	-21
मेरठ	29।00	77।45	-19	शिकोहाबाद	27।06	78।38	-15
मैसूर-कर्नाटक	12।18	75।42	-23	शिलांग-मेघाल.	25।34	91।45	+38
मैनपुरी	27।13	79।04	-14	श्रीगंगानगर	29।50	73।50	-35
मोतीहारी	26।40	84।57	+10	श्रीनगर कश्मीर	34।06	74।51	-31
रत्नागिरि	17।00	73।20	-37	श्रीनगर गढवाल	30।14	78।42	-15
श्रीमाधोपुर	27।25	75।25	-29	हथुना	26।12	84।05	+06
सतारा(महा.)	17।42	74।02	-34	हाजीपुर	25।35	83।11	+03
सम्बलपुर	21।28	84।00	+06	हाथरस	27।38	78।06	-18
सहारनपुर	29।59	77।23	-20	हिसार	29।10	75।46	-27
स्यालकोट	32।31	74।36	-02	हैदराबाद	17।18	78।30	-16
सागर(म.प्र.)	23।50	78।45	-15	होशियारपुर	31।32	75।57	-26
सिरसा	29।32	75।04	-30	हौशंगाबाद	22।46	77।45	-19
सिरोही	24।35	73।02	-38	होडल (हरि.)	27।53	77।22	-21

सिकन्दराबाद	17।27	78।33	-16	संथालपरगना	24।30	87।00	+18
सीतामढी	26।35	85।27	+12	संगमनेर	19।35	74।46	-31
सीतापुर	27।32	80।24	-08	हिंगोली	19।43	77।11	-21
सुल्तानपुर	26।16	82।07	-02	हरदोई	27।23	80।10	-09
सूरत-गुजरात	21।11	72।52	-39	हजारीबाग	23।59	85।25	+12
सेलम-तमिल	11।39	78।15	-17	हरिद्वार	29।56	78।13	-17
सोमनाथ	21।01	70।26	-48	हांसी	29।06	76।00	-26
सोलापुर	17।40	75।48	-27	तिरुपति	13।39	79।25	-12
सोनीपत	28।59	77।01	-22	पौड़ी	30।09	78।47	-15
सोजत,मारवाड	25।56	73।42	-35	पंचकूला	30।42	76।52	-22
सोनपुर,उड़ीसा	20।51	83।55	+06	पटियाला	30।20	76।25	-24
सोलन, हि.प्र.	30।57	77।09	-22	पुरी	19।48	85।52	+13

अथ ज्योतिषमाहात्म्यम्

वेदाङ्गमाद्यं वेदानां क्रियाणां च प्रसाधनम्।
ज्योतिर्ज्ञानं द्विजेन्द्राणमतो वेद्यं विदुर्बुधाः।।
ज्योतिश्चक्रे तु लोकस्य सर्वस्योक्तं शुभाशुभम्।
ज्योतिर्ज्ञानं च यो वेत्ति स याति परमां गतिम्।।
चन्द्रनक्षत्रताराणां ग्रहाणां भास्करस्य च।
ज्योतिषामपि यज्योतिर्ज्योतिषामपि पावनम्।।
तद्भावभावितं युक्तं तं देवा ब्राह्मणं विदुः।
तस्मात्पूर्वमधीयीत ज्योतिर्ज्ञानं द्विजोत्तमः।।

धर्मसूत्रं ततः पश्चाद्यज्ञकर्मविधिक्रियाः।
यज्ञाश्चायुष्यहोमाश्च चूडोपनयनानि च।।
न ज्योतिषं विना तासां प्रवृत्तिरुपलभ्यते।
आप्यायनं च वेदानां यज्ञाः प्रोक्ताः क्रियाश्रयाः।।
यज्ञार्थमपि च प्रोक्ताः स्वयं वेदाः स्वयंभुवा।
न च ते सम्प्रवर्तन्ते कालज्ञानात्कथंचन्।।
यज्ञक्रिया अहोरात्रं क्रियाश्चान्या जगद्धिताः।
तस्मात्पुण्यं वेदैर्यज्ञचक्षुः सनातनम्।।
स्वर्ग्यमव्ययमव्यग्रैर्ब्राह्मणैः शंसितव्रतैः।

ततः कालप्रसिद्ध्यर्थं राशयः पूर्वमीरिताः।।
अहोरात्रविभागश्च तिथीनां च क्रियाविधिः।
सोमसूर्यविलग्नानामृक्षाणां चापि निश्चयः।।
आदानयोगभोगाश्च विसर्गश्चार्कसोमयोः।
दिनर्तुपक्षमासानां चन्द्रार्काणां विनिश्चयः।।
कर्मोपभोगमानानां लेख्यः प्रश्नविधिस्तथा।
एवमाद्याः समस्ताश्च क्रियाज्योतिषसंश्रिताः।।
तस्माद्द्विजैरध्ययनीयमेतत्पुण्यं रहस्यं परमं च तत्वम्।
यो ज्योतिषं वेत्ति नरः स सम्यग्धर्मार्थकामान् लभते यशश्च।।

क्रान्ति सारिणी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
01.	-23:00:45	-17:06:31	-07:35:28	04:38:10	15:09:28	22:05:50	23:06:04	17:57:40	08:11:40	-03:16:46	-14:30:31	-21:50:47
02.	-22:55:35	-16:49:17	-07:12:36	05:01:16	1:27:26	22:13:42	23:01:44	17:42:21	07:49:49	-03:40:02	-14:49:34	-21:59:49
03.	-22:49:57	-16:31:46	-06:49:39	05:24:17	15:45:10	22:21:10	22:57:00	17:26:44	07:27:50	-04:03:14	-15:08:23	-22:08:25
04.	-22:43:52	-16:13:57	-06:26:35	05:47:12	16:02:37	22:28:15	22:51:51	17:10:51	07:05:43	-04:26:[illegible]4	-15:26:57	-22:16:36
05.	-22:37:20	-15:55:52	-06:03:26	06:10:02	16:19:49	22:34:57	22:46:19	16:54:40	06:43:30	-04:49:30	-15:45:16	-22:24:21
06.	-22:30:21	-15:37:30	-05:40:12	06:32:44	16:36:44	22:41:14	22:40:23	16:38:14	06:21:11	-05:12:34	-16:03:19	-22:31:40
07.	-22:22:55	-15:18:53	-05:16:53	06:55:21	16:53:22	22:47:08	22:34:03	16:21:31	05:58:44	-05:35:33	-16:21:06	-22:38:32
08.	-22:15:03	-14:59:59	-04:53:30	07:17:50	17:09:44	22:52:38	22:27:21	16:04:32	05:36:12	-05:58:28	-16:38:37	-22:44:58
09.	-22:06:45	-14:40:50	-04:30:03	07:40:12	17:25:49	22:57:44	22:20:14	15:47:18	05:13:35	-06:21:18	-16:55:50	-22:50:57
10.	-21:58:01	-14:21:27	-04:06:32	08:02:25	17:41:36	23:02:25	22:12:45	15:29:49	04:50:52	-06:44:03	-17:12:47	-22:56:29
11.	-21:48:51	-14:01:49	-03:42:59	08:24:31	17:57:05	23:06:43	22:04:53	15:12:05	04:28:04	-07:06:42	-17:29:26	-23:01:34
12.	-21:39:16	-13:41:57	-03:19:23	08:46:29	18:12:16	23:10:35	21:56:38	14:54:06	04:05:11	-07:29:16	-17:45:47	-23:06:11
13.	-21:29:15	-13:21:52	-02:55:45	09:08:17	18:27:09	23:14:04	21:48:00	14:35:53	03:42:15	-07:51:44	-18:01:49	-23:10:21
14.	-21:18:50	-13:01:34	-02:32:05	09:29:57	18:41:43	23:17:07	21:39:00	14:17:26	03:19:13	-08:14:05	-18:17:33	-23:14:04
15.	-21:08:00	-12:41:03	-02:08:23	09:51:26	18:55:58	23:19:46	21:29:38	13:58:46	02:56:09	-08:36:19	-18:32:57	-23:17:18
16.	-20:56:46	-12:20:20	-01:44:40	10:12:47	19:09:54	23:22:00	21:19:54	13:39:52	02:33:01	-08:58:27	-18:48:02	-23:20:05
17.	-20:45:07	-12:59:25	-01:20:56	10:33:57	19:23:31	23:23:50	21:09:48	13:20:46	02:09:50	-09:20:26	-19:02:46	-23:22:24
18.	-20:33:05	-11:38:18	-00:57:12	10:54:56	19:36:48	23:25:15	20:59:21	13:01:26	01:46:37	-09:42:17	-19:17:11	-23:24:15
19.	-20:20:40	-11:17:01	-00:33:27	11:15:45	19:49:44	23:26:15	20:48:33	12:41:54	01:23:21	-10:04:00	-19:31:14	-23:25:37
20.	-20:07:52	-10:55:32	-00:09:43	11:36:20	20:02:21	23:26:50	20:37:23	12:22:10	01:00:03	-10:25:34	-19:44:57	-23:26:32
21.	-19:54:41	-10:33:54	00:14:02	11:56:49	20:14:37	23:27:00	20:25:53	12:02:15	00:36:43	-10:46:59	-19:58:17	-23:26:58
22.	-19:41:08	-10:12:06	00:37:44	12:17:03	20:26:32	23:26:46	20:14:02	11:42:08	00:13:22	-11:08:14	-20:11:16	-23:26:56
23.	-19:27:13	-09:50:08	01:01:25	12:37:05	20:38:06	23:26:06	20:01:51	11:21:50	-00:09:58	-11:29:19	-20:23:53	-23:26:25
24.	-19:12:56	-09:28:02	01:25:05	12:56:55	20:49:19	23:25:02	19:49:20	11:01:21	-00:33:21	-11:50:14	-20:36:07	-23:25:26
25.	-18:58:18	-09:05:47	01:48:42	13:16:32	21:00:10	23:23:33	19:36:29	10:40:42	-00:56:43	-12:10:59	-20:47:59	-23:24:00
26.	-18:43:19	-08:43:24	02:12:16	13:35:56	21:10:40	23:21:40	19:23:18	10:19:52	-01:20:06	-12:31:31	-20:59:27	-23:22:04
27.	-18:28:00	-08:20:52	02:35:48	13:55:07	21:20:47	23:19:22	19:09:48	09:58:53	-01:43:28	-12:51:53	-21:10:31	-23:19:41
28.	-18:12:21	-07:58:14	02:59:17	14:14:04	21:30:33	23:16:39	18:55:59	09:37:44	-02:06:50	-13:12:02	-21:21:11	-23:16:50
29.	-17:56:22	-	03:22:42	14:32:46	21:39:56	23:13:32	18:41:52	09:16:26	-02:30:10	-13:31:59	-21:31:28	-23:13:30
30.	-17:40:03	-	03:46:03	14:51:15	21:48:57	23:10:00	18:27:26	08:54:59	-02:53:29	-13:51:43	-21:41:20	-23:09:43
31.	-17:23:26	-	04:09:20	-	21:57:35	-	18:12:42	08:33:24	-	-14:11:14	-	-23:05:28

(+) उत्तरा क्रान्ति (-) दक्षिणा क्रान्ति

चरसारिणी - 1

क्रां. / अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
1	00:04	00:08	00:13	00:17	00:21	00:25	00:29	00:34	00:38	00:42	00:47	00:51	00:55	01:00	01:04	01:09	01:13	01:18	01:22	01:27	01:32	01:37	01:42	01:47
2	00:08	00:17	00:25	00:34	00:42	00:50	00:59	01:08	01:16	01:25	01:33	01:42	01:51	02:00	02:09	02:18	02:27	02:37	02:45	02:55	03:04	03:14	03:24	03:34
3	00:13	00:25	00:38	00:50	01:03	01:16	01:28	01:41	01:54	02:07	02:20	02:33	02:46	03:00	03:13	03:27	03:40	03:55	04:08	04:22	04:37	04:51	05:06	05:21
4	00:17	00:34	00:50	01:07	01:24	01:41	01:58	02:12	02:29	02:48	03:05	03:24	03:42	04:00	04:18	04:36	04:54	05:12	05:31	05:50	06:09	06:29	06:48	07:08
5	00:21	00:42	01:03	01:24	01:45	02:07	02:28	02:50	03:10	03:32	03:54	04:16	04:38	05:00	05:23	05:45	06:07	06:31	06:54	07:19	07:42	08:06	08:31	08:56
6	00:25	00:50	01:16	01:41	02:06	02:32	02:57	03:23	03:49	04:15	04:42	05:07	05:34	06:01	06:47	06:54	07:22	07:50	08:18	08:46	09:15	09:44	10:14	11:44
7	00:29	00:59	01:28	01:58	02:29	02:57	03:27	03:57	04:27	04:58	05:28	05:59	06:30	07:02	07:32	08:04	08:36	09:09	09:42	10:15	10:45	11:22	11:57	12:32
8	00:34	01:07	01:41	02:15	02:49	03:23	03:56	04:31	05:06	05:41	06:16	06:51	07:26	08:03	08:38	09:14	09:51	10:28	11:06	11:44	12:22	13:01	13:41	14:21
9	00:38	01:16	01:54	02:33	03:11	03:49	04:27	05:06	05:42	06:24	07:04	07:43	08:23	09:04	09:44	10:25	11:06	11:48	12:30	13:13	13:56	14:41	15:25	16:11
10	00:42	01:25	02:07	02:50	03:32	04:15	04:58	05:41	06:24	07:08	07:51	08:36	09:20	10:05	10:50	11:36	12:23	13:08	13:55	14:43	15:31	16:20	17:10	18:01
11	00:47	01:34	02:20	03:07	03:54	04:40	05:28	06:16	07:03	07:51	08:40	09:29	10:17	11:07	11:56	12:47	13:38	14:29	15:27	16:14	17:07	18:01	18:56	19:52
12	00:51	01:42	02:33	03:24	04:16	05:09	05:59	06:50	07:43	08:36	09:28	10:21	11:15	12:09	13:03	13:59	14:54	15:20	16:47	17:45	18:43	19:42	20:42	21:43
13	00:55	01:51	02:46	03:42	04:38	05:34	06:30	07:20	08:30	09:20	10:17	11:15	12:13	13:12	14:11	15:11	16:11	17:12	18:14	19:17	20:20	21:25	22:23	23:36
14	01:00	02:00	03:00	04:00	05:00	06:01	07:02	08:03	09:04	10:05	11:07	12:09	13:12	14:15	15:19	16:24	17:29	18:34	19:42	20:50	21:58	23:08	24:18	25:30
15	01:04	02:09	03:13	04:17	05:21	06:27	07:31	08:38	09:44	10:50	11:57	13:04	14:10	15:19	16:27	17:38	18:48	19:59	21:10	22:24	23:35	24:52	26:07	27:24
16	01:09	02:18	03:27	04:36	05:44	06:54	08:04	09:14	10:25	11:6	12:47	13:59	15:00	16:24	17:36	18:52	20:07	21:23	22:40	23:57	25:17	26:37	27:58	29:20
17	01:13	02:27	03:40	04:54	06:08	07:22	08:36	09:51	11:06	12:20	13:38	14:54	16:11	17:29	18:48	20:07	21:27	22:48	24:10	25:33	26:58	28:23	29:50	31:18
18	01:18	02:36	03:51	05:12	06:31	07:50	09:09	10:28	11:48	13:08	14:29	15:50	17:22	18:34	19:59	21:23	22:48	24:14	25:43	27:10	28:41	30:10	31:43	33:16
19	01:23	02:45	04:08	05:31	06:54	08:18	09:37	11:06	12:30	13:55	15:21	16:47	18:14	19:42	21:11	22:40	24:10	25:42	27:14	28:48	30:23	31:59	33:37	35:16
20	01:27	02:55	04:22	05:50	07:16	08:46	10:15	11:44	13:13	14:43	16:14	17:45	19:27	20:50	22:23	23:57	25:33	27:10	28:41	30:27	32:08	33:49	35:33	37:18

चरसारिणी - 2

क्रां.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
अ.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
21	01:32	03:04	04:36	06:09	07:42	09:15	10:48	12:22	13:57	15:31	17:07	18:45	20:20	21:59	23:37	25:17	26:58	28:14	30:23	32:08	33:54	35:41	37:31	39:22
22	01:37	03:14	04:51	06:29	08:06	09:44	11:22	13:01	13:40	16:20	17:59	19:42	21:25	23:08	24:52	26:37	28:23	30:11	31:59	33:49	35:42	37:35	39:30	41:27
23	01:42	03:24	05:0	06:48	08:32	10:14	11:57	13:41	15:25	17:10	18:56	20:42	22:30	24:18	26:06	27:56	29:50	31:44	33:30	35:33	37:31	39:30	41:41	43:34
24	01:47	03:34	05:51	07:08	08:56	10:44	12:32	14:21	16:11	18:01	19:52	21:43	23:36	25:30	27:24	29:20	31:18	33:16	35:16	37:18	39:22	41:47	43:34	45:54
25	01:52	03:44	05:36	07:28	09:21	11:14	13:08	14:59	16:57	18:52	20:48	22:45	24:43	26:42	28:43	30:44	32:47	34:52	36:57	39:05	41:15	43:26	45:40	47:56
26	01:57	03:54	05:52	07:49	09:37	11:45	13:4[illegible]	15:45	17:43	19:44	21:46	23:45	25:52	27:56	30:02	32:09	34:18	36:28	38:40	40:54	43:13	45:28	47:48	50:10
27	02:02	04:05	06:07	08:10	10:13	12:07	14:21	16:26	18:31	20:37	22:44	24:52	27:02	29:12	31:23	33:36	35:51	37:06	40:25	42:45	45:07	47:32	49:58	52:27
28	02:08	04:12	06:23	08:13	10:40	12:49	14:58	17:08	19:19	21:31	23:44	25:57	28:12	30:28	32:46	35:05	37:25	39:48	42:12	44:38	47:06	49:38	52:11	54:47
29	02:13	04:26	06:40	08:53	11:07	13:22	15:37	17:52	20:09	22:26	24:44	27:04	29:25	31:48	34:10	36:35	39:02	41:27	44:01	46:33	49:08	51:46	54:27	57:09
30	02:19	04:37	06:56	09:15	11:35	13:55	16:16	18:37	20:59	23:22	25:46	28:12	30:38	33:06	35:36	38:07	40:40	43:15	45:52	48:31	51:13	53:57	56:45	59:35
31	02:24	04:59	07:13	09:37	12:02	14:29	16:55	19:23	21:50	24:21	26:50	29:21	31:54	34:27	37:04	39:41	42:21	45:02	47:46	50:28	53:20	56:12	59:06	62:04
32	02:30	05:00	07:30	10:01	12:32	15:04	17:36	20:07	22:43	25:17	27:54	30:32	33:10	35:47	38:33	41:16	44:03	46:52	49:42	52:35	55:30	58:30	61:31	64:37
33	02:36	05:12	07:46	10:25	13:02	15:39	18:16	20:57	23:37	26:18	28:59	31:44	34:29	37:16	40:05	42:56	45:48	48:44	51:40	54:41	57:44	60:51	63:57	67:13
34	02:42	05:54	08:05	10:49	13:32	16:16	19:01	21:45	24:32	27:19	30:06	32:58	35:49	38:44	41:39	44:36	47:36	50:37	53:43	56:51	60:01	63:15	66:33	69:54
35	02:48	05:36	08:25	11:14	14:01	16:53	19:44	22:35	25:24	28:22	31:17	34:14	37:13	40:13	43:15	46:19	49:27	52:36	55:44	59:04	62:22	65:44	69:10	72:40
40	03:21	06:43	10:05	13:27	16:47	20:14	23:38	27:04	30:33	34:02	37:33	41:06	44:47	48:18	51:58	55:41	59:28	63:17	67:10	72:06	75:10	79:16	83:28	87:45
45	04:00	08:00	12:01	14:02	20:05	24:04	28:10	32:19	36:27	40:37	44:47	49:05	53:24	57:45	62:10	66:40	71:13	75:51	80:34	85:30	90:18	95:19	100:28	104:45
50	04:46	09:32	14:19	19:07	23:56	28:47	33:39	38:34	43:31	48:31	53:35	58:42	63:53	59:09	74:29	79:56	85:28	91:04	96:54	102:50	108:54	115:08	121:33	128:11
55	05:43	11:26	17:10	22:56	28:43	34:31	40:24	46:18	32:18	58:20	64:28	70:01	76:59	83:36	90:00	96:42	103:33	110:35	117:49	125:17	132:59	140:58	149:16	157:56
28:39	**02:11**	**04:22**	**06:34**	**08:45**	**10:58**	**13:10**	**15:23**	**17:37**	**19:51**	**22:07**	**24:23**	**26:41**	**28:59**	**31:19**	**33:40**	**36:03**	**38:28**	**40:54**	**43:22**	**45:53**	**48:25**	**51:01**	**53:38**	**56:19**

बेलान्तर सारिणी												
दिनांक	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तुबर	नवम्बर	दिसम्बर
1.	03:03	13:28	12:41	03:54	-02:55	-02:03	03:38	06:19	00:24	-10:17	-16:33	-11:00
2.	03:31	13:37	12:29	03:35	-03:01	-01:54	03:49	06:16	00:04	-10:37	-16:33	-10:38
3.	03:59	13:45	12:16	03:17	-03:07	-01:44	04:00	06:12	-00:14	-10:57	-16:33	-10:15
4.	04:26	13:53	12:03	02:59	-03:13	-01:35	04:10	06:08	-00:34	-11:16	-16:32	-09:51
5.	04:53	13:59	11:50	02:41	-03:17	-01:25	04:20	06:03	-00:54	-11:35	-16:31	-09:27
6.	05:19	14:05	11:36	02:23	-03:21	-01:14	04:30	05:58	-01:15	-11:54	-16:28	-09:02
7.	05:45	14:40	11:21	02:06	-03:25	-01:04	04:40	05:52	-01:36	-12:12	-16:25	-08:37
8.	06:11	14:14	11:06	01:48	-03:28	-00:53	04:49	05:46	-01:57	-12:30	-16:20	-08:12
9.	06:36	14:18	10:51	01:32	-03:30	-00:42	04:58	05:38	-02:18	-12:47	-16:15	-07:46
10.	07:01	14:20	10:35	01:15	-03:32	-00:31	05:07	05:31	-02:39	-13:04	-16:09	-07:20
11.	07:25	14:22	10:19	00:59	-03:33	-00:19	05:15	05:22	-03:01	-13:21	-16:02	-06:53
12.	07:49	14:23	10:02	00:43	-03:34	-00:08	05:23	05:14	-03:23	-13:36	-15:55	-06:26
13.	08:12	14:23	09:45	00:27	-03:34	00:03	05:30	05:04	-03:45	-13:52	-15:46	-05:59
14.	08:35	14:22	09:28	00:12	-03:34	00:15	05:37	04:54	-04:07	-14:06	-15:37	-05:31
15.	08:57	14:21	09:11	-00:02	-03:33	00:27	05:44	04:43	-04:29	-14:20	-15:27	-05:03
16.	09:18	14:18	08:53	-00:16	-03:32	00:39	05:50	04:32	-04:51	-14:34	-15:16	-04:35
17.	09:39	14:15	08:35	-00:30	-03:30	00:51	05:56	04:20	-05:13	-14:47	-15:04	-04:06
18.	10:00	14:12	08:17	-00:44	-03:27	01:03	06:01	04:08	-05:36	-14:59	-14:51	-03:38
19.	10:19	14:07	07:59	-00:57	-03:24	01:16	06:06	03:55	-05:58	-15:10	-14:38	-03:09
20.	10:38	14:02	07:40	-01:09	-03:21	01:28	06:10	03:42	-06:20	-15:21	-14:24	-02:40
21.	10:56	13:56	07:21	-01:22	-03:17	01:40	06:13	03:28	-06:42	-15:31	-14:09	-02:11
22.	11:14	13:49	07:03	-01:33	-03:12	01:52	06:17	03:14	-07:05	-15:41	-13:53	-01:42
23.	11:31	13:42	06:44	-01:44	-03:07	02:05	06:19	02:59	-07:27	-15:49	-13:37	-01:13
24.	11:47	13:34	06:25	-01:55	-03:02	02:17	06:22	02:43	-07:49	-15:57	-13:20	-00:44
25.	12:02	13:25	06:06	-02:05	-02:56	02:29	06:23	02:27	-08:10	-16:04	-13:02	-00:15
26.	12:17	13:16	05:47	-02:15	-02:49	02:41	06:24	02:11	-08:32	-16:11	-12:43	00:13
27.	12:31	13:05	05:28	-02:24	-02:43	02:53	06:25	01:54	-08:54	-16:16	-12:24	00:41
28.	12:44	12:55	05:09	-02:33	-02:35	03:04	06:25	01:37	-09:15	-16:21	-12:04	01:10
29.	12:56		04:50	-02:41	-02:28	03:16	06:24	01:19	-09:36	-16:32	-11:43	01:39
30.	13:07		04:31	-02:48	-02:20	03:27	06:23	01:01	-09:57	-16:29	-11:22	02:07
31.	13:18		04:12		-02:11		06:21	00:42		-16:31		02:35

मार्च मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	8:54:11	10:29:56	12:24:13	14:40:54	17:00:11	19:17:35	21:35:57	23:56:00	2:11:55	4:18:11	5:59:06	7:26:59
2	8:50:15	10:26:00	12:20:17	14:36:58	16:56:15	19:13:39	21:32:01	23:52:04	2:07:59	4:14:15	5:55:10	7:23:03
3	8:46:19	10:22:04	12:16:21	14:33:02	16:52:19	19:09:43	21:28:05	23:48:08	2:04:03	4:10:19	5:51:14	7:19:07
4	8:42:23	10:18:08	12:12:25	14:29:06	16:48:23	19:05:47	21:24:09	23:44:12	2:00:07	4:06:23	5:47:18	7:15:11
5	8:38:27	10:14:12	12:08:29	14:25:10	16:44:27	19:01:51	21:20:13	23:40:16	1:56:11	4:02:27	5:43:22	7:11:15
6	8:34:31	10:10:16	12:04:33	14:21:14	16:40:31	18:57:55	21:16:17	23:36:20	1:52:15	3:58:31	5:39:26	7:07:19
7	8:30:35	10:06:20	12:00:37	14:17:18	16:36:35	18:53:59	21:12:21	23:32:24	1:48:19	3:54:35	5:35:30	7:03:22
8	8:26:39	10:02:24	11:56:41	14:13:22	16:32:39	18:50:03	21:08:25	23:28:28	1:44:23	3:50:39	5:31:33	6:59:26
9	8:22:43	9:58:28	11:52:45	14:09:26	16:28:43	18:46:07	21:04:29	23:24:32	1:40:27	3:46:42	5:27:37	6:55:30
10	8:18:46	9:54:31	11:48:49	14:05:30	16:24:47	18:42:11	21:00:33	23:20:36	1:36:30	3:42:46	5:23:41	6:51:34
11	8:14:50	9:50:35	11:44:52	14:01:34	16:20:51	18:38:15	20:56:37	23:16:40	1:32:34	3:38:50	5:19:45	6:47:38
12	8:10:54	9:46:39	11:40:56	13:57:37	16:16:54	18:34:18	20:52:41	23:12:43	1:28:38	3:34:54	5:15:49	6:43:42
13	8:06:58	9:42:43	11:37:00	13:53:41	16:12:58	18:30:22	20:48:44	23:08:47	1:24:42	3:30:58	5:11:53	6:39:46
14	8:03:02	9:38:47	11:33:04	13:49:45	16:09:02	18:26:26	20:44:48	23:04:51	1:20:46	3:27:02	5:07:57	6:35:50
15	7:59:06	9:34:51	11:29:08	13:45:49	16:05:06	18:22:30	20:40:52	23:00:55	1:16:50	3:23:06	5:04:01	6:31:54
16	7:55:10	9:30:55	11:25:12	13:41:53	16:01:10	18:18:34	20:36:56	22:56:59	1:12:54	3:19:10	5:00:05	6:27:58
17	7:51:14	9:26:59	11:21:16	13:37:57	15:57:14	18:14:38	20:33:00	22:53:03	1:08:58	3:15:14	4:56:09	6:24:02
18	7:47:18	9:23:03	11:17:20	13:34:01	15:53:18	18:10:42	20:29:04	22:49:07	1:05:02	3:11:18	4:52:13	6:20:06
19	7:43:22	9:19:07	11:13:24	13:30:05	15:49:22	18:06:46	20:25:08	22:45:11	1:01:06	3:07:22	4:48:17	6:16:10
20	7:39:26	9:15:11	11:09:28	13:26:09	15:45:26	18:02:50	20:21:12	22:41:15	0:57:10	3:03:26	4:44:21	6:12:14
21	7:35:30	9:11:15	11:05:32	13:22:13	15:41:30	17:58:54	20:17:16	22:37:19	0:53:14	2:59:30	4:40:25	6:08:18
22	7:31:34	9:07:19	11:01:36	13:18:17	15:37:34	17:54:58	20:13:20	22:33:23	0:49:18	2:55:34	4:36:29	6:04:21
23	7:27:38	9:03:23	10:57:40	13:14:21	15:33:38	17:51:02	20:09:24	22:29:27	0:45:22	2:51:38	4:32:32	6:00:25
24	7:23:42	8:59:27	10:53:44	13:10:25	15:29:42	17:47:06	20:05:28	22:25:31	0:41:26	2:47:42	4:28:36	5:56:29
25	7:19:46	8:55:31	10:49:48	13:06:29	15:25:46	17:43:10	20:01:32	22:21:35	0:37:29	2:43:45	4:24:40	5:52:33
26	7:15:49	8:51:34	10:45:51	13:02:33	15:21:50	17:39:14	19:57:36	22:17:39	0:33:33	2:39:49	4:20:44	5:48:37
27	7:11:53	8:47:38	10:41:55	12:58:36	15:17:54	17:35:18	19:53:40	22:13:42	0:29:37	2:35:53	4:16:48	5:44:41
28	7:07:57	8:43:42	10:37:59	12:54:40	15:13:57	17:31:21	19:49:43	22:09:46	0:25:41	2:31:57	4:12:52	5:40:45
29	7:04:01	8:39:46	10:34:03	12:50:44	15:10:01	17:27:25	19:45:47	22:05:50	0:21:45	2:28:01	4:08:56	5:36:49
30	7:00:05	8:35:50	10:30:07	12:46:48	15:06:05	17:23:29	19:41:51	22:01:54	0:17:49	2:24:05	4:05:00	5:32:53
31	6:56:09	8:31:54	10:26:11	12:42:52	15:02:09	17:19:33	19:37:55	21:57:58	0:13:53	2:20:09	4:01:04	5:28:57

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अप्रैल मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	6:52:13	8:27:58	10:22:15	12:38:56	14:58:13	17:15:37	19:33:59	21:54:02	0:09:57	2:16:13	3:57:08	5:25:01
2	6:48:17	8:24:02	10:18:19	12:35:00	14:54:17	17:11:41	19:30:03	21:50:06	0:06:01	2:12:17	3:53:12	5:21:05
3	6:44:21	8:20:06	10:14:23	12:31:04	14:50:21	17:07:45	19:26:07	21:46:10	0:02:05	2:08:21	3:49:16	5:17:08
4	6:40:25	8:16:10	10:10:27	12:27:08	14:46:25	17:03:49	19:22:11	21:42:14	23:58:09	2:04:25	3:45:19	5:13:12
5	6:36:29	8:12:14	10:06:31	12:23:12	14:42:29	16:59:53	19:18:15	21:38:18	23:54:13	2:00:29	3:41:23	5:09:16
6	6:32:33	8:08:18	10:02:35	12:19:16	14:38:33	16:55:57	19:14:19	21:34:22	23:50:17	1:56:32	3:37:27	5:05:20
7	6:28:36	8:04:21	09:58:38	12:15:20	14:34:37	16:52:01	19:10:23	21:30:26	23:46:20	1:52:36	3:33:31	5:01:24
8	6:24:40	8:00:25	09:54:42	12:11:23	14:30:41	16:48:05	19:06:27	21:26:29	23:42:24	1:48:40	3:29:35	4:57:28
9	6:20:44	7:56:29	09:50:46	12:07:27	14:26:44	16:44:08	19:02:30	21:22:33	23:38:28	1:44:44	3:25:39	4:53:32
10	6:16:48	7:52:33	09:46:50	12:03:31	14:22:48	16:40:12	18:58:34	21:18:37	23:34:32	1:40:48	3:21:43	4:49:36
11	6:12:52	7:48:37	09:42:54	11:59:35	14:18:52	16:36:16	18:54:38	21:14:41	23:30:36	1:36:52	3:17:47	4:45:40
12	6:08:56	7:44:41	09:38:58	11:55:39	14:14:56	16:32:20	18:50:42	21:10:45	23:26:40	1:32:56	3:13:51	4:41:44
13	6:05:00	7:40:45	09:35:02	11:51:43	14:11:00	16:28:24	18:46:46	21:06:49	23:22:44	1:29:00	3:09:55	4:37:48
14	6:01:04	7:36:49	09:31:06	11:47:47	14:07:04	16:24:28	18:42:50	21:02:53	23:18:48	1:25:04	3:05:59	4:33:52
15	5:57:08	7:32:53	09:27:10	11:43:51	14:03:08	16:20:32	18:38:54	20:58:57	23:14:52	1:21:08	3:02:03	4:29:56
16	5:53:12	7:28:57	09:23:14	11:39:55	13:59:12	16:16:36	18:34:58	20:55:01	23:10:56	1:17:12	2:58:07	4:26:00
17	5:49:16	7:25:01	09:19:18	11:35:59	13:55:16	16:12:40	18:31:02	20:51:05	23:07:00	1:13:16	2:54:11	4:22:04
18	5:45:20	7:21:05	09:15:22	11:32:03	13:51:20	16:08:44	18:27:06	20:47:09	23:03:04	1:09:20	2:50:15	4:18:08
19	5:41:24	7:17:09	09:11:26	11:28:07	13:47:24	16:04:48	18:23:10	20:43:13	22:59:08	1:05:24	2:46:18	4:14:11
20	5:37:28	7:13:13	09:07:30	11:24:11	13:43:28	16:00:52	18:19:14	20:39:17	22:55:12	1:01:28	2:42:22	4:10:15
21	5:33:32	7:09:17	09:03:34	11:20:15	13:39:32	15:56:56	18:15:18	20:35:21	22:51:16	0:57:31	2:38:26	4:06:19
22	5:29:35	7:05:20	08:59:38	11:16:19	13:35:36	15:53:00	18:11:22	20:31:25	22:47:19	0:53:35	2:34:30	4:02:23
23	5:25:39	7:01:24	08:55:41	11:12:23	13:31:40	15:49:04	18:07:26	20:27:29	22:43:23	0:49:39	2:30:34	3:58:27
24	5:21:43	6:57:28	08:51:45	11:08:26	13:27:43	15:45:07	18:03:30	20:23:32	22:39:27	0:45:43	2:26:38	3:54:31
25	5:17:47	6:53:32	08:47:49	11:04:30	13:23:47	15:41:11	17:59:33	20:19:36	22:35:31	0:41:47	2:22:42	3:50:35
26	5:13:51	6:49:36	08:43:53	11:00:34	13:19:51	15:37:15	17:55:37	20:15:40	22:31:35	0:37:51	2:18:46	3:46:39
27	5:09:55	6:45:40	08:39:57	10:56:38	13:15:55	15:33:19	17:51:41	20:11:44	22:27:39	0:33:55	2:14:50	3:42:43
28	5:05:59	6:41:44	08:36:01	10:52:42	13:11:59	15:29:23	17:47:45	20:07:48	22:23:43	0:29:59	2:10:54	3:38:47
29	5:02:03	6:37:48	08:32:05	10:48:46	13:08:03	15:25:27	17:43:49	20:03:52	22:19:47	0:26:03	2:06:58	3:34:51
30	4:58:07	6:33:52	08:28:09	10:44:50	13:04:07	15:21:31	17:39:53	19:59:56	22:15:51	0:22:07	2:03:02	3:30:55

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	4:54:11	6:29:56	08:24:13	10:40:54	13:00:11	15:17:35	17:35:57	19:56:00	22:11:55	0:18:11	1:59:06	3:26:59
2	4:50:15	6:26:00	08:20:17	10:36:58	12:56:15	15:13:39	17:32:01	19:52:04	22:07:59	0:14:15	1:55:10	3:23:03
3	4:46:19	6:22:04	08:16:21	10:33:02	12:52:19	15:09:43	17:28:05	19:48:08	22:04:03	0:10:19	1:51:14	3:19:07
4	4:42:23	6:18:08	08:12:25	10:29:06	12:48:23	15:05:47	17:24:09	19:44:12	22:00:07	0:06:23	1:47:18	3:15:10
5	4:38:27	6:14:12	08:08:29	10:25:10	12:44:27	15:01:51	17:20:13	19:40:16	21:56:11	0:02:27	1:43:21	3:11:14
6	4:34:31	6:10:16	08:04:33	10:21:14	12:40:31	14:57:55	17:16:17	19:36:20	21:52:15	23:58:31	1:39:25	3:07:18
7	4:30:35	6:06:20	08:00:37	10:17:18	12:36:35	14:53:59	17:12:21	19:32:24	21:48:18	23:54:34	1:35:29	3:03:22
8	4:26:38	6:02:23	07:56:40	10:13:22	12:32:39	14:50:03	17:08:25	19:28:28	21:44:22	23:50:38	1:31:33	2:59:26
9	4:22:42	5:58:27	07:52:44	10:09:25	12:28:42	14:46:07	17:04:29	19:24:31	21:40:26	23:46:42	1:27:37	2:55:30
10	4:18:46	5:54:31	07:48:48	10:05:29	12:24:46	14:42:10	17:00:32	19:20:35	21:36:30	23:42:46	1:23:41	2:51:34
11	4:14:50	5:50:35	07:44:52	10:01:33	12:20:50	14:38:14	16:56:36	19:16:39	21:32:34	23:38:50	1:19:45	2:47:38
12	4:10:54	5:46:39	07:40:56	9:57:37	12:16:54	14:34:18	16:52:40	19:12:43	21:28:38	23:34:54	1:15:49	2:43:42
13	4:06:58	5:42:43	07:37:00	9:53:41	12:12:58	14:30:22	16:48:44	19:08:47	21:24:42	23:30:58	1:11:53	2:39:46
14	4:03:02	5:38:47	07:33:04	9:49:45	12:09:02	14:26:26	16:44:48	19:04:51	21:20:46	23:27:02	1:07:57	2:35:50
15	3:59:06	5:34:51	07:29:08	9:45:49	12:05:06	14:22:30	16:40:52	19:00:55	21:16:50	23:23:06	1:04:01	2:31:54
16	3:55:10	5:30:55	07:25:12	9:41:53	12:01:10	14:18:34	16:36:56	18:56:59	21:12:54	23:19:10	1:00:05	2:27:58
17	3:51:14	5:26:59	07:21:16	9:37:57	11:57:14	14:14:38	16:33:00	18:53:03	21:08:58	23:15:14	0:56:09	2:24:02
18	3:47:18	5:23:03	07:17:20	9:34:01	11:53:18	14:10:42	16:29:04	18:49:07	21:05:02	23:11:18	0:52:13	2:20:06
19	3:43:22	5:19:07	07:13:24	9:30:05	11:49:22	14:06:46	16:25:08	18:45:11	21:01:06	23:07:22	0:48:17	2:16:09
20	3:39:26	5:15:11	07:09:28	9:26:09	11:45:26	14:02:50	16:21:12	18:41:15	20:57:10	23:03:26	0:44:20	2:12:13
21	3:35:30	5:11:15	07:05:32	9:22:13	11:41:30	13:58:54	16:17:16	18:37:19	20:53:14	22:59:30	0:40:24	2:08:17
22	3:31:34	5:07:19	07:01:36	9:18:17	11:37:34	13:54:58	16:13:20	18:33:23	20:49:18	22:55:33	0:36:28	2:04:21
23	3:27:37	5:03:22	06:57:39	9:14:21	11:33:38	13:51:02	16:09:24	18:29:27	20:45:21	22:51:37	0:32:32	2:00:25
24	3:23:41	4:59:26	06:53:43	9:10:25	11:29:42	13:47:06	16:05:28	18:25:31	20:41:25	22:47:41	0:28:36	1:56:29
25	3:19:45	4:55:30	06:49:47	9:06:28	11:25:45	13:43:09	16:01:31	18:21:34	20:37:29	22:43:45	0:24:40	1:52:33
26	3:15:49	4:51:34	06:45:51	9:02:32	11:21:49	13:39:13	15:57:35	18:17:38	20:33:33	22:39:49	0:20:44	1:48:37
27	3:11:53	4:47:38	06:41:55	8:58:36	11:17:53	13:35:17	15:53:39	18:13:42	20:29:37	22:35:53	0:16:48	1:44:41
28	3:07:57	4:43:42	06:37:59	8:54:40	11:13:57	13:31:21	15:49:43	18:09:46	20:25:41	22:31:57	0:12:52	1:40:45
29	3:04:01	4:39:46	06:34:03	8:50:44	11:10:01	13:27:25	15:45:47	18:05:50	20:21:45	22:28:01	0:08:56	1:36:49
30	3:00:05	4:35:50	06:30:07	8:46:48	11:06:05	13:23:29	15:41:51	18:01:54	20:17:49	22:24:05	0:05:00	1:32:53
31	2:56:09	4:31:54	06:26:11	8:42:52	11:02:09	13:19:33	15:37:55	17:57:58	20:13:53	22:20:09	0:01:04	1:28:57

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जून मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	2:52:13	4:27:58	06:22:15	8:38:56	10:58:13	13:15:37	15:33:59	17:54:02	20:09:57	22:16:13	23:57:08	1:25:01
2	2:48:17	4:24:02	06:18:19	8:35:00	10:54:17	13:11:41	15:30:03	17:50:06	20:06:01	22:12:17	23:53:12	1:21:05
3	2:44:21	4:20:06	06:14:23	8:31:04	10:50:21	13:07:45	15:26:07	17:46:10	20:02:05	22:08:21	23:49:16	1:17:09
4	2:40:25	4:16:10	06:10:27	8:27:08	10:46:25	13:03:49	15:22:11	17:42:14	19:58:09	22:04:25	23:45:20	1:13:12
5	2:36:29	4:12:14	06:06:31	8:23:12	10:42:29	12:59:53	15:18:15	17:38:18	19:54:13	22:00:29	23:41:23	1:09:16
6	2:32:33	4:08:18	06:02:35	8:19:16	10:38:33	12:55:57	15:14:19	17:34:22	19:50:17	21:56:32	23:37:27	1:05:20
7	2:28:36	4:04:22	05:58:39	8:15:20	10:34:37	12:52:01	15:10:23	17:30:26	19:46:20	21:52:36	23:33:31	1:01:24
8	2:24:40	4:00:25	05:54:42	8:11:24	10:30:41	12:48:05	15:06:27	17:26:30	19:42:24	21:48:40	23:29:35	0:57:28
9	2:20:44	3:56:29	05:50:46	8:07:27	10:26:44	12:44:08	15:02:31	17:22:33	19:38:28	21:44:44	23:25:39	0:53:32
10	2:16:48	3:52:33	05:46:50	8:03:31	10:22:48	12:40:12	14:58:34	17:18:37	19:34:32	21:40:48	23:21:43	0:49:36
11	2:12:52	3:48:37	05:42:54	7:59:35	10:18:52	12:36:16	14:54:38	17:14:41	19:30:36	21:36:52	23:17:47	0:45:40
12	2:08:56	3:44:41	05:38:58	7:55:39	10:14:56	12:32:20	14:50:42	17:10:45	19:26:40	21:32:56	23:13:51	0:41:44
13	2:05:00	3:40:45	05:35:02	7:51:43	10:11:00	12:28:24	14:46:46	17:06:49	19:22:44	21:29:00	23:09:55	0:37:48
14	2:01:04	3:36:49	05:31:06	7:47:47	10:07:04	12:24:28	14:42:50	17:02:53	19:18:48	21:25:04	23:05:59	0:33:52
15	1:57:08	3:32:53	5:27:10	7:43:51	10:03:08	12:20:32	14:38:54	16:58:57	19:14:52	21:21:08	23:02:03	0:29:56
16	1:53:12	3:28:57	5:23:14	7:39:55	9:59:12	12:16:36	14:34:58	16:55:01	19:10:56	21:17:12	22:58:07	0:26:00
17	1:49:16	3:25:01	5:19:18	7:35:59	9:55:16	12:12:40	14:31:02	16:51:05	19:07:00	21:13:16	22:54:11	0:22:04
18	1:45:20	3:21:05	5:15:22	7:32:03	9:51:20	12:08:44	14:27:06	16:47:09	19:03:04	21:09:20	22:50:15	0:18:08
19	1:41:24	3:17:09	5:11:26	7:28:07	9:47:24	12:04:48	14:23:10	16:43:13	18:59:08	21:05:24	22:46:19	0:14:11
20	1:37:28	3:13:13	5:07:30	7:24:11	9:43:28	12:00:52	14:19:14	16:39:17	18:55:12	21:01:28	22:42:22	0:10:15
21	1:33:32	3:09:17	5:03:34	7:20:15	9:39:32	11:56:56	14:15:18	16:35:21	18:51:16	20:57:32	22:38:26	0:06:19
22	1:29:36	3:05:21	4:59:38	7:16:19	9:35:36	11:53:00	14:11:22	16:31:25	18:47:20	20:53:35	22:34:30	0:02:23
23	1:25:39	3:01:24	4:55:41	7:12:23	9:31:40	11:49:04	14:07:26	16:27:29	18:43:23	20:49:39	22:30:34	23:58:27
24	1:21:43	2:57:28	4:51:45	7:08:26	9:27:44	11:45:08	14:03:30	16:23:32	18:39:27	20:45:43	22:26:38	23:54:31
25	1:17:47	2:53:32	4:47:49	7:04:30	9:23:47	11:41:11	13:59:33	16:19:36	18:35:31	20:41:47	22:22:42	23:50:35
26	1:13:51	2:49:36	4:43:53	7:00:34	9:19:51	11:37:15	13:55:37	16:15:40	18:31:35	20:37:51	22:18:46	23:46:39
27	1:09:55	2:45:40	4:39:57	6:56:38	9:15:55	11:33:19	13:51:41	16:11:44	18:27:39	20:33:55	22:14:50	23:42:43
28	1:05:59	2:41:44	4:36:01	6:52:42	9:11:59	11:29:23	13:47:45	16:07:48	18:23:43	20:29:59	22:10:54	23:38:47
29	1:02:03	2:37:48	4:32:05	6:48:46	9:08:03	11:25:27	13:43:49	16:03:52	18:19:47	20:26:03	22:06:58	23:34:51
30	0:58:07	2:33:52	4:28:09	6:44:50	9:04:07	11:21:31	13:39:53	15:59:56	18:15:51	20:22:07	22:03:02	23:30:55

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जुलाई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	0:54:11	2:29:56	4:24:13	6:40:54	9:00:11	11:17:35	13:35:57	15:56:00	18:11:55	20:18:11	21:59:06	23:26:59
2	0:50:15	2:26:00	4:20:17	6:36:58	8:56:15	11:13:39	13:32:01	15:52:04	18:07:59	20:14:15	21:55:10	23:23:03
3	0:46:19	2:22:04	4:16:21	6:33:02	8:52:19	11:09:43	13:28:05	15:48:08	18:04:03	20:10:19	21:51:14	23:19:07
4	0:42:23	2:18:08	4:12:25	6:29:06	8:48:23	11:05:47	13:24:09	15:44:12	18:00:07	20:06:23	21:47:18	23:15:11
5	0:38:27	2:14:12	4:08:29	6:25:10	8:44:27	11:01:51	13:20:13	15:40:16	17:56:11	20:02:27	21:43:21	23:11:14
6	0:34:31	2:10:16	4:04:33	6:21:14	8:40:31	10:57:55	13:16:17	15:36:20	17:52:15	19:58:31	21:39:25	23:07:18
7	0:30:35	2:06:20	4:00:37	6:17:18	8:36:35	10:53:59	13:12:21	15:32:24	17:48:19	19:54:34	21:35:29	23:03:22
8	0:26:38	2:02:23	3:56:41	6:13:22	8:32:39	10:50:03	13:08:25	15:28:28	17:44:22	19:50:38	21:31:33	22:59:26
9	0:22:42	1:58:27	3:52:44	6:09:26	8:28:43	10:46:07	13:04:29	15:24:32	17:40:26	19:46:42	21:27:37	22:55:30
10	0:18:46	1:54:31	3:48:48	6:05:29	8:24:46	10:42:10	13:00:32	15:20:35	17:36:30	19:42:46	21:23:41	22:51:34
11	0:14:50	1:50:35	3:44:52	6:01:33	8:20:50	10:38:14	12:56:36	15:16:39	17:32:34	19:38:50	21:19:45	22:47:38
12	0:10:54	1:46:39	3:40:56	5:57:37	8:16:54	10:34:18	12:52:40	15:12:43	17:28:38	19:34:54	21:15:49	22:43:42
13	0:06:58	1:42:43	3:37:00	5:53:41	8:12:58	10:30:22	12:48:44	15:08:47	17:24:42	19:30:58	21:11:53	22:39:46
14	0:03:02	1:38:47	3:33:04	5:49:45	8:09:02	10:26:26	12:44:48	15:04:51	17:20:46	19:27:02	21:07:57	22:35:50
15	23:59:06	1:34:51	3:29:08	5:45:49	8:05:06	10:22:30	12:40:52	15:00:55	17:16:50	19:23:06	21:04:01	22:31:54
16	23:55:10	1:30:55	3:25:12	5:41:53	8:01:10	10:18:34	12:36:56	14:56:59	17:12:54	19:19:10	21:00:05	22:27:58
17	23:51:14	1:26:59	3:21:16	5:37:57	7:57:14	10:14:38	12:33:00	14:53:03	17:08:58	19:15:14	20:56:09	22:24:02
18	23:47:18	1:23:03	3:17:20	5:34:01	7:53:18	10:10:42	12:29:04	14:49:07	17:05:02	19:11:18	20:52:13	22:20:06
19	23:43:22	1:19:07	3:13:24	5:30:05	7:49:22	10:06:46	12:25:08	14:45:11	17:01:06	19:07:22	20:48:17	22:16:10
20	23:39:26	1:15:11	3:09:28	5:26:09	7:45:26	10:02:50	12:21:12	14:41:15	16:57:10	19:03:26	20:44:21	22:12:13
21	23:35:30	1:11:15	3:05:32	5:22:13	7:41:30	9:58:54	12:17:16	14:37:19	16:53:14	18:59:30	20:40:24	22:08:17
22	23:31:34	1:07:19	3:01:36	5:18:17	7:37:34	9:54:58	12:13:20	14:33:23	16:49:18	18:55:34	20:36:28	22:04:21
23	23:27:37	1:03:23	2:57:40	5:14:21	7:33:38	9:51:02	12:09:24	14:29:27	16:45:21	18:51:37	20:32:32	22:00:25
24	23:23:41	0:59:26	2:53:43	5:10:25	7:29:42	9:47:06	12:05:28	14:25:31	16:41:25	18:47:41	20:28:36	21:56:29
25	23:19:45	0:55:30	2:49:47	5:06:28	7:25:45	9:43:10	12:01:32	14:21:34	16:37:29	18:43:45	20:24:40	21:52:33
26	23:15:49	0:51:34	2:45:51	5:02:32	7:21:49	9:39:13	11:57:35	14:17:38	16:33:33	18:39:49	20:20:44	21:48:37
27	23:11:53	0:47:38	2:41:55	4:58:36	7:17:53	9:35:17	11:53:39	14:13:42	16:29:37	18:35:53	20:16:48	21:44:41
28	23:07:57	0:43:42	2:37:59	4:54:40	7:13:57	9:31:21	11:49:43	14:09:46	16:25:41	18:31:57	20:12:52	21:40:45
29	23:04:01	0:39:46	2:34:03	4:50:44	7:10:01	9:27:25	11:45:47	14:05:50	16:21:45	18:28:01	20:08:56	21:36:49
30	23:00:05	0:35:50	2:30:07	4:46:48	7:06:05	9:23:29	11:41:51	14:01:54	16:17:49	18:24:05	20:05:00	21:32:53
31	22:56:09	0:31:54	2:26:11	4:42:52	7:02:09	9:19:33	11:37:55	13:57:58	16:13:53	18:20:09	20:01:04	21:28:57

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अगस्त मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	22:52:13	0:27:58	2:22:15	4:38:56	6:58:13	9:15:37	11:33:59	13:54:02	16:09:57	18:16:13	19:57:08	21:25:01
2	22:48:17	0:24:02	2:18:19	4:35:00	6:54:17	9:11:41	11:30:03	13:50:06	16:06:01	18:12:17	19:53:12	21:21:05
3	22:44:21	0:20:06	2:14:23	4:31:04	6:50:21	9:07:45	11:26:07	13:46:10	16:02:05	18:08:21	19:49:16	21:17:09
4	22:40:25	0:16:10	2:10:27	4:27:08	6:46:25	9:03:49	11:22:11	13:42:14	15:58:09	18:04:25	19:45:20	21:13:12
5	22:36:29	0:12:14	2:06:31	4:23:12	6:42:29	8:59:53	11:18:15	13:38:18	15:54:13	18:00:29	19:41:23	21:09:16
6	22:32:33	0:08:18	2:02:35	4:19:16	6:38:33	8:55:57	11:14:19	13:34:22	15:50:17	17:56:33	19:37:27	21:05:20
7	22:28:37	0:04:22	1:58:39	4:15:20	6:34:37	8:52:01	11:10:23	13:30:26	15:46:21	17:52:36	19:33:31	21:01:24
8	22:24:40	0:00:25	1:54:42	4:11:24	6:30:41	8:48:05	11:06:27	13:26:30	15:42:24	17:48:40	19:29:35	20:57:28
9	22:20:44	23:56:29	1:50:46	4:07:28	6:26:45	8:44:09	11:02:31	13:22:33	15:38:28	17:44:44	19:25:39	20:53:32
10	22:16:48	23:52:33	1:46:50	4:03:31	6:22:48	8:40:12	10:58:34	13:18:37	15:34:32	17:40:48	19:21:43	20:49:36
11	22:12:52	23:48:37	1:42:54	3:59:35	6:18:52	8:36:16	10:54:38	13:14:41	15:30:36	17:36:52	19:17:47	20:45:40
12	22:08:56	23:44:41	1:38:58	3:55:39	6:14:56	8:32:20	10:50:42	13:10:45	15:26:40	17:32:56	19:13:51	20:41:44
13	22:05:00	23:40:45	1:35:02	3:51:43	6:11:00	8:28:24	10:46:46	13:06:49	15:22:44	17:29:00	19:09:55	20:37:48
14	22:01:04	23:36:49	1:31:06	3:47:47	6:07:04	8:24:28	10:42:50	13:02:53	15:18:48	17:25:04	19:05:59	20:33:52
15	21:57:08	23:32:53	1:27:10	3:43:51	6:03:08	8:20:32	10:38:54	12:58:57	15:14:52	17:21:08	19:02:03	20:29:56
16	21:53:12	23:28:57	1:23:14	3:39:55	5:59:12	8:16:36	10:34:58	12:55:01	15:10:56	17:17:12	18:58:07	20:26:00
17	21:49:16	23:25:01	1:19:18	3:35:59	5:55:16	8:12:40	10:31:02	12:51:05	15:07:00	17:13:16	18:54:11	20:22:04
18	21:45:20	23:21:05	1:15:22	3:32:03	5:51:20	8:08:44	10:27:06	12:47:09	15:03:04	17:09:20	18:50:15	20:18:08
19	21:41:24	23:17:09	1:11:26	3:28:07	5:47:24	8:04:48	10:23:10	12:43:13	14:59:08	17:05:24	18:46:19	20:14:12
20	21:37:28	23:13:13	1:07:30	3:24:11	5:43:28	8:00:52	10:19:14	12:39:17	14:55:12	17:01:28	18:42:23	20:10:15
21	21:33:32	23:09:17	1:03:34	3:20:15	5:39:32	7:56:56	10:15:18	12:35:21	14:51:16	16:57:32	18:38:26	20:06:19
22	21:29:36	23:05:21	0:59:38	3:16:19	5:35:36	7:53:00	10:11:22	12:31:25	14:47:20	16:53:35	18:34:30	20:02:23
23	21:25:39	23:01:24	0:55:42	3:12:23	5:31:40	7:49:04	10:07:26	12:27:29	14:43:23	16:49:39	18:30:34	19:58:27
24	21:21:43	22:57:28	0:51:45	3:08:27	5:27:44	7:45:08	10:03:30	12:23:33	14:39:27	16:45:43	18:26:38	19:54:31
25	21:17:47	22:53:32	0:47:49	3:04:30	5:23:47	7:41:11	9:59:34	12:19:36	14:35:31	16:41:47	18:22:42	19:50:35
26	21:13:51	22:49:36	0:43:53	3:00:34	5:19:51	7:37:15	9:55:37	12:15:40	14:31:35	16:37:51	18:18:46	19:46:39
27	21:09:55	22:45:40	0:39:57	2:56:38	5:15:55	7:33:19	9:51:41	12:11:44	14:27:39	16:33:55	18:14:50	19:42:43
28	21:05:59	22:41:44	0:36:01	2:52:42	5:11:59	7:29:23	9:47:45	12:07:48	14:23:43	16:29:59	18:10:54	19:38:47
29	21:02:03	22:37:48	0:32:05	2:48:46	5:08:03	7:25:27	9:43:49	12:03:52	14:19:47	16:26:03	18:06:58	19:34:51
30	20:58:07	22:33:52	0:28:09	2:44:50	5:04:07	7:21:31	9:39:53	11:59:56	14:15:51	16:22:07	18:03:02	19:30:55
31	20:54:11	22:29:56	0:24:13	2:40:54	5:00:11	7:17:35	9:35:57	11:56:00	14:11:55	16:18:11	17:59:06	19:26:59

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

सितम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	20:50:15	22:26:00	0:20:17	2:36:58	4:56:15	7:13:39	9:32:01	11:52:04	14:07:59	16:14:15	17:55:10	19:23:03
2	20:46:19	22:22:04	0:16:21	2:33:02	4:52:19	7:09:43	9:28:05	11:48:08	14:04:03	16:10:19	17:51:14	19:19:07
3	20:42:23	22:18:08	0:12:25	2:29:06	4:48:23	7:05:47	9:24:09	11:44:12	14:00:07	16:06:23	17:47:18	19:15:11
4	20:38:27	22:14:12	0:08:29	2:25:10	4:44:27	7:01:51	9:20:13	11:40:16	13:56:11	16:02:27	17:43:22	19:11:14
5	20:34:31	22:10:16	0:04:33	2:21:14	4:40:31	6:57:55	9:16:17	11:36:20	13:52:15	15:58:31	17:39:25	19:07:18
6	20:30:35	22:06:20	0:00:37	2:17:18	4:36:35	6:53:59	9:12:21	11:32:24	13:48:19	15:54:35	17:35:29	19:03:22
7	20:26:39	22:02:24	23:56:41	2:13:22	4:32:39	6:50:03	9:08:25	11:28:28	13:44:22	15:50:38	17:31:33	18:59:26
8	20:22:42	21:58:27	23:52:44	2:09:26	4:28:43	6:46:07	9:04:29	11:24:32	13:40:26	15:46:42	17:27:37	18:55:30
9	20:18:46	21:54:31	23:48:48	2:05:29	4:24:47	6:42:11	9:00:33	11:20:35	13:36:30	15:42:46	17:23:41	18:51:34
10	20:14:50	21:50:35	23:44:52	2:01:33	4:20:50	6:38:14	8:56:36	11:16:39	13:32:34	15:38:50	17:19:45	18:47:38
11	20:10:54	21:46:39	23:40:56	1:57:37	4:16:54	6:34:18	8:52:40	11:12:43	13:28:38	15:34:54	17:15:49	18:43:42
12	20:06:58	21:42:43	23:37:00	1:53:41	4:12:58	6:30:22	8:48:44	11:08:47	13:24:42	15:30:58	17:11:53	18:39:46
13	20:03:02	21:38:47	23:33:04	1:49:45	4:09:02	6:26:26	8:44:48	11:04:51	13:20:46	15:27:02	17:07:57	18:35:50
14	19:59:06	21:34:51	23:29:08	1:45:49	4:05:06	6:22:30	8:40:52	11:00:55	13:16:50	15:23:06	17:04:01	18:31:54
15	19:55:10	21:30:55	23:25:12	1:41:53	4:01:10	6:18:34	8:36:56	10:56:59	13:12:54	15:19:10	17:00:05	18:27:58
16	19:51:14	21:26:59	23:21:16	1:37:57	3:57:14	6:14:38	8:33:00	10:53:03	13:08:58	15:15:14	16:56:09	18:24:02
17	19:47:18	21:23:03	23:17:20	1:34:01	3:53:18	6:10:42	8:29:04	10:49:07	13:05:02	15:11:18	16:52:13	18:20:06
18	19:43:22	21:19:07	23:13:24	1:30:05	3:49:22	6:06:46	8:25:08	10:45:11	13:01:06	15:07:22	16:48:17	18:16:10
19	19:39:26	21:15:11	23:09:28	1:26:09	3:45:26	6:02:50	8:21:12	10:41:15	12:57:10	15:03:26	16:44:21	18:12:14
20	19:35:30	21:11:15	23:05:32	1:22:13	3:41:30	5:58:54	8:17:16	10:37:19	12:53:14	14:59:30	16:40:24	18:08:17
21	19:31:34	21:07:19	23:01:36	1:18:17	3:37:34	5:54:58	8:13:20	10:33:23	12:49:18	14:55:34	16:36:28	18:04:21
22	19:27:38	21:03:23	22:57:40	1:14:21	3:33:38	5:51:02	8:09:24	10:29:27	12:45:22	14:51:37	16:32:32	18:00:25
23	19:23:41	20:59:26	22:53:43	1:10:25	3:29:42	5:47:06	8:05:28	10:25:31	12:41:25	14:47:41	16:28:36	17:56:29
24	19:19:45	20:55:30	22:49:47	1:06:29	3:25:46	5:43:10	8:01:32	10:21:35	12:37:29	14:43:45	16:24:40	17:52:33
25	19:15:49	20:51:34	22:45:51	1:02:32	3:21:49	5:39:13	7:57:35	10:17:38	12:33:33	14:39:49	16:20:44	17:48:37
26	19:11:53	20:47:38	22:41:55	0:58:36	3:17:53	5:35:17	7:53:39	10:13:42	12:29:37	14:35:53	16:16:48	17:44:41
27	19:07:57	20:43:42	22:37:59	0:54:40	3:13:57	5:31:21	7:49:43	10:09:46	12:25:41	14:31:57	16:12:52	17:40:45
28	19:04:01	20:39:46	22:34:03	0:50:44	3:10:01	5:27:25	7:45:47	10:05:50	12:21:45	14:28:01	16:08:56	17:36:49
29	19:00:05	20:35:50	22:30:07	0:46:48	3:06:05	5:23:29	7:41:51	10:01:54	12:17:49	14:24:05	16:05:00	17:32:53
30	18:56:09	20:31:54	22:26:11	0:42:52	3:02:09	5:19:33	7:37:55	9:57:58	12:13:53	14:20:09	16:01:04	17:28:57

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अक्टूबर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	18:52:13	20:27:58	22:22:15	0:38:56	2:58:13	5:15:37	7:33:59	9:54:02	12:09:57	14:16:13	15:57:08	17:25:01
2	18:48:17	20:24:02	22:18:19	0:35:00	2:54:17	5:11:41	7:30:03	9:50:06	12:06:01	14:12:17	15:53:12	17:21:05
3	18:44:21	20:20:06	22:14:23	0:31:04	2:50:21	5:07:45	7:26:07	9:46:10	12:02:05	14:08:21	15:49:16	17:17:09
4	18:40:25	20:16:10	22:10:27	0:27:08	2:46:25	5:03:49	7:22:11	9:42:14	11:58:09	14:04:25	15:45:20	17:13:13
5	18:36:29	20:12:14	22:06:31	0:23:12	2:42:29	4:59:53	7:18:15	9:38:18	11:54:13	14:00:29	15:41:24	17:09:16
6	18:32:33	20:08:18	22:02:35	0:19:16	2:38:33	4:55:57	7:14:19	9:34:22	11:50:17	13:56:33	15:37:27	17:05:20
7	18:28:37	20:04:22	21:58:39	0:15:20	2:34:37	4:52:01	7:10:23	9:30:26	11:46:21	13:52:36	15:33:31	17:01:24
8	18:24:40	20:00:26	21:54:43	0:11:24	2:30:41	4:48:05	7:06:27	9:26:30	11:42:24	13:48:40	15:29:35	16:57:28
9	18:20:44	19:56:29	21:50:46	0:07:28	2:26:45	4:44:09	7:02:31	9:22:34	11:38:28	13:44:44	15:25:39	16:53:32
10	18:16:48	19:52:33	21:46:50	0:03:31	2:22:48	4:40:13	6:58:35	9:18:37	11:34:32	13:40:48	15:21:43	16:49:36
11	18:12:52	19:48:37	21:42:54	23:59:35	2:18:52	4:36:16	6:54:38	9:14:41	11:30:36	13:36:52	15:17:47	16:45:40
12	18:08:56	19:44:41	21:38:58	23:55:39	2:14:56	4:32:20	6:50:42	9:10:45	11:26:40	13:32:56	15:13:51	16:41:44
13	18:05:00	19:40:45	21:35:02	23:51:43	2:11:00	4:28:24	6:46:46	9:06:49	11:22:44	13:29:00	15:09:55	16:37:48
14	18:01:04	19:36:49	21:31:06	23:47:47	2:07:04	4:24:28	6:42:50	9:02:53	11:18:48	13:25:04	15:05:59	16:33:52
15	17:57:08	19:32:53	21:27:10	23:43:51	2:03:08	4:20:32	6:38:54	8:58:57	11:14:52	13:21:08	15:02:03	16:29:56
16	17:53:12	19:28:57	21:23:14	23:39:55	1:59:12	4:16:36	6:34:58	8:55:01	11:10:56	13:17:12	14:58:07	16:26:00
17	17:49:16	19:25:01	21:19:18	23:35:59	1:55:16	4:12:40	6:31:02	8:51:05	11:07:00	13:13:16	14:54:11	16:22:04
18	17:45:20	19:21:05	21:15:22	23:32:03	1:51:20	4:08:44	6:27:06	8:47:09	11:03:04	13:09:20	14:50:15	16:18:08
19	17:41:24	19:17:09	21:11:26	23:28:07	1:47:24	4:04:48	6:23:10	8:43:13	10:59:08	13:05:24	14:46:19	16:14:12
20	17:37:28	19:13:13	21:07:30	23:24:11	1:43:28	4:00:52	6:19:14	8:39:17	10:55:12	13:01:28	14:42:23	16:10:15
21	17:33:32	19:09:17	21:03:34	23:20:15	1:39:32	3:56:56	6:15:18	8:35:21	10:51:16	12:57:32	14:38:26	16:06:19
22	17:29:36	19:05:21	20:59:38	23:16:19	1:35:36	3:53:00	6:11:22	8:31:25	10:47:20	12:53:36	14:34:30	16:02:23
23	17:25:40	19:01:25	20:55:42	23:12:23	1:31:40	3:49:04	6:07:26	8:27:29	10:43:24	12:49:39	14:30:34	15:58:27
24	17:21:43	18:57:28	20:51:45	23:08:27	1:27:44	3:45:08	6:03:30	8:23:33	10:39:27	12:45:43	14:26:38	15:54:31
25	17:17:47	18:53:32	20:47:49	23:04:30	1:23:48	3:41:12	5:59:34	8:19:36	10:35:31	12:41:47	14:22:42	15:50:35
26	17:13:51	18:49:36	20:43:53	23:00:34	1:19:51	3:37:15	5:55:37	8:15:40	10:31:35	12:37:51	14:18:46	15:46:39
27	17:09:55	18:45:40	20:39:57	22:56:38	1:15:55	3:33:19	5:51:41	8:11:44	10:27:39	12:33:55	14:14:50	15:42:43
28	17:05:59	18:41:44	20:36:01	22:52:42	1:11:59	3:29:23	5:47:45	8:07:48	10:23:43	12:29:59	14:10:54	15:38:47
29	17:02:03	18:37:48	20:32:05	22:48:46	1:08:03	3:25:27	5:43:49	8:03:52	10:19:47	12:26:03	14:06:58	15:34:51
30	16:58:07	18:33:52	20:28:09	22:44:50	1:04:07	3:21:31	5:39:53	7:59:56	10:15:51	12:22:07	14:03:02	15:30:55
31	16:54:11	18:29:56	20:24:13	22:40:54	1:00:11	3:17:35	5:35:57	7:56:00	10:11:55	12:18:11	13:59:06	15:26:59

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

नवम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	16:50:15	18:26:00	20:20:17	22:36:58	0:56:15	3:13:39	5:32:01	7:52:04	10:07:59	12:14:15	13:55:10	15:23:03
2	16:46:19	18:22:04	20:16:21	22:33:02	0:52:19	3:09:43	5:28:05	7:48:08	10:04:03	12:10:19	13:51:14	15:19:07
3	16:42:23	18:18:08	20:12:25	22:29:06	0:48:23	3:05:47	5:24:09	7:44:12	10:00:07	12:06:23	13:47:18	15:15:11
4	16:38:27	18:14:12	20:08:29	22:25:10	0:44:27	3:01:51	5:20:13	7:40:16	9:56:11	12:02:27	13:43:22	15:11:15
5	16:34:31	18:10:16	20:04:33	22:21:14	0:40:31	2:57:55	5:16:17	7:36:20	9:52:15	11:58:31	13:39:25	15:07:18
6	16:30:35	18:06:20	20:00:37	22:17:18	0:36:35	2:53:59	5:12:21	7:32:24	9:48:19	11:54:35	13:35:29	15:03:22
7	16:26:39	18:02:24	19:56:41	22:13:22	0:32:39	2:50:03	5:08:25	7:28:28	9:44:23	11:50:38	13:31:33	14:59:26
8	16:22:42	17:58:27	19:52:45	22:09:26	0:28:43	2:46:07	5:04:29	7:24:32	9:40:26	11:46:42	13:27:37	14:55:30
9	16:18:46	17:54:31	19:48:48	22:05:30	0:24:47	2:42:11	5:00:33	7:20:36	9:36:30	11:42:46	13:23:41	14:51:34
10	16:14:50	17:50:35	19:44:52	22:01:33	0:20:50	2:38:14	4:56:37	7:16:39	9:32:34	11:38:50	13:19:45	14:47:38
11	16:10:54	17:46:39	19:40:56	21:57:37	0:16:54	2:34:18	4:52:40	7:12:43	9:28:38	11:34:54	13:15:49	14:43:42
12	16:06:58	17:42:43	19:37:00	21:53:41	0:12:58	2:30:22	4:48:44	7:08:47	9:24:42	11:30:58	13:11:53	14:39:46
13	16:03:02	17:38:47	19:33:04	21:49:45	0:09:02	2:26:26	4:44:48	7:04:51	9:20:46	11:27:02	13:07:57	14:35:50
14	15:59:06	17:34:51	19:29:08	21:45:49	0:05:06	2:22:30	4:40:52	7:00:55	9:16:50	11:23:06	13:04:01	14:31:54
15	15:55:10	17:30:55	19:25:12	21:41:53	0:01:10	2:18:34	4:36:56	6:56:59	9:12:54	11:19:10	13:00:05	14:27:58
16	15:51:14	17:26:59	19:21:16	21:37:57	23:57:14	2:14:38	4:33:00	6:53:03	9:08:58	11:15:14	12:56:09	14:24:02
17	15:47:18	17:23:03	19:17:20	21:34:01	23:53:18	2:10:42	4:29:04	6:49:07	9:05:02	11:11:18	12:52:13	14:20:06
18	15:43:22	17:19:07	19:13:24	21:30:05	23:49:22	2:06:46	4:25:08	6:45:11	9:01:06	11:07:22	12:48:17	14:16:10
19	15:39:26	17:15:11	19:09:28	21:26:09	23:45:26	2:02:50	4:21:12	6:41:15	8:57:10	11:03:26	12:44:21	14:12:14
20	15:35:30	17:11:15	19:05:32	21:22:13	23:41:30	1:58:54	4:17:16	6:37:19	8:53:14	10:59:30	12:40:25	14:08:17
21	15:31:34	17:07:19	19:01:36	21:18:17	23:37:34	1:54:58	4:13:20	6:33:23	8:49:18	10:55:34	12:36:28	14:04:21
22	15:27:38	17:03:23	18:57:40	21:14:21	23:33:38	1:51:02	4:09:24	6:29:27	8:45:22	10:51:38	12:32:32	14:00:25
23	15:23:42	16:59:27	18:53:44	21:10:25	23:29:42	1:47:06	4:05:28	6:25:31	8:41:25	10:47:41	12:28:36	13:56:29
24	15:19:45	16:55:30	18:49:47	21:06:29	23:25:46	1:43:10	4:01:32	6:21:35	8:37:29	10:43:45	12:24:40	13:52:33
25	15:15:49	16:51:34	18:45:51	21:02:32	23:21:49	1:39:14	3:57:36	6:17:38	8:33:33	10:39:49	12:20:44	13:48:37
26	15:11:53	16:47:38	18:41:55	20:58:36	23:17:53	1:35:17	3:53:39	6:13:42	8:29:37	10:35:53	12:16:48	13:44:41
27	15:07:57	16:43:42	18:37:59	20:54:40	23:13:57	1:31:21	3:49:43	6:09:46	8:25:41	10:31:57	12:12:52	13:40:45
28	15:04:01	16:39:46	18:34:03	20:50:44	23:10:01	1:27:25	3:45:47	6:05:50	8:21:45	10:28:01	12:08:56	13:36:49
29	15:00:05	16:35:50	18:30:07	20:46:48	23:06:05	1:23:29	3:41:51	6:01:54	8:17:49	10:24:05	12:05:00	13:32:53
30	14:56:09	16:31:54	18:26:11	20:42:52	23:02:09	1:19:33	3:37:55	5:57:58	8:13:53	10:20:09	12:01:04	13:28:57

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

दिसम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	14:52:13	16:27:58	18:22:15	20:38:56	22:58:13	1:15:37	3:33:59	5:54:02	8:09:57	10:16:13	11:57:08	13:25:01
2	14:48:17	16:24:02	18:18:19	20:35:00	22:54:17	1:11:41	3:30:03	5:50:06	8:06:01	10:12:17	11:53:12	13:21:05
3	14:44:21	16:20:06	18:14:23	20:31:04	22:50:21	1:07:45	3:26:07	5:46:10	8:02:05	10:08:21	11:49:16	13:17:09
4	14:40:25	16:16:10	18:10:27	20:27:08	22:46:25	1:03:49	3:22:11	5:42:14	7:58:09	10:04:25	11:45:20	13:13:13
5	14:36:29	16:12:14	18:06:31	20:23:12	22:42:29	0:59:53	3:18:15	5:38:18	7:54:13	10:00:29	11:41:24	13:09:16
6	14:32:33	16:08:18	18:02:35	20:19:16	22:38:33	0:55:57	3:14:19	5:34:22	7:50:17	9:56:33	11:37:27	13:05:20
7	14:28:37	16:04:22	17:58:39	20:15:20	22:34:37	0:52:01	3:10:23	5:30:26	7:46:21	9:52:37	11:33:31	13:01:24
8	14:24:41	16:00:26	17:54:43	20:11:24	22:30:41	0:48:05	3:06:27	5:26:30	7:42:25	9:48:40	11:29:35	12:57:28
9	14:20:44	15:56:29	17:50:46	20:07:28	22:26:45	0:44:09	3:02:31	5:22:34	7:38:28	9:44:44	11:25:39	12:53:32
10	14:16:48	15:52:33	17:46:50	20:03:32	22:22:49	0:40:13	2:58:35	5:18:38	7:34:32	9:40:48	11:21:43	12:49:36
11	14:12:52	15:48:37	17:42:54	19:59:35	22:18:52	0:36:16	2:54:38	5:14:41	7:30:36	9:36:52	11:17:47	12:45:40
12	14:08:56	15:44:41	17:38:58	19:55:39	22:14:56	0:32:20	2:50:42	5:10:45	7:26:40	9:32:56	11:13:51	12:41:44
13	14:05:00	15:40:45	17:35:02	19:51:43	22:11:00	0:28:24	2:46:46	5:06:49	7:22:44	9:29:00	11:09:55	12:37:48
14	14:01:04	15:36:49	17:31:06	19:47:47	22:07:04	0:24:28	2:42:50	5:02:53	7:18:48	9:25:04	11:05:59	12:33:52
15	13:57:08	15:32:53	17:27:10	19:43:51	22:03:08	0:20:32	2:38:54	4:58:57	7:14:52	9:21:08	11:02:03	12:29:56
16	13:53:12	15:28:57	17:23:14	19:39:55	21:59:12	0:16:36	2:34:58	4:55:01	7:10:56	9:17:12	10:58:07	12:26:00
17	13:49:16	15:25:01	17:19:18	19:35:59	21:55:16	0:12:40	2:31:02	4:51:05	7:07:00	9:13:16	10:54:11	12:22:04
18	13:45:20	15:21:05	17:15:22	19:32:03	21:51:20	0:08:44	2:27:06	4:47:09	7:03:04	9:09:20	10:50:15	12:18:08
19	13:41:24	15:17:09	17:11:26	19:28:07	21:47:24	0:04:48	2:23:10	4:43:13	6:59:08	9:05:24	10:46:19	12:14:12
20	13:37:28	15:13:13	17:07:30	19:24:11	21:43:28	0:00:52	2:19:14	4:39:17	6:55:12	9:01:28	10:42:23	12:10:16
21	13:33:32	15:09:17	17:03:34	19:20:15	21:39:32	23:56:56	2:15:18	4:35:21	6:51:16	8:57:32	10:38:27	12:06:19
22	13:29:36	15:05:21	16:59:38	19:16:19	21:35:36	23:53:00	2:11:22	4:31:25	6:47:20	8:53:36	10:34:30	12:02:23
23	13:25:40	15:01:25	16:55:42	19:12:23	21:31:40	23:49:04	2:07:26	4:27:29	6:43:24	8:49:39	10:30:34	11:58:27
24	13:21:43	14:57:29	16:51:46	19:08:27	21:27:44	23:45:08	2:03:30	4:23:33	6:39:27	8:45:43	10:26:38	11:54:31
25	13:17:47	14:53:32	16:47:49	19:04:31	21:23:48	23:41:12	1:59:34	4:19:37	6:35:31	8:41:47	10:22:42	11:50:35
26	13:13:51	14:49:36	16:43:53	19:00:34	21:19:51	23:37:15	1:55:38	4:15:40	6:31:35	8:37:51	10:18:46	11:46:39
27	13:09:55	14:45:40	16:39:57	18:56:38	21:15:55	23:33:19	1:51:41	4:11:44	6:27:39	8:33:55	10:14:50	11:42:43
28	13:05:59	14:41:44	16:36:01	18:52:42	21:11:59	23:29:23	1:47:45	4:07:48	6:23:43	8:29:59	10:10:54	11:38:47
29	13:02:03	14:37:48	16:32:05	18:48:46	21:08:03	23:25:27	1:43:49	4:03:52	6:19:47	8:26:03	10:06:58	11:34:51
30	12:58:07	14:33:52	16:28:09	18:44:50	21:04:07	23:21:31	1:39:53	3:59:56	6:15:51	8:22:07	10:03:02	11:30:55
31	12:54:11	14:29:56	16:24:13	18:40:54	21:00:11	23:17:35	1:35:57	3:56:00	6:11:55	8:18:11	9:59:06	11:26:59

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जनवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	12:50:15	14:26:00	16:20:17	18:36:58	20:56:15	23:13:39	1:32:01	3:52:04	6:07:59	8:14:15	9:55:10	11:23:03
2	12:46:19	14:22:04	16:16:21	18:33:02	20:52:19	23:09:43	1:28:05	3:48:08	6:04:03	8:10:19	9:51:14	11:19:07
3	12:42:23	14:18:08	16:12:25	18:29:06	20:48:23	23:05:47	1:24:09	3:44:12	6:00:07	8:06:23	9:47:18	11:15:11
4	12:38:27	14:14:12	16:08:29	18:25:10	20:44:27	23:01:51	1:20:13	3:40:16	5:56:11	8:02:27	9:43:22	11:11:15
5	12:34:31	14:10:16	16:04:33	18:21:14	20:40:31	22:57:55	1:16:17	3:36:20	5:52:15	7:58:31	9:39:26	11:07:18
6	12:30:35	14:06:20	16:00:37	18:17:18	20:36:35	22:53:59	1:12:21	3:32:24	5:48:19	7:54:35	9:35:29	11:03:22
7	12:26:39	14:02:24	15:56:41	18:13:22	20:32:39	22:50:03	1:08:25	3:28:28	5:44:23	7:50:39	9:31:33	10:59:26
8	12:22:43	13:58:28	15:52:45	18:09:26	20:28:43	22:46:07	1:04:29	3:24:32	5:40:27	7:46:42	9:27:37	10:55:30
9	12:18:46	13:54:31	15:48:48	18:05:30	20:24:47	22:42:11	1:00:33	3:20:36	5:36:30	7:42:46	9:23:41	10:51:34
10	12:14:50	13:50:35	15:44:52	18:01:33	20:20:51	22:38:15	0:56:37	3:16:39	5:32:34	7:38:50	9:19:45	10:47:38
11	12:10:54	13:46:39	15:40:56	17:57:37	20:16:54	22:34:18	0:52:40	3:12:43	5:28:38	7:34:54	9:15:49	10:43:42
12	12:06:58	13:42:43	15:37:00	17:53:41	20:12:58	22:30:22	0:48:44	3:08:47	5:24:42	7:30:58	9:11:53	10:39:46
13	12:03:02	13:38:47	15:33:04	17:49:45	20:09:02	22:26:26	0:44:48	3:04:51	5:20:46	7:27:02	9:07:57	10:35:50
14	11:59:06	13:34:51	15:29:08	17:45:49	20:05:06	22:22:30	0:40:52	3:00:55	5:16:50	7:23:06	9:04:01	10:31:54
15	11:55:10	13:30:55	15:25:12	17:41:53	20:01:10	22:18:34	0:36:56	2:56:59	5:12:54	7:19:10	9:00:05	10:27:58
16	11:51:14	13:26:59	15:21:16	17:37:57	19:57:14	22:14:38	0:33:00	2:53:03	5:08:58	7:15:14	8:56:09	10:24:02
17	11:47:18	13:23:03	15:17:20	17:34:01	19:53:18	22:10:42	0:29:04	2:49:07	5:05:02	7:11:18	8:52:13	10:20:06
18	11:43:22	13:19:07	15:13:24	17:30:05	19:49:22	22:06:46	0:25:08	2:45:11	5:01:06	7:07:22	8:48:17	10:16:10
19	11:39:26	13:15:11	15:09:28	17:26:09	19:45:26	22:02:50	0:21:12	2:41:15	4:57:10	7:03:26	8:44:21	10:12:14
20	11:35:30	13:11:15	15:05:32	17:22:13	19:41:30	21:58:54	0:17:16	2:37:19	4:53:14	6:59:30	8:40:25	10:08:18
21	11:31:34	13:07:19	15:01:36	17:18:17	19:37:34	21:54:58	0:13:20	2:33:23	4:49:18	6:55:34	8:36:28	10:04:21
22	11:27:38	13:03:23	14:57:40	17:14:21	19:33:38	21:51:02	0:09:24	2:29:27	4:45:22	6:51:38	8:32:32	10:00:25
23	11:23:42	12:59:27	14:53:44	17:10:25	19:29:42	21:47:06	0:05:28	2:25:31	4:41:26	6:47:41	8:28:36	9:56:29
24	11:19:45	12:55:30	14:49:48	17:06:29	19:25:46	21:43:10	0:01:32	2:21:35	4:37:29	6:43:45	8:24:40	9:52:33
25	11:15:49	12:51:34	14:45:51	17:02:33	19:21:50	21:39:14	23:57:36	2:17:39	4:33:33	6:39:49	8:20:44	9:48:37
26	11:11:53	12:47:38	14:41:55	16:58:36	19:17:53	21:35:17	23:53:39	2:13:42	4:29:37	6:35:53	8:16:48	9:44:41
27	11:07:57	12:43:42	14:37:59	16:54:40	19:13:57	21:31:21	23:49:43	2:09:46	4:25:41	6:31:57	8:12:52	9:40:45
28	11:04:01	12:39:46	14:34:03	16:50:44	19:10:01	21:27:25	23:45:47	2:05:50	4:21:45	6:28:01	8:08:56	9:36:49
29	11:00:05	12:35:50	14:30:07	16:46:48	19:06:05	21:23:29	23:41:51	2:01:54	4:17:49	6:24:05	8:05:00	9:32:53
30	10:56:09	12:31:54	14:26:11	16:42:52	19:02:09	21:19:33	23:37:55	1:57:58	4:13:53	6:20:09	8:01:04	9:28:57
31	10:52:13	12:27:58	14:22:15	16:38:56	18:58:13	21:15:37	23:33:59	1:54:02	4:09:57	6:16:13	7:57:08	9:25:01

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

फरवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	10:48:17	12:24:02	14:18:19	16:35:00	18:54:17	21:11:41	23:30:03	1:50:06	4:06:01	6:12:17	7:53:12	9:21:05
2	10:44:21	12:20:06	14:14:23	16:31:04	18:50:21	21:07:45	23:26:07	1:46:10	4:02:05	6:08:21	7:49:16	9:17:09
3	10:40:25	12:16:10	14:10:27	16:27:08	18:46:25	21:03:49	23:22:11	1:42:14	3:58:09	6:04:25	7:45:20	9:13:13
4	10:36:29	12:12:14	14:06:31	16:23:12	18:42:29	20:59:53	23:18:15	1:38:18	3:54:13	6:00:29	7:41:24	9:09:17
5	10:32:33	12:08:18	14:02:35	16:19:16	18:38:33	20:55:57	23:14:19	1:34:22	3:50:17	5:56:33	7:37:28	9:05:20
6	10:28:37	12:04:22	13:58:39	16:15:20	18:34:37	20:52:01	23:10:23	1:30:26	3:46:21	5:52:37	7:33:31	9:01:24
7	10:24:41	12:00:26	13:54:43	16:11:24	18:30:41	20:48:05	23:06:27	1:26:30	3:42:25	5:48:41	7:29:35	8:57:28
8	10:20:44	11:56:30	13:50:47	16:07:28	18:26:45	20:44:09	23:02:31	1:22:34	3:38:28	5:44:44	7:25:39	8:53:32
9	10:16:48	11:52:33	13:46:50	16:03:32	18:22:49	20:40:13	22:58:35	1:18:38	3:34:32	5:40:48	7:21:43	8:49:36
10	10:12:52	11:48:37	13:42:54	15:59:35	18:18:52	20:36:17	22:54:39	1:14:41	3:30:36	5:36:52	7:17:47	8:45:40
11	10:08:56	11:44:41	13:38:58	15:55:39	18:14:56	20:32:20	22:50:42	1:10:45	3:26:40	5:32:56	7:13:51	8:41:44
12	10:05:00	11:40:45	13:35:02	15:51:43	18:11:00	20:28:24	22:46:46	1:06:49	3:22:44	5:29:00	7:09:55	8:37:48
13	10:01:04	11:36:49	13:31:06	15:47:47	18:07:04	20:24:28	22:42:50	1:02:53	3:18:48	5:25:04	7:05:59	8:33:52
14	9:57:08	11:32:53	13:27:10	15:43:51	18:03:08	20:20:32	22:38:54	0:58:57	3:14:52	5:21:08	7:02:03	8:29:56
15	9:53:12	11:28:57	13:23:14	15:39:55	17:59:12	20:16:36	22:34:58	0:55:01	3:10:56	5:17:12	6:58:07	8:26:00
16	9:49:16	11:25:01	13:19:18	15:35:59	17:55:16	20:12:40	22:31:02	0:51:05	3:07:00	5:13:16	6:54:11	8:22:04
17	9:45:20	11:21:05	13:15:22	15:32:03	17:51:20	20:08:44	22:27:06	0:47:09	3:03:04	5:09:20	6:50:15	8:18:08
18	9:41:24	11:17:09	13:11:26	15:28:07	17:47:24	20:04:48	22:23:10	0:43:13	2:59:08	5:05:24	6:46:19	8:14:12
19	9:37:28	11:13:13	13:07:30	15:24:11	17:43:28	20:00:52	22:19:14	0:39:17	2:55:12	5:01:28	6:42:23	8:10:16
20	9:33:32	11:09:17	13:03:34	15:20:15	17:39:32	19:56:56	22:15:18	0:35:21	2:51:16	4:57:32	6:38:27	8:06:19
21	9:29:36	11:05:21	12:59:38	15:16:19	17:35:36	19:53:00	22:11:22	0:31:25	2:47:20	4:53:36	6:34:30	8:02:23
22	9:25:40	11:01:25	12:55:42	15:12:23	17:31:40	19:49:04	22:07:26	0:27:29	2:43:24	4:49:40	6:30:34	7:58:27
23	9:21:44	10:57:29	12:51:46	15:08:27	17:27:44	19:45:08	22:03:30	0:23:33	2:39:28	4:45:43	6:26:38	7:54:31
24	9:17:47	10:53:32	12:47:49	15:04:31	17:23:48	19:41:12	21:59:34	0:19:37	2:35:31	4:41:47	6:22:42	7:50:35
25	9:13:51	10:49:36	12:43:53	15:00:35	17:19:52	19:37:16	21:55:38	0:15:40	2:31:35	4:37:51	6:18:46	7:46:39
26	9:09:55	10:45:40	12:39:57	14:56:38	17:15:55	19:33:19	21:51:41	0:11:44	2:27:39	4:33:55	6:14:50	7:42:43
27	9:05:59	10:41:44	12:36:01	14:52:42	17:11:59	19:29:23	21:47:45	0:07:48	2:23:43	4:29:59	6:10:54	7:38:47
28	9:02:03	10:37:48	12:32:05	14:48:46	17:08:03	19:25:27	21:43:49	0:03:52	2:19:47	4:26:03	6:06:58	7:34:51
29	8:58:07	10:33:52	12:28:09	14:44:50	17:04:07	19:21:31	21:39:53	23:59:56	2:15:51	4:22:07	6:03:02	7:30:55

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

लग्न सारिणी -दिल्ली,अक्षांश 28/39/00, पलभा 06/33/22 अयनांश 24/03/00,गाजियाबाद, गुड़गॉव, रोहतक, मेरठ आदि

राशि / अंश	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	02:50:45	06:50:57	11:40:21	17:15:33	23:05:09	28:51:21	34:36:21	40:26:09	46:11:33	51:20:21	55:37:57	59:17:45
1	02:57:51	06:59:11	11:50:21	17:27:01	23:16:51	29:02:51	34:47:51	40:37:51	46:23:01	51:30:21	55:46:11	59:24:51
2	03:04:57	07:07:25	12:00:21	17:38:29	23:28:33	29:14:21	34:59:21	40:49:33	46:34:29	51:40:21	55:54:25	59:31:57
3	03:12:03	07:15:39	12:10:21	17:49:57	23:40:15	29:25:51	35:10:51	41:01:15	46:45:57	51:50:21	56:02:39	59:39:03
4	03:19:09	07:23:53	12:20:21	18:01:25	23:51:57	29:37:21	35:22:21	41:12:57	46:57:25	52:00:21	56:10:53	59:46:09
5	03:26:15	07:32:07	12:30:21	18:12:53	24:03:39	29:48:51	35:33:51	41:24:39	47:08:53	52:10:21	56:19:07	59:53:15
6	03:33:21	07:40:21	12:40:21	18:24:21	24:15:21	30:00:21	35:45:21	41:36:21	47:20:21	52:20:21	56:27:21	00:00:21
7	03:41:35	07:50:21	12:51:49	18:36:03	24:26:51	30:11:51	35:57:03	41:47:49	47:30:21	52:28:35	56:34:27	00:07:27
8	03:49:49	08:00:21	13:03:17	18:47:45	24:38:21	30:23:21	36:08:45	41:59:17	47:40:21	52:36:49	56:41:33	00:14:33
9	03:58:03	08:10:21	13:14:45	18:59:27	24:49:51	30:34:51	36:20:27	42:10:45	47:50:21	52:45:03	56:48:39	00:21:39
10	04:06:17	08:20:21	13:26:13	19:11:09	25:01:21	30:46:21	36:32:09	42:22:13	48:00:21	52:53:17	56:55:45	00:28:45
11	04:14:31	08:30:21	13:37:41	19:22:51	25:12:51	30:57:51	36:43:51	42:33:41	48:10:21	53:01:31	57:02:51	00:35:51
12	04:22:45	08:40:21	13:49:09	19:34:33	25:24:21	31:09:21	36:55:33	42:45:09	48:20:21	53:09:45	57:09:57	00:42:57
13	04:30:59	08:50:21	14:00:37	19:46:15	25:35:51	31:20:51	37:07:15	42:56:37	48:30:21	53:17:59	57:17:03	00:50:03
14	04:39:13	09:00:21	14:12:05	19:57:57	25:47:21	31:32:21	37:18:57	43:08:05	48:40:21	53:26:13	57:24:09	00:57:09
15	04:47:27	09:10:21	14:23:33	20:09:39	25:58:51	31:43:51	37:30:39	43:19:33	48:50:21	53:34:27	57:31:15	01:04:15
16	04:55:41	09:20:21	14:35:01	20:21:21	26:10:21	31:55:21	37:42:21	43:31:01	49:00:21	53:42:41	57:38:21	01:11:21
17	05:03:55	09:30:21	14:46:29	20:33:03	26:21:51	32:06:51	37:54:03	43:42:29	49:10:21	53:50:55	57:45:27	01:18:27
18	05:12:09	09:40:21	14:57:57	20:44:45	26:33:21	32:18:21	38:05:45	43:53:57	49:20:21	53:59:09	57:52:33	01:25:33
19	05:20:23	09:50:21	15:09:25	20:56:27	26:44:51	32:29:51	38:17:27	44:05:25	49:30:21	54:07:23	57:59:39	01:32:39
20	05:28:37	10:00:21	15:20:53	21:08:09	26:56:21	32:41:21	38:29:09	44:16:53	49:40:21	54:15:37	58:06:45	01:39:45
21	05:36:51	10:10:21	15:32:21	21:19:51	27:07:51	32:52:51	38:40:51	44:28:21	49:50:21	54:23:51	58:13:51	01:46:51
22	05:45:05	10:20:21	15:43:49	21:31:33	27:19:21	33:04:21	38:52:33	44:39:49	50:00:21	54:32:05	58:20:57	01:53:57
23	05:53:19	10:30:21	15:55:17	21:43:15	27:30:51	33:15:51	39:04:15	44:51:17	50:10:21	54:40:19	58:28:03	02:01:03
24	06:01:33	10:40:21	16:06:45	21:54:57	27:42:21	33:27:21	39:15:57	45:02:45	50:20:21	54:48:33	58:35:09	02:08:09
25	06:09:47	10:50:21	16:18:13	22:06:39	27:53:51	33:38:51	39:27:39	45:14:13	50:30:21	54:56:47	58:42:15	02:15:15
26	06:18:01	11:00:21	16:29:41	22:18:21	28:05:21	33:50:21	39:39:21	45:25:41	50:40:21	55:05:01	58:49:21	02:22:21
27	06:26:15	11:10:21	16:41:09	22:30:03	28:16:51	34:01:51	39:51:03	45:37:09	50:50:21	55:13:15	58:56:27	02:29:27
28	06:34:29	11:20:21	16:52:37	22:41:45	28:28:21	34:13:21	40:02:45	45:48:37	51:00:21	55:21:29	59:03:33	02:36:33
29	06:42:43	11:30:21	17:04:05	22:53:27	28:39:51	34:24:51	40:14:27	46:00:05	51:10:21	55:29:43	59:10:39	02:43:39

दशमलग्नसारिणी (सभी देशों के लिए)

अयनांश- 24/06/00, निरक्षोदयमान- 279, 299, 322, 322, 299, 279

अंश/राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	03:44:08	08:39:08	13:56:32	19:18:32	24:22:08	29:05:08	33:44:08	38:39:08	43:56:32	49:18:32	54:22:08	59:05:08
1	03:53:26	08:49:06	14:07:16	19:29:16	24:32:06	29:14:26	33:53:26	38:49:06	44:07:16	49:29:16	54:32:06	59:14:26
2	04:02:44	08:59:04	14:18:00	19:40:00	24:42:04	29:23:44	34:02:44	38:59:04	44:18:00	49:40:00	54:42:04	59:23:44
3	04:12:02	09:09:02	14:28:44	19:50:44	24:52:02	29:33:02	34:12:02	39:09:02	44:28:44	49:50:44	54:52:02	59:33:02
4	04:21:20	09:19:00	14:39:28	20:01:28	25:02:00	29:42:20	34:21:20	39:19:00	44:39:28	50:01:28	55:02:00	59:42:20
5	04:30:38	09:28:58	14:50:12	20:12:12	25:11:58	29:51:38	34:30:38	39:28:58	44:50:12	50:12:12	55:11:58	59:51:38
6	04:39:56	09:38:56	15:00:56	20:22:56	25:21:56	30:00:56	34:39:56	39:38:56	45:00:56	50:22:56	55:21:56	00:00:56
7	04:49:14	09:48:54	15:11:40	20:33:40	25:31:54	30:10:14	34:49:14	39:48:54	45:11:40	50:33:40	55:31:54	00:10:14
8	04:58:32	09:58:52	15:22:24	20:44:24	25:41:52	30:19:32	34:58:32	39:58:52	45:22:24	50:44:24	55:41:52	00:19:32
9	05:07:50	10:08:50	15:33:08	20:55:08	25:51:50	30:28:50	35:07:50	40:08:50	45:33:08	50:55:08	55:51:50	00:28:50
10	05:17:08	10:18:48	15:43:52	21:05:52	26:01:48	30:38:08	35:17:08	40:18:48	45:43:52	51:05:52	56:01:48	00:38:08
11	05:26:26	10:28:46	15:54:36	21:16:36	26:11:46	30:47:26	35:26:26	40:28:46	45:54:36	51:16:36	56:11:46	00:47:26
12	05:35:44	10:38:44	16:05:20	21:27:20	26:21:44	30:56:44	35:35:44	40:38:44	46:05:20	51:27:20	56:21:44	00:56:44
13	05:45:02	10:48:42	16:16:04	21:38:04	26:31:42	31:06:02	35:45:02	40:48:42	46:16:04	51:38:04	56:31:42	01:06:02
14	05:54:20	10:58:40	16:26:48	21:48:48	26:41:40	31:15:20	35:54:20	40:58:40	46:26:48	51:48:48	56:41:40	01:15:20
15	06:03:38	11:08:38	16:37:32	21:59:32	26:51:38	31:24:38.	36:03:38	41:08:38	46:37:32	51:59:32	56:51:38	01:24:38
16	06:12:56	11:18:36	16:48:16	22:10:16	27:01:36	31:33:56	36:12:56	41:18:36	46:48:16	52:10:16	57:01:36	01:33:56
17	06:22:14	11:28:34	16:59:00	22:21:00	27:11:34	31:43:14	36:22:14	41:28:34	46:59:00	52:21:00	57:11:34	01:43:14
18	06:31:32	11:38:32	17:09:44	22:31:44	27:21:32	31:52:32	36:31:32	41:38:32	47:09:44	52:31:44	57:21:32	01:52:32
19	06:40:50	11:48:30	17:20:28	22:42:28	27:31:30	32:01:50	36:40:50	41:48:30	47:20:28	52:42:28	57:31:30	02:01:50
20	06:50:08	11:58:28	17:31:12	22:53:12	27:41:28	32:11:08	36:50:08	41:58:28	47:31:12	52:53:12	57:41:28	02:11:08
21	06:59:26	12:08:26	17:41:56	23:03:56	27:51:26	32:20:26	36:59:26	42:08:26	47:41:56	53:03:56	57:51:26	02:20:26
22	07:08:44	12:18:24	17:52:40	23:14:40	28:01:24	32:29:44	37:08:44	42:18:24	47:52:40	53:14:40	58:01:24	02:29:44
23	07:18:02	12:28:22	18:03:24	23:25:24	28:11:22	32:39:02	37:18:02	42:28:22	48:03:24	53:25:24	58:11:22	02:39:02
24	07:27:20	12:38:20	18:14:08	23:36:08	28:21:20	32:48:20	37:27:20	42:38:20	48:14:08	53:36:08	58:21:20	02:48:20
25	07:36:38	12:48:18	18:24:52	23:46:52	28:31:18	32:57:38	37:36:38	42:48:18	48:24:52	53:46:52	58:31:18	02:57:38
26	07:45:56	12:58:16	18:35:36	23:57:36	28:41:16	33:06:56	37:45:56	42:58:16	48:35:36	53:57:36	58:41:16	03:06:56
27	07:55:14	13:08:14	18:46:20	00:08:20	28:51:14	33:16:14	37:55:14	43:08:14	48:46:20	54:08:20	58:51:14	03:16:14
28	08:04:32	13:18:12	18:57:04	00:19:04	29:01:12	33:25:32	38:04:32	43:18:12	48:57:04	54:19:04	59:01:12	03:25:32
29	08:13:50	13:28:10	19:07:48	00:29:48	29:11:10	33:34:50	38:13:50	43:28:10	49:07:48	54:29:48	59:11:10	03:34:50

विक्रम संवत् 2076 (ई.सन् 2019-20) के मुहूर्त हेतु काल विवरण

विवाहादि मांगलिक कार्यो के लिये सौर चैत्र मास, सौर पौष मास, अधिमास, श्राद्ध-पक्ष, भीष्मपंचक, होलिकाष्टक एवं गुरु-शुक्र के अस्तकाल वर्जित कहे गये हैं। उपनयन संस्कार चैत्रमास में तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किये जा सकते हैं।

मीन राशि गत सूर्य - संवत् 2075 फाल्गुन शुक्ल 8 गुरुवार दिनाङ्क-14/03/2019 से प्रारम्भ होकर संवत् 2076 चैत्र शुक्ल अष्टमी शनिवार दिनाङ्क- 13/04/2019 तक तथा संवत् 2076 चैत्र कृष्ण 06 शनिवार दिनाङ्क 14/03/2020 से वर्षान्त तक सूर्य मीन राशि में रहेगा।

श्रीहरि-देवशयन-काल- संवत् 2076 आषाढ़ शुक्ल 11 शुक्रवार दिनाङ्क- 12/07/2019 से कार्तिक शुक्ल 11 शुक्रवार दिनाङ्क 08/11/2019 तक।

महालय (श्राद्धपक्ष)- संवत् 2076 आश्विन कृष्ण प्रतिपदा रविवार दिनाङ्क-15/09/2019 से आश्विन कृष्ण 30 शनिवार

दिनाङ्क 28/09/2019 तक रहेगा।

गुरु अस्तोदय- संवत् 2076 पौष कृष्ण 5 सोमवार दिनाङ्क

16/12/2019 को अस्त एवं माघ कृष्ण 2रविवार दिनाङ्क 12/01/2020 को उदित। उदय से 3 दिन पश्चात् बाल्यत्व दोष एवं अस्त से 3 दिन पहले वृद्धत्व दोष रहेगा।

धनु राशि गत सूर्य- संवत् 2076 पौष कृष्ण 5 सोमवार दिनाङ्क 16/12/2019 से माघ कृष्ण 4 मंगलवार दिनाङ्क 14/01/2020 तक रहेगी।

शुक्र अस्तोदय- संवत् 2076 श्रावण कृष्ण 5/6 सोमवार दिनाङ्क-22/07/2019 को अस्त एवं आश्विन शुक्ल 4 बुधवार दिनाङ्क 02/10/2019 को उदित। उदय से 3 दिन पश्चात् बाल्यत्व दोष एवं अस्त से 3 दिन पहले वृद्धत्व दोष रहेगा।

होलाष्टक- संवत् 2076 फाल्गुन शुक्ल 7 सोमवार दिनाङ्क 02/03/2020 से फाल्गुन शुक्ल 15 सोमवार दिनाङ्क 09/03/2020 तक रहेगा।

चन्द्रबलविचारः-

पापान्तः पापयुग्द्यूने पापाच्चन्द्रः शुभोऽप्यसत्।
शुभांशे वाधिमित्रांशे गुरुदृष्टोऽशुभोऽपि सत्।।

(मु.चि.गो.प्र.श्लोक ७)

भूमिशयनविचारः -

प्रद्योतनात्पंचनगांकसूर्यनवेन्दुषड्विंशमितेषु भेषु।
शेते मही नैव गृहं विधेयं तडागवापीखननं न शस्तम्।।

(वास्तुरत्नाकर ९/४२)

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2076 (ई.सन् 2019-20)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
16-04-2019	चैत्र	शुक्ल	12	मंगल	उ.फा.	मेष	धनु	सिंह	08	उ.फा. 26:04 से, ल. 11(चं.पू.)
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा./हस्त	मेष	धनु	कन्या	07	ल. 4, 10(श.पू.), 11(चं.पू.), 12 (चं.पू.)
18-04-2019	चैत्र	शुक्ल	14	गुरु	हस्त/चित्रा	मेष	धनु	कन्या	6	भद्रा 19:25 से ल.4, 10 श.पू., 11चं.पू., 12 चं.पू.
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा/स्वा.	मेष	धनु	तुला	06	भद्रा 06:01 तक, ल. 4, 10(श.पू.), 11, 12(चं.पू.)
21-04-2019	वैशाख	कृष्ण	3	रवि	अनुराधा	मेष	धनु	वृश्चिक	07	भद्रा 23:54 से, अनु. 16:33 से ल. 10 श.पू., 11, 12
22-04-2019	वैशाख	कृष्ण	3/4	सोम	अनुराधा	मेष	धनु	वृश्चिक	09	भद्रा 11:21 तक, ल. 4
23-04-2019	वैशाख	कृष्ण	4/5	मंगल	मूल	मेष	धनु	धनु	06	मूल 17:03 से, ल. 10(श.पू.), 11, 12
24-04-2019	वैशाख	कृष्ण	5/6	बुध	मूल	मेष	धनु	धनु	07	मूल 18:19 तक, ल. 4 (चं.पू.)
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	7/8	शुक्र	उ.षा./श्रव.	मेष	धनु	मकर	06	ल. 4(चं.पू.), 10(चं.शु.श.पू.), 11, 12
27-04-2019	वैशाख	कृष्ण	8/9	शनि	श्रवण/धनि.	मेष	धनु	मकर	07	रिक्ता तिथि दोष,ल. 4(चं.पू.),10(चं.शु.श.पू.)11,12
28-04-2019	वैशाख	कृष्ण	9/10	रवि	धनिष्ठा	मेष	धनु	मकर/कुं.	06	ल. 4(चं.पू.), 10(चं.शु.श.पू.),11,12
01-05-2019	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	उ.भा.	मेष	धनु	मीन	9	उ.भा. 10:56 से, ल. 4, 10(चं.शु.श.पू.), 11, 12
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा./रेव.	मेष	धनु	मीन	06	भद्रा 27:46 से, लग्न- 4, 10(चं.शु.श.पू.), 11, 12
03-05-2019	वैशाख	कृष्ण	14	शुक्र	रेव./अश्वि.	मेष	धनु	मीन/मेष	08	भद्रा 16:08 तक, ल. 4, 10(चं.शु.श.पू.), 11, 12
06-05-2019	वैशाख	शुक्ल	2	सोम	रोहिणी	मेष	धनु	वृष	09	रोहिणी 16:45 से, ल. 10(शु.श.पू.), 11, 12
07-05-2019	वैशाख	शुक्ल	3	मंगल	रो./मृग.	मेष	धनु	वृष/मि.	08	ल. 4, 10(शु.श.पू.), 11, 12
08-05-2019	वैशाख	शुक्ल	4	बुध	मृगशिरा	मेष	धनु	मिथुन	09	मृग. 16:06 तक, भद्रा 13:53 से, लग्न- 12
14-05-2019	वैशाख	शुक्ल	10/11	मंगल	उ.फा.	मेष	धनु	सिंह/क.	07	भद्रा 23:48 से, ल. 4, अभि., 10 (श.पू.)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	हस्त	वृष	धनु	कन्या	08	भद्रा 10:35 तक, संक्रान्ति ल. 4(चं.पू),10(श.पू.),11,12
17-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13/14	शुक्र	स्वाती	वृष	धनु	तुला	06	भद्रा 27:54 से, ल. 4, 10 (श.पू.),11,12
18-05-2019	वैशाख	शुक्ल	15	शनि	अनुराधा	वृष	धनु	वृश्चिक	07	अनुराधा 26:03 से, ल. 12
19-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	1	रवि	अनुराधा	वृष	धनु	वृश्चिक	06	ल. 4,5,10(श.पू.),11(शु.पू.),1(चं.पू.),2 (सू.बृ.पू.)
20-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	2	सोम	मूल	वृष	धनु	धनु	07	ल. 12, 1, 2 (सू.बृ.पू.)
21-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	3/4	मंगल	मूल	वृष	धनु	धनु	07	भद्रा 25:12 तक, ल. 12, 1, 2 (सू.बृ.पू.)
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	5/6	गुरु	उ.षा.	वृष	धनु	धनु/मक.	07	ल. (4,5चं.पू.)10(श.चं.पू),11(शु.पू),12,1,2(सू.बृ.पू.)
25-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	6/7	शनि	श्रव./धनि.	वृष	धनु	मकर/कुं.	09	भद्रा19:33तक,ल.10(श.पू)11(शु.चं.पू),12,1,2(सू.बृ.पू.)
26-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	7/8	रवि	धनिष्ठा	वृष	धनु	कुम्भ	07	धनि. 13:10 तक, ल. 4 (चंपू.), 5 (चं.पू.)
28-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	9	मंगल	उ.भा.	वृष	धनु	मीन	08	भद्रा 26:33 से, ल.10(श.पू),11(शु.चं.पू),
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा./रेव.	वृष	धनु	मीन	06	भद्रा15:31तक, ल.4,5(चं.पू.)10(श.पू),11(शु.चं.पू), 12(चं.पू.), 1(बृ.पू.), 2 (सू.बृ.पू.)
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेव./अश्वि.	वृष	धनु	मीन/ मेष	07	ल.4,5(चं.पू.)10(श.पू),11(शु.चं.पू),12(चं.पू.),1(बृ.पू.), 2(सू.बृ.पू.)
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12/13	शुक्र	अश्विनी	वृष	धनु	मेष	07	अश्वि. 24:26तक, ल.4,5(चं.पू.)10(श.पू),11(शु.चं.पू)
04-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	1	मंगल	मृग.	वृष	वृश्चिक	वृष/मिथु.	07	ल. 4, 5, 10(श.पू), 11(शु.पू),1(बृ.पू.), 2 (सू.बृ.पू.)
10-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	8	सोम	उ.फा.	वृष	वृश्चिक	सिंह/क.	08	ल. 4, 5(चं.पू.), 6(मं.पू.), 7(सू.शु.पू.), 10(श.पू), 11(चं.पू), 12(चं.शु.पू.), 1(बृ.पू.), 2(सू.बृ.पू.)
11-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	9	मंगल	उ.फा./हस्त	वृष	वृश्चिक	कन्या	09	रिक्तातिथि दोष ल.4, 5(चं.पू.), 6(मं.पू.), 7(सू.शु.पू.), 10(श.पू),11(चं.पू),12(चं.शु.पू.),1(बृ.पू.) 2(सू.बृ.पू.)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त/चि.	वृष	वृश्चिक	कन्या/तु.	06	ल. 4, 5(चं.पू.), 6(मं.पू.), 7(सू.शु.पू.), 10(श.पू), 11(चं.पू), 12(चं.शु.पू.), 1(बृ.पू.), 2 (सू.बृ.पू.)
13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा/स्वा.	वृष	वृश्चिक	तुला	08	भद्रा16:39तक,ल.10(श.पू),11,12(चं.शु.पू.),1(चं.बृ.पू.).
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वाती	वृष	वृश्चिक	तुला	08	मृत्युबाण, स्वाती 10:12 तक, ल. 4, 5
15-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	शनि	अनुराधा	वृष	वृश्चिक	वृश्चिक	08	ल.6(मं.पू.),7(सू.शु.पू.),10(श.पू),11,12(शु.पू.),1बृ.चं.पू.
16-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	14	रवि	अनुराधा	मिथुन	वृश्चिक	वृश्चिक	08	भद्रा 13:57 से 25:57 तक, ल. 4, 5
19-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	2	बुध	उ.षा.	मिथुन	वृश्चिक	धनु/मक.	08	भद्रा28:11से, ल.7(शु.मं.पू.),11,12(शु.पू.),1(बृ.पू.)
20-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	3	गुरु	उ.षा./श्रव.	मिथुन	वृश्चिक	मकर	06	भद्रा16:57तक, ल.4(चं.मं.पू.)5(चं.पू.),6,7(शु.मं.पू.)11, 12(शु.पू.), 1(बृ.पू.)
22-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	5	शनि	धनिष्ठा	मिथुन	वृश्चिक	कुम्भ	06	ल. 4(चं.मं.पू.) 5(चं.पू.), 6,7 (शु.मं.पू.)
24-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	7	सोम	उ.भा.	मिथुन	वृश्चिक	मीन	07	उ.भा. 27:05 से, ल.1(बृ.पू.), 2(बृ.श.के.पू.)
25-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	8	मंगल	उ.भा.	मिथुन	वृश्चिक	मीन	07	ल.1(बृ.पू.),2(बृ.श.के.पू.),4(बु.मं.पू.)5(चं.पू.),6(चं.पू.), 7 (शु.मं.चं.पू.),11, 12(शु.पू.)
26-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	9	बुध	उ.भा./रेव.	मिथुन	वृश्चिक	मीन	06	मृत्युबाण,ल.1(बृ.पू.),2(बृ.श.के.पू.),4(बु.मं.पू.),5(चं.पू.), 6(चं.पू.),7(शु.मं.चं.पू.),11, 12(शु.पू.)
28-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	10	शुक्र	अश्विनी	मिथुन	वृश्चिक	मेष	06	भद्रा 06:38 तक, ल. 4(बु.मं.पू.), 5
30-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	12/13	रवि	रोहिणी	मिथुन	वृश्चिक	वृष	07	भद्रा28:51से, ल.6,7(मं.चं.पू.),11,12,1(बृ.शु.पू.)
01-07-2019	आषाढ़	कृष्ण	14	सोम	रो./मृग.	मिथुन	वृश्चिक	वृष/ मिथुन	07	भद्रा 16:12 तक, ल. 4 (मं. पू.), 5
07-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	05	रवि	उ.फा.	मिथुन	वृश्चिक	सिंह/क.	09	ल. 11(च.पू.), 12 (चं. पू.)
08-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	06	सोम	उ.फा./ह.	मिथुन	वृश्चिक	कन्या	08	ल. 4(मं.पू.),5,6(चं.पू.) 7, 11(च.पू.), 12(चं.पू.)
09-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	07/08	मंगल	हस्त/चि.	मिथुन	वृश्चिक	क./तुला	06	भद्रा16:13तक,ल.4(मं.पू.),5,6(चं.पू.)7,11च.पू.,12चं.पू.

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
10-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	09	बुध	चित्रा/स्वा.	मिथुन	वृश्चिक	तुला	09	ल. 4 (मं.पू.), 5, 6 7(चं.पू.), 11, 12 (चं.पू.)
11-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	10	गुरु	स्वाती	मिथुन	वृश्चिक	तुला	08	ल. 4 (मं. पू.), 5, 6 7(च.पू.)
12-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	11	शुक्र	अनुराधा	मिथुन	वृश्चिक	वृश्चिक	09	भद्रा 24:08 तक, ल. विचारणीय
21-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	9	गुरु	उ.फा.	वृश्चिक	धनु	सिंह/क.	08	भद्रा 22:18 से, ल. 4
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10/11	शुक्र	उ.फा./ह.	वृश्चिक	धनु	कन्या	07	भद्रा9:3तक,ल.4,5,6चं.पू.,7श,मं.पू.,11चं.पू.,12 मं.बु.चं.पू.
23-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	शनि	हस्त/चि.	वृश्चिक	धनु	कन्या	07	ल. 4, 5, 6, 7(श,मं.पू.), 11
24-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	रवि	चित्रा/स्वा.	वृश्चिक	धनु	तुला	07	भद्रा 25:01 से, ल. 4, 5, 6, 7(श,मं.पू.), 11
28-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	2	गुरु	मूल	वृश्चिक	धनु	धनु	06	ल.11,12(मं.बु.पू.),गोधूलि,4(चं.पू.) 5,6,7(मं.पू.)
29-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	शुक्र	मूल	वृश्चिक	धनु	धनु	07	ल. विचारणीय
30-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	4	शनि	उ.षा.	वृश्चिक	धनु	धनु/मक.	07	भद्रा17:49तक, ल.गोधूलि,4(चं. पू.), 5, 6, 7(मं.शु.पू.)
1-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5	रवि	उ.षा./श्रव.	वृश्चिक	धनु	मकर	08	ल.10(मं.श.पू.),11,12(मं.पू.),गोधूलि,4(चं.पू.) 5(चं.पू.), 6, 7 (शु.मं.पू.), 8(सू.पू.)
2-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	सोम	श्रव./धनि.	वृश्चिक	धनु	मक./कुं.	07	ल.10(मं.श.पू.),11(चं.पू.),12(मं.पू.),गोधूलि, 4(चं.पू.), 5(चं.पू.),6,7(शु.मं.पू.),8(सू.पू.)
3-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	मंगल	धनिष्ठा	वृश्चिक	धनु	कुम्भ	08	ल. अभि., 10(मं.श.पू.),11, 12(मं.पू.), 1
5-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	9	गुरु	उ.भा.	वृश्चिक	धनु	मीन	09	ल.4, 5(चं.पू.),6(चं.पू.), 7(शु.मं. चं.पू.), 8 (सू.बु.पू.)
6-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा./रेव.	वृश्चिक	धनु	मीन	07	मृत्युबाण, ल. 4, 5(चं.पू.), 6 (चं.पू.), 7(शु.मं. चं.पू.), 8(सू.बु.पू.),10(श.पू.),11
7-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेव./अश्वि.	वृश्चिक	धनु	मीन/मेष	04	भद्रा 19:42 से, ल.4,5(चं.पू.),6(चं.पू.),7(शु.मं. चं.पू.), 8(सू.बु.चं.पू.),10(श.पू.),11
8-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	रवि	अश्विनी	वृश्चिक	धनु	मेष	08	भद्रा08:38तक,ल.4,5(चं.पू.),6(चं.पू.),7(शु.मं.चं.पू.)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
11-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	14	बुध	रोहिणी	वृश्चिक	धनु	वृष	07	भद्रा22:52तक, ल. 5, 6, 10 (श.मं.पू.),11,12(मं.पू.)
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृगशिरा	वृश्चिक	धनु	वृष/मिथुन	07	ल. 5, 6, 10 (श.मं.पू.),11,12(मं.पू.)
15-01-2020	माघ	कृष्ण	5	बुध	उ.फा.	मकर	धनु	सिंह/क.	09	ल.11चं.मं.पू.,12चं.पू.,1चं.मं.पू., 5शु.पू.,6चं.शु.पू., 7
16-01-2020	माघ	कृष्ण	6	गुरु	हस्त	मकर	धनु	कन्या	08	मृत्युबाण,भद्रा20:34तक, ल.11चं.मं.पू.,12चं.पू.,1चं.मं.पू., 5(शु.पू.),6(चं.शु.पू.),7
17-01-2020	माघ	कृष्ण	7/8	शुक्र	चित्रा	मकर	धनु	तुला	6	ल.11(चं.मं.पू.),12(चं.पू.),1(चं.मं.पू.)5(शु.पू.),6,7चं.पू.
18-01-2020	माघ	कृष्ण	9	शनि	स्वाती	मकर	धनु	तुला	6	ल.11(चं.मं.पू.),12(चं.पू.),1(चं.मं.पू.)5(शु.पू.),6,7चं.पू.
19-01-2020	माघ	कृष्ण	10	रवि	अनुराधा	मकर	धनु	वृश्चिक	6	भद्रा 26:29 तक, ल. विचारणीय
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनुराधा	मकर	धनु	वृश्चिक	08	ल.11(मं.पू.),12, 1(चं.मं.पू.) 5 (शु.पू.), 6(शु.पू.),
21-01-2020	माघ	कृष्ण	12	मंगल	मूल	मकर	धनु	धनु	06	ल. 6(शु.पू.), 7, 8 (मं.पू.)
22-01-2020	माघ	कृष्ण	13	बुध	मूल	मकर	धनु	धनु	08	भद्रा 25:33से ल.11मं.पू.12,1चं.मं.पू.,5शु.पू.,6शु.पू.
25-01-2020	माघ	शुक्ल	1	शनि	श्रव./धनि.	मकर	धनु	मकर	07	मृत्युबाण,ल.11श.मं.पू.,12,1मं.पू.,5शु.पू.,6शु.पू.,7, 8मं.पू.
26-01-2020	माघ	शुक्ल	2	रवि	धनिष्ठा	मकर	धनु	मकर/कुं.	08	ल.11(श.मं.पू.),12,1(मं.पू.),5(शु.पू.),6(शु.पू.),7,8मं.पू.
29-01-2020	माघ	शुक्ल	4	बुध	उ.भा.	मकर	धनु	मीन	09	भद्रा10:40तक,ल.1(मं.पू.),(5, 6शु.चं.पू.),7चं.पू., 8मं.पू.
30-01-2020	माघ	शुक्ल	5	गुरु	उ.भा./रेव.	मकर	धनु	मीन	08	ल.11श.मं.पू.,12चं.पू.,5शु.चं.पू.,6चं.शु.पू.,7चं.पू.,8मं.पू.
31-01-2020	माघ	शुक्ल	6	शुक्र	रेव./अश्वि.	मकर	धनु	मीन/मे.	08	ल.11(श.मं.पू.),12(चं.पू.),5(शु.चं.पू.),6 (बु.चं.शु.पू.), 7(चं.पू.), 8(मं.चं.पू.)
01-02-2020	माघ	शुक्ल	7	शनि	अश्विनी	मकर	धनु	मेष	06	भद्रा 18:18 से, ल. 11(श.मं.पू.),12
04-02-2020	माघ	शुक्ल	10	मंगल	रो./मृग.	मकर	धनु	वृष	07	ल.11(श.मं.पू.),12, 1(मं.पू.),5(बु.शु.पू.),6(चं.शु.बु.पू.), 7(चं.शु.पू.), 8(मं.चं.पू.)
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृगशिरा	मकर	धनु	वृष/मि.	07	भद्रा21:53तकल.11श.मं.पू.,12,6शु.बु.पू.,7चं.शु.पू.,8मं.चं.पू.

11-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	3	मंगल	उ.फा.	कुम्भ	धनु	सिंह/क.	09	भद्रा 26:54 तक, ल. विचारणीय
16-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	8	रवि	अनुराधा	कुम्भ	धनु	वृश्चिक	6	ल. 12(चं.पू.), 1 (चं.पू.), 6(शु.पू.), 7(चं.शु.पू.), 8
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	उ.षा./श्रव.	कुम्भ	धनु	मकर	7	भद्रा30:08तक, ल. 12(मं.पू.), 1
22-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	14	शनि	श्रव./धनि.	कुम्भ	धनु	मकर/कुं.	7	ल. 12(मं.पू.), 1, 6(शु.पू.), 7(शु.पू.), 8
25-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	2	मंगल	उ.भा.	कुम्भ	धनु	मीन	06	उ.भा. 19:04 से, लग्न- 6(शु.चं.पू.), 7(शु.चं.पू.), 8, 10 (श.शुपू.)
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा./रेव.	कुम्भ	धनु	मीन	07	ल.12(मं.पू.),1,6(शु.चं.पू.),7(शु.चं.पू.),8,10(श.शु.पू.)
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	5	शुक्र	अश्विनी	कुम्भ	धनु	मेष	06	ल.12(मं.पू.),1(चं.पू.),6(शु.चं.पू.),7(शु.चं.पू.),8(चं.पू.)
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	2/3	बुध	हस्त/चि.	कुम्भ	धनु	क./तुला	08	ल.12(मं.पू.),1(चं.मं.पू.),5(सू.बु.पू.),6(चं.शु.पू.), 7(शु.पू.), 8(शु.पू.)

त्रिगर्त (जम्मू-कश्मीर, हिमाचल एवं पंजाब) के लिए विशेष विवाह मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
02-10-2019	आश्विन	शुक्ल	04	बुध	अनु.	कन्या	वृश्चिक	वृश्चिक	08	ल. गोधू., 1, 2, 3, 4, 5
04-10-2019	आश्विन	शुक्ल	06	शुक्र	मूल	कन्या	वृश्चिक	धनु	07	ल. गोधू., 3, 4, 5
08-10-2019	आश्विन	शुक्ल	10	मंगल	श्रव.	कन्या	वृश्चिक	मकर	07	ल. गोधू., 3, 4, 5
09-10-2019	आश्विन	शुक्ल	11	बुध	धनि.	कन्या	वृश्चिक	कुम्भ	09	ल. गोधू., 3
13-10-2019	आश्विन	शुक्ल	15	रवि	रेव.	कन्या	वृश्चिक	मीन	05	ल. 3, 4, 5
14-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	01	सोम	अश्वि.	कन्या	वृश्चिक	मेष	06	ल. गोधू., 3, 4, 5
18-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	04	शुक्र	रोहि.	तुला	वृश्चिक	वृष	07	ल. गोधू., 3, 4, 5
23-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	10	बुध	मघा	तुला	वृश्चिक	सिंह	08	ल. 4, 5

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
25-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	12	शुक्र	उ.फा.	तुला	वृश्चिक	कन्या	07	ल. विचारणीय
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनु.	तुला	वृश्चिक	वृश्चिक	08	ल. 08, 11, 12
31-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	04	गुरु	मूल	तुला	वृश्चिक	धनु	08	ल. विचारणीय
01-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	05	शुक्र	मूल	तुला	वृश्चिक	धनु	09	ल. विचारणीय
05-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	09	मंगल	धनि.	तुला	धनु	कुम्भ	07	ल. गोधू.
08-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	11	शुक्र	उ.भा.	तुला	धनु	मीन	08	ल. गोधू., 4, 5, 6
09-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	12	शनि	रेव.	तुला	धनु	मीन	07	ल. गोधू., 4, 5, 6
10-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	13	रवि	अश्वि.	तुला	धनु	मेष	10	ल. गोधू., 4, 5, 6
11-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	14	सोम	अश्वि.	तुला	धनु	मेष	09	ल. विचारणीय
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहि.	तुला	धनु	वृष	09	ल. गोधू., 4, 5, 6

गोधूलि प्रशंसा

ऋषि मुनियों ने गोधूलि वेला सभी प्रकार के विवाहादि मंगल कार्यों में शुभ कही गयी है। गोधूलि वेला में पञ्चांग शुद्धि एवं लग्न शुद्धि का विचार नहीं करना चाहिए। यथा -

नास्यामृक्षं न तिथि-करणं नैव लग्नस्य चिंता
नो वा वारो न च लवविधिर्नो मुहूर्तस्य चर्चा।
नो वा योगो न मृतिभवनं नैव जामित्रदोषो
गोधूलिः सा मुनिभिरुदिता सर्वकार्येषु शस्ता॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 100)

विशेष - प्रशस्त गोधूलि लग्न का आवश्यक होने पर मुहूर्ताभाव में उपयोग करना चाहिये। अन्यथा शुद्धि देखते हुये विवाह करना प्रशस्त होता है। नारद के मतानुसार कुछ विशिष्ट स्थानों पर गोधूलि का उपयोग करना चाहिये। यथा-

प्राच्यानां च कलिंगानां मुख्यं गोधूलिकं स्मृतं।
गान्धर्वादिविवाहेषु वैश्योद्वाहे च योजयेत्॥

गोधूलि लक्षणं

हेमन्तऋतु अर्थात् मार्गशीर्ष पौष माघ फाल्गुन मासों में जब सूर्य बिम्ब निस्तेज गोलक के समान हो जाता है उस समय गोधूलि लग्न होता है। ग्रीष्मऋतु अर्थात् चैत्र वैशाख ज्येष्ठ आषाढ़ मासों में सूर्य बिम्ब का आधा भाग अस्त होने पर तथा वर्षाऋतु अर्थात् श्रावण भाद्रपद आश्विन कार्तिक मासों में सम्पूर्ण बिम्ब के अस्त होने पर गोधूलि लग्न होता है। इस प्रकार ऋतु भेद से तीन प्रकार की गोधूलि लग्न कहा गया है। इसका सभी प्रकार के शुभ कार्यों में उपयोग करना शुभकारक होता है। यथा -

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्तर्तौ स्यादर्धास्ते तपसमये गोधूलिः।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 101)

गोधूलि में त्याज्य

गुरुवार के दिन सूर्यास्त के बाद एवं शनिवार के दिन सूर्यास्त से पूर्व गोधूलि वेला शुभ कही गयी है। गोधूलि काल में विवाह लग्न से अष्टम षष्ठ और लग्न में यदि चन्द्रमा हो तो कन्या के लिये कष्टप्रद होता है। लग्न सप्तम् और अष्टं भाव में मंगल हो तो वर के लिये कष्टप्रद होता है। एकादश द्वितीय एवं तृतीय भाव में स्थित चन्द्रमा सुख कारक होता है। यथा-

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।
कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 102)

वधुप्रवेश मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.	
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा.	भद्रा 27.46 से
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	गुरु	उ.षा.	
22-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	05	शनि	धनिष्ठा	
04-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	
17-07-2019	श्रावण	कृष्ण	01	बुध	उ.षा.	
18-07-2019	श्रावण	कृष्ण	02	गुरु	श्रवण	
28-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	01	सोम	स्वाती	
04-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	08	सोम	श्रवण	
15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	शुक्र	मृग.	भद्रा 19.54 तक
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	सोम	पुष्य	भद्रा 17:20 से
19-12-2019	पौष	कृष्ण	08	गुरु	उ.फा.	
02-01-2020	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	भद्रा 20:58 से
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सेम	अनुराधा	
25-01-2020	माघ	शुक्ल	01	शनि	श्रवण	
01-02-2020	माघ	शुक्ल	07	शनि	अश्वि.	भद्रा 18:18 से

द्विरागमन मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.	भद्रा 06:01 तक
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा	भद्रा 11:21 तक
22-04-2019	वैशाख	शुक्ल	03	सोम	अनु.	
24-04-2019	वैशाख	शुक्ल	05	बुध	मूल	
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.	
29-04-2019	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	शत.	भद्रा 08:51 से 22:10
01-05-2019	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	उ.भा.	उ.भा. 10:56 से
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उभा/रेव	भद्रा 27:46 से
06-05-2019	वैशाख	शुक्ल	02	बुध	रोहिणी	रोहिणी 16:45 से
09-05-2019	वैशाख	शुक्ल	05	गुरु	पुनर्वसु	पुनर्वसु 15:23 से
10-05-2019	वैशाख	शुक्ल	06	शुक्र	पुन./पुष्य	
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	सोम	पुष्य	भद्रा 17:20 से 28:33
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 09:03 तक
27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	बुध	अनुराधा	
28-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	02	गुरु	मूल	मूल 07:35 तक
29-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	03	शुक्र	मूल	मूल 07:34 तक
02-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	सोम	श्रव/धनि	
04-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	08	बुध	शत.	भद्रा 12:14 तक
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	सोम	मृग.	पूर्णिमा 10:44 तक
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	हस्त	कुम्भ संक्रान्ति
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	06	शुक्र	चि./स्वा	भद्रा 18:07 से 29:11

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
20-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	12	गुरु	उ.षा.	
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	उ.षा./श्रव.	भद्रा 17:18 से
24-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	01	सोम	शत.	
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
28-02-20200	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि.	
02-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	07	सोम	रोहि.	भद्रा 12:59 से
06-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	12	शुक्र	पुष्य	भद्रा 11:53 तक
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	02	बुध	हस्त	भद्रा 25:42 से
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	05	शुक्र	स्वाती	पञ्चमी 08:48 से

लग्नशुद्धि--2, 3, 6, 7, 12 लग्नों में। जन्मराशि से रवि व गुरुशुद्धि आवश्यक।

प्रसूता स्नान हेतु प्रशस्त मुहूर्त

07-04-2019	चैत्र	शुक्ल	2	रवि	अश्वि.	अश्विनी 8:47 तक
07-05-2019	वैशाख	शुक्ल	3	भौम	रोहि./मृग	
19-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	1	रवि	अनु.	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	5	गुरु	उ.षा.	
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	
04-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	7	रवि	पू.फा.	पू.फा. 15:50 से
11-07-2019	आषाढ	शुक्ल	10	गुरु	स्वा./विशा.	
28-07-2019	श्रावण	कृष्ण	11	रवि	रोहिणी	
13-08-2019	श्रावण	शुक्ल	13	भौम	उ.षा.	
20-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	5	भौम	रेवती	
03-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	5	भौम	स्वाती	स्वाती 6:25 से
05-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	7	गुरु	अनु.	भद्रा 20:23 से
29-09-2019	आश्विन	शुक्ल	1	रवि	हस्त	हस्त 19:14 तक
01-10-2019	आश्विन	शुक्ल	3	भौम	स्वा.	स्वाती 14:13 तक
03-10-2019	आश्विन	शुक्ल	5	गुरु	अनु./ज्ये.	
15-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	1	सोम	रेवती	
03-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	7	रवि	उ.ज्ञा.	
10-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	13	रवि	रेवती	
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहिणी	
1-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	रवि	उ.षा.	उ.षा. 09:35 तक
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग.	
24-12-2019	पौष	कृष्ण	13	भौम	अनु.	भद्रा 12:15 से
02-01-2020	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	
05-01-2020	पौष	शुक्ल	10	रवि	अश्वि.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	5	गुरु	उ.भा.	
04-02-2020	माघ	शुक्ल	10	भौम	रोहिणी	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	5	गुरु	हस्त	हस्त 9:24 तक
10-03-2020	चैत्र	कृष्ण	1	भौम	उ.फा.	
15-03-2020	चैत्र	कृष्ण	7	रवि	अनु.	
19-03-2020	चैत्र	कृष्ण	11	गुरु	उ.षा.	उ.षा. 14:45 तक

प्रसूता स्नान हेतु मध्यम मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
12-04-2019	चैत्र	शुक्ल	7	शुक्र	पुनर्वसु	पुनर्वसु 9:59 से
14-04-2019	चैत्र	शुक्ल	10	रवि	आश्ले.	दशमी 9:41 से
15-04-2019	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	आश्ले.	आश्ले. 06:03 तक
21-04-2019	वैशाख	कृष्ण	2	रवि	विशा.	
22-04-2019	वैशाख	कृष्ण	3	सोम	अनु.	अनुराधा 6:33 तक
23-04-2019	वैशाख	कृष्ण	5	भौम	ज्ये.	पंचमी 11:00 से
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	7	शुक्र	उ.षा.	
29-04-2019	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	शत.	भद्रा 8:51 से
30-04-2019	वैशाख	कृष्ण	11	भौम	शत/पू.भा.	
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा.	उ.भा. 13:08 तक
06-05-2019	वैशाख	शुक्ल	2	सोम	रोहि.	रोहिणी 16:45 से
07-05-2019	वैशाख	शुक्ल	3	भौम	मृग.	
14-05-2019	वैशाख	शुक्ल	10	भौम	पू.फा.	
17-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	स्वा.	स्वाती 06:06 तक
19-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	1	रवि	अनु.	
20-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	2	सोम	ज्येष्ठा	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	5	गुरु	उ.षा.	
26-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	रवि	धनि/शत.	
09-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	7	रवि	पू.फा.	पू.फा. 15:50 से
13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	स्वा.	स्वाती 10:50 से
17-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	15	सोम	ज्ये.	ज्येष्ठा 10:42 तक
18-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	1	भौम	पू.षा.	पू.षा. 11:48 से
20-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	3	गुरु	उ.षा.	उ.षा. 15:30 तक
24-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	7	सोम	पू.भा.	भद्रा 13:00 तक
28-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	10	शुक्र	अश्वि.	भद्रा 6:38तक
30-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	13	रवि	रोहिणी	रोहिणी 10:03 से
05-07-2019	आषाढ	शुक्ल	3	शुक्र	आश्ले.	तृतीया 16:10 तक
07-07-2019	आषाढ	शुक्ल	5	भौम	पू.फा.	
11-07-2019	आषाढ	शुक्ल	10	गुरु	स्वा/विशा.	
12-07-2019	आषाढ	शुक्ल	11	शुक्र	विशा	भद्रा 12:22 से
14-07-2019	आषाढ	शुक्ल	13	रवि	ज्ये.	ज्येष्ठा 17:18 तक
16-07-2019	आषाढ	शुक्ल	15	भौम	पू.षा.	भद्रा 14:13 तक
19-07-2019	श्रावण	कृष्ण	2	शुक्र	धनि.	भद्रा 19:59 से
22-07-2019	श्रावण	कृष्ण	5	सोम	पू.भा.	
28-07-2019	श्रावण	कृष्ण	11	रवि	रोहिणी	
02-08-2019	श्रावण	शुक्ल	2	शुक्र	आश्ले.	आश्लेषा 9:30 तक
05-08-2019	श्रावण	शुक्ल	5	सोम	हस्त	
13-08-2019	श्रावण	शुक्ल	13	भौम	उ.षा.	
15-08-2019	श्रावण	शुक्ल	15	गुरु	धनि.	धनिष्ठा 08:04 से
16-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	1	शुक्र	धनि/शत.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण	दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
18-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	3	रवि	पू.भा.	भद्रा 11:56 से	08-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	रवि	अश्वि.	एकादशी 8:34 तक
20-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	5	भौम	रेवती		16-12-2019	पौष	कृष्ण	5	सोम	आश्ले.	
08-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	10	रवि	पू.षा.	पू.षा. 6:31 से	22-12-2019	पौष	कृष्ण	11	रवि	स्वा.	
09-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	11	सोम	उ.षा.	भद्रा 11:20 से	27-12-2019	पौष	शुक्ल	1	शुक्र	पू.षा.	
30-09-2019	आश्विन	शुक्ल	2	सोम	स्वा.	स्वाती 16:22 से	31-12-2019	पौष	शुक्ल	5	भौम	शत.	
11-10-2019	आश्विन	शुक्ल	13	शुक्र	पू.भा.		12-01-2020	माघ	कृष्ण	2	रवि	आश्ले.	आश्लेपा 11:54 से
13-10-2019	आश्विन	शुक्ल	15	रवि	रेव.	भद्रा 13:46 तक	19-01-2020	माघ	कृष्ण	10	रवि	विशा.	
14-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	1	सोम	रेव.	रेवती 10:21 तक	20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु.	
24-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	11	गुरु	पू.फा.	पू.फा. 13:26 से	26-01-2020	माघ	शुक्ल	2	रवि	धनि.	
28-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	1	सोम	स्वा.	प्रतिपदा 09:09 से	27-01-2020	माघ	शुक्ल	3	सोम	शत.	
29-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	2	भौम	विशा.		09-02-2020	माघ	शुक्ल	15	रवि	आश्ले.	
07-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शत.		11-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	3	भौम	पू.फा.	भद्रा 16:37 से
15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	शुक्र	मृग.	भद्रा 7:58 से	21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	उ.षा.	उ.षा 9:15 तक
19-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	7	भौम	आश्ले.		24-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	1	सोम	शत.	
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	शुक्र	उ.फा.		25-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	2	भौम	पू.भा.	
24-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	रवि	स्वा.	स्वाती 12:46 से	02-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	7	सोम	रोहि.	रोहिणी 8:59 से
28-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	2	गुरु	ज्ये.	ज्येष्ठा 7:35 तक	09-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	15	सोम	पू.फा.	
29-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	शुक्र	पू.षा.	पू.षा. 07:34 से	12-03-2020	चैत्र	कृष्ण	3	गुरु	स्वा.	स्वाती 16:08 से
03-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	भौम	धनि.		13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	5	शुक्र	स्वा.	पंचमी 8:49 से
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.		22-03-2020	चैत्र	कृष्ण	13	रवि	शत.	

नामकरण संस्कार मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
07-04-2019	चैत्र	शुक्ल	2	रवि	अश्वि.	अश्विनी 08:47 तक
10-04-2019	चैत्र	शुक्ल	5	बुध	रोहिणी	रोहिणी 10:38 तक
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.	
22-04-2019	वैशाख	कृष्ण	3	सोम	अनु.	तृतीया 11:21 तक
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	7	शुक्र	उ.षा.	सप्तमी 14:32 तक
29-04-2019	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	शत.	भद्रा 8:51 से 22:10
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा.	उ.भा. 13:08 तक
10-05-2019	वैशाख	शुक्ल	6	शुक्र	पुन.	
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	उ.फा.	भद्रा 10:35 तक
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	हस्त	
19-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	1	रवि	अनु.	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	5	गुरु	उ.षा.	
24-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	6	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 07:26 तक
26-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	रवि	धनिज़्ठा	
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.	भद्रा 15:31 तक
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	गुरु	पुन.	तृतीया 9:56 तक
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा.	स्वाती 10:12 तक
28-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	10	शुक्र	अश्वि.	भद्रा 06:38 तक
04-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	2	गुरु	पुष्य	
11-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	10	गुरु	स्वा.	
17-07-2019	श्रावण	कृष्ण	1	बुध	उ.षा.	
18-07-2019	श्रावण	कृष्ण	2	गुरु	श्रवण	
19-07-2019	श्रावण	कृष्ण	2/3	शुक्र	धनि.	
24-07-2019	श्रावण	कृष्ण	7	बुध	रेवती	
28-07-2019	श्रावण	कृष्ण	11	रवि	रोहि.	
01-08-2019	श्रावण	शुक्ल	1	गुरु	पुष्य	पुष्य 8/42 से
05-08-2019	श्रावण	शुक्ल	5	सोम	हस्त	
07-08-2019	श्रावण	शुक्ल	7	बुध	स्वा.	भद्रा 11:32 से
16-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	1	शुक्र	धनि.	
28-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	13	बुध	पुष्य	
01-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	2	रवि	उ.फा.	
05-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	7	गुरु	अनु.	
11-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	13	बुध	श्रव.	
29-09-2019	आश्विन	शुक्ल	1	रवि	हस्त	
30-09-2019	आश्विन	शुक्ल	2	सोम	चित्रा	
03-10-2019	आश्विन	शुक्ल	5	गुरु	अनु.	अनुराधा 12:02 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
10-10-2019	आश्विन	शुक्ल	12	गुरु	शत.	
14-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	1	सोम	रेवती	
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	2	बुध	अनु.	
03-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	7	रवि	उ.षा.	
07-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शत.	शतभिषा 9:15 तक
10-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	13	रवि	रेवती	त्रयोदशी 16:42 तक
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	गुरु	रोहि.	
17-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	5	रवि	पुन.	
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 09:03 तक
24-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	रवि	चित्रा	
27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	1	बुध	अनु.	
01-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5	रवि	उ.षा.	
02-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	सोम	श्रव.	
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
08-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	रवि	अश्वि.	भद्रा 08:34 तक
22-12-2019	पौष	कृष्ण	11	रवि	स्वाती	
29-12-2019	पौष	शुक्ल	3	रवि	श्रवण	
02-01-2020	पौष	शुक्ल	7	गुरु	उ.भा.	
05-01-2020	पौष	शुक्ल	10	रवि	अश्वि.	अश्विनी 12:35 तक
08-01-2020	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहि.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
12-01-2020	माघ	कृष्ण	2	रवि	पुष्य	पुष्य 11:54 तक
15-01-2020	माघ	कृष्ण	5	बुध	उ.फा.	
16-01-2020	माघ	कृष्ण	6	गुरु	हस्त	भद्रा 9:42 से
17-01-2020	माघ	कृष्ण	7	शुक्र	चित्रा	सप्तमी 7:27 तक
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु.	
26-01-2020	माघ	शुक्ल	2	रवि	धनि.	
27-01-2020	माघ	शुक्ल	3	सोम	शत.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	5	गुरु	उ.भा.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	6	शुक्र	रेव.	
07-02-2020	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुन.	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	5	गुरु	हस्त	
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	6	शुक्र	चित्रा	
20-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	12	गुरु	उ.षा.	उ.षा. 07:30 से
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	उ.षा./श्रव.	
24-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	1	सोम	शत.	
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा.	
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	5	शुक्र	अश्वि.	
06-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	11	शुक्र	पुन.	भद्रा 11:53 तक
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	2	बुध	हस्त	
12-03-2020	चैत्र	कृष्ण	3	गुरु	चित्रा	भद्रा 11:55 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	5	शुक्र	स्वा.	पंचमी 8:48 से
19-03-2020	चैत्र	कृष्ण	11	गुरु	उ.षा.	
20-03-2020	चैत्र	कृष्ण	12	शुक्र	श्रव.	
22-03-2020	चैत्र	कृष्ण	13	रवि	शत.	त्रयोदशी 10:08 तक

विशेष - जन्म के 11 एवं 12 दिन के पश्चात् तिथि. वार. नक्षत्र का विचार कर ही मुहूर्त निश्चित करना चाहिये।

अन्नप्राशन संस्कार मुहूर्त्त

10-04-2019	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहिणी	
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.	
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा	भद्रा 06:01तक
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13	गुरु	ह./चि.	त्रयोदशी 08:15 से
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	03	गुरु	पुन.	तृतीया 09:56 तक
07-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	शुक्र	पुष्य	भद्रा 07:39 तक
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त	व्यतीपात 06:05 तक
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा.	स्वाती 10:12 तक
04-07-2019	आषाढ	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	व्याघात 08:20 तक
11-07-2019	आषाढ	शुक्ल	10	गुरु	स्वाती	
05-08-2019	श्रावण	शुक्ल	05	सोम	हस्त	
07-08-2019	श्रावण	शुक्ल	07	बुध	स्वाती	भद्रा 11:32 से
15-08-2019	श्रावण	शुक्ल	15	गुरु	श्रव/धनि	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
09-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	11	सोम	उ.षा.	भद्रा 11:20 से
30-09-2019	आश्विन	शुक्ल	02	सोम	चित्रा	
03-10-2019	आश्विन	शुक्ल	05	गुरु	अनु.	
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनु.	
07-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शत.	शतभिषा 09:15 तक
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग.	पूर्णिमा 10:44 तक
02-01-2020	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	
08-01-2020	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहिणी	
27-01-2020	माघ	शुक्ल	03	सोम	शत.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	
07-02-2020	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुन.	
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	भद्रा 17:23से
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि.	

लग्नशुद्धि विचार - केन्द्र, त्रिकोण एवं तृतीय में शुभग्रह, दशम शुद्ध (ग्रहरहित), 3,6,11 में पाप ग्रह शुभ हैं। 1, 6, 8 भावों में चन्द्र नहीं होना चाहिए।

चूडाकर्म(मुण्डन) मुहूर्त

19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा	भद्रा 6:01 तक
29-04-2019	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	शत.	भद्रा 08:51 से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	रेव.	रेवती 13: 08 से
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	हस्त	भद्रा 10:35 से
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13	गुरु	चित्रा	त्रयोदशी 8:15 से
20-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	2	सोम	ज्ये.	
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेव.	
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	गुरु	पुन.	तृतीया 09:56 तक
07-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	शुक्र	पुष्य	भद्रा 07:39 तक
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	ह./चि.	
17-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	15	सोम	ज्ये.	ज्येष्ठा 10:42 तक
27-06-2019	आषाढ	कृष्ण	10	गुरु	रेव.	दशमी 5:46 से
28-06-2019	आषाढ	कृष्ण	11	शुक्र	अश्वि.	भद्रा 6:38 तक
04-07-2019	आषाढ	शुक्ल	2	गुरु	पुष्य	
11-07-2019	आषाढ	शुक्ल	10	गुरु	स्वाती	
27-01-2020	माघ	शुक्ल	3	सोम	शतभिज्ञा	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	6	शुक्र	रेवती	
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	भद्रा 10:02 से
07-02-2020	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुन.	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	5	गुरु	ह./चि.	संक्रान्तिदिन
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	श्रव.	भद्रा 17:18 से
28-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	5	शुक्र	अश्वि.	
05-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	10	गुरु	पुन.	पुनर्वसु 11:31 से
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	2	बुध	हस्त	
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	5	शुक्र	स्वाती	

लग्नशुद्धि- 2, 3, 4, 6, 7, 9, 12 लग्नों में. इन्हीं नवांशों में, लग्न व राशि से अष्टम लग्न को छोड़कर, अष्टम शुद्ध (ग्रहरहित), एवं 3,6,11 भावों में पाप ग्रह।

कर्णवेध संस्कार मुहूर्त

19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	14	शुक्र	चित्रा	भद्रा 06:01 तक
10-05-2019	वैशाख	शुक्ल	06	शुक्र	पुन.	पुन. 14:27 तक
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	बुध	हस्त	भद्रा 10:35 तक
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12/13	गुरु	ह./चि.	
24-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	06	शुक्र	श्रवण	
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेव.	
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	03	गुरु	पुन.	तृतीया 09:56तक
07-05-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	शुक्र	पुष्य	भद्रा 07:39 तक
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	ह./चि.	
27-06-2019	आषाढ	कृष्ण	10	गुरु	रेव/अश्वि	
28-06-2019	आषाढ	कृष्ण	11	शुक्र	अश्वि	अश्वि09:16तक
03-07-2019	आषाढ	शुक्ल	01	बुध	पुन.	पुनर्वसु 06:33 से
04-07-2019	आषाढ	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
23-12-2019	पौष	कृष्ण	12	सोम	विशा.	
24-12-2019	पौष	कृष्ण	13	मंगल	अनु.	भद्रा 12:15से23:45
31-12-2019	पौष	शुक्ल	05	मंगल	शतभिषा	
02-01-2020	पौष	शुक्ल	07	सोम	उ.भा.	
08-01-2020	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहि.	
15-01-2020	माघ	कृष्ण	05	बुध	उ.फा.	
17-01-2020	माघ	कृष्ण	07	शुक्र	चित्रा	सप्तमी 07.27 से
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	गुरु	अनुराधा	
22-01-2020	माघ	कृष्ण	13	बुध	मूल	भद्रा 25.22 से
27-01-2020	माघ	शुक्ल	03	सोम	शत.	
28-01-2020	माघ	शुक्ल	03	मंगल	शत.	भद्रा 21:15 से
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	
04-02-2020	माघ	शुक्ल	10	मंगल	रोहि.	
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	भद्रा 10:02से21:53
07-02-2020	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुन.	
10-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	01	सोम	मघा	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	हस्त	
18-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	10	मंगल	मूल	
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	मूल	भद्रा 17:18से30:08
24-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	01	सोम	शत.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि.	
06-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	11	शुक्र	पुन.	भद्रा 11.53 तक
10-03-2020	चैत्र	कृष्ण	01	मंगल	उ.फा.	
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	02	बुध	हस्त	भद्रा 25.42 से
12-03-2020	चैत्र	कृष्ण	03	गुरु	चित्रा	भद्रा 11.55 तक
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	05	शुक्र	स्वा.	पञ्चमी 08.48 से
19-03-2020	चैत्र	कृष्ण	11	गुरु	उ.षा.	
20-03-20200	चैत्र	कृष्ण	12	शुक्र	श्रव.	

त्याज्य- भद्रा, अशुभयोग, चक्र अशुद्धि (हलचक्र)।

लग्नशुद्धि - 2, 3, 6, 8, 9, 12 राशि के लग्न शुभ। 1, 4, 5, 7, 10, 11 लग्नों में अशुभ। लग्न में गुरु, जलचर नवांश में चन्द्र की स्थिति एवं चन्द्र शुक्र बली हों।

बीजोप्ति(बीज बोने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
06-04-2019	चैत्र	शुक्ल	1	शनि	रेव.	
07-04-2019	चैत्र	शुक्ल	2	रवि	अश्वि.	
10-04-2019	चैत्र	शुक्ल	5	बुध	रोहि./मृग.	
11-04-2019	चैत्र	शुक्ल	6	गुरु	मृग.	मृगशिरा 10:39 तक
12-04-2019	चैत्र	शुक्ल	7	शुक्र	पुन.	भद्रा 13:39 से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण		दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
05-08-2019	श्रावण	शुक्ल	05	सोम	हस्त			08-10-2019	आश्विन	शुक्ल	10	मंगल	श्रव.	भद्रा 28.02 से
07-08-2019	श्रावण	शुक्ल	07	बुध	स्वा.	भद्रा 11:32से22:57		09-10-2019	आश्विन	शुक्ल	11	बुध	धनि.	भद्रा 17.17 तक
13-08-2019	श्रावण	शुक्ल	13	मंगल	उ.षा.			10-10-2019	आश्विन	शुक्ल	12	गुरु	शत.	
15-08-2019	श्रावण	शुक्ल	15	गुरु	श्रवण			14-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	01	सोम	रेव.	
16-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	01	शुक्र	धनि.			15-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	02	मंगल	अश्वि.	
20-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	05	मंगल	रेव.			21-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	07	सोम	पुन.	सप्तमी 06.47 तक
27-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	12	मंगल	पुन.			24-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	11	गुरु	मघा	
28-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	13	बुध	पुष्य			28-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	01	सोम	स्वा.	प्रतिपदा 09.09 से
03-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	05	मंगल	चि./स्वा.			29-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	02	मंगल	विशा.	
05-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	07	गुरु	अनु.	भद्रा 20.23 से		30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनु.	
10-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	12	मंगल	उ.षा.			01-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	05	शुक्र	मूल	
11-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	13	बुध	श्रवण			07-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शत.	भद्रा 23.11 से
16-09-2019	आश्विन	कृष्ण	02	सोम	रेवती	भद्रा 27.35 से		14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहि.	
17-09-2019	आश्विन	कृष्ण	03	मंगल	अश्वि.	भद्रा 16.36 तक		15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	शुक्र	मृग.	भद्रा 07:58से19:54
24-09-2019	आश्विन	कृष्ण	10	मंगल	पुन.	भद्रा 16.59 तक		22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 09.03 तक
25-09-2019	आश्विन	कृष्ण	11	बुध	पुष्य			27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	बुध	अनु.	
26-09-2019	आश्विन	कृष्ण	12	गुरु	मघा	मघा 06.43 के बाद		29-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	03	शुक्र	मूल	भद्रा 29.38 से
30-09-2019	आश्विन	शुक्ल	02	सोम	चित्रा			03-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	07	मंगल	धनि.	भद्रा 22.56 से
01-10-2019	आश्विन	शुक्ल	03	मंगल	स्वा.	भद्रा 24.40 से		06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
03-10-2019	आश्विन	शुक्ल	05	गुरु	अनु.			12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग.	

लग्नशुद्धि- 2, 3, 5, 6, 9, 11, 12 लग्नों में, केन्द्र, त्रिकोण में शुभग्रह, 3,6,11 में पाप ग्रह, अष्टम शुद्ध (ग्रहरहित) हो।

विशेष- पूर्वाह्न में प्रतिष्ठा प्रशस्त। प्रतिष्ठापित होने वाले देव के मास, तिथि नक्षत्र में सम्प्रदाय के अनुरूप प्रतिष्ठा की जा सकती है। यथा- चतुर्दशी में शंकर, चतुर्थी में गणेश आदि की ।

हलप्रवहण (हल जोतने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
10-04-2019	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहिणी	
15-04-2019	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	मघा	मघा 06:03से
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.	
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा	भद्रा 06.01 तक
22-04-2019	वैशाख	कृष्ण	03	सोम	अनु.	भद्रा 11.21 तक
24-04-2019	वैशाख	कृष्ण	05	बुध	मूल	
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.	
29-04-2019	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	शत.	भद्रा 08:51से22:10
30-04-2019	वैशाख	कृष्ण	11	मंगल	शत.	शतभिषा 08.18तक
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा.	भद्रा 27.46 से
07-05-2019	वैशाख	शुक्ल	03	मंगल	रोहि.	
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	उ.फा.	भद्रा 10.35 तक
21-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	03	मंगल	मूल	भद्रा13:04 से 25:12
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	गुरु	उ.षा.	
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.	भद्रा 15.31 तक
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेव.	
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
04-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	01	मंगल	मृग.	
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	03	गुरु	पुन.	भद्रा 20.47 से
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त	
13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा	भद्रा 05:28 से16:39
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा.	
18-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	01	मंगल	मूल	
20-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	03	गुरु	उ.षा.	भद्रा 16.57 तक
28-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	10	शुक्र	अश्वि.	भद्रा 06.38 तक
03-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	01	बुध	पुन.	पुनर्वस 06.33 से
04-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	
11-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	10	गुरु	स्वाती	
12-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	11	शुक्र	विशा.	भद्रा 12:22से24:08
17-07-2019	श्रावण	कृष्ण	01	बुध	उ.षा.	
18-07-2019	श्रावण	कृष्ण	02	गुरु	धनि.	
24-07-2019	श्रावण	कृष्ण	07	बुध	रेव.	
29-07-2019	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृग.	
01-08-2019	श्रावण	शुक्ल	01	गुरु	पुष्य	प्रतिपदा 08.42 से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	5	गुरु	उ.भा.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	6	शुक्र	रेव.	
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	भद्रा 10:02 से
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	5	गुरु	हस्त	
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	6	शुक्र	चि./स्वा.	
16-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	8	रवि	अनु.	
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	उ.षा.	भद्रा 17:18 से
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा.	
28-02-2020	फाल्गुनं	शुक्ल	5	शुक्र	अश्वि.	
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	2	बुध	हस्त	
15-03-2020	चैत्र	कृष्ण	7	रवि	अनु.	भद्रा 15:10 तक
19-03-2020	चैत्र	कृष्ण	11	गुरु	उ.षा.	

लग्नशुद्धि - कुम्भ लग्न छोड़कर अन्य लग्नों में केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) एवं द्वितीय में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 4, 8 शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ।

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.	
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा	भद्रा 06:01 तक
10-05-2019	वैशाख	शुक्ल	06	शुक्र	पुन.	
11-05-2019	वैशाख	शुक्ल	07	शनि	पुष्य	भद्रा 19:5 से
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	उ.फा.	भद्रा 10:35 तक
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	ह./चि.	
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	गुरु	पुन.	भद्रा 20:47 से
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त	
13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा	भद्रा 5:28 से 16:39
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा.	स्वाती 10:12 तक
04-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	
08-07-2019	आषाढ	शुक्ल	6/7	सोम	उ.फा.	
11-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	10	गुरु	स्वा.	स्वाती 15:43 तक
26-01-2020	माघ	शुक्ल	02	रवि	धनि.	
27-01-2020	माघ	शुक्ल	03	सोम	शत.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	06	शुक्र	रेव.	
01-02-2020	माघ	शुक्ल	07	शनि	अश्वि.	भद्रा 18:18 से
05-02 -2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	
07-02-2020	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुन.	त्रयोदशी 18:48 तक
26-02-2020	चैत्र	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
28-02-2020	चैत्र	शुक्ल	05	शुक	अश्वि.	

दिनांक मास पक्ष तिथि वार नक्षत्र भद्रादि विवरण

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
28-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	10	शुक्र	अश्वि.	भद्रा 6:38 तक
04-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	2	गुरु	पुष्य	
08-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	6	सोम	उ.फा.	
17-07-2019	श्रावण	कृष्ण	1	बुध	उ.षा.	
24-07-2019	श्रावण	कृष्ण	7	बुध	रेव.	
25-07-2019	श्रावण	कृष्ण	8	गुरु	अश्वि.	
28-07-2019	श्रावण	कृष्ण	11	रवि	रोहि.	
29-07-2019	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृगशीर्ष	
05-08-2019	श्रावण	शुक्ल	5	सोम	हस्त	
21-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	6	बुध	अश्वि.	
28-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	13	बुध	पुष्य	
01-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	2/3	रवि	उ.फा.	
05-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	7	गुरु	अनु.	
29-09-2019	आश्विन	शुक्ल	1	रवि	हस्त	
30-09-2019	आश्विन	शुक्ल	2	सोम	चित्रा	
03-10-2019	आश्विन	शुक्ल	5	गुरु	अनु.	
13-10-2019	आश्विन	शुक्ल	15	रवि	उ.भा.	भद्रा 13:43 तक
14-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	1	सोम	रेवती	
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	3	बुध	अनुराधा	
03-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	7	रवि	उ.षा.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
10-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	13	रवि	रेव.	
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	गुरु	रोहि.	
15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	शुक्र	मृग.	भद्रा 07:58 से
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	6	सोम	पुष्य	भद्रा 17:20 से
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 09:03 तक
24-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	रवि	चित्रा	
27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	बुध	अनु.	
01-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	रवि	उ.षा.	
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
08-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	रवि	अश्वि.	एकादशी 08:34
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग.	
15-12-2019	पौष	कृष्ण	03	रवि	पुष्य	तृतीया 07:21 तक
19-12-2019	पौष	कृष्ण	08	गुरु	उ.फा.	
02-01-2020	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	
03-01-2020	पौष	शुक्ल	8	शुक्र	उ.भा./रेव.	
05-01-2020	पौष	शुक्ल	10	रवि	अश्वि.	
08-01-2020	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहि.	
12-01-2020	माघ	कृष्ण	2	रवि	पुष्य	
15-01-2020	माघ	कृष्ण	5	बुध	उ.फा.	
17-01-2020	माघ	कृष्ण	7/8	शुक्र	चित्रा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	उ. फा.	
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	ह/चि	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	गुरु	उ.षा.	
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.	भद्रा 15:31 तक
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
19-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	02	बुध	पू.षा.	भद्रा 28:11से
23-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	06	रवि	शत.	भद्रा 23:45 से
28-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	10	शुक्र	अश्वि.	भद्रा06:38तक
04-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	
05-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	03	शुक्र	आश्ले.	भद्रा 26:16 से
07-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	05	रवि	पू.फा.	
11-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	10	गुरु	स्वा.	
15-01-2020	माघ	कृष्ण	05	बुध	उ.फा.	
16-01-2020	माघ	कृष्ण	06	गुरु	हस्त	भद्रा 09:43 से 20:34
26-01-2020	माघ	शुक्ल	02	रवि	धनि.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	06	शुक्र	रेव.	
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	भद्रा 10:02 से 21:53
06-02-2020	माघ	शुक्ल	12	गुरु	आर्द्रा	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	हस्त	संक्रान्ति दिवस

लग्नशुद्धि- लग्न से केन्द्र और त्रिकोण में शुभग्रह तथा 3 , 6, 11 में पापग्रह प्रशस्त।

विपणि(दुकान/व्यापार) आरम्भ का मुहूर्त

07-04-2019	चैत्र	शुक्ल	2	रवि	अश्वि.	विष्कुम्भयोग
10-04-2019	चैत्र	शुक्ल	5	बुध	रोहि.	
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.	
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा	भद्रा 6:01तक
22-04-2019	वैशाख	कृष्ण	3	सोम	अनु.	भद्रा 11:21 तक
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	7	शुक्र	उ.षा.	
2-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	बुध	उ.भा.	
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	उ.षा.	भद्रा 10:35 तक
19-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	1	रवि	अनुराधा	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	5	गुरु	उ.षा.	
24-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	6	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 7:26 तक
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	बुध	उ.भा.	भद्रा 15:31 तक
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त	
13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
06-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	12	शुक्र	पुष्य	भद्रा 11:15 तक
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	02	बुध	हस्त	
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	05	शुक्र	स्वा.	पञ्चमी 08/48से

लग्नशुद्धि- शुक्र, गुरु चन्द्र और लग्नेश लग्न से 6, 8 स्थानों में, चन्द्र व शुक 12 वें स्थान में, पापग्रह 1, 5, 8 में विशेष अशुभ होते हैं। 6, 8, 12 को छोड़कर अन्य भावों में शुभग्रह, तथा 3,6,11 भावों में पाप ग्रह एवं कर्क एवं वृष राशि का चन्द्र लग्नस्थ हो तो शुभ होता है। त्रिबल (चन्द्र, गुरु एवं सूर्य) शुद्धि का विचार अवश्य करना चाहिये।

अक्षरारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
09-05-2019	वैशाख	शुक्ल	05	गुरु	आर्द्रा	
10-05-2019	वैशाख	शुक्ल	06	शुक्र	पुनर्वसु	
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	ह./चि.	द्वादशी 08:15
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
05-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	02	बुध	आर्द्रा	द्वितीया 12:05 तक
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	03	गुरु	पुन.	तृतीया 09:56 तक
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	ह/चि	
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा.	स्वाती 10:12 तक
04-07-2019	आषाढ	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	
11-07-2019	आषाढ	शुक्ल	10	गुरु	स्वा.	
16-01-2020	माघ	कृष्ण	06	गुरु	हस्त	भद्रा 09:42 से
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	06	शुक्र	रेव.	
06-02-2020	माघ	शुक्ल	12	गुरु	आर्द्रा	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	ह/चि	
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	06	शुक्र	चित्रा/स्वा.	
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि.	
05-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	10	गुरु	आ./पुन.	
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	02	बुध	हस्त	
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	05	शुक्र	स्वा.	पंचमी 08:48 से
20-03-2020	चैत्र	कृष्ण	12	शुक्र	श्रव.	

लग्नशुद्धि- 2, 3, 6, 9, 12 राशि के लग्नों में। लग्न से 3,6,11 में पापग्रह तथा 1,4,5,7,9,10 स्थानों में शुभग्रह विशेष शुभ।

विद्यारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
07-04-2019	चैत्र	शुक्ल	02	रवि	अश्वि.	अश्वि. 08:47 तक
10-04-2019	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहि.	रोहिणी 10:38 तक
11-04-2019	चैत्र	शुक्ल	06	गुरु	मृग.	मृगशिरा 10:31 तक
24-04-2019	वैशाख	कृष्ण	05	बुध	मूल	
25-04-2019	वैशाख	कृष्ण	06	गुरु	पू.षा.	
01-05-2019	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	पूभा/उभा	
09-05-2019	वैशाख	शुक्ल	05	गुरु	आर्द्रा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	सोम	पुष्य	भद्रा 17:20 से
27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	बुध	अनु.	अनु. 08:12 तक
02-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	सोम	श्रव/ध.	
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग.	
16-01-2020	माघ	कृष्ण	06	गुरु	हस्त	भद्रा 09:42 से
17-01-2020	माघ	कृष्ण	7/8	शुक्र	चित्रा	अष्टमी क्षय दोष
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	06	शुक्र	रेव.	
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	भद्रा 10:02 से
07-02-2020	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुन.	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	ह/चि	संक्रान्ति दिन
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	06	शुक्र	चित्रा	चित्रा 07:27 तक
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	श्रव.	श्रवण 09:15 से, भद्रा 17:18 से
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि	
05-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	10	गुरु	पुन.	पुन. 11:31 से
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	02	बुध	हस्त	

लग्नशुद्धि विचार - 2, 7, 9 12 लग्नों में अष्टम भाव शुद्ध हो। लग्न में गुरु एवं 3, 6, 11 में पाप ग्रह व 1, 4, 5, 7, 9, 10 में शुभग्रह श्रेयस्कर। **समय**- पूर्वाह्न व मध्याह्न।

उपनयन(जनेऊ)संस्कार मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
07-04-2019	चैत्र	शुक्ल	02	रवि	अश्वि.	अश्विनी 8:47 तक
10-04-2019	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहि/मृग	
22-04-2019	चैत्र	कृष्ण	03	सोम	अनु.	भद्रा 11:21 तक
24-04-2019	चैत्र	कृष्ण	05	बुध	मूल	
09-05-2019	वैशाख	शुक्ल	05	गुरु	आद्रा	
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	ह./चि.	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	गुरु	उ.षा.	
06-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	03	गुरु	पुन.	भद्रा 09:56 तक
19-06-2019	आषाढ़	कृष्ण	02	बुध	पू.षा.	
04-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	02	गुरु	पुष्य	
05-07-2019	आषाढ़	शुक्ल	03	शुक्र	आश्ले.	
26-01-2020	माघ	शुक्ल	02	रवि	धनि.	
27-01-2020	माघ	शुक्ल	03	सोम	शत.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	भद्रा 10:02 से
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि.	
05-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	10	गुरु	आद्रा/पुन.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
05-01-2020	पौष	शुक्ल	10	रवि	अश्वि.	
08-01-2020	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहि.	
15-01-2020	माघ	कृष्ण	5	बुध	उ.फा.	
16-01-2020	माघ	कृष्ण	6	गुरु	हस्त	भद्रा 9:42 से
17-01-2020	माघ	कृष्ण	7/8	शुक्र	चित्रा	
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु.	
22-01-2020	माघ	कृष्ण	13	बुध	मूल	
26-01-2020	माघ	शुक्ल	2	रवि	धनि.	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	5	गुरु	उ.भा.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	6	शुक्र	रेव.	
01-02-2020	माघ	शुक्ल	7	शनि	अश्वि.	
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग.	भद्रा 10:02 से
10-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	1/2	सोम	मघा	
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	5	गुरु	हस्त	
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	6	शुक्र	चि./स्वा.	
16-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	8	रवि	अनु.	
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	उ.षा.	भद्रा 17:18 से
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा.	
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	5	शुक्र	अश्वि.	
07-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	12	शनि	पुष्य	
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	2	बुध	हस्त	
12-03-2020	चैत्र	कृष्ण	3	गुरु	चित्रा	भद्रा 11:55 तक
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	5	शुक्र	स्वा.	पंचमी 08:48 से
15-03-2020	चैत्र	कृष्ण	7	रवि	अनु.	भद्रा 15:10 तक
19-03-2020	चैत्र	कृष्ण	11	गुरु	उ.षा.	
21-03-2020	चैत्र	कृष्ण	12	शनि	धनि.	

त्याज्य- भद्रा, अशुभयोग, चक्र अशुद्धि (राहुचक्र से)राहुचक्रशुद्धि विचार - राहु जिस नक्षत्र में है, उस नक्षत्र से बीज वपन दिन के नक्षत्र तक 27 नक्षत्रों को गिनने पर यदि 1-8 नक्षत्र हों तो अशुभ, उससे आगे के 9-11 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 12वां नक्षत्र अशुभ, पुनः आगे के 13-15 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 16वां नक्षत्र अशुभ, फिर आगे के 17-19 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 20वां नक्षत्र अशुभ, पुनः आगे के 21-23 नक्षत्र शुभ तथा अन्तिम 24-27 नक्षत्र अशुभ होते हैं।जैसे - राहुनक्षत्र पुनर्वसु है, तथा बीजवपन के दिन का नक्षत्र अनुराधा है। पुनर्वसु से अनुराधा गिनने पर 11 संख्या प्राप्त हुई। तो शुभ है। अतः इस दिन चक्रशुद्धि जाननी चाहिए।

गृहारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	विवरण
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.		त्रयो. 22:30तक
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा		भद्रा06:01तक
24-04-2019	वैशाख	कृष्ण	05	बुध	मूल		
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.		सप्त.14:32तक
29-04-2019	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	शत.		भद्रा 08:51 से
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा.		भद्रा 27:46 से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
16-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	1	शुक्र	धनि.	
21-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	6	बुध	अश्वि.	
24-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	8	शनि	रोहि.	
01-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	2/3	रवि	उ.फा.	
05-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	7	गुरु	अनु.	
08-09-2019	भाद्रपद	शुक्ल	10	रवि	मूल	
29-09-2019	आश्विन	शुक्ल	1	रवि	हस्त	
30-09-2019	आश्विन	शुक्ल	2	सोम	चित्रा	
03-10-2019	आश्विन	शुक्ल	5	शुक्र	अनु.	
05-10-2019	आश्विन	शुक्ल	7	शनि	मूल	भद्रा 9:46 से
13-10-2019	आश्विन	शुक्ल	15	रवि	उभा/रेव	भद्रा 13:46 तक
14-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	1	सोम	रेव.	
19-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	5	शनि	मृग.	
24-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	11	गुरु	मघा	
26-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	13	शनि	उ.फा.	भद्रा 15:53 से
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	3	बुध	अनु.	
01-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	5	शुक्र	मूल	
03-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	7	रवि	उ.षा.	
09-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	12	शनि	उ.फा.	
10-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	13	रवि	रेव.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	गुरु	रोहि.	
15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	शुक्र	मृग.	भद्रा 07:58 से
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	6	सोम	पुष्य	भद्रा 07:20 से
20-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	8	बुध	मघा	
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 09:03 तक
23-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	शनि	हस्त	
24-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	रवि	चित्रा	
27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	1	बुध	अनु.	
29-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	शुक्र	मूल	
01-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5	रवि	उ.षा.	
6-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
7-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेव.	
8-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	रवि	अश्वि.	भद्रा 8:34 तक
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग.	
19-12-2019	पौष	कृष्ण	8	गुरु	उ.फा.	
21-12-2019	पौष	कृष्ण	10	शनि	चित्रा	भद्रा 17:10 तक
22-12-2019	पौष	कृष्ण	11	रवि	स्वा.	
28-12-2019	पौष	शुक्ल	2	शनि	उ.षा.	
02-01-2020	पौष	शुक्ल	7	गुरु	उ.भा.	
03-01-2020	पौष	शुक्ल	8	शुक्र	रेव.	भद्रा 10:16 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण	दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
13-04-2019	चैत्र	शुक्ल	8	शनि	पुन/पुष्य		09-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	7	रवि	मघा	
15-04-2019	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	मघा	भद्रा 17:49 से	12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त	
17-04-2019	चैत्र	शुक्ल	13	बुध	उ.फा.		13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा	भद्रा 5:28 से 16:39
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा	भद्रा 06:09 तक	14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वाती	
20-04-2019	वैशाख	कृष्ण	1	शनि	स्वा.		22-06-2019	आषाढ	कृष्ण	5	शनि	धनि.	
24-04-2019	वैशाख	कृष्ण	5	बुध	मूल		28-06-2019	आषाढ	कृष्ण	11	शुक्र	अश्वि.	भद्रा 06:35तक
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	7	शुक्र	उ.षा.		04-07-2019	आषाढ	शुक्ल	2	गुरु	पुष्य	
01-05-2019	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	उ.भा.	उ.भा. 10:56 से	08-07-2019	आषाढ	शुक्ल	6	सोम	उ.फा.	
02-05-2019	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उभा/रेव		11-07-2019	आषाढ	शुक्ल	10	गुरु	स्वाती	
11-05-2019	वैशाख	शुक्ल	7	शनि	पुष्य	भद्रा 19:53 से	13-07-2019	आषाढ	शुक्ल	12	शनि	अनु.	
15-05-2019	वैशाख	शुक्ल	11	बुध	उ.फा.		17-07-2019	श्रावण	कृष्ण	1	बुध	उ.षा.	
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	हस्त/चित्रा		19-07-2019	श्रावण	कृष्ण	2	शुक्र	धनि.	
17-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	स्वाती		24-07-2019	श्रावण	कृष्ण	7	बुध	रेव.	
18-05-2019	वैशाख	शुक्ल	15	शनि	विशा.	भद्रा 15:07 तक	25-07-2019	श्रावण	कृष्ण	8	गुरु	अश्वि.	
19-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	1	रवि	अनु.		28-07-2019	श्रावण	कृष्ण	11	रवि	रोहि.	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	5	गुरु	उ.षा.		29-07-2019	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृग.	
26-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	7	रवि	धनि.		03-08-2019	श्रावण	शुक्ल	3	शनि	मघा/पू.फा.	
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.	भद्रा 15:31 तक	05-08-2019	श्रावण	शुक्ल	5	सोम	हस्त	
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेव.		07-08-2019	श्रावण	शुक्ल	7	बुध	स्वा.	भद्रा 11:32 से
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.		11-08-2019	श्रावण	शुक्ल	11	रवि	मूल	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु. विवरण
11-05-2019	वैशाख	शुक्ल	07	शनि	पुष्य	गण्ड योग
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	ह/चि	
17-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	स्वाती	त्रयो. 06:06तक
20-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	02	सोम	ज्ये.	
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	गुरु	उ.षा.	
30-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेव.	
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि	
12-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	बुध	हस्त	व्य.योग6:5तक
13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा	भद्रा 16:39तक
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा.	स्वा.10:12 तक
18-07-2019	श्रावण	कृष्ण	02	गुरु	श्रव	
19-07-2019	श्रावण	कृष्ण	02	शुक्र	धनि	द्वि. 09:52 तक
19-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	05	शनि	मृग.	परिघ योग
26-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	13	शनि	उफा/ह	वैधृ26:13तक, त्रयो.15:52तक
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनुराधा	
01-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	05	शुक्र	मूल	अति.07:57तक
09-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	12	शनि	उ.भा.	वज्र 10:45 से
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहिणी	परि.09:12 तक
15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	शुक्र	मृग	भद्रा 19:54तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु. विवरण
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	सोम	पुष्य	भद्रा 17:20 से
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 09:03 से
23-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	शनि	हस्त	
28-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	02	गुरु	ज्ये	
29-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	03	शुक्र	मूल	मूल07:34 तक
02-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	सोम	श्रवण	व्याघा.13:28 से
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	व्यति.16:35 से
07-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेव	व्यतिपात योग
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग	पूर्णि.10:44 तक
15-01-2020	माघ	कृष्ण	05	बुध	उ.फा.	अति.21:10 से
16-01-2020	माघ	कृष्ण	06	गुरु	हस्त	भद्रा20:34तक
17-01-2020	माघ	कृष्ण	07	शुक्र	चित्रा	सप्त.07:27तक
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु	गण्ड07:53तक
22-01-2020	माघ	कृष्ण	13	बुध	मूल	व्या. 27:24तक
27-01-2020	माघ	शुक्ल	03	सोम	शत	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	06	शुक्र	रेव	
01-02-2020	माघ	शुक्ल	07	शनि	अश्वि	भद्रा 18:18 से
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग	वैधृ.28:09 तक, भद्रा 10:02 से 21:53

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	विवरण
13-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	हस्त		शूल 19:52 तक
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	06	शुक्र	चि/स्वा.		गण्ड 16:40 तक, भद्रा18:07से
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	पू.षा.		भद्रा 17:18से30:08
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.		
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि		
11-03-2020	चैत्र	कृष्ण	02	बुध	हस्त		गण्ड योग 08:12तक
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	05	शुक्र	स्वाती		पंचमी 08:48 से, व्याघात20:17 तक

लग्नशुद्धि - 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 राशि के लग्नों में, केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 8, 12 शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ है।

नूतन गृहप्रवेश हेतु प्रशस्त मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	विवरण
20-04-2019	वैशाख	कृष्ण	01	शनि	स्वा.	अशुद्ध	वज्र योग 08:23 तक
24-04-2019	वैशाख	कृष्ण	05	बुध	मूल	शुद्ध	मूल 18:19 तक
26-04-2019	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.	शुद्ध	
27-04-2019	वैशाख	कृष्ण	08	शनि	श्रवण	अशुद्ध	अष्टमी 16:55 तक
29-04-2019	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	शत	अशुद्ध	भद्रा 08:51से22:10
11-05-2019	वैशाख	शुक्ल	07	शनि	पुष्य	अशुद्ध	गण्ड 14:02 तक, भद्रा18:53से
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	चित्रा	शुद्ध	चित्रा 05:42 से
17-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	स्वाति	शुद्ध	त्रयो.06:06तक,व्यती.
23-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	गुरु	उ.पा.		
24-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	06	शुक्र	उषा/श्रव		
27-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	08	सोम	शत		वज्र योग
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.		भद्रा 15:31 तक
13-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा	अशुद्ध	भद्रा 16:39 तक
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा.		स्वा. 10:12 तक
19-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	5/6	शनि	मृग		
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनु		
01-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	05	शुक्र	मूल		अतिगण्ड07:49 तक
04-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	08	सोम	श्रव		गण्ड योग
07-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शत		शतभिषा 09:15 तक
09-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	12	शनि	उ.भा.		
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहि.		
15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	शुक्र	मृग		भद्रा 07:58से19:24
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	सोम	पुष्य		भद्रा 17:20 से
27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	बुध	अनु		अनुराधा 08:12 तक
29-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	03	शुक्र	मूल		मूल 07:34तक, शूल
02-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	सोम	श्रव		
04-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	08	बुध	शत		भद्रा 12 :14 तक
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.		व्यतीपात 16:35 से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	विवरण
07-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेवती		व्यतीपात17:11 तक, भद्रा 19:42 से
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग.		
15-01-2020	माघ	कृष्ण	05	बुध	उ.फा.	शुद्ध	अतिगण्ड 21:10 से
17-01-2020	माघ	कृष्ण	7/8	शुक्र	चित्रा	शुद्ध	
25-01-2020	माघ	शुक्ल	01	शनि	श्रव	शुद्ध	
27-01-2020	माघ	शुक्ल	03	सोम	शत	अशुद्ध	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	अशुद्ध	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	06	शुक्र	रेवती	अशुद्ध	
01-02-2020	माघ	शुक्ल	07	शनि	अश्वि	अशुद्ध	भद्रा 18:18 से
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृग	अशुद्ध	भद्रा 10:02से21:53
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	06	शुक्र	चि/स्वा	शुद्ध	गण्ड 16:40तक, भद्रा 18:07 से
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	शुद्ध	
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि	अशुद्ध	
07-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	12	शुक्र	पुष्य	शुद्ध	अतिगण्ड25:36 तक,

लग्नशुद्धि - 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 लग्नों में, केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 8, 12 स्थान शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ है।

पुरातन/जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त

(नोट- नूतनगृहप्रवेश हेतु कहे गये मुहूर्तो में भी जीर्णगृहप्रवेश होता है। इनके अतिरिक्त निम्नलिखित मुहूर्तो में भी जीर्णगृहप्रवेश प्रशस्त होता है।)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	विवरण
19-04-2019	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	चित्रा		भद्रा 06:01 तक
20-04-2019	वैशाख	कृष्ण	01	शनि	स्वा		
22-04-2019	वैशाख	कृष्ण	03	सोम	अनु		भद्रा 11:21 तक
10-05-2019	वैशाख	शुक्ल	06	शुक्र	पुन.		
16-05-2019	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	चित्रा		
17-05-2019	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	स्वा		भद्रा 27:54 से
27-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	08	सोम	शत		
29-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.		भद्रा 15:31 तक
31-05-2019	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि		
07-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	04	शुक्र	पुष्य		
13-06-2019	ज्येश्ठ	शुक्ल	11	गुरु	चित्रा		
14-06-2019	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शुक्र	स्वा		
17-07-2019	श्रावण	कृष्ण	01	बुध	उ.षा.		
18-07-2019	श्रावण	कृष्ण	02	गुरु	श्रव/ध.		
24-07-2019	श्रावण	कृष्ण	07	बुध	रेव		
25-07-2019	श्रावण	कृष्ण	08	गुरु	अश्वि		
29-07-2019	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृग		

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु. विवरण
07-08-2019	श्रावण	शुक्ल	07	बुध	स्वा	भद्रा 11:32 से
15-08-2019	श्रावण	शुक्ल	15	गुरु	श्रव	
16-08-2019	भाद्रपद	कृष्ण	01	शुक्र	धनि	
19-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	05	शनि	मृग	
21-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	08	सोम	पुन	
26-10-2019	कार्तिक	कृष्ण	13	शनि	उ.फा.	उ. फा. 08:30 तक
30-10-2019	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनु	
04-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	08	सोम	श्रव	
07-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शत	भद्रा 23:11 से
09-11-2019	कार्तिक	शुक्ल	12	शनि	उ.भा.	
14-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहि	
15-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	शुक्र	मृग	भद्रा 07:58 से
18-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	सोम	पुष्य	भद्रा 07:20 से
22-11-2019	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 09:03 तक
27-11-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	बुध	अनु	
02-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	सोम	श्रव	
04-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	08	बुध	शत	भद्रा 12:14 तक
06-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
07-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेव	
12-12-2019	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	मृग	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु. विवरण
15-01-2020	माघ	कृष्ण	05	बुध	उ.फा.	
17-01-2020	माघ	कृष्ण	08	शुक्र	चित्रा	
20-01-2020	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनु	
22-01-2020	माघ	कृष्ण	13	बुध	मूल	भद्रा 25:33 से
25-01-2020	माघ	शुक्ल	01	शनि	श्रव	
27-01-2020	माघ	शुक्ल	03	सोम	शत	
30-01-2020	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	
31-01-2020	माघ	शुक्ल	06	शुक्र	रेव	
01-02-2020	माघ	शुक्ल	07	शनि	अश्वि	भद्रा 18:18 से
05-02-2020	माघ	शुक्ल	11	गुरु	मृग	
14-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	06	शुक्र	चि/स्वा	भद्रा 18:07 से
21-02-2020	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	उ.षा.	भद्रा 17:18 से
24-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	01	सोम	शत	
26-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
28-02-2020	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि	
07-03-2020	फाल्गुन	शुक्ल	13	शनि	पुष्य	
13-03-2020	चैत्र	कृष्ण	05	शुक्र	स्वाती	पंचमी 08:48 से

नामराशेर्ग्रामस्य शुभाशुभत्वम् -

स्वनामराशितो ग्रामराशिर्वर्गद्रकेषुदिक्शिवैः।
सम्मितश्चेत्तदा तस्य तद्ग्रामे वास उत्तमः।।
रोगोऽष्टद्वादशे तुर्ये वैरमाद्ये च सप्तमे।
हानिः षष्ठे तृतीये च ग्रामराशौ स्वनामभात्।।

व्यावहारिक नाम से 2, 5, 9, 10, 11 वीं ग्राम की राशि हो तो उस ग्राम में वास करना उत्तम होता है। 4, 8, 12 वीं राशि ग्राम की हो तो रोग, 1, 7 वीं राशि ग्राम की हो तो वैरित्व एवं 3, 6 वीं राशि ग्राम की हो तो हानि होती है।

यद्ग्रामभं द्वयङ्कसुतेशकाष्ठामितं भवेल्लाभमतः शुभः सः।
यद्भं शशाङ्कग्निः न गाम्बितुल्यं मध्योष्टषट्कार्कमितं निषिद्धः।।

निवासकर्ता की नामराशि से 2, 5, 9, 10, 11 वीं ग्रामकी राशि हो तो उत्तम, 1, 3, 4, 7 वीं राशि हो तो सम, एवं 6, 8, 12 वीं राशि हो तो निषिद्ध होती है।

मुहूर्त्तचिन्तामणौ शुभाशुभविचारः-

यद्भं द्वयङ्कसुतेशदिङ्मितमसौ ग्रामः शुभो नामभात्
स्वं वर्गं द्विगुणं विधाय परवर्गाढ्यं गजैः शेषितम्।
काकिण्यस्त्वनयोश्च तद्विवरतो यस्याधिकाः सोऽर्थ।।

अपनी नामराशि से अभीष्ट स्थान की नाम राशि यदि 2, 9, 5, 11, 10 संख्यक हो तो यह स्थान निवास हेतु शुभ होता है। 'अ, क, च, ट, त, प, य, श' इन वर्गों में से जो अपने नाम का वर्ग हो उस वर्ग की संख्या को द्विगुणित कर इसमें स्थान की वर्ग संख्या जोड़कर द्विगुणित कर पुरुष की वर्ग संख्या को जोड़कर आठ का भाग देने से शेष स्थान की काकिणी होती है। पुरुष की काकिणी से स्थान की काकिणी अधिक हो तो शुभ होता है।

विविध मुहूर्तों का विचार

गर्भाधान मुहूर्त

यह षोडश संस्कारों में प्रथम संस्कार हैं, क्योंकि जीवन का प्रारम्भ इसी से होता है।

निषिक्तो यत्प्रयोगेण गर्भ संधार्यते स्त्रिया।

तद्गर्भालम्भनं नामकर्म प्रोक्तं मनीषिभिः॥

रजोदर्शन प्रारम्भ से 4 रात्रि उपरान्त सम रात्रियों में रोहिणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर इन लग्नों में तथा लग्न से 3-6-11वें स्थान पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल, और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो (स्त्री का विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

श्रेष्ठ नक्षत्र - रोहणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा

मध्यम नक्षत्र - पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा

लग्न - मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर व लग्न से 3,6,11 वें पापग्रह

नवांश - 1, 3, 5, 7, 9, 11

रात्रियां रजोदर्शन से - 6, 8, 10, 12, 14, 16 वीं

पुंसवन तथा सीमन्तोन्नयन मुहूर्त

गर्भधारण का निश्चय हो जाने के पश्चात् शिशु को पुंसवन नामक संस्कार के द्वारा अभिषिक्त किया जाता है। इसका अभिप्राय पुमान् (पुरुष) का सवन (जन्म) हो।

पुमान् प्रसूयते येन कर्मणा तत् पुंसवनमीरितम्।

गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र मे, तारा शुद्धि मे रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर, शुक्लपक्ष की 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन के पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवांश लग्न में होने पर तथा लग्न से 1, 4, 5, 7, 9, 10 स्थानों पर शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की 1,6,8,12वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ हैं।

मास - गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली ह़ोने पर शुभ है।

तिथि - शुक्लपक्ष की 1,2,3,4,5,7,10,11,13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त

नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर

लग्न - 1,3,5,7,11

वार - रवि, मंगल, बुध, गुरु, मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र

स्तनपान मुहूर्त

जन्म से पांचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, 4,9,14 तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुनर्वसु. पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान कराना शुभ हैं।

तिथि - 2,3,5,8,10,11,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती

त्याज्य - भद्रा, व्यतिपात, वैधृति 4, 9, 14 तिथि

जलपूजन मुहूर्त

जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र, वारों में 4,9,14,30 तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृगशिरा, पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार एक मास के बाद ही करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - बुध-गुरु-चन्द्र

नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमावस्या तिथि

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त

जीवन में व्यवहार का सम्पूर्ण आधार नाम पर ही निर्भर होता है।

नामाखिलस्य जगतः व्यवहारहेतुः शुभावहं कर्मसु भाग्यहेतुः।
नाम्नैव कीर्तिं लभते मनुष्यस्ततः प्रशस्तं खलु नाम कर्म।।

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण 11वें दिन, क्षत्रिय 13वें दिन, शूद्र 21वें दिन, कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के करण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन नामकरण संस्कार विना विचारें कर लें। 12 दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता 1,2,3,5,6,7,10,11,12,13 इन

तिथियों में शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में लग्न नवांश के बल का विचार कर नामकरण करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती

त्याज्य - जन्म से 10 दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन

निष्क्रमण मुहूर्त

बालक को प्रथम बार घर से बाहर निकलनें को ही निष्क्रमण कहते हैं। जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्र का पूजन कर सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पाये तब 3 मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमावस्या आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में, अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

तिथि - शुक्ल पक्ष में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम-बुध-गुरु-शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता तिथि, अमावस्या., विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेशन मुहूर्त्त

जन्म से पञ्चम मास में रिक्ता, अमावस्या रहित तिथि, शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य हस्त अनुराधा ज्येष्ठा अभिजित तीनों उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथ्वी और वराह का पूजन कर "पृथ्वी" पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएं रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिये।

तिथि - पंचम मास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र·

नक्षत्र - अश्विनी. रोहिणी., मृगशिरा. पुष्य, हस्त, अनुराधा. ज्येष्ठा, तीनों उत्तरा

लग्न - 2, 5, 8, 11

अन्नप्राशन मुहूर्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद 6,8,10,12वें मास में पुत्र को और 5,7,9 वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित 1,3,5,7,10,13,15 तिथियों में शुभवार अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति. अनुराध ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में 1,3,4,5,7,9 स्थानों मे शुभ ग्रह हो जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न को त्यागकर पाप-शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

मास - 6,8,10,12वें मास में पुत्र 5,7,9 वें मास में कन्या

तिथि - 1,3,5,7,10,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा, रेवती

लग्न - 1,3,4,5,6,7,9,10,11

त्याज्य - जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न, पाप-शुद्ध दशम भाव

कर्णवेध मुहूर्त

कर्ण वेध के महत्व के सन्दर्भ मे सुश्रुत ने कहा है कि कर्णवेध करने से आन्त्रवृद्धि, अण्डकोष वृद्धि आदि का निरोध होता है।

शंङ्खोपरि च कर्णान्ते त्यक्त्वा यत्नेन सेवनीयम्।

व्यत्यासाद्वा शिरां विध्येद् अन्त्रवृद्धि निवृत्तये॥

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6, 7, 8वें मास में या विषम वर्षो में शुभवार, अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

वर्षादि - विषम वर्ष, 6,7,8 वें मास, जन्म से 12वें या 16वें दिन

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती

लग्न - 2,7,9,12

त्याज्य - समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व जन्म तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता।

चूडाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौलकर्म विषमवर्ष या उत्तरायण में 2,3,5,10,11,13 तिथियों, शुभवारों में अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों मे करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिये। ज्येष्ठ, चैत्र मास मे न करें। बालक की माता को पांच मास की गर्भ स्थिति होने पर 5 वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

सूनोर्मातरि गर्भिण्यां चूडाकर्म न कारयेत्।

पञ्चाब्दात्प्रागथेर्ध्वं तु गर्भिण्यामपि कारयेत्॥

वर्षादि - विषमवर्ष या उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,7,10,11,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

त्याज्य - लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्र मास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का मुहूर्त्त

शुक्लपक्ष की रिक्ता व अमावस्या रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि. मृग. पुन. पुष्य, हस्त, चि., अनु., श्रव, ध नि, रेव, तीनों उत्तरा, स्वाती, शत, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

पक्ष - शुक्लपक्ष

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

प्रहर - प्रथम

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, तीनों उत्तरा, स्वाती, शतभिषा

अक्षरारम्भ मुहूर्त

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो जन्म से 5,7 वें वर्ष में 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12 तिथि, शुभवार, अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को छोड़कर, अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी, तथा अपने देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

अयन - उत्तरायण

वर्ष - 5, 7

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

तिथि - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12

लग्न - 1,3,5,6,8,9,11,12

नक्षत्र - अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती

विद्यारम्भ मुहूर्त

अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान को बढाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या(विशेषत: संस्कृत भाषस्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में, रवि, बुध,गुरु शुक्र वारों में और अश्विनी, आश्लेषा, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ हैं। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिये रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्येष्ठा, आश्लेषा, मघा, 3पूर्वा, भरणी, कृतिका., विशाखा, आर्द्रा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, इन नक्षत्रों में शुभ है।

अयन - उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में

विद्यारम्भ त्याज्य - फाल्गुन मास रिक्ता, अमावस्या तिथियां

वार - रवि, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आश्लेषा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती

उपनयन मुहूर्त

उपनयन संस्कार बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण का 8 वें, क्षत्रिय का 11 वें, वैश्य का 12 वें वर्ष में करना श्रेयस्कर है। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण 16 वें वर्ष, क्षत्रिय 22 वें वर्ष वैश्य 24 वें वर्ष तक उपनयन संस्कार करा सकते हैं।

विप्राणां व्रतबन्धनं निगदितं गर्भाज्जनेर्वाष्टमे।
वर्षे वाप्यथ पञ्चमे क्षितिभुजां षष्ठे तथैकादशे।
वैश्यानां पुनरष्टमेऽप्यथ पुनः स्याद् द्वादशे वत्सरे।
कालेऽथ द्विगुणे गते निगदिते गौणं तदाहुर्बुधाः॥

बालक(बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचार करें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5 तिथियों में, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर, पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त में, यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र व मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ होता है। तथा भौम

बल विचार भी आवश्यक होता है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, ज्ये. शुक्ल 2, तथा आषाढ़ शुक्ल 10, पौष शुक्ल 11, माघ शुक्ल 12, संक्रांति दिन, रोगबाण, रवि के 8, 12, 26 गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ हैं। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

वर्ष - ब्राह्मण-(8या16), क्षत्रिय-(11या 22), वैश्य-(12या 24)

अयन - देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण में।

वार - रवि, चन्द्र, बुध, गुरु एवं शुक्र

तिथि - शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5

नक्षत्र - अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा

गुरु - 5,11,9,2,7 श्रेष्ठ, 10,6,3,1 पूज्य, 4,8,12 निन्दित

अन्य ग्राह्य पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त(सामवेदियों का भौमबल व मंगलवार भी)

त्याज्य - गुरु शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस रोगबाण तथा लग्नेश ,चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ

विवाह संस्कार मुहूर्त्त

भारतीय मनीषियों नें मानव जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम की मुख्याधारा विवाह है। यह संस्कार ही वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति का आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देव-ऋषि एवं पितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः दिवाह संस्कार के समय का निर्णय हमारे ऋषिमुनियों ने बड़ी सूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रों में अष्टविध विवाह में विशेषरूप से आज कल गन्धर्व विवाह पद्धति (जिसको प्रेम विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। "ब्राह्म विवाह" विधि में मुख्य रूप से वर कन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशील युक्ता।

शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।

तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि।

तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः।।

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष 25 वर्षोपरान्त विषम वर्षों में कन्या 16 वर्षों के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यावरण का भी विचार कर लें। इन सब में नामराशि तथा जन्मराशि में से जन्मराशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे ।

जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत्।।1।।

कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।

सर्वाण्यन्यपि कर्माणि नामराशौ बलान्विते।।2।।

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नाम की राशि से मेलापकादि कार्य किये जा सकते है। परन्तु महत्व जन्मराशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।

सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः।

किसी का मत है कि यदि प्रसिद्ध नामराशि से ही मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्मनाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें। दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें। क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।

व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका में मेलापक विचार - वर-कन्या की कुन्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट, तथा नाड़ी इन आठ बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का 1, वश्य के 2, तारा के 3, योनि के 4, ग्रहमैत्री के 5, गणमैत्री के 6, भकूट के 7, तथा नाड़ी के 8 गुण उत्तरोत्तर ग्रहण किये जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग 36 होता है। यथा-

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।

गणमैत्रं भकूटञ्च नाड़ी चेते गुणाधिकाः॥

गुण संख्या ग्रहण करने का विचार - वर कन्या की कुण्डली का विचार करने पर 16 गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य, 20 से कम मिलने पर मध्यम तथा 20 गुण से अधिक मिलने पर उत्तम कहा गया है।

गुणाः षोडशभिः न्यूना निन्द्या मध्यस्तु विंशतिः।

श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः॥

दुष्ट भकूट, गणकूट का परिहार - यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर कन्या के राशि के स्वामी एक हो अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडाष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस मे मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट के दोषों का नाश करता है। तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्ये शुभो-

ऽथोराशीश्वरसौहृदेऽपि गदितो नाड्यर्क्षशुद्धिर्यदि।

अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्यर्क्षशुद्धौ तथा-

ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः॥

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-द्वन्द्वस्याऽपि स्याद् गणानां न दोषः।

खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।

नाड़ी दोष तथा गणदोष का परिहार - वर-कन्या की राशि एक हो तथा नक्षत्र भिन्न हो अथवा नक्षत्र एक हो और राशि भिन्न हो तो नाड़ी दोष तथा गण दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नहीं होता।

राश्यैक्ये चेद् भिन्नमृक्षं द्वयोः स्यान् नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।

नाड़ीदोषो नो गणानां च दोषो नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥

एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।

अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्वशोभना॥

वर-वरण मुहूर्त

विवाह संस्कार से पूर्व शुभलग्न, शुभवार, शुभतिथि, शुभ नवांश में कुयोग रहित दिन में कृ, रो, 3 पूर्वा, 3 उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण वा कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र, यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, श्रीफल, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे अर्थात् तिलक लगावें।

कन्या-वरण मुहूर्त

वर की माता या स्वयं वर अथवा वर के कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, 3पूर्वा, स्वाती, अनु., उ.षा., श्र, धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, मृगशिरा, मघा, हस्त) में शुभ समय (लग्न) में वस्त्रभूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

त्रिबल शुद्धि विचार

सूर्य, गुरु एवं चन्द्र शोधन का विचार त्रिबल शुद्धि कहलाता है। त्रिबल शुद्धि के अन्तर्गत वर की राशि से सूर्य व चन्द्र का विचार तथा कन्या की राशि से गुरु व चन्द्र का विचार करना चाहिये। मुहूर्त्तचिन्तामणि के अनुसार कन्या के जन्म से 6 वर्ष की आयु के बाद रजोदर्शन से पूर्व गुरु की शुद्धि तथा वर की राशि से सूर्य की शुद्धि से विषम वर्षों में एवं दोनों की राशि से चन्द्र शुद्धि अनिवार्य है।

स्त्रीणां गुरुबलं श्रेष्ठं पुरुषाणां रवेर्बलम्।

तयोश्चन्द्रबलं श्रेष्ठमिति गर्गेण निश्चितम्।।

फल	सूर्य (वर)	गुरु (कन्या)	चन्द्र (वर-कन्या)
श्रेष्ठ	3, 6, 10, 11	2, 5, 7, 9, 11	1, 2, 3, 5, 6 7, 9 10, 11
पूज्य	1, 2, 5, 7, 9	1, 3, 6, 10	0
नेष्ट	4, 8, 12	4, 8, 12	4, 8, 12

गोचरे वा विलग्ने वा ये ग्रहारिष्टसूचकाः।

पूजयेत्तान प्रयत्नेन पूजिता स्युः शुभप्रदाः।।

ज्येष्ठ विचार

ज्येष्ठ विचार के अन्तर्गत त्रि ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या व ज्येष्ठ मास) नेष्ट और द्वि ज्येष्ठ (वर, कन्या व मास में से कोइ भी दो) मध्यम होता है। मुहूर्त्तचिन्तामणि के अनुसार-

ज्येष्ठद्वन्द्वं मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि।

केचित्सूर्य वह्निगं प्रोज्झ्य चाऽऽहुर्नैवान्योऽन्यं ज्येष्ठयोः स्याद्विवाहः।।

वर-कन्या तेलबान-दिन संख्या

जन्म राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
तैल संख्या	7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

विवाह लग्न शोधन

व्यये शनिः खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ताः।

लग्नेट् कविग्लौश्च रिपौ मृतौ ग्लौर्लग्नेट् शुभाराश्च मदे च सर्वे।।

विवाह लग्न से 12वें शनि, 10वें भौम, 3रे शुक्र, लग्न में चन्द्र व पापग्रह (सू. भौ. श. रा. के.) शुभ नहीं होते हैं। 6वें स्थान पर लग्नेश, शुक्र और चन्द्र, 8वें स्थान में चन्द्र, भौम, लग्नेश व सभी शुभग्रह तथा सातवें स्थान पर सभी ग्रह त्याज्य हैं।

गोधूलि विचार - गोधूलि समय में यदि 6वें, 8वें व लग्न में चन्द्र हो तो कन्या के लिये अशुभ कारक तथा लग्न, 7वें एवं 8वें भाव में भौम हो तो वर के लिये अनिष्ट कारक होगा। गोधूलि वेला में यदि चन्द्र 2रे, 3रे और 11वें भाव में हो तो उपरोक्त दोनों दोषों का शमन कर शुभफल प्रदान करता है।

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।

कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
त्याज्य	पाप चन्द्र	0	शु.	रा.	0	चं. शु. लग्नेश	सभी	चं.,भौ. शुभग्रह लग्नेश	0	भौ.	0	श.
गोधू. त्याज्य	भौम चन्द्र	-	-	-	-	चन्द्र	भौम	चन्द्र भौम	-	-	-	-

वधू-प्रवेश मुहूर्त

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से 16 दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किये भी स्थिर लग्न में वधू प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे पाचवें वर्ष में भी शुभ हैं। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त (तिथ्यादि का) विचार कभी भी हो सकता है। वधू प्रवेश में रेवती, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा इन नक्षत्रों में शुभ वारों में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15 तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम भाव शुद्ध होने पर शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू प्रवेश वर्जित है।

दिन - विवाह से 16 दिन के अन्दर अथवा 7,5,9 वें दिनों में।

मास एवं वर्ष - विषम मास, विषम वर्ष।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

नक्षत्र - रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा।

वार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र।

लग्न - स्थिर लग्नों में चतुर्थ एवं अष्टम भाव शुद्ध हो।

त्याज्य - व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति व रिक्ता तिथि।

वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।

दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः॥

द्विरागमन-मुहूर्त

वधुप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह 1,2,5 इन विषम वर्षों में 1,8,11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार 1,2,3,6,7,12 लग्नों में हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष - विषम (5 वर्ष तक)

मास - 1 8 11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,15

वार - सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र

लग्न - 1,2,3,6,7,12

नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा

त्याज्य - सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। (सामान्य अवस्था में त्याज्य)

यात्रा मुहूर्त्त

शुभतिथि	शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13, 15
	कृष्णपक्ष 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13
शुभवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र श्रेष्ठ
शुभनक्षत्र	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., श्रव., धनि., रेव.

यात्रा काल में सूर्य विचार

सूर्य स्थिति	यात्रा फल
मेष, सिंह, धनु	प्रशस्त
वृष, मिथुन, तुला, मकर कुम्भ मीन	मध्यम
कर्क, वृश्चिक, मीन	अधम

यात्रा काल में चन्द्रविचार

दिशा	चन्द्र की राशि में स्थिति
पूर्व	मेष, सिंह, धनु
दक्षिण	वृष, कन्या, मकर
पश्चिम	मिथुन, तुला, कुम्भ
उत्तर	कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्र स्थिति वश फल

चन्द्र स्थिति	यात्रा फल
सन्मुख	अर्थलाभ
दक्षिण भाग	सुख-सम्पत्ति
पृष्ठ भाग	प्राण हानि
वाम भाग	धन नाश

यात्रा मे दिशाशूल विचार

दिशा	त्याज्य वार
पूर्व	शनि, चन्द्र
दक्षिण	गुरु
पश्चिम	शुक्र, रवि
उत्तर	बुध, मंगल

दिशाशूल परिहार वाक्य

न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः॥

सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा
गुड़मंगारकेवारे बुधवारे तिलान्यपि।

गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि

माषान्भुक्त्वा शनेवरि गच्छञ्छूले न दोषभाक्॥

गृह-निर्माण मुहूर्त

भूमि परीक्षण - इष्ट भूमि पर जहां मकान का निर्माण होना है एक हाथ गहरा एक हाथ लम्बा एक हाथ चौडा गढ्ढा बनावें। उसको पानी से पूर्ण कर दें। प्रात: वेला में उसे देखें। यदि जल युक्त पूर्ण हो तो शुभ निर्जल मध्यम तथा निर्जल छिन्न भिन्न हो तो अशुभ भूमि।

शुभ मास - वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष, माघ ,फाल्गुन, एवं मेष, वृष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ सूर्य रहते गृहाराम्भ शुभ तथा भाद्रपद-कार्तिक मास भी समान्यतया मान्य है।

शुभतिथि -2, 3, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा।

शुभवार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि।

शुभनक्षत्र - रोहि., मृग., चित्रा, हस्त, स्वा., अनु., उत्तरा 3, धनि, शत, रेवती तथा पुष्य।

शुभ लग्न - मेप मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक कुम्भ मीन तथा लग्न बल हेतु केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा 3 6 11 में पाप ग्रह एवं अष्टम स्थान शुद्ध होने पर नवीन भवन निर्माण शुभद रहता है।

भूशयन गणना क्रम -सूर्य जिस नक्षत्र में रहें उससे 5, 7, 9, 12, 19, 26 इन दिन नक्षत्रों में पृथ्वी शयन शील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमश: 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी कालांश मात्र में भूशयन शेप घटियों में सुप्त नही इनमें कूप, तडाग, बीज वपन, हल चलाना, खनननेष्ट है।

भूशयने मतान्तरम् - इष्ट सूर्य संक्रान्ति से 5, 7, 11, 9, 15, 20, 22 23, 28 इन दिनों में धरती शयन दोष कतिपय विद्वान 5, 7, 9, 15, 21, 24 दिन मात्र में ही भूशयन मानते है।

गृहारम्भे वृषभ वत्स गणना - सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 7 तक अशुभ, तदग्रे 11 तक शुभ तदग्रे 10 गणना तक अशुभ, अभिजित सहित गणना करना चाहिए।

भूमि क्रय विक्रय मुहूर्त्त - दोनो पक्ष की 5, 6, 10, 11, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। गुरु तथा शुक्रवार एवं मृग., पुन., आश्ले., मघा, विशा., अनु., 3पूर्वा, मूल, रेव. आदि नक्षत्रो में भूमि खरीदना व बेचना शुभ फल देता है।

अग्निवास विशेषता - नित्य नैमित्तिक कार्य, जन्म समय, दूर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहणरोग, पीड़ा तथा दुर्भिक्ष शान्ति यज्ञ विवाह याज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

विवाहयात्राव्रतगोचरेषु चूड़ोपनीतिग्रहणे यंक्तगादौ:।

दुर्गाविधाने च सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिंतनीयम्॥

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास विशेष शुभ तथा कार्तिक मार्गशीर्ष मास सामान्यतया मान्य हैं

तिथि - चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी रहित सभी तिथि मान्य

शुभ लग्न -वृष, सिंह, वृश्चिक, कुम्भ लग्नों में सामान्यत: 3 6 9 12 लग्नों में भी मान्यता। लग्न से 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 इन स्थानों शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 भावों में पाप ग्रह रहे तथा चन्द्रमा 1, 4, 6, 8, 12 स्थानों में नहीं होवें तथा चतुर्थ अष्टम भाव शुद्ध हो। जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न न हो तथा

कलश चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गाय, कन्या , जलपूर्ण कलश, पुष्पमाला, श्रीफल सहित वेदध्वनि, मार्गलिक गांयन वाद्यं के साथ नवगृह प्रवेश शुभ है।

शुभ वार - चन्द्र बुध, गुरु, शुक्र, शनि

शुभ नक्षत्र -रोहि., मृग., चि., अनु., उत्तरा 3 तथा रेवती विशेष शुभ एवं जीर्ण गृह में पुष्य स्वाति धनिष्ठा शतभिषा भी मान्य है।

कलशचक्र गणना - अभिजित नक्षत्र रहित करे सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 5 तक अशुभ, अग्रिम 8 तक शुभ, तदग्रे 8 तक अशुभ एवं आगे 6 तक शुभ शुद्धि गणना समझे।

खात विचार

देवालय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार

सूर्य राशि	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चिक,धनु	मकर,कुम्भ,मीन
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

गृह निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार

सूर्य राशि	सिंह,कन्या,तुला	वृश्चिक,धनु,मकर	कुम्भ,मीन,मेष	वृष,मिथुन,कर्क
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

जलाशय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार

सूर्य राशि	मकर,कुम्भ,मीन	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चि.,धनु
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

काकिणी विचार

स्ववर्गं द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् अष्टभिः हरेद् भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्॥

गांव के नाम वर्ग संख्या एवं गृहस्वामी के नाम वर्ग संख्या को अलग-अलग दुगुना करके परस्पर एक दूसरे की वर्ग संख्या में जोड़कर आठ से भाग देने पर शेष में जो भी अधिक हो उसे हानि होगी। तात्पर्य यह है कि गृहस्वामी की संख्या यदि स्थान के नाम की संख्या से अधिक है तो वहां निवास करने से उस व्यक्ति विशेष को हानि होगी। निम्नलिखित आधार पर वर्गों की संख्या एवं वर्णों को तथा सारणी द्वारा निवास के लिए शुभाशुभ फल को जानना चाहिए -

अवर्ग = 1 - सभी स्वर
कवर्ग = 2 - क,ख,ग,घ,ङ
चवर्ग = 3 - च,छ,ज,झ,ञ
टवर्ग = 4 - ट,ठ,ड,ढ,ण
तवर्ग = 5 - त,थ,द,ध,न
पवर्ग = 6 - प,फ,ब,भ,म
यवर्ग = 7 - य,र,ल,व
शवर्ग = 8 - श,ष,स,ह

स्थान	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ
स्थान	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ
स्थान	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ
स्थान	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ
स्थान	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

तिथि एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग	-	-	3, 8, 13	2, 7, 12	5, 10, 15	1, 6, 11	4, 9, 14
मृत्यु योग	1, 6, 11	2, 7, 12	1, 6, 11	3, 8, 13	4, 9, 14	2, 7, 12	5, 10, 15
विष योग	4	6	7	2	8	9	7
हुताशन योग	12	6	7	8	9	10	11
क्रकच योग	12	11	10	9	8	7	6

नक्षत्र एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दग्ध योग	भरणी	चित्रा	उत्तराषाढ़ा	धनिष्ठा	उत्तराफाल्गुनी	ज्येष्ठा	रेवती
यमघंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
सर्वार्थसिद्धि योग	अश्वि. पुष्य हस्त मूल उत्तरा-3	श्रवण रोहिणी मृग. पुष्य अनुराधा	अश्वि. उ.भा. कृत्ति. आश्ले.	रोहिणी अनु. हस्त कृत्ति. मृग.	रेवती अनु. अश्वि. पुन. पुष्य	रेवती अनु. अश्वि. पुन. श्रवण	श्रवण रोहिणी स्वाती

नन्दा च भद्रा च जया च रिक्ता ....सितज्ञभौमार्किगुरौ च सिद्धाः । मु. चि., 1.4

नन्दा भद्रा नन्दिकाख्या .... रवेर्दग्धभं स्यात् । मु. चि., 1.5

षष्ठयादितिथियो ....रदधावने । मु. चि., 1.6

सूर्येश.................त्वश्यम् । मु. चि., 1.8,9

सूर्येऽर्कमूलोत्तरपुष्यदास्रं .... सर्वाथसिद्ध्यै कथितानि पूर्वैः । मु. चि., 1.28,29

गण्डमूल नक्षत्र-घटी बोधक चक्र

अश्विनी, मघा, मूल की आरम्भिक 3, 4, 9 घटी एवं रेवती, आश्लेषा, ज्येष्ठा की अंतिम 12, 11, 6 घटी गण्डमूल संज्ञक होती हैं।

नक्षत्र	अश्विनी	मघा	मूल	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
घटी	3	4	9	12	11	6
स्थिति	आरम्भिक	आरम्भिक	आरम्भिक	अंतिम	अंतिम	अंतिम

षोडश कक्ष व्यवस्था

ईशान — पूर्व — आग्नेय

मन्दिर	भण्डार कक्ष	स्नानगृह	दधिमन्थनकक्ष	रसोईघर
औषधि कक्ष				घी/तेल कक्ष
कोषागार				शयन कक्ष
रतिकक्ष				शौचालय
धान्य/पशुशाला	रोदन कक्ष	भोजनगृह	अध्ययनकक्ष	शस्त्र/भण्डार

उत्तर (बाएँ) — दक्षिण (दाएँ)

वायव्य — पश्चिम — नैऋत्य

विंशोत्तरी महादशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

सूर्य 6 वर्ष कृ.,उ.फा.,उ.षा.				चन्द्र 10 वर्ष रोहि.,हस्त,श्रव.				मंगल 7 वर्ष मृग.,चित्रा,धनि.				राहु 18 वर्ष आ.,स्वा.,शत.				गुरु 16 वर्ष पुन.,विशा.,पू.भा.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	00	03	18	चं.	00	10	00	मं.	00	04	27	रा.	02	08	12	बृ.	02	01	18
चं.	00	06	00	मं.	00	07	00	रा.	01	00	18	बृ.	02	04	24	श.	02	06	12
मं.	00	04	06	रा.	01	06	00	बृ.	00	11	06	श.	02	10	06	बु.	02	03	06
रा.	00	10	24	बृ.	01	04	00	श.	01	01	09	बु.	02	06	18	के.	00	11	06
बृ.	00	09	18	श.	01	07	00	बु.	00	11	27	के.	01	00	18	शु.	02	08	00
श.	00	11	12	बु.	01	05	00	के.	00	04	27	शु.	03	00	00	सू.	00	09	18
बु.	00	10	06	के.	00	07	00	शु.	01	02	00	सू.	00	10	24	चं.	01	04	00
के.	00	04	06	शु.	01	08	00	सू.	00	04	06	चं.	01	06	00	मं.	00	11	06
शु.	01	00	00	सू.	00	06	00	चं.	00	07	00	मं.	01	00	18	रा.	02	04	24

शनि 19 वर्ष पुष्य,अनु.,उ.भा.				बुध 17 वर्ष आश्ले.,ज्ये.,रेव.				केतु 7 वर्ष मघा,मूल,अश्वि.				शुक्र 20 वर्ष पू.फा.,पू.षा.,भर.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
श.	03	00	03	बु.	02	04	27	के.	00	04	27	शु.	03	04	00
बु.	02	08	09	के.	00	11	27	शु.	01	02	00	सू.	01	00	00
के.	01	01	09	शु.	02	10	00	सू.	00	04	06	चं.	01	08	00
शु.	03	02	00	सू.	00	10	06	चं.	00	07	00	मं.	01	02	00
सू.	00	11	12	चं.	01	05	00	मं.	00	04	27	रा.	03	00	00
चं.	01	07	00	मं.	00	11	27	रा.	01	00	18	बृ.	02	08	00
मं.	01	01	09	रा.	02	06	18	बृ.	00	11	06	श.	03	02	00
रा.	02	10	06	बृ.	02	03	06	श.	01	01	09	बु.	02	10	00
बृ.	02	06	12	श.	02	08	09	बु.	00	11	27	के.	01	02	00

योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

मंगला 1 वर्ष श्रव.,आर्द्रा चित्रा			पिंगला 2 वर्ष धनि.,पुन. स्वाती			धान्या 3 वर्ष शत.,पुष्य विशा.			भ्रामरी 4 वर्ष अश्वि.,आश्ले. अनु.,पू.भा.			भद्रिका 5 वर्ष भर.,मघा ज्ये.,उ.भा.			उल्का 6 वर्ष कृत्ति.,पू.फा. मूल,रेवती			सिद्धा 7 वर्ष रो.,उ.फा. पू.षा.			संकटा 8 वर्ष मृग.,हस्त उ.षा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
मं.	00	10	पिं.	01	10	धा.	03	00	भ्रा.	05	10	भ.	08	10	उ.	12	00	सि.	16	10	सं.	21	10
पिं.	00	20	धा.	02	00	भ्रा.	04	00	भ.	06	20	उ.	10	00	सि.	14	00	सं.	18	20	मं.	02	20
धा.	01	00	भ्रा.	02	20	भ.	05	00	उ.	08	00	सि.	11	20	सं.	16	00	मं.	02	10	पिं.	05	10
भ्रा.	01	10	भ.	03	10	उ.	06	00	सि.	09	10	सं.	13	10	मं.	02	00	पिं.	04	20	धा.	08	00
भ.	01	20	उ.	04	00	सि.	07	00	सं.	10	20	मं.	01	20	पिं.	04	00	धा.	07	00	भ्रा.	10	20
उ.	02	00	सि.	04	20	सं.	08	00	मं.	01	10	पिं.	03	10	धा.	06	00	भ्रा.	09	10	भ.	13	10
सि.	02	10	सं.	05	10	मं.	01	00	पिं.	02	20	धा.	05	00	भ्रा.	08	00	भ.	11	20	उ.	16	00
सं.	02	20	मं.	00	20	पिं.	02	00	धा.	04	00	भ्रा.	06	20	भ.	10	00	उ.	14	00	सि.	18	20

नैसर्गिकमैत्री एवं उच्च नीच चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	चं.,मं. गु.	सू.,बु.	सू.,चं. गु.	सू.,शु.	सू.,चं. मं.	बु.,श.	बु.,शु.
सम	बु.	मं.,गु. शु.,श.	शु.,श.	मं.,गु. श.	श.	मं.,गु.	गु.
शत्रु	शु.,श.		बु.	चं.	बु.,शु.	सू.,चं.	सू.,चं. मं.
उच्च	मे.10	वृष.03	म.28	कं.15	क.05	मी.27	तु.20
नीच	तु.10	वृ.03	क.28	मी.15	म.05	कं.27	मे.20

पुरुष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

भाव / ग्रह	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	अंगपीड़ा	धनहानि	आरोग्य	दु:ख	सन्तानहानि	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	अल्पायु	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुष्टस्वभाव
चन्द्र	कान्तियुक्त	सम्पत्तियुक्त	कीर्तिवान्	सुखी	धन,पुत्रयुक्त	अल्पायु	सुशीलापत्नी	योगी	धर्मात्मा	तेजवान	धनवान	कामी
मंगल	रक्तविकार	ऋणी	पराक्रमी	दु:ख	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	स्त्रीक्षय	शरीरकष्ट	पापबुद्धि	तेजवान	धनवान	दुष्टपत्नी
बुध	सुखी	धन,गुणयुक्त	शत्रुक्षय	सुखी	अल्पपुत्र	रोगयुक्त	धर्मज्ञ	गुणवान	सुखी	कीर्तिमान	धनवान	दरिद्र
बृहस्पति	विद्वान	धनागम	पापरत	सुखी	प्रतापवान	कामी	सुशीलापत्नी	नीचस्वभाव	धर्मरत	सम्पत्तियुक्त	लाभ	दुष्ट
शुक्र	सुखी	धनयुक्त	पापरत	सुखी	बुद्धिमान	रोगयुक्त	कामी	नीचस्वभाव	तपस्वी	सम्पत्तियुक्त	सुमति	रोगी
शनि	दु:खी	धनहानी	पराक्रमी	दु:खी	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	नेत्रविकार	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दु:खी
राहु	रोगी	निर्धन	पराक्रमी	मातृकष्ट	दुर्बुद्धि	बलयुक्त	पत्नीकष्ट	रोगी	दीन	मानसम्मान	सुविख्यात	पतित
केतु	कामी	दुष्ट	पराक्रमी	दु:खी	मन्दबुद्धि	बलवान	पत्नीहानी	क्लेश	पापी	पिताकीहानी	धनवान	दुर्जन

स्त्री कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

भाव / ग्रह	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	क्रोधी	दरिद्रा	सुपुत्रयुक्ता	पीड़ा	विपुत्रा	सुखिनी	दु:खकष्ट	वैधव्य	धर्मज्ञा	सुकर्मयुक्ता	लाभयुक्ता	रोगिणी
चन्द्र	अल्पायु	बहुधनयुक्ता	सुखिनी	सुभगा	सुपुत्रयुक्ता	रोगिणी	पतिप्रिया	रोगिणी	सुखिनी	धर्मज्ञा	गुणवती	हीनांगी
मंगल	वैधव्य	वन्ध्या	विसहजा	दु:खकष्ट	विपुत्रा	आरोग्या	वैधव्य	नेत्ररोग	दु:खी	कुपुत्रा	लाभयुक्ता	दुष्टा
बुध	सुभगा	धनयुक्ता	पुत्रवती	सुगृहा	बुद्धितेजयुक्ता	क्रोधी	पतिव्रता	कृतघ्ना	सुभोगा	सत्कर्मा	पतिव्रता	कृशांगी
बृहस्पति	सती	धनयुक्ता	सुसहजा	सुखी	गुणवती	विपत्ति	कीर्तियुक्ता	रोगिणी	पुत्रवती	साधवी	सुपुत्रा	सुव्यया
शुक्र	सुखी	सुभगा	धनवती	सुखी	पुत्रवती	दरिद्रा	पतिप्रिया	विसुखा	धर्मरता	धनवती	सुपुत्रा	सुव्यया
शनि	वन्ध्या	दु:खी	सुदक्षा	हृदयरोगी	विपुत्रा	गुणवती	वैधव्य	दु:खी	वन्ध्या	पापी	लाभयुक्ता	मुर्खा
राहु	अपुत्रा	दरिद्रा	धनयुक्ता	रोगकष्ट	विपुत्रा	धनयुक्ता	दु:खिता	वैधव्य	वन्ध्या	दुष्कर्मा	आरोग्या	दुष्टा
केतु	दु:खी	दु:खकष्ट	रोगयुक्ता	मातृहानि	अपुत्रा	धनयुक्ता	वैधव्य	दु:खी	शोकयुक्ता	पापरता	सुभगा	रोगयुक्ता

द्वादश भावों में स्थित गोचर ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	स्थानहानि	भय	धनलाभ	मानहानि	दीनता	विजय	यात्रा	कष्ट	पुण्यक्षय	सिद्धि	धनलाभ	धननाश
चन्द्र	अन्नलाभ	धननाश	सुख	रोग	कार्यहानि	धनलाभ	स्त्रीसुख	रोग	धर्मलाभ	सुख	धनलाभ	धननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	धननाश	शत्रुभय	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	धननाश
बुध	बन्धन	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुख	स्थानलाभ	कष्ट	धनलाभ	कष्ट	सुख	धनलाभ	धननाश
बृहस्पति	भय	धननाश	क्लेश	धननाश	सुख	शोक	राजसम्मान	पीड़ा	सुख	दीनता	धनलाभ	कष्ट
शुक्र	शत्रुक्षय	धनलाभ	सुख	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुःख	धनलाभ	धननाश
शनि	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	मनमुटाव	धनलाभ	धननाश
राहु	हानि	धननाश	धनलाभ	शत्रुता	शोक	धनप्राप्ति	क्लेश	मृत्यु	दुःख	शत्रुता	सुख	शोक
केतु	रोग	शत्रुता	सुख	भय	सुख	धनलाभ	क्लेश	रोग	पाप	शोक	कीर्ति	शत्रुभय

वर्ष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	परिवारविरोध	भ्रातृकष्ट	कृषिपशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुक्षय	पत्नीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धन सम्मान	धनीविलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफपीड़ा	कुटुम्ब प्रभाव	धनीभ्रातृसुख	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वादविवाद	खांसीवातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	शत्रुक्षयधनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
मंगल	नेत्ररोग	धनहानि	वाहनसुख	व्रण,अग्निभय	पुत्रकष्ट	शत्रुक्षय	स्त्रीरोग	शत्रुपीड़ा	भाग्ययशवृद्धि	धनलाभ	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	पत्नीसुख	वाहनसुख	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	पत्नीकष्ट	विलासी	ज्वर,कफ	पुत्र,धनलाभ	पुत्र,धनलाभ	धन,यशलाभ	शत्रुभय
बृहस्पति	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्तानसुख	पत्नी,शत्रुकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरपीड़ा	धनलाभ	राज्यलाभ	विजय	रोग,शत्रुभय
शुक्र	यशस्वी	धन,मानलाभ	भ्रातृसुख	वाहनकृषिसुख	सन्तानलाभ	उदरपीड़ा	पत्नीसुख	शरीरपीड़ा	धर्म,शील	व्यापारी,धनी	सन्तानलाभ	नेत्र,चर्मरोग
शनि	वातरोग	भ्रातृहानि	पराक्रमी	अग्निभय	पुत्रहानि	कीर्तिलाभ	पत्नीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिलाभ	विशेषव्यय
राहु	पत्नीकष्ट	बन्धुविवाद	धन,यशलाभ	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुक्षय	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुक्षय	स्थानच्युत
केतु	चिंता,व्रण	परिवारकलह	यशलाभ	वाहनकष्ट	दुर्बुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यहानि	धनलाभ	विविधलाभ	दुष्टसंगति

शतपदचक्र

नक्षत्र	अश्वि IIII	भर. IIII	कृत्ति. IIII	रोहि. IIII	मृग. IIII	आर्द्रा IIII	पुन. IIII	पुष्य IIII	आश्ले IIII	मघा IIII	पू.फा. IIII	उ.फा. IIII	हस्त IIII	चित्रा IIII
अक्षर	चू,चे चो,ला	ली,लू ले,लो	अ,इ उ,ए	ओ,वा वी,वू	वे,वो का,की	कू,घ ङ,छ	के,को ह,ही	हू,हे हो,डा	डी,डू डे,डो	मा,मी मू,मे	मो,टा टी,टू	टे,टो पा,पी	पू,ष ण,ठ	पे,पो रा,री
राशि	मेष	मेष	मेष। वृष।।।	वृष	वृष।। मि.।।	मि.	मि.।।। कर्क।	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह। क.।।।	कन्या	क.।। तुला।।
स्वामी	मंगल	मंगल	मंगल। शुक्र।।।	शुक्र	शुक्र।। बुध।।	बुध	बुध।।। चन्द।	चन्द	चन्द	सूर्य	सूर्य	सूर्य। बुध।।।	बुध	बुध।। शुक्र।।
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद।।	शूद	शूद।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद।।
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.। चतु.।।।	चतु.	चतु.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.	चतु.	चतु.	चतु.। मनु.।।।	मनु.	मनु.।। मनु.।।
योनी	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मुषक	गौ	महिष	व्याघ्र
गण	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य

नक्षत्र	स्वाती IIII	विशा. IIII	अनु. IIII	ज्येष्ठा IIII	मूल IIII	पूषा. IIII	उषा. IIII	श्रवण IIII	धनि. IIII	शत. IIII	पू.भा. IIII	उ.भा IIII	रेवती IIII
अक्षर	रू,रे रो,ता	ती,तू ते,तो	ना,नी नू,ने	नो,या यी,यू	ये,यो भा,भी	भू,ध फ,ढ़	भे,भो जा,जी	खी,खू खे,खो	गा,गी गू,गे	गो,सा सी,सू	से,सो दा,दी	दू,थ झ,ञ	दे,दो च,ची
राशि	तुला	तु.।।। वृ.।	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	धनु। म.।।।	मकर	म.।। कुं.।।	कुम्भ	कुं.।।। मीन।	मीन	मीन
स्वामी	शुक्र	शुक्र।।। मंगल।	मंगल	मंगल	गुरु	गुरु	गुरु। म.।।।	शनि	शनि।। शनि।।	शनि	शनि।।। गुरु।	गुरु	गुरु
वर्ण	शूद	शूद।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद।।	शूद	शूद।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	मनु.	मनु.।।। कीट।	कीट	कीट	मनु.	मनु०.५ चतु३.५	चतु.	चतु१.५ जल२.५	जल.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.
योनी	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

मेलापक विमर्श

वर्ण विचार (1)

वर / कन्या	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
विप्र	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

वश्य विचार (2)

वर / कन्या	चतु.	मानव	जल.	वन.	कीट
चतु.	2	1	1	0	1
मानव	1	2	0.5	0	1
जल.	1	0.5	2	1	1
वन.	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

तारा विचार (3)

वर / कन्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	3	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

गण विचार (6)

व / क	देव	मानव	राक्षस
देव	6	5	0
मानव	5	6	0
राक्षस	0	0	6

नाड़ी विचार (8)

व / क	आद्य	मध्य	अन्त्य
आद्य	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

योनी विचार (4)

व / क	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ	म.	व्या	मृ.	वा.	न.	सि.
अ.	4	2	3	2	2	3	3	3	1	1	3	2	2	1
ग.	2	4	3	2	2	3	3	3	3	2	2	2	2	0
मे.	3	3	4	3	2	3	3	3	3	1	3	0	3	0
स.	2	2	3	4	2	2	1	1	2	2	2	2	2	0
श्वा	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मा.	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मू.	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	2	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
म.	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्या	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
मृ.	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	3
वा.	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
न.	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	4	4	2
सि.	1	0	1	2	1	2	2	2	3	2	2	2	2	4

ग्रहमैत्री विचार (5)

वर / कन्या	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
भौम	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	0.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

भकूट विचार (7)

व / क	मेष	वृष	मि.	क.	सिंह	कं.	तु.	वृ.	धनु	म.	कुं.	मीन
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	7
वृष	0	7	0	7	7	7	0	7	0	0	7	7
मि.	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कं.	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तु.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
वृ.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
म.	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुं.	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

मेलापक सारणी (खण्ड - 3)

वर / कन्या		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
तुला	चित्रा 2	22.5 634	14.5 3468	28.5 34	23.5 734	20 67	12 678	13 678	21 67	19.5 673	20.5 6523	11.5 684253	26.5 235	25.5 235	11.5 25683	17.5 24635	17.5 4673	20 674	21 78
	स्वाती 4	27.5 43	29.5 3	17.5 38	12.5 783	15.5 783	26 7	27 7	26 7	28 7	29 25	27.5 235	14.5 8235	13.5 2368	25.5 235	25.5 235	25.5 73	27.5 73	21 746
	विशा. 3	22.5 346	22.5 346	20.5 348	15.5 3784	10.5 6738	18.5 673	19.5 673	20 674	21 67	22 625	21 635	18.5 8235	17.5 2538	19.5 2536	17.5 24536	17.5 4673	18.5 6734	27.5 73
वृश्चिक	विशा. 1	16.5 61743	16.5 16743	14.5 17843	19.5 1843	14.5 1683	22.5 163	12 125673	12.5 124675	13.5 12675	19 67	18 674	15.5 783	21.5 1283	23.5 1263	21.5 12643	17 312645	18 126345	27 1235
	अनु. 4	24.5 713	15.5 1783	19.5 1763	24.5 136	27.5 13	20.5 183	10 123875	15.5 312574	20.5 1275	26 7	18 78	21 76	24.5 1236	20.5 1238	29.5 123	25 1235	26 123	11 125834
	ज्येष्ठा 4	12 1678	18.5 1637	24.5 173	29.5 13	22.5 163	22.5 163	12 312675	2 3214678	5 53125678	10.5 3678	20 67	26 7	31 21	23.5 1263	16.5 31268	12 312685	12 312685	24 12345
धनु	मूल 4	12 678	20 67	24.5 73	19 1753	13 16375	13 51637	21 1635	15 16835	12 516384	8 467283	17 6723	23.5 724	25 27	19 267	9.5 32678	13 35168	13 35168	26 5134
	पूषा. 4	26 7	18 78	18 674	12.5 14675	18 17345	10 517348	18 18345	27 135	27 135	23 723	13 47823	17 6723	19 267	17 278	25 27	28.5 15	27 135	13 31685
	उषा. 1	24.5 37	26 7	12 678	6.5 51478	10.5 14578	17 14375	25 1435	27 135	27 135	23 723	23 723	9 67283	8,5 362478	24 274	25 27	28.5 15	28.5 15	21 6135
मकर	उषा. 3	27 35	28.5 5	14.5 685	12 678	16 784	22.5 473	20 1437	22 173	22 1723	28 35	28 35	14 6835	4.5 345678	20 574	21 57	24.5 73	24.5 27	17 6723
	श्रवण 4	27 35	26 35	13.5 485	11 4768	16 784	25 74	22.5 1724	21 1723	22 1723	28 3	26 435	15 835	6.5 36578	18.5 573	20 75	23.5 72	24.5 72	19.5 72
	धनि. 2	20 6345	11 46835	26 345	23.5 734	20 67	12 678	9.5 21678	16.5 24167	16 26137	22 635	13 56834	28 35	19.5 573	5.5 36578	12.5 34567	16 67234	17.5 672	15.5 7824
कुम्भ	धनि. 2	20 6345	11 46385	26 345	30.5 34	27 6	19 68	12 678	19 674	18.5 673	13.5 67235	4.5 3456782	19.5 7235	25.5 235	11.5 23568	18.5 25634	17.5 6734	19 674	17 478
	शत. 4	15 6835	21 635	28 35	32.5 3	25.5 63	27 6	20 67	12 678	13 678	8 67285	14.5 67235	20.5 2735	26.5 253	20.5 2563	12.5 25368	11.5 3687	8.5 34687	25 74
	पू.भा. 3	18 8345	25 435	20 6534	24.5 634	31.5 3	31.5 3	24.5 73	17 784	18 78	13 782	20 7524	13.5 67235	19.5 2536	25.5 253	16.5 25483	15.5 783	15.5 7834	17.5 6734
मीन	पू.भा. 1	14.5 17384	21.5 1437	16.5 61374	19 61345	26 135	26 135	25.5 1235	18 18245	19 8125	18 87	25 74	18.5 673	17.5 1637	23.5 173	14.5 17384	16.5 518234	16.5 518234	18.5 516234
	उ.भा. 4	24.5 173	16.5 1738	18.5 6137	21 6135	26 135	18 8135	17.5 81235	25.5 1523	28 125	27 7	19 78	21 67	18.5 6137	16.5 178	25.5 173	27.5 1235	26.5 1235	9.5 1352468
	रेवती 4	25 17	24.5 173	11.5 36178	14 61835	17 2835	26 135	25.5 1352	24.5 5123	26.5 5123	25.5 73	27 7	14 786	13 1768	23.5 173	23.5 173	25.5 1523	26.5 1523	19.5 145236

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 4)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
तुला	चित्रा 2	28 8	27 64	34.5 3	23.5 723	6.5 462387	20.5 7234	27 345	14 6735	22 635	25 632	26.5 62	23.5 824	18 874	26 74	18.5 6734	12.5 672345	3.5 2346785	12.5 456723
	स्वाती 4	28 46	28 8	20 846	9 72486	21.5 723	16.5 7236	23 356	27 356	19 385	22 823	23 823	26.5 246	21 467	20 647	25 47	19 2745	19.5 2375	12.5 23785
	विशा. 3	34.5 3	19 684	28 8	17 728	16 6274	20.5 7234	27 345	22 635	14 6358	17 6823	17 6823	30 234	24.5 734	26 74	20 674	14 67245	13 64735	4.5 6728345
वृश्चिक	विशा. 1	22.5 1273	7 126874	16 1287	28 8	27 64	31.5 34	21.5 12347	16.5 12673	8.5 126873	12 61835	12 61835	25 1345	24 12345	25.5 1245	19.5 12645	19 674	18 647	9.5 67834
	अनु. 4	6.5 1234678	21.5 1273	16 12746	28 46	28 8	31 6	15.5 123467	13.5 31287	21.5 1237	25 135	26 135	12 341856	11 3412856	21 12356	24.5 1245	24 74	18 87	27 7
	ज्येष्ठा 4	19.5 12734	15.5 31267	19.5 12734	31.5 34	30 6	28 8	14 12874	16.5 12367	16.5 12367	20 6235	20 6135	25 1345	24 12345	18 12853	10 3124685	9.5 67384	21 67	21 67
धनु	मूल 4	26 3145	21 6135	26 3145	22.5 7234	15.5 62734	15 4287	28 8	28 6	26.5 63	15 61723	15 61723	20 17234	28.5 124	21.5 183	14.5 68134	16 68234	25 623	26 72
	पूषा. 4	13 61385	27 135	21 6135	17.5 6273	15.5 7283	17.5 6273	28 6	28 8	34	22.5 172	23 1723	6 6172834	14.5 61384	23.5 613	28.5 134	30 234	23 823	31 23
	उषा. 1	21 6135	19 8135	13 61835	9.5 62783	23.5 723	17.5 6273	26.5 63	34	28 8	16.5 1728	14.5 1728	15 61273	23.5 613	23.5 613	29.5 13	31 23	31 23	23 823
मकर	उषा. 3	24 613	22 8123	16 6183	13 6835	27 35	21 635	16 6723	23.5 72	17.5 872	28 8	26 8	26.5 63	17 62713	17 62713	23 1723	30.5 3	30.5 3	22.5 83
	श्रवण 4	26.5 126	22 8123	17 81623	14 835	27 35	22 35	17 7236	23 723	14.5 872	25 8	28 8	28 46	18.5 17246	18 17235	21 17234	28.5 34	29.5 3	22.5 83
	धनि. 2	22.5 8124	24.5 6124	29 1234	26 345	12 68345	26 345	21 7234	7 674283	16 6723	26.5 63	27 64	28 8	18.5 1782	23.5 1724	19 61237	26.5 63	15.5 6834	22.5 643
कुम्भ	धनि. 2	18 874	20 674	24.5 734	25 3245	11 624385	25 3245	29 34	15.5 6384	24.5 36	18 6723	18.5 6724	19.5 728	28 8	33 4	28.5 63	18 6723	7 367284	14 64273
	शत. 4	26 74	19 746	26 74	26.5 425	21 6235	19 8235	22.5 83	24.5 63	24.5 63	18 6723	18 6723	24.5 724	33 4	28 8	19 684	8.5 67284	17 6723	16 6723
	पू.भा. 3	18.5 6734	26 74	20 674	20.5 6245	26.5 245	11 623485	15.5 8634	29.5 34	30.5 3	24 723	23 7234	20 7623	28.5 63	19 864	28 8	17.5 872	22.5 724	20 7243
मीन	पू.भा. 1	11.5 612734	19 517245	13 612745	19 674	25 74	9.5 67834	15 62384	29 1234	30 123	29.5 13	28.5 134	25.5 613	17 6173	7.5 614738	16.5 1738	28 8	33 4	30.5 34
	उ.भा. 4	2.5 1234567	19.5 872135	12 625741	18 647	19 87	21 67	24 6123	22 8123	30 123	29.5 13	29.5 13	14.5 61384	6 6128734	16 61273	21.5 1734	33 4	28 8	35
	रेवती 4	12.5 172345	11.5 173285	4.5 1234567	10.5 387346	27 7	22 76	26.5 162	29 123	21 8123	20.5 813	21.5 813	22.5 1346	14 124736	16 17236	18 14723	29.5 43	34	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट सम्वत् में से जन्म सम्वत् घटाने पर जो शेष बचे, वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से प्राचीन मतानुसार वर्षप्रवेश सारणी के नीचे दिये गये वार घटी पल आदि फल लेकर उसमें जन्म के वार, इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकाल ज्ञात होता है। पल घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हे सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय(समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष लग्न कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है। यह प्रति वर्ष एक-एक राशि बढती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोडकर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य चन्द्र मंगल राहु बृहस्पति शनि बुध केतु शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिनादि पंचाग में दिये गये चक्र से जान सकते हैं।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुन्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं। वर्ष कुण्डली में हर्षबल का सर्वाधिक महत्व होता है क्योंकि हर्षबल के द्वारा ही वर्षेशादि का निर्णय होता है।

स्थानबल-

वर्ष लग्न से 9वें स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षबली होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 हर्षबली होते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5, चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित अर्थात् हर्ष बली होतें हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1,2,3,7,8,9 स्थानों मे तथा पुरुष ग्रह (सू. मं. गु.) 4,5,6,10,11,12 स्थानों में हर्ष बली होते हैं। हर्ष बली ग्रह के 5 बल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह बली होते हैं। यहां यह ध्यान देना चाहिये जहां बल प्राप्त हो वहां 5 तथा जहां बलप्राप्त न हो वहां शून्य (0) रखना चाहिये। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश निर्णय-

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि का वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो, वर्षेश नही होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्प बली हो तो, मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे अधिक बलवान् होगा वही वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करें, वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि मे बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान को गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्षमित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रुदृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

॥ वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्ष प्रवेशसारिणी ॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	23	16	39
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटी	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1
घटी	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	3	4	5	6	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	6	1	2
घटी	13	29	44	59	15	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	29	44	59	15	30
पल	46	9	32	55	18	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	4	27	50	13	36
विपल	12	9	6	3	0	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	12	9	6	3	00

॥ प्राचीनमानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	00	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटी	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	00	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	28	30
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	4	0	2	3	4	00	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटी	26	10	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	43	3	18	34	49	5	21
पल	21	30	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	37	29	22	454	25	57	28	00
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	21	30	30	00	30	00	30	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटी	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	00	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	10	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	00	00	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटी	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	00
विपल	30	00	30	0	30	0	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

॥ विंशोत्तरी मुद्दादशाचक्र ॥

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	0	1	0	1	1	1	1	0	2
दिन	18	0	21	24	18	27	21	21	0

॥ योगिनी मुद्दादशाचक्र ॥

योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	0	0	1	1	1	2	2	2
दिन	10	20	0	10	20	0	10	20

॥ त्रिराशिपतिचक्र ॥

लग्नम्	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
दि.पति	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृष	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्चि.	ध.	म.	कु.	मी.
रा. पति	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

अथ बृहद्गोदानविधिः

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्रीं स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्तलक्षणां सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्ये अमुकगोत्रोऽमुकराशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतद् श्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थं ब्राह्मणवरणम् -तत्प्रतिग्रहणार्थं ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थम् अमुकगोत्रस्यामुकवेदाध्यायिनम् अमुकशर्माणं ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्यमातरम् ।
यस्याः स्मरणमात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥१॥
त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासि वसुन्धरा।
गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ॥
तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।
भूतप्रेतपिशाचांश्च पितृदेवतमानुषान् ॥
सर्वास्तारयते देवी नरकात्पापसङ्कटात् ॥

इत्यावाह्य पूजयेत्।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमो विश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्य एव च।
लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहिणीभ्यो नमो नमः॥

गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः॥

देहस्था या च रुद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

गोरास्याय नमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वाहा या च विभावसोः।
चन्द्रार्कशक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे॥

गोः शृंगाभ्यां नमः॥ गोकर्णाभ्यां नमः॥

चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्य्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।
लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनुवरदास्तु मे।

अथ बृहद्गोदानविधिः

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्रीं स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्तलक्षणां सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्ये अमुकगोत्रोऽमुकराशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतद् श्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थं ब्राह्मणवरणम् –तत्प्रतिग्रहणार्थं ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थम् अमुकगोत्रस्यामुकवेदाध्यायिनम् अमुकशर्माणं ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्यमातरम् ।

यस्याः स्मरणमात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥१॥

त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासि वसुन्धरा।

गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ॥

तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।

भूतप्रेतपिशाचांश्च पितृदेवतमानुषान् ॥

सर्वास्तारयते देवी नरकात्पापसङ्कटात् ॥

इत्यावाह्य पूजयेत्।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमो विश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्य एव च।

लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहिणीभ्यो नमो नमः॥

गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः॥

देहस्था या च रुद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।

धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

गोरास्याय नमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वाहा या च विभावसोः।

चन्द्रार्कशक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे॥

गोः शृंगाभ्यां नमः॥ गोकर्णाभ्यां नमः॥

चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।

लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनुवरदास्तु मे।

गोः पृष्ठाय नमः।।

स्वधा त्वं पितृमुख्यानां स्वाहा यज्ञभुजांस्तथा।

सर्वपापहरे धेनो तस्माच्छान्तिं प्रयच्छ मे।।

गोः पुच्छाय नमः।।

यस्याः श्रृंगाग्रयोरिन्द्र उरसि स्कन्ध एव च।

तत्रास्ते शिरसि ब्रह्मा ललाटे वृषभध्वजः।।

कर्णयोरश्विनौ देवौ चक्षुषोः शशिभास्करौ।

दंतेषु मरुतो देवा जिह्वायां च सरस्वती।।

अपाने सर्वतीर्थानि लांगूले सर्वमङ्गला।

ऋषयोः रोमकूपेषु पृष्ठे वैवस्वतो यमः।।

वरुणो धनदश्चैव दक्षिणां कुक्षिमाश्रितः।

वामपार्श्वे महायज्ञो महोजास्तु महाबलः।।

खुरमध्ये तु गन्धर्वाः खुराग्रे पन्नगास्तथा।

खुराणां पश्चिमे पार्श्वे गणा अप्सरसामपि।।

गोमये वसते लक्ष्मीर्गोमूत्रे जाह्नवीजलम्।

हुंकारे निखिला वेदा रम्भाशब्दे प्रजापतिः।।

चत्वारः सागराः पूर्णा धेनूनां स्तनमण्डले।

अमृतं स्रवते नित्यं पिबन्ति सुरमानवाः।।

न धेनु तुल्यं धनमस्ति किञ्चिद्धरत्यघं गुह्यबहिर्भवं च।

तृणानि भुक्ताप्यमृतं स्रवंती विप्राय दत्ता पितृमोक्षदा सा।।

एककालं द्विकालं वा यो ददाति गवाह्निकम्।

पञ्चचामरपूर्णाङ्गविमानमधिरोहति।।

उभे संध्ये च यो नित्यं गोसावित्रिं सदा पठेत्।

गोसहस्रफलं सोऽपि लभते वांछितं फलम्।।

गवामङ्गेषु तिष्ठन्ति भुवनानि चतुर्दश।

यस्मात्तस्माच्छिवं मे स्यादिह लोके परत्र च।।

वस्त्रम्- आच्छादनं मया दत्तं सम्यक् शुद्धं सुनिर्मलम्।
सुरभिर्वस्त्रदानेन प्रीयतां परमेश्वरी।

गन्धम्- सर्वदेवप्रियन्देवि चन्दनं कुङ्कुमान्वितम्।
कर्पूरादिसमायुक्तं गोगन्धं प्रतिगृह्यताम्।।

अक्षताः - अक्षताश्च शुभ्राश्च कुंकुमाक्ताः सुशोभनाः।
मयानीताः प्रियार्थैतान् गृहाण त्वं गवेश्वरि।।

धूपम् - आनन्दकृत्सर्वलोके देवानाञ्च सदाप्रिये।
गौस्त्वं पाहि जगन्माता धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।

दीपम्- साज्यं सद्वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेशि सर्वतस्तिमिरापहम्।

गोः ग्रासः - सुरभिस्त्वं जगन्माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता।
गो ग्रासं च मया दत्तं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।
सुरभिस्त्वं जगन्मातर्देवि विष्णुपदे स्थिता।
सर्वदेवमयी ग्रासं मया दत्तमिमं ग्रस॥

भूषणार्थ द्रव्यं - घंटाचामरञ्च समर्प्य, ततो गोः देहतीर्थानि पूजयेत्।

देहे देवतीर्थपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पैः

शृङ्मूले ब्रह्माविष्णुभ्यो नमः॥ सर्वतीर्थेभ्यो नमः॥ शिरोमध्ये महादेवाय नमः॥ ललाटे गौर्ये नमः॥ नासारन्ध्रे षण्मुखाय नमः॥ नासापुटयोः कम्बलाश्वतराभ्यां नमः॥ दन्तेषु वायवे नमः॥ जिह्वायां वरुणाय नमः॥ हुंकारे सरस्वत्यै नमः॥ गण्डयोः मासपक्षाभ्यां नमः॥ ओष्ठयोः सन्ध्याद्वाभ्यां नमः॥ ग्रीवायां रक्षेभ्यो नमः॥ कुक्षौ साध्ये नमः॥ जंघासु धर्म्माय नमः॥ खुरमध्ये गन्धर्वेभ्यो नमः॥ खुराग्रे कुलपर्वतेभ्यो नमः॥ खुरपश्चिमाग्रेषु अप्सरोगणेभ्यो नमः॥ पृष्ठे एकादशरुद्रेभ्यो नमः॥ सर्वसन्धिषु वसुभ्यो नमः॥ श्रोण्यौ पितृगणेभ्यो नमः॥ पुच्छे सोमाय नमः॥ पुच्छकेशेषु सूर्य-रश्मिभ्यो नमः॥ गोमूत्रे गङ्गायै नमः॥ गोमये यमुनायै नमः॥ क्षीरे सरस्वत्यै नमः॥ दध्नि नर्मदायै नमः॥ घृते वह्नये नमः॥ रोमेषु कोटिदेवेभ्यो नमः॥ उदरे पृथिव्यै नमः॥ स्तनेषु चतुः सागरेभ्यो नमः॥

एते यस्याः स्तनो देवा सा धेनुर्वरदो मम ॥

स्वर्णशृङ्गीं रौप्यखुरां ताम्रपृष्टां मुक्ताफलसमर्पितं लांगूलवती कांस्यगोदेविकां विधाय प्रार्थयेत्।

नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।

गोपुच्छतर्पणविधिः-

सकुशाक्षतयवं गोपुच्छं च गृहीत्वा प्राङ्मुखी यजमानौ देवतीर्थेन देवास्तर्पयेत्।

ॐ या नन्दनी सुशीलाद्या कामदाश्चैव धेनवः।
ताः सर्वा पुच्छतोयेन तर्पितास्तर्पयन्तु माम्॥
ब्रह्मा विष्णुर्महादेवः कार्तिकेयो गणाधिपः।
पुष्पचापो महेन्द्रश्च भगवानच्युताग्रजः॥
देवा समस्ताः सगणाः सवाहनपरिच्छदाः।
सवसवोऽष्टौ द्वादशार्का रुद्रा एकादशेऽवतु॥
विश्वेदेवाश्च सोमश्च मरुतो मातरस्तथा।

गन्धर्वा गुह्यकाश्चैव सागरा सरितस्तथा॥
राक्षसाः यक्षवेतालाः पूतनाः पर्वताः द्रुमाः।
तीर्थान्यापसरश्चैव पशवः पन्नगाः खगाः॥
ऋक्षाणि राशयः योगाः मासवर्षर्तुवासराः।
अयने च युगाः कल्पास्तथा मन्वन्तराणि च॥
भुवनानि दिशाकाशं तथा सर्वेन्द्रियाणि च।
ॐकारश्चैव गायत्री छन्दस्त्वङ्गानि चैव हि॥
वेदाश्च स्मृतयश्चैव पुराणानि तथैव च।
आयुर्वेदो धनुर्वेदो गन्धर्वो मन्त्रपारगाः॥
औषध्यो वनसम्भूता ग्राम्याश्चैव सुप्पिपलाः।
सानुगा देवताश्चैव मुनयः सगणास्तथा॥
ऋषयः ऋषिपत्न्यश्च सिद्धाश्च सगणास्तथा।
प्रजा प्रजापतिश्चैव येऽन्ये विघ्नविनायकाः॥
विद्याधराश्च दैत्याश्चैवाचार्या गुरवस्तथा।
डाकिन्यः क्षेत्रपालश्च भैरवाचाष्टसंख्यकाः॥
स्थावरा जङ्गमाश्चैव भूतग्रामचतुर्विधाः।

अक्षयेनाऽमृतेनैव मङ्गलेन सुवारिणा॥
गोपुच्छाग्रच्युतमेह मद्दतेन हितेऽखिला।
शाश्वतीं तृप्तिमायान्तु दात्र्यै युक्तवरप्रदाः॥
सूर्यः सोमः कुजः सौम्यो गुरुः शुक्रः शनैश्चरः।
ग्रहाश्च तृप्तिमायान्तु राहुकेतू समन्वितौ॥
इन्द्रो वह्निर्यमो रक्षः पाशो वायुर्धनाधिपः।
ईशोऽनन्तस्तथा ब्रह्मा सर्वे ते तर्पिता मया॥
सावित्र्या सह लोकेशः सलक्ष्मीकश्चतुर्भुजः।
महेशश्चोमया सार्द्धस्तृप्तिर्यान्तु च शाश्वतीम्॥
अत्रिर्वशिष्ठो भृगुगौतमौ च
मरीचि दक्षो पुलहः पुलस्त्यः।
प्रचेतसः काश्यपविश्वमित्रौ
भारद्वाजसंज्ञो जमदग्निरेव।
अन्ये च सर्वे मुनिपुंगवाश्च
गृह्णन्तु दत्तं जलमद्य तुष्टाः॥

(जीवितपितृकस्य तर्पणे निषेधोऽतस्तेन तन्नकार्य्यम्) ततो यज्ञोपवीतं कण्ठावरोहणं कृत्वा साक्षतकुशैः मनुष्यतीर्थेन मनुष्यांस्तर्पयेत् –

सनकः सनन्दनश्चैव सनातनस्तथैव च।

कपिलश्चासुरैश्चैव वोढुपञ्चशिखस्तथा।

ते तृप्तिमखिलायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः॥

ततो अपसव्यं विधाय द्विगुणितकुशतिलजलैः पितृन् तर्पयेत् –

कव्यवाडवानलः सोमो यमश्चैत्रार्य्यमा तथा।

अग्निष्वाताः सोमपाश्च तथा बर्हिषदश्च ये।

तर्पितास्तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

यमाय धर्मराजाय मृत्यवे चान्तकाय च।

वैवस्वताय कालाय सर्वभूतक्षयाय च।

औदुम्बराय दध्नाय नीलाय परमेष्ठिने।

वृकोदरश्च चित्रश्च चित्रगुप्तस्तथैव च।

ते सर्वे तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितापितामहश्चैव तथैव प्रपितामहः।

माता पितामही चैव तथैव प्रपितामही।

मातामहः प्रमातामहः प्रमातामहोपरः।

मातामही प्रमातामही प्रमातामहीपरा।

तृप्तिमायान्तु सकलाः गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितृवंशे मृते ये च मातृवंशेऽपि ये मृताः।

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः क्रियालोपगतास्तथा।

आब्रह्मस्तंबपर्य्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु सर्वदा सर्वे गोपुच्छोदकतर्पणैः।

ब्राह्मणपूजनम् – गन्धाक्षतपुष्पमालादिभिः विप्रमर्चयित्वा, अनन्तरं वस्त्रद्रव्यरत्नादिभिः च अलङ्करणं कुर्यात्। प्रार्थयेत्–

ॐनमस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये, सहस्रपादाक्षिशिरोरुबाहवे।

सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वते सहस्रकोटियुगधारिणे नमः॥

आपध्वनन्ताय सहस्रभानवे समीहितार्थार्पणकामधेनवः।

अपारसंसारसमुद्रसेतवः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः॥

ॐभूमावेवाग्रजन्मासि विप्र त्वं पुरुषोत्तमः।

प्रत्यक्षो यज्ञपुरुषः पूजां मे प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ अथ्ठं शुनाते अ थ्ठं शुः पृच्यतां परुषा परुः गन्धस्ते
सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।

उदङ्मुखस्तु विप्रः स्यात्पात्रलक्षणलक्षितः।

आज्यपात्रं करे कृत्वा सुवर्णेन समन्वितम्॥

निक्षिप्य पुच्छं तस्मिंस्तु घृतदुग्धं प्रगृह्य च।

सतिलं विप्रवर्य्याय धेनुं दद्यात्पयस्विनीम्॥

प्राङ्मुखीगाम् उदङ्मुखी विप्रः पुच्छदेशे स्वयं स्थित्वा आज्यपात्रं सतिलं कनकेन(सुवर्णेन) अन्वितं (युक्तं) प्रगृह्य गोपुच्छं तत्पात्रे निधाय दानसंकल्पं कुर्यात्॥

अद्येत्यादि अमुकोऽहं ममामुष्मिन् कर्मणि श्रुतिस्मृति-पुराणोक्तफलवाप्तये गोरोमसंख्यकदिव्यवत्सरावच्छिन्न स्वर्गलोकस्थितिकामांश्च पितृणां निरतिशयानन्दब्रह्मलोकप्राप्तये च परमेश्वरप्रीतये इमां सुपूजितां सालंकारां सवत्सां गां रुद्रदेवताममुकगोत्राय अमुकशर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

दानवाक्यम् - यज्ञसाधनभूतायाः विश्वस्याघविनाशिनी।
विश्वरूपधरोदेवः प्रीयतामनया गवा॥

ततो ब्राह्मणः स्वस्तीति वदेत्-

अद्य कृतैतद्गोदानकर्मणः सांगतासिद्धये इदं हिरण्यमयं दक्षिणामग्निदैवतममुकगोत्रायामुकशर्म्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

कोदादिति ब्राह्मणप्रतिवचनम्।

ततो ब्राह्मणगवोः प्रदक्षिणाचतुष्टयं कुर्य्यात्-

नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च।
जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः॥
मया जन्मसहस्रेषु ह्यर्जितं पापसंचयम्।
तत् सर्वं नाशय क्षिप्रं प्रदक्षिणा पदे-पदे॥

ब्राह्मणः गोपुच्छोदकेनाभिषेकं कुर्यात्। मन्त्राशीषं च दद्यात्। ततो यजमानः ब्राह्मणेन समन्वितां गावः नमस्कारप्रदक्षिणाञ्च कुर्यात्।

नमस्कारः- नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः॥
यया सर्वमिदं व्याप्तं जगत् स्थावरजङ्गमम्।
तां धेनुं शिरसा वन्दे भूतभव्यस्य मातरम्॥
पञ्चगावः समुत्पन्ना मथ्यमाने महोदधौ।
तासां मध्ये तु या नन्दा तस्यै देव्यै नमो नमः॥
सर्वकामदुघे देवी सर्वतीर्थाभिषेचिनि।
पावनि सुरभिश्रेष्ठे देवि तुभ्यं नमो नमः॥

प्रदक्षिणा - पापानि सर्वाणि पदे पदे या
हरत्यहो तत्क्षणमेव नृणणाम्।

प्रदक्षिणां तां परभक्तिभावात्
समाचरे धेनुवरे प्रसीद॥

गवां दृष्ट्वा नमस्कृत्य कुर्याच्चैव प्रदक्षिणम्।

प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तद्वीपा वसुन्धरा॥

मातरः सर्वभूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः।

वृद्धिमाकाङ्क्षता पुंसा नित्यं कार्या प्रदक्षिणा॥

इति चतु:संख्यकप्रदक्षिणां विधाय प्रार्थयेत्

या लक्ष्मीर्लोकपालानां या च धेनुः सरस्वती।

धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

ततो ब्राह्मणः गोपुच्छान्वितजलेन यजमानशिरसि निषिच्य तिलकमन्त्रपाठादीनि दद्यात्।

व्यतीपाते च संक्रान्तौ ग्रहणे ग्रहदौष्ट्यके।

असूतक्रमे विवाहे च रात्रौ गोदानमिष्यते॥

ततोदक्षिणां भूयसी च दद्यात्। तथा यथोपपन्नेनान्नेन ब्राह्मणैश्च भोजयिष्ये।

इति गोदानविधिः

यज्ञोपवीत धारण प्रयोग

किसी भी अवस्था में यदि यज्ञोपवीत अशुद्ध हो जाये, अथवा धागा टूट जाय, या फिर शौचादि के समय कान में डालना भूल जायें तो अपवित्र हो जाता है तब नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। इसी प्रकार जननाशौच, मरणाशौच, श्राद्ध, यज्ञ आदि में तथा सूर्य-चन्द्रग्रहण के उपरान्त नवीन यज्ञोपवीत धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत धारण करने से पहले उसे संस्कारित करके प्रत्येक तन्तु में देवताओं का आवाहन व प्रतिष्ठापन कर सिद्ध (अभिमन्त्रित) करना आवश्यक होता है। अतः सर्वप्रथम संङ्कल्प करें।

ॐविष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य....... मम श्रौतस्मार्तकर्मानुष्ठानसिद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वरः प्रीत्यर्थं नूतनयज्ञोपवीतं धारणमहं करिष्ये।

इस प्रकार सङ्कल्प कर यज्ञोपवीत निम्नलिखित मन्त्र से प्रक्षालित करें-

ॐ आपोहिष्ठा मयोभुवस्ता न ऊर्जे दधातन। महे रणाय चक्षसे। यो वः शिवतमो रसः तस्य भाजयतेह नः। उशतीरिव मातरः तस्मा अरं गमाम वः यस्य क्षयाय जिन्वथ। आपो जनयथा च नः॥

इसके बाद हाथों के सम्पुट में यज्ञोपवीत रखकर गायत्री का दश बार आवेष्टित जप करें। तदुपरान्त किसी पात्र में यज्ञोपवीत रखकर पुष्पाक्षत से प्रत्येक सूत्र में देवताओं का आवाहन करें।

प्रथमतन्तौ ॐकारायनमः, ॐकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐअग्नये नमः, अग्निमावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐसर्पदेवताभ्यो नमः, सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोमाय नमः, सोममावहयामि। पञ्चमतन्तौ ॐपितृभ्यो नमः, पितृनावाहयामि। षष्ठतन्तौ ॐ प्रजापतये नमः, प्रजापतिमावाहयामि, सप्तमतन्तौ ॐअनिलेभ्यो नमः, अनिलमावाहयामि। अष्टमतन्तौ ॐयमाय नमः, यममावाहयामि। नवमतन्तौ ॐविश्वेदेवेभ्यो नमः। विश्वान् देवानावाहयामि।

अथ ग्रन्थिदेवतानामावाहनम्- **ग्रन्थिममध्ये ॐब्रह्मणे नमः, ॐ ब्रह्मणमावाहयामि। ॐ विष्णवे नमः ॐविष्णुमावाहयामि। ॐरुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि। ॐप्रणवाद्यावाहित देवताभ्यो नमः। प्रणवाद्यावाहितदेवताः यथा स्थानमहं प्रतिष्ठापयामि।**

इन मन्त्रों से यज्ञोपवीत की गन्धाक्षत से प्रतिष्ठा करें तथा यज्ञोपवीत का मानसोपचार से पूजन करें।

ध्यानम्-

ॐ प्रजापतेर्यत्सहजं पवित्रं कार्पाससूत्रोद्भवब्रह्मसूत्रम्।
ब्रह्मत्वसिद्ध्यै च यशः प्रकाशं जपस्य सिद्धिं कुरु ब्रह्मसूत्रम्॥

तदनन्तर निम्नमन्त्र से सूर्यनारायण को यज्ञोपवीत दिखाना चाहिये।

ॐ आकृष्णेन रजसावर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यञ्च।

हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।

अथ यज्ञोपवीतधारणम्

यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः लिङ्गोक्तदेवता त्रिष्टुपछन्दो यज्ञोपवीतधारणे विनियोगः।

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्।

आयुष्यमग्रयं प्रतिमुञ्चशुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥

यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि॥

इस प्रकार मंत्र पढ़कर पहले दाहिनी भुजा में यज्ञोपवीत डालकर तब कण्ठ में धारण करें। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारण के बाद आचमन करें।

जीर्णसूत्र त्याग

निम्नमन्त्र को पढ़कर जीर्ण यज्ञोपवीत अर्थात् पुराने जनेऊ को पहले सिर की ओर से निकालें। और यथा शक्ति गायत्री मन्त्र को जपकर उसे जल में प्रवाहित करें।

एतावद्दिन पर्यन्तं ब्रह्मत्वं धारितं मया।

जीर्णत्वाच्च परित्यागो गच्छसूत्रं यथासुखम्॥

अर्पणम्

अनेन नवयज्ञोपवीतधारणार्थं कृतेन यथाशक्तिगायत्रीजपकर्मणा सविता देवता प्रीयतां न मम। ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

इति यज्ञोपवीत धारण विधि

अथ सन्ध्याप्रारम्भः

पवित्रीकरणम् - वाम हस्ते जलमादाय दक्षिणहस्तेन स्व आत्मानं अभिसिञ्चेत् ।

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

त्रिराचम्य - निम्नलिखित तीन मन्त्रों के उच्चारण के साथ आचमन करते हुए मन में स्वाहा शब्द का उच्चारण करें ।

ॐ केशवाय नमः (स्वाहा)। ॐ नारायणाय नमः (स्वाहा)। ॐ माधवाय नमः (स्वाहा)। ॐ गोविन्दाय नमः । हस्तौ प्रक्षाल्य ।

आसन शुद्धिः - विनियोगः - **ॐ पृथ्वीति मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ ऋषिः सुतलं छन्दः कूर्मो देवता आसनपवित्रकरणे विनियोगः ।**

निम्न मन्त्र पढते हुए तीन बार पृथ्वी का स्पर्श करें ।

ॐ पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता ।
त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम् ।
ॐ आधारासनायै कमलासनायै पृथिव्यै नमः ।

पवित्रीधारणम् - कुशा धारण करते हुए निम्न मन्त्र का उच्चारण करें ।

ॐ पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्वः प्रसव उत्पुनाम्याच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्य रश्मिभिः। तस्य ते पवित्रपते पवित्रपूतस्य यत्कामः पुने तच्छकेयम् ।

शिखाबन्धनविनियोगः **ॐ मानस्तोकेति मन्त्रस्य कुत्स ऋषिः जगति छन्द एको रुद्रो देवता शिखाबन्धने विनियोगः।** (निम्न मन्त्र से शिखाबन्धन करें -)

ॐ मानस्तोके तनयेमानऽआयुषिमानो गोषुमानोऽअश्वेषुरी रिषः । मानोव्वीरान्रुद्रभामिनो व्वधीर्हविष्मन्तः सदमित्त्वा हवामहे ।

तिलकधारणम् - निम्न मन्त्र से तिलक धारण करें ।

ॐ आदित्या वसवो रुद्रा विश्वेदेवा मरुद्गणाः ।
तिलकन्ते प्रयच्छन्तु धर्मकामार्थसिद्धये ॥
ॐ मृत्तिका चन्दनं चैव भस्म तोयं चतुर्थककम् ।
एभिर्द्रव्यैर्यथाकालमूर्ध्वपुण्ड्रं भवेत् सदा ॥

संकल्पः-अर्घ्यपात्र में जल लेकर निष्काम भावना से सन्ध्या का संकल्प करें ।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्त्तमानस्य अद्य ब्रह्मणोह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भारतवर्षे जम्बूद्वीपे आर्यावर्तैक देशान्तर्गते पुण्यप्रदेशे. .... जनपदे..... नगरे....... ग्रामे...... क्षेत्रे प्रभवादिषष्ठि सम्वत्सराणां मध्ये... ....सम्वत्सरे सूर्ये उत्तरायणे/दक्षिण अयने उत्तर/दक्षिण गोले...........मासे शुभे शुक्ल/कृष्ण पक्षे शुभ पुण्य ....तिथौ ......वासरे ......नक्षत्रे ....योगे ....करणे ....शुभराशि ....स्थितौ श्री सूर्य......राशिस्थितः चन्द्रः ....गोत्रोत्पन्नो...........शर्माऽहं (वर्माहं/गुप्तोऽहं) ममोत्पात्तदुरितक्षयपूर्वकं श्रीगायत्रीप्रीत्यर्थं प्रातः/मध्याह्न/सायं सन्योपासनकर्म करिष्ये ।

निम्न विनियोग के उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर विनियोग करें ।

विनियोग - **ॐ ऋतं चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

निम्न मन्त्र से उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर उसे पियें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत । ततो रात्र्यजायत । ततः समुद्रो अर्णवः । समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदध द्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्यचन्द्रमसौ धाता यथापूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः ।

प्राणायाम विधि - प्राणायाम के तीन भेद होते हैं - 1. पूरक 2. कुम्भक 3. रेचक

1. अंगूठे से दाहिने नाक को दबाकर बांए नाक से श्वास को धीरे-धीरे खींचने को "पूरक" कहते हैं । पूरक प्राणायाम करते समय उपर्युक्त मन्त्रों का मन से उच्चारण करते हुए नाभिदेश में नीलकमलदल के समान नीलवर्ण चतुर्भुज भगवान् विष्णु का ध्यान करें ।

2. जब श्वास रुक जाए तब अनामिका और कनिष्टिका अंगुली से नाक के बाए छिद्र को भी दबा दें और मन्त्र जपते रहें। यह "कुम्भक" कहलाता है ।कुम्भक प्राणायाम करते समय हृदय में विराजमान लाल वर्ण वाले चतुर्भुज ब्रह्मा का ध्यान करें ।

3. अंगूठे को हटाकर दाहिने छिद्र से श्वास को धीरे-धीरे छोड़ें । यह "रेचक" कहलाता है । रेचक प्राणायाम करते समय ललाट में श्वेतवर्ण शंकर का ध्यान करें।

विनियोगः - **ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता सप्तव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिः गायत्र्युष्णिगनुष्टुब्बृहतीपङ्क्तित्रिष्टुब्जगत्यश्छन्दांसि अग्निवायुसूर्यवृहस्पति- वरुणेन्द्रविश्वेदेवा देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता आपोज्योतिरिति शिरसः प्रजापतिऋषिर्यजुश्छन्दो ब्रह्माग्निवायुसूर्यादेवताः प्राणायामे विनियोगः।**

(निम्न मन्त्र का स्मरण करते हुए प्राणायाम करें -)

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐआपोज्योती रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ॥ (हस्तौ प्रक्षाल्य) प्रातराचमनीयम् (केवल प्रातः संध्या में निम्न आचमन करे)

विनियोगः - ॐ सूर्यश्च मेति ब्रह्मा ऋषिः प्रकृतिश्छन्दः सूर्यमन्युमन्युपतयो रात्रिश्च

देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।
आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ सूर्यश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यद्राञ्या पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना रात्रिस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सूर्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।

मध्याह्नाचमनीयम्(केवल मध्याह्न सन्ध्या में निम्न आचमन करें)

विनियोग - **ॐ आपः पुनन्त्विति नारायण ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपः पृथिवि ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्म च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ आपः पुनन्तु पृथिवीं पृथिवी पूता पुनातु माम् । पुनन्तु ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्मपूता पुनातु माम् । यदुच्छिष्टमभोज्यं यद्वा दुश्चरितं मम । सर्वं पुनन्तु मामापोऽसतां च प्रतिग्रहखस्वाहा।

सायमाचमनीयम् (केवल सायं सन्ध्या में निम्न आचमन करें)

विनियोगः - अग्निश्चमेति रुद्र ऋषिः प्रकृतिश्छन्दोऽग्निमन्यु मन्यु पतयोऽहश्च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।

आचमनी में जल लेकर निम्न मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ अग्निश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यदह्ना पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना अहस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सत्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।

मार्जनविनियोगः - आपो हिष्टेति त्र्यृचस्य सिन्धुद्वीप ऋषिर्गायत्री छन्द आपो देवता मार्जने विनियोगः।

वायें हाथ में जल लेकर दाहिने हाथ की तीन उंगलियों अथवा कुशा निर्मित पवित्री से अपने ऊपर जल का सिंचन करें ।

ॐ आपो हिष्ठा मयो भुवः। ॐ ता न ऊर्जे दधातन। ॐ महेरणाय चक्षसे। ॐ यो वः शिवतमो रसः। ॐ तस्य भाजयतेह नः । ॐ उशतीरिवमातरः । ॐ तस्मा अरं गमाम वः। ॐ यस्य क्षयाय जिन्वथ। ॐआपो जनयथा च नः।

अभिमन्त्रण विनियोगः - **ॐ द्रुपदादिवेत्यश्विसरस्वतीन्द्रा ऋषयोऽनुष्टुप् छन्द आपो देवताः शिरस्सेके विनियोगः।** दाहिने हाथ में जल लेकर बायें हाथ से ढककर निम्न मन्त्र के उच्चारण के बाद जल को सिर पर छिड़कें ।

ॐ द्रुपदादिव मुमुचानः स्विन्नः स्नातो मलादिव ।
पूतं पवित्रेणेवाज्यमापः शुन्धन्तु मैनसः॥

अघमर्षण विनियोगः - **ॐ ऋतञ्चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमघमर्षणे विनियोगः ।**

निम्न मन्त्रोच्चारण के साथ दाहिने हाथ में जल लेकर उसे नासिका पर लगायें । मन्त्रोच्चारण के बाद उस जल को बायें तरफ फेंक दें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत। ततो रात्र्यजायत। **ततः समुद्रो अर्णवः । समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदध द्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथा पूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः । (हस्तौ प्रक्षाल्य)**

विनियोगः - **ॐ अन्तश्चरसीति तिरश्चीन ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपो देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

ॐ अन्तश्चरसि भूतेषु गुहायां विश्वतोमुखः।
त्वं यज्ञस्त्वं वषट्कार आपो ज्योती रसोऽमृतम्॥

सूर्यार्घ्यविनियोगः **ॐ कारस्य ब्रह्मऋषिर्दैवि गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिर्ऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः, तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता सूयर्घ्यिदाने विनियोगः।**

मन्त्रः- **ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।**
धियो यो नः प्रचोदयात्।

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च । हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन् । एहिसूर्य सहस्रांशो तेजो राशे जगत्पते। अनुकम्पय मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकरः॥ ब्रह्मस्वरूपिणे सूर्यनारायणाय इदमर्घ्यं दत्तं न मम॥ (जल को आँखों से लगायें)

ध्यानम् -**ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासनसन्निविष्टः।**
केयूरवान् मकरकुण्डलवान् किरीटी हारीहिरण्मयवपुर्धृतशङ्खचक्रः॥
नमोऽस्तु सूर्याय सहस्रभानवे नमोऽस्तुवैश्वानरजातवेदसे ।
त्वमेव चार्घ्यं प्रतिगृह्ण देव देवाधिदेवाय नमो नमस्ते ॥

सूर्योपस्थानविनियोगः - **ॐ उद्वयमिति प्रस्कण्व ऋषिरनुष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, उदुत्यमिति प्रस्कण्व ऋषिर्निचृद्गायत्री छन्दः सूर्यो देवता चित्रमिति कुत्साङ्गिरसऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, तच्चक्षुरिति दध्यङ्गाथर्वण ऋषिरेकाधिका ब्राह्मी त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता सूर्योपस्थाने विनियोगः।**

प्रातः काल में दाहिने पैर की एडी उठाकर दोनों हाथों को सीधा रखें, मध्याह्न संध्या में दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें तथा सायं काल में बैठकर हाथ बन्दकमल के समान जोडकर निम्न मन्त्रों के उच्चारण के साथ सूर्योपस्थान करें।

ॐउद्वयं तमसस्परि स्वः पश्यन्त उत्तरम्। देवं देवत्रा सूर्यमगन्म ज्योतिरुत्तमम्॥१॥
ॐ उदुत्यं जातवेदसं देवं वहन्ति केतवः । दृशे विश्वाय सूर्यम् ॥२॥

ॐ चित्रं देवानामुदगादनीकं चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः ।
आप्राद्यावापृथिवी अन्तरिक्ष ँ सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च ॥३॥
ॐ तच्चक्षुर्देवहितं पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरत् । पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः शत ँ शृणुयाम शरदः शतम्प्रब्रवामशरदः शतमदीनाः स्यामशरदः शतम्भूयश्चशरदः शतात् ॥४॥

अङ्गन्यासः - मन्त्रों के साथ-साथ अंगो का स्पर्श करें ।

ॐ हृदयाय नमः । ॐ भूः शिरसे स्वाहा । ॐ भुवः शिखायै वषट् । ॐ स्वः कवचाय हुम् । ॐ भूर्भुवः नेत्राभ्यां वौषट् । ॐ भूर्भुवः स्वः अस्त्राय फट् ॥ ॐ पुनातु शिरसि । ॐ भूः पुनातु पादयोः । ॐ भुवः पुनातु नाभौ ।ॐ स्वः पुनातु हृदये । ॐ महः पुनातु कण्ठे । ॐ जनः पुनातु नेत्रयोः ।ॐ तपः पुनातु ललाटे । ॐ सत्यम् पुनातु शिरसि । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ सर्वं पुनातु सर्वाङ्गे ।

गायत्र्यावाहनविनियोगः - ॐ तेजोऽसीति धामनामासीत्यस्य च परमेष्ठी प्रजापति-ऋषिर्यजुस्त्रिष्टुवृहत्युष्णिहौ छन्दसी सविता देवता गायत्र्यावाहने विनियोगः ।

ॐ तेजोऽसि शुक्रमस्यमृतमसि।
धामनामसि प्रियं देवानामनाधृष्टं देवयजनमसि ।

गायत्रीध्यानम् -

ॐ श्वेतवर्णा समुद्दिष्टा कौशेयवसना तथा,
श्वेतैर्विलेपनैः पुष्पैरलंकारैश्च भूपिता ।
आदित्यमण्डलस्था च ब्रह्मलोकगताथवा,
अक्षसूत्रधरादेवी पद्मासनगता शुभा ॥

गायत्र्युपस्थानविनियोगः - गायत्र्यसीति विवस्वान् ऋषिः स्वराण्महापङ्क्तिश्छन्दः परमात्मा देवता गायत्र्युपस्थाने विनियोगः ।

ॐ गायत्र्यस्येकपदी द्विपदी त्रिपदी चतुष्पद्यपदसि न हि पद्यसे नमस्ते तुरीयाय दर्शताय पदाय परोरजसेऽसावदो मा प्रापत् ॥

गायत्री शापविमोचन मन्त्राः

ब्रह्मशापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीब्रह्मशापविमोचनमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिर्भुक्तिमुक्तिप्रदा ब्रह्मशापविमोचनी गायत्री शक्तिर्देवता गायत्री छन्दः ब्रह्मशापविमोचने विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं ब्रह्मेत्युपासीत यद्रूपं ब्रह्मविदो विदुः ।
तां पश्यन्ति धीराः सुमनसो वाचमग्रतः॥
ॐ वेदान्तनाथाय विद्महे हिरण्यगर्भाय धीमहि, तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ।
ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव ।

वसिष्ठ-शापविमोचनविनियोगः- अस्य श्रीवसिष्ठशापविमोचनमन्त्रस्य निग्रहानुग्रहकर्ता वसिष्ठ ऋषिर्वसिष्ठानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता विश्वोद्भवा गायत्री छन्दः वसिष्ठशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

ॐ सोऽहमर्कमयं ज्योतिरात्मज्योतिरहं शिवः ।
आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतिरसोऽस्म्यहम्॥
(योनिमुद्रा दिखाकर तीन वार गायत्री जपें)
ॐ देवि गायत्रि त्वं वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव।

विश्वामित्र-शापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीविश्वामित्रशापविमोचनमन्त्रस्य नूतनसृष्टिकर्ता विश्वामित्रऋषिर्विश्वामित्रानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता वाग्देहा गायत्री छन्दः विश्वामित्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं भजाम्यग्निमुखीं विश्वगर्भा यदुद्भवाः ।
देवाश्चक्रिरे विश्वसृष्टिं तां कल्याणीमिष्टकरीं प्रपद्ये ॥
ॐ देवि गायत्रि त्वं विश्वामित्र शापाद्विमुक्ता भव ।

शुक्रशापविमोचनविनियोगः - ॐअस्य श्रीशुक्रशापविमोचनमन्त्रस्य श्रीशुक्रऋषि अनुष्टुप् छन्दः देवी गायत्री देवता शुक्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।
मन्त्र - सोऽहमर्कमयं ज्योतिरर्कज्योतिरहं शिवः । आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतीरसोऽस्म्यहम्॥ ॐ देवि गायत्रि त्वं शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

प्रार्थना- अहो देवि महादेवि संध्ये विद्ये सरस्वति ।
अजरे अमरे चैव ब्रह्म योनिर्नमोऽस्तुते ॥

ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव, वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव, विश्वामित्रशापाद्विमुक्ता भव, शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

जपस्य पूर्वं मुद्रा (गायत्री जप से पूर्व निम्न 24 मुद्राओं को करें ।)

सुमुखं सम्पुटं चैव विततं विस्तृतं तथा ।
द्विमुखं त्रिमुखं चैव चतुष्पञ्चमुखं तथा ॥
षण्मुखाऽधोमुखं चैव व्यापकाञ्जलिकं तथा।
शकटं यमपाशं च ग्रथितं चोन्मुखोन्मुखम्॥
प्रलम्बं मुष्टिकं चैव मत्स्यः कूर्मो वराहकम्।
सिंहाक्रान्तं महाक्रान्तं मुद्गरं पल्लवं तथा॥
एता मुद्राश्चतुर्विंशज्जपादौ परिकीर्तिताः॥

गायत्रीजपविनियोगः - ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्रऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता जपे विनियोगः।

मालाप्रार्थना- ॐ मां माले महामाये सर्वशक्तिस्वरूपिणि ।

चतुर्वर्गस्त्वयिन्यस्तस्तस्मान्मे सिद्धिदा भव ॥
ॐ अविघ्नं कुरु माले त्वं गृह्णामि दक्षिणे करे।
जपकाले च सिद्ध्यर्थं प्रसीद मम सिद्धये॥
ॐ अक्षमालाधिपतये सुसिद्धिं देहि देहि सर्वमन्त्रार्थसाधिनि साधय साधय सर्वसिद्धिं परिकल्पय परिकल्पय मे स्वाहा

गायत्री मन्त्रः (निम्न गायत्री मन्त्र का 108 बार जप करें -)

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

माला विसर्जनम् (जप के पश्चात् निम्न मन्त्र से माला विसर्जन करें -)

ॐ गुह्यातिगुह्यगोप्त्रीत्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम्।
सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसादान्महेश्वरि॥

जपान्तरं मुद्राः(गायत्री जप के पश्चात् निम्न 8 मुद्राओं को करें -)

सुरभिर्ज्ञानवैराग्ये योनिः शंखोऽथ पङ्कजम्।
लिङ्गनिर्वाणमुद्राश्च जपान्तेऽष्टौ प्रदर्शयेत्॥

जपसमर्पणविनियोगः - ॐ देवा गातुविद इति मनसस्पतिर्ऋषिर्विराडनुष्टुप्छन्दो वातो देवता जपनिवेदने विनियोगः ।

मन्त्रः- ॐ देवा गातुविदो गातुं वित्त्वा गातुमित मनसस्पत।
इमं देवयज्ञꣳ स्वाहा वातेधाः॥

अनेन यथाशक्तिकृतेन गायत्रीजपाख्येन कर्मणा भगवान् सूर्यनारायणः प्रीयतां न मम । (पृथ्वी पर जल छोड़े)

तत्पश्चात् निम्नलिखित गायत्री कवच का पाठ कर सकते हैं-

विनियोगः- अस्य श्री गायत्रीकवचस्य ब्रह्मा ऋषिर्गायत्री छन्दो गायत्रीदेवता भूः बीजम् भुवः शक्तिः स्वः कीलकम् गायत्रीप्रीत्यर्थं गायत्रीकवचपाठे विनियोगः

ध्यानम् -

पञ्चवक्त्रां दशभुजां सूर्यकोटिसमप्रभाम् ।
सावित्रीं ब्रह्मवरदां चन्द्रकोटिसुशीतलाम् ॥
त्रिनेत्रां सितवस्त्रां च मुक्ताहारविराजिताम् ।
वराभयाङ्कुशकशाहेमपात्राक्षमालिकाम् ॥
शङ्खचक्राब्जयुगलं कराभ्यां दधतीं वराम् ।
सितपङ्कजसंस्थाञ्च हंसारूढां सुखस्मिताम्।
ध्यात्वैवं मानसम्भोजे गायत्रीकवचं जपेत् ॥

ॐ ब्रह्मोवाच

विश्वामित्र महाप्राज्ञ गायत्रीकवचं श्रृणु ।
यस्य विज्ञानमात्रेण त्रैलोक्यं वशयेत् क्षणात् ॥
सावित्री मे शिरः पातु शिखायाममृतेश्वरी ।
ललाटं ब्रह्मदैवत्या भ्रूवौ मे पातु वैष्णवी ॥
कर्णौ मे पातु रुद्राणी सूर्यासावित्रिकाऽम्बिके ।
गायत्री वदनं पातु शारदा दशनच्छदौ ॥
द्विजान यज्ञप्रिया पातु रसनायां सरस्वती ।
सांख्यायनी नासिकां मे कपोलौ चन्द्रहासिनी ॥
चिबुकं वेदगर्भा च कण्ठं पात्वघनाशिनी ।
स्तनौ मे पातु इन्द्राणी हृदयं ब्रह्मवादिनी ॥
उदरं विश्वभोक्त्री च नाभौ पातु सुरप्रिया ।
जघनं नारसिंही च पृष्ठं ब्रह्माण्डधारिणी ॥
पार्श्वौ मे पातु पद्माक्षी गुह्यं गोगोप्त्रिकाऽवतु ।
ऊर्वोरोंकाररूपा च जान्वोः संध्यात्मिकाऽवतु ॥
जङ्घयोः पातु अक्षोभ्या गुल्फयोर्ब्रह्मशीर्षका ।
सूर्या पद्वयं पातु चन्द्रा पादाङ्गुलीषु च ॥
सर्वाङ्गं वेदजननी पातु मे सर्वदाऽनघा ।
इत्येतत् कवचं ब्रह्मन् गायत्र्याः सर्वपावनम् ॥
पुण्यं पवित्रं पापघ्नं सर्वरोगनिवारणम् ।
त्रिसन्ध्यं यः पठेद्विद्वान् सर्वान् कामानुवाप्नुयात् ॥
सर्वशास्त्रार्थतत्वज्ञः स भवेद्वेदवित्तमः ।
सर्वज्ञफलं प्राप्य ब्रह्मान्ते समवाप्नुयात् ॥
प्राप्नोति जपमात्रेण पुरुषार्थाश्चतुर्विधान् ॥

(श्रीविश्वामित्रसंहितोक्तं गायत्रीकवचं सम्पूर्णम्)

गायत्रीविसर्जनविनियोगः ॐ उत्तमे शिखरे इति वामदेव ऋषिरनुष्टुप्छन्दः गायत्री देवता गायत्रीविसर्जने विनियोगः ।

ॐ उत्तमे शिखरे देवी भूम्यां पर्वतमूर्धनि।
ब्राह्मणेभ्योऽभ्यनुज्ञाता गच्छ देवि यथासुखम्।

सूर्यप्रदक्षिणाविनियोगः ॐ विश्वतश्चक्षुरिति भौवन ऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दो विश्वकर्मा देवता सूर्यप्रदक्षिणायां विनियोगः ।

मन्त्रः - ॐ विश्वतश्चक्षुरुत विश्वतोमुखो विश्वतोबाहुरुत विश्वतस्पात् ।
सम्बाहुभ्यां धमति सम्पतत्रैर्द्यावाभूमी जनयन् देव एकः ।

अनेन सन्ध्योपासनाख्येन कर्मणा श्रीपरमेश्वरः प्रीयतां न मम।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु। ॐ शक्राय नमः । ॐ शतक्रतवे नमः ।

-0-0-0-

षोडशोपचार पूजन विधि

पूजा में जो वस्तु विद्यामान न हो उसके लिये 'मनसा परिकल्प्य सर्मपयामि' कहें। वैदिक एवं लौकिक मन्त्रों के साथ षोडशोपचार पूजन की विधि ।

हाथ में अक्षत लेकर ध्यान करे-

भगवान गणेश जी का ध्यान-

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्।।

भगवती गौरी जी का ध्यान करे-

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्।।

श्रीगणेशाम्बिकाभ्यां नमः ध्यानं सर्मपयामि।

ध्यान के बाद भगवान गणेश जी का आवाहन करे-

ॐ गणानां त्वा गणपति ँ हवामहे प्रियाणां त्वा प्रियपति ँ हवामहे निधीनां त्वा निधिपति ँ हवामहे वसो मम। आहमजानि गर्भध मात्वमजासि गर्भधम्।।

एह्येहि हेरम्ब महेशपुत्र समस्तविघ्नौघविनाशदक्ष।
माङ्गल्यपूजाप्रथमप्रधान गृहाण पूजां भगवन् नमस्ते।।

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहिताय गणपतये नमः गणपतिमावाहयाामि, स्थापयामि, पूजयामि च।

हाथ के अक्षत गणेश जी पर चढ़ा दे। फिर अक्षत लेकर गणेश जी की दाहिनी ओर गौरी जी का आवाहन करे।

भगवती गौरी का आवाहन-

ॐ अम्बे अम्बिकेऽम्बालिके न मा नयति कश्चन। ससस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्।।

हेमाद्रितनयां देवीं वरदां शङ्करप्रियाम्।

लम्बोदरस्य जननीं गौरीमावाहयाम्यहम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गौर्यै नमः गौरीमावाहयामि स्थापयामि पूजयामि च।

उपर्युक्त मन्त्र केवल गौरी गणेश जी के लिये विहित है अन्यथा जिस देवता का पूजन करना हो उनके लिये जो मन्त्र विहित हो उस मन्त्र से ध्यान आवाहन करे। तदनन्तर अधोलिखित मन्त्र प्रायः सभी देव के लिये षोडशोपचार पूजा में प्रयोग कर सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा-

ॐ मनो जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टं यज्ञ ँ समिमं दधातु। विश्वे देवास इह मादयन्तामो ३म्प्रतिष्ठ।।

अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।

अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

गणेशाम्बिके! सुप्रतिष्ठिते वरदे भवेताम्। प्रतिष्ठापूर्वकम् आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः (आसन के लिये अक्षत छोड़ें)

पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, स्नानीय, पुनराचमनीय।

ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां
पूष्णो हस्ताभ्याम्।।

एतानि पाद्यार्घ्याचमनीयस्नानीयपुनराचमनीयानि सर्मपयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (इस मन्त्र से जल चढा दे)

दुग्धस्नान-

ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयो धाः।

पयस्वती: प्रदिश: सन्तु मह्यम्॥

कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।

पावनं यज्ञहेतुश्च पय: स्नानार्थमर्पितम्॥

ॐभूभुर्व: स्व: गणेशाम्बिकाभ्यां नम: पय: स्नानं समर्पयामि। (दूध से स्नान करायें)

दधिस्नान-

ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरश्वस्य वाजिन:।

सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयु ꣳ षि तारिषत्॥

पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।

दध्यानीतं मया देवं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूभुर्व: स्व: गणेशाम्बिकाभ्यां नम: दधिस्नानं समर्पयामि। (दही से स्नान करायें)

घृतस्नान-

ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्वस्य धाम।

अनुष्वधमा वह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्॥

नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।

घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूभुर्व: स्व: गणेशाम्बिकाभ्यां नम: घृतस्नानं समर्पयामि। (घी से स्नान करायें)

मधुस्नान-

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धव:।

माध्वीर्न: सन्त्वोषधी:॥

मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ꣳ रज:।

मधु द्यौरस्तु न: पिता॥

पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।

तेज: पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूभुर्व: स्व: गणेशाम्बिकाभ्यां नम:, मधुस्नानं समर्पयामि। (मधु से स्नान करायें)

शर्करास्नान-

ॐ अपा ꣳ रसमुद्वयस ꣳ सूर्ये सन्त ꣳ समाहितम्। अपा ꣳ रसस्य यो रसस्तं वो गृह्णम्युत्तममुपयामगृहीतोऽसीन्द्राय त्वा जुष्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्॥

इक्षुरससमुद्भूतां शर्करा पुष्टिदां शुभाम्।

मलापहारिकां दिव्यां स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूभुर्व: स्व: गणेशाम्बिकाभ्यां नम: शर्करा स्नानं समर्पयामि। (शर्करा से स्नान करायें)

पञ्चामृतस्नान-

ॐ पञ्च नद्य: सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतस:। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्॥

पञ्चामृतं मयानीतं पयो दधि घृतं मधु।

शर्करया समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुव: स्व: गणेशाम्बिकाभ्यां नम: पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि। (पञ्चामृत से स्नान करायें)

गन्धोदकस्नानं-

ॐ अ ꣳ शुना ते अ ꣳ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

ॐ भूभुर्वः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः गन्धोदकस्नानं समर्पयामि। (गन्धोदक से स्नान कराये)

शुद्धोदकस्नानं-

ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्त आश्विनः। श्येतः श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्जन्याः॥

गङ्गा च यमुना चैव गोदावरि सरस्वती ।

नर्मदा सिन्धुकावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि। (शुद्ध जल से स्नान करायें) शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

वस्त्र-

ॐ युवा सुवासा परिवीत आगात् स उश्रेयान भवति जायमानः।

तं धीरासः कवय उन्नयन्ति स्वाध्यो ३ मनसा देवयन्तः॥

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जाया रक्षणं परम्।
देहालङ्करणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, वस्त्रं समर्पयामि। (वस्त्र समर्पित करें)

आचमन-

वस्त्रान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

उपवस्त्र-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरुथमाऽसदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूप ꣳ सं व्ययस्व विभावसो॥

यस्याभावेन शास्त्रोक्तं कर्म किञ्चन्न सिध्यति।

उपवस्त्रं प्रयच्छामि सर्वकर्मोपकारकम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, उपवस्त्रं (उपवस्त्राभावे रक्तसूत्रं समर्पयामि उपवस्त्र समर्पित करें)

यज्ञोपवीत-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्।

उपवीतं मया दत्तं गृहाणपरमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, यज्ञोपवीतं सर्मपयामि (यज्ञोपवीत समर्पित करें) आचमन- यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। आचमन के लिये जल दें।

चन्दन-

त्वां गन्धर्वा अखनँस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान् यक्ष्मादमुच्यत॥

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्।

विलेपनं सुरश्रेष्ठ! चन्दनं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, चन्दनानुलेपनं समर्पयामि। चन्दन अर्पित करें

अक्षत-

ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी॥

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुङ्कुमाक्ताः सुशोभिताः।

मया निवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, अक्षतान् सर्मपयामि। अक्षत चढायें।

पुष्पमाला-

ॐ ओषधीः प्रति मोदध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः॥

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।

मयाहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पमालां समर्पयामि (पुष्पमाला समर्पित करें)

दूर्वा-

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्र तनु सहस्रेण शतेन च ॥

दुर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान् ।

आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण गणनायक॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि।(दूर्वा चढायें)

सिन्दुरम् -

सिन्धोरिव प्राध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः॥

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।

शुभदं कामदं चैव सिन्दुरं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, सिन्दूरं समर्पयामि (सिन्दूर अर्पित करें)

अबीर- गुलालादि द्रव्याणि

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ꣳसं परिपातु विश्वतः॥

अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्।

नाना परिमल द्रव्यं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि। अबीर आदि चढायें।

सुगन्धिद्रव्यम् -

ॐ अहिरिव भोगः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ꣳ सं परिपातु विश्वतः॥

दिव्यगन्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्।

गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं वै परिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः सुगन्धिद्रव्यं समपयामि (सुगन्धित द्रव्य अर्पण करें)

धूपम् -

ॐ धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान् धूर्वति तं धूर्व यं वयन्धूर्वामः। देवानामसि वह्नितम ꣳ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्॥

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः।

आग्नेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः धूपमाघ्रापयामि। (धूप दिखाये)

दीपम् -

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा॥ ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा॥

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरापहम्॥

भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।

त्राहि मां निरयाद् घोराद् दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते॥

ॐ भूर्भूवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि। (दीप दिखायें)

हस्तप्रक्षालनम् -

ॐ हृषीकेशाय नमः। कहकर हाथ धो लें।

नैवेद्यम्-

नैवेद्य को प्रोक्षित कर गन्ध पुष्प से आच्छादित करें। तदन्तर जल से चतुष्कोण घेरा लगाकर भगवान के आगे रखें।

ॐ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णोद्यौः समवर्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ२ अकल्पयन्॥

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा। ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ व्यानाय स्वाहा । ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।

आहारं भक्ष्यभोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नैवेद्यं निवेदयामि। नैवेद्य निवेदित करें।

नैवेद्यान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि । जल समर्पित करें।

ऋतुफलम् -

ॐ याः फलिनीर्या अफला अपुष्पा याश्च पुष्पिणीः। बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्व ँ हसः॥

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, ऋतुफलानि समर्पयामि। (ऋतुफल अर्पित करें)

फलान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। (आचमनीय जल अर्पित करें)

उत्तरापोऽशनम् - उत्तरापोऽशनार्थे जलं समर्पयामि।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (जल दें)

करोद्वर्तन-

ॐ अ ँ शुना ते अ ँ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादिसमन्वितम्।

करोद्वर्तनकं देवं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, करोद्वर्तनं चन्दनं समर्पयामि। (मलयचन्दन समर्पित करें)

ताम्बूलम् -

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥

पूगीफलं महद्दिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम।

एलादिचूर्णसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मुखवासार्थम् एलालवंगपूगीफलसहितं ताम्बूलं समर्पयामि। (इलायची , लौंग-सुपारी के साथ ताम्बूल अर्पित करें)

दक्षिणा द्रव्यम् -

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।

अनन्तपुण्यफलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, कृतायाः पूजायाः साद्गुण्यार्थे द्रव्यदक्षिणां समर्पयामि। (द्रव्य दक्षिणा समर्पित करें)

आरार्तिकं -

ॐ इद ꣳ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीर ꣳ सर्वगण ꣳ स्वस्तये। आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजां बहुलां मे करोत्वन्नं पयो रेतो अस्मासु धत्त॥

ॐ आ रात्रि पार्थिव ꣳ रजः पितुरप्रायि धामभिः। दिवः सदा ꣳ सि बृहती वि तिष्ठस आ त्वेषं वर्तते तमः॥

कदलीगर्भसम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।

आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, आरार्तिकं समर्पयामि। (कर्पूर की आरती करें आरती के बाद जल गिरा दें)

पुष्पाञ्जलिम्-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥

श्रद्धया सिक्तया भक्त्या हार्दप्रेम्णा समर्पितः।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिश्चायं कृपया प्रतिगृह्यताम्॥

नानासुगन्धिपुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि (पुष्पाञ्जलि अर्पित करें)

प्रदक्षिणाम्-

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।

तेषा ꣳ सहस्रयोजनेऽवधन्वानि तन्मसि॥

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रदक्षिणां समर्पयामि (प्रदक्षिणा करें)

विशेषार्घ्य - ताम्रपात्र में जल, चन्दन, अक्षत, फल, फूल, दूर्वा और, दक्षिणा रखकर अर्घ्यपात्र को हाथ में लेकर निम्नलिखित मन्त्र पढें। **यहाँ तक सभी पूजन में उपर्युक्त मन्त्रों का उपयोग कर सकते हैं**

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।

भक्तानामभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्॥

द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।

वरदस्त्वं वरं देहि वाञ्छितं वाञ्छितार्थद॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, विशेषार्घ्यं समर्पयामि। (विशेषार्घ्य दें)

प्रार्थना- विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय

लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।

नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय

गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया ।

सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रार्थनापूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि। (साष्टाङ्ग नमस्कार करें)

गणेशपूजने कर्म यन्न्यूनमधिकं कृतम्।

तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्नोऽस्तु सदा मम ॥

अनया पूजया गणेशाम्बिके प्रीयेताम् न मम।

ऐसा कहकर समस्त पूजनकर्म भगवान को समर्पित कर दें । उसके बाद पुनः नमस्कार करे।

इति शम्

तर्पण प्रयोग विधि

गायत्री मन्त्र से शिखा बाँधकर तिलक लगाकर प्रथम दाहिनी अनामिका में त्रिकुश की और बायीं अनामिका में दो कुशों की पवित्री धारण करें। फिर हाथ में त्रिकुश, यव, अक्षत और जल लेकर सङ्कल्प पढें ॥

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्विपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशान्तरगते .... पुण्यप्रदेशे ...... नगरे .... ग्रामे ....क्षेत्रे .... संवत्सरे.......अयने.......ऋतौ.........मासे.......पक्षे...........तिथौ............ वासरे........गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्ता/दासोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणेक्त-फलप्राप्त्यर्थं देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणं करिष्ये।

आवाहनम् - ब्रह्मादयः सुराः सर्वे ऋषयः सनकादयः।

आगच्छन्तु महाभागा ब्रह्माण्डोरवर्तिनः॥

देवतर्पणम्

देव तथा ऋषि तर्पण में पूर्व दिशा की ओर मुख करें, जनेउ को सव्य रखें, दाहिना घुटना जमीन पर लगाकर बैठें । अर्घ्यपात्र में चावल छोड़ कर त्रिकुश को पूर्व की ओर अग्रभाग कर रखें। जल की अञ्जलि एक-एक हो। देवतीर्थ से अर्थात् दायें हाथ की अङ्गुलियों के अग्रभाग से जल दें। जलाञ्जलि को सोना, चाँदी, ताँबा अथवा काँसे के पात्र में डालें वा सामर्थ्यानुसार उपलब्ध पात्र में डालें। यदि नदी में तर्पण किया जाय तो दोनों हाथों को मिलाकर जल से भरकर गौ के सींग जितना ऊँचा उठाकर जल में अञ्जलि डालें। निम्नलिखित प्रत्येक नाम मन्त्र के बाद **'तृप्यताम्'** कहकर एक-एक अञ्जलि जल दें।

ॐ ब्रह्मा तृप्यताम्। ॐ विष्णुस्तृप्यताम्। ॐ रुद्रस्तृप्यताम्।
ॐ प्रजापतिस्तृप्यताम्। ॐ देवास्तृप्यन्ताम्। ॐ छन्दांसि तृप्यन्ताम्।
ॐ वेदास्तृप्यन्ताम्। ॐ ऋषयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ पुराणाचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ गन्धर्वास्तृप्यन्ताम्।
ॐ इतराचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ संवत्सरः सावयवस्तृप्यताम्।
ॐ देव्यस्तृप्यन्ताम्। ॐ अप्सरसस्तृप्यन्ताम्।

ॐ देवानुगास्तृप्यन्ताम्। ॐ नागास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सागरास्तृप्यन्ताम्। ॐ पर्वतास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सरितस्तृप्यन्ताम्। ॐ मनुष्यास्तृप्यन्ताम्।
ॐ यक्षास्तृप्यन्ताम्। ॐ रक्षांसितृप्यन्ताम्।
ॐ पिशाचास्तृप्यन्ताम्। ॐ सुपर्णास्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतानितृप्यन्ताम्। ॐ पशवस्तृप्यन्ताम्।
ॐ वनस्पतयस्तृप्यन्ताम्। ॐ ओषधयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतग्रामश्चर्तुविधस्तृप्यताम्।

ऋषितर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित मन्त्रों वाक्यों सें मरीचि आदि ऋषियों को भी एक-एक अञ्जलि दें।

ॐ मरीचिस्तृप्यताम्। ॐ अत्रिस्तृप्यताम्। ॐ अङ्गिरास्तृप्यताम्। ॐ पुलस्त्यस्तृप्यताम् । ॐ पुलहस्तृप्यताम् । ॐ क्रतुस्तृप्यताम्। ॐ वशिष्ठस्तृप्यताम्। ॐ प्रचेतास्तृप्ताम्। ॐ भृगुस्तृप्यताम्। ॐ नारदस्तृप्यताम्।

दिव्यमनुष्यतर्पणम्

दिव्य मनुष्य तर्पण में उत्तर दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ कंठी की तरह कर लें, गमछे को भी कंठी की तरह कर लें, सीधा बैठें। कोई घुटना भूमी पर न लगाएं। अर्घ्यपात्र में जौ छोड़ें। त्रिकुश को उत्तराग्र रखें। प्रजापत्य (काय) तीर्थ से अर्थात् कुशों को दाहिने हाथ की कनिष्ठिका के मूल भाग में रखकर यहीं से दो-दो अञ्जलियाँ जल दें।

ॐ सनकस्तृप्यताम्। ॐ सनन्दनस्तृप्यताम्। ॐ सनातनस्तृप्यताम्। ॐ कपिलस्तृप्यताम्। ॐ आसुरिस्तृप्यताम्। ॐ वोढुस्तृप्यताम्। ॐ पञ्चशिखस्तृप्यताम्।

दिव्यपितृतर्पणम्

पितृ तर्पण में दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपसव्य हो जाएं अर्थात् जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बायें हाथ के नीचे ले जाएं गमछे को भी दाहिने कंधे पर रखें। बायां घुटना भूमी पर लगाकर बैठें, अर्घ्य पात्र में कृष्ण तिल छोड़ें, कुशा को बीच से मोड़कर उनकी जड़ और अग्रभाग को दाहिने हाथ के तर्जनी और अँगूठे के बीच में रखें, पितृ तीर्थ से अर्थात् अँगूठे और तर्जनी के मध्यभाग से प्रत्येक मन्त्र पर तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें। जल में गंगाजल प्रयोग करना सर्वाधिक श्रेयस्कर है। अभाव में गंगाजल मिश्रित जल प्रयुक्त करें। गंगाजल के अभाव में किसी पवित्र नदी-स्रोत-तड़ागादि का जल भी ग्रहण किया जा सकता है।

ॐ कव्यवाडनलस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा । ॐ सोमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ यमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अर्यमा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अग्निष्वात्ताः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ सोमपाः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ बर्हिषदः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)।

यमतर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित प्रत्येक नाम से यमराज को पितृतीर्थ से ही दक्षिणाभिमुखि हो तीन-तीन अञ्जलियाँ दे-

ॐ यमाय नमः (३)। ॐ धर्मराजाय नमः (३)। ॐ मृत्यवे नमः (३)। ॐ अन्तकाय नमः (३)। ॐ वैवस्वताय नमः (३)। ॐ कालाय नमः (३)। ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः (३)। ॐ औदुम्बराय नमः (३)। ॐ दध्नाय नमः (३)। ॐ नीलाय नमः (३)। ॐ परमेष्ठिने नमः (३)। ॐ वृकोदराय नमः (३)।

ॐ चित्राय नमः (३)। ॐ चित्रगुप्ताय नमः (३)।

पितरों का तर्पण करने के पूर्व निम्नाङ्कित मन्त्रों से हाथ जोड़कर सर्वप्रथम उनका आवाहन करें -

ॐ उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्तः समिधीमहि।
उशन्नुशत आ वह पितॄन् हविषे अत्तवे ॥
आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः।
अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥
ॐ आगच्छन्तु मे पितर इमं गृह्णन्तु जलाञ्जलिम्।

इसी तरह नीचे लिखे मन्त्रों का उच्चारण कर तिल के साथ तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें

अमुक गोत्र अस्मत्पिता अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्पितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्प्रपितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) आदित्यरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मन्माता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्पितामही अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्प्रपितामही अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

इसके बाद निम्नाङ्कित नौ मन्त्रों को पढते हुए पितृतीर्थ से जल गिराते रहें-

ॐ उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः। असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नोऽवन्तु पितरो हवेषु॥१॥

अङ्गिरसो नः पितरो नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः। तेषां वय ꣳ सुमतौ यज्ञियानामपि भद्रे सौमनसे स्याम॥२॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः। अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥३॥

ऊर्जं वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतम्। स्वधा स्थ तर्पयत मे पितॄन्॥४॥

पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यः स्वाधायिभ्यः स्वधा नमः। अक्षन्पितरोऽमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्त पितरः पितरः शुन्धध्वम्॥५॥

ये चेह पितरो ये च नेह याँश्च विद्म याँ उ च न प्रविद्म। त्वं वेत्थ यति ते जातवेदः स्वाधाभिर्यज्ञः सुकृतं जुषस्व॥६॥

मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्तोषधीः॥७॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ꣳ रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता॥८॥

मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ अस्तु सूर्यः। माध्वीर्गावो भवन्तु नः॥९॥

ॐ मधु। मधु। मधु। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्॥

फिर नीचे लिखे मन्त्र का पाठ करें-

ॐ नमो वः पितरो रसाय नमो वः पितरः शोषाय नमो वः पितरो जीवाय नमो वः पितरः स्वधायै नमो वः पितरो घोराय नमो वः पितरो मन्यवे नमो वः पितरः पितरो नमो वो गृहान्नः पितरो दत्त सतो वः पितरो देष्मैतद्वः पितरो वास आधत्त॥

द्वितीयगोत्रतर्पणम्

इसके बाद द्वितीय गोत्रवाले (ननिहाल के) मातामह (नाना) आदि का तर्पण करें। यहाँ भी पहले की भाँति निम्नलिखित वाक्यों को तीन-तीन बार पढकर तिल सहित जल की तीन-तीन अञ्जिलियाँ पितृतीर्थ से दें -

अमुकगोत्रः अस्मन्मातामहः (नाना) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्प्रमातामहः (परनाना) अमुकः रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्वृद्धप्रमातामहः (वृद्ध परनाना) अमुकः आदित्यस्वरूपः तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मन्मातामही (नानी) अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मत्प्रमातामही (परनानी) अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मद् वृद्धप्रमातामही (वृद्ध परनानी) अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

पत्न्यादितर्पणम्

इसके आगे पत्नी से लेकर आप्तपर्यन्त जो भी सम्बन्धी मृत हो गये हो, उनके गोत्र और नाम लेकर एक-एक अञ्जलि जल दें -

अमुकगोत्रा अस्मत्पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सुतः (बेटा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्कन्या (बेटी) अमुकीदेवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्पितृव्यः (पिता के भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मन्मातुलः (मामा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वाधा। अमुकगोत्रः अस्मद्भ्राता/अस्मत्सापत्नभ्राता (सौतेला भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्पितृभगिनी बूआ अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मन्मातृभगिनी (मौसी) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदात्मभगिनी (अपनी बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नभगिनी (सौतेली बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छ्वशुरः (श्वशुर) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्गुरुः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदाचार्य पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छिष्यः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सखा अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मदात्मपुरुषः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा।

इसके बाद सव्य होकर पूर्वाभिमुख हो सीधे बैठ जाय। त्रिकुश को सीधा कर उनके अग्रभाग को पूर्व की ओर कर लें। फिर नीचे लिखे श्लोकों को पढ़ते हुए देवतीर्थ से जल गिरायें -

देवासुरास्तथा यक्षा नागा गन्धर्वराक्षसाः।

पिशाचा गुह्यकाः सिद्धाः कुष्माण्डास्तरवः खगाः॥

जलेचरा भूनिलया वाय्वाधाराश्च जन्तवः।

तृप्तिमेते प्रयान्त्वाशु मद्दत्तेनाम्बुनाखिलाः॥

इसके बाद अपसव्य होकर जनेऊ ओर अंगोछे को भी दाहिने कंधे पर रखकर दक्षिणाभिमुख हो जाए। त्रिकुश को बीच से मोड़कर इनकी जड़ और अग्रभाग को मिलाकर पितृतीर्थ से जल गिरायें-

नरकेषु समस्तेषु यातनासु च ये स्थिताः।

तेषामाप्यायनायैतद्दीयते सलिलं मया॥१॥

येऽबान्धवा बान्धवाश्च येऽन्यजन्मनि बान्धवाः।

ते तृप्तिमखिला यान्तु यश्चास्मत्तोऽभिवाञ्छति॥२॥

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः पुत्रदारविवर्जिताः।

तेषां हि दत्तमक्ष्य्यमिदमस्तु तिलोदकम्॥३॥

आब्रह्मस्तम्बपर्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु पितरः सर्वे मातृमातामाहादयः॥४॥

अतीतकुलकोटिनां सप्तद्विपनिवासिनाम्।

आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम्॥५॥

वस्त्रनिष्पीडनम्

इस प्रकार सब पितरों का तर्पण हो जाने के बाद अँगोछे की चार तह कर उसमें तिल तथा जल छोड़कर नीचे लिखे मन्त्र को पढ़कर जल के बाहर बायीं ओर पृथ्वी पर निचोड़ें-

ये के चास्मात्कुले जाता अपुत्रा गोत्रिणो मृताः।

ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम्॥

भीष्मतर्पणम्

इसके बाद भीष्मपीतामह को पितृतीर्थ और त्रिकुशों से जल दें।

भीष्मः शान्तनवो वीरः सत्यवादी जितेन्द्रियः।

आभिरद्भिरवाप्नोतु पुत्रपौत्रोचितां क्रियाम्॥

सूर्य को अर्घ्यदान

इसके पश्चात् पात्र को जल तथा मिट्टी से स्वच्छ कर लें। उसके बाद पूर्वोक्त रीति से आचमन और प्रणायाम कर सव्य हो जाय अर्थात् जनेऊ को बायें कंधे पर कर लें। अर्घ्य में फूल चन्दन लेकर निम्नलिखित मन्त्र से सूर्य को अर्घ्य दें-

ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन्! भास्वते विष्णुतेजसे।

जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे कर्मदायिने॥

एष अर्घ्यः श्री सूर्याय नमः॥

सूर्यार्घ्य देकर प्रदक्षिणा करें । इसके बाद दिशाओं एवं उनके अधिष्ठातृ देवताओं का वन्दन करें -

ॐ प्राच्यै नमः, ॐ इन्द्राय नमः, ॐ आग्नेय्यै नमः, ॐ अग्नये नमः, ॐ दक्षिणाय नमः, ॐ यमाय नमः, ॐ नैर्ऋत्यै नमः, ॐ निर्ऋतये नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः, ॐ वरुणाय नमः, ॐ वायव्यै नमः, ॐ वायवे नमः, ॐ उदीच्यै नमः, ॐ कुबेराय नमः, ॐ ऐशान्यै नमः, ॐ ईशानाय नमः, ॐ ऊर्ध्वायै नमः, ॐ ब्रह्मणे नमः, ॐ अधरायै नमः, ॐ अनन्ताय नमः, ॥

इस प्रकार दिशाओं और देवताओं को नमस्कार कर आसन पर बैठाकर के नीचे लिखे मन्त्र पढकर एक-एक जलाञ्जलि दें।

ॐ ब्रह्मणे नमः। ॐ अग्नये नमः। ॐ पृथिव्यै नमः। ॐ ओषधिभ्यो नमः। ॐ वाचे नमः। ॐ वाचस्पते नमः। ॐ महद्भ्यो नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ अद्भ्यो नमः। ॐ अपाम्पतये नमः। ॐ वरुणाय नमः।

निम्नाङ्कित वाक्य पढ़कर यह तर्पण कर्म भगवान् को समर्पित करे-

अनेन यथाशक्तिकृतेन देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणाख्येन कर्मणा भगवान् पितृस्वरूपी जनार्दनवासुदेवः प्रीयतां न मम्।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु।

तदन्तर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करते हुए पाठ करें

प्रमादात कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः॥
यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिषु।
न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥
यत्पादपङ्कजस्मरणत् यस्य नामजपादपि।
न्यूनं कर्म भवेत् पूर्णं तं वन्दे साम्बमीश्वरम्॥
ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः,॥

इति तर्पणप्रयोगः

अथ पंचबलिविधिः

१.गोबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ सौरभेय्यः सर्वहिताः पवित्राः पुण्यराशयः।
प्रतिगृह्णन्तु मे ग्रासं गावस्त्रैलोक्यमातरः।।इदं गोभ्यो न मम।

२. श्वानबलि (पत्ते पर जनेऊ कंठी करके) -

द्वौ श्वानौ श्यामशबलौ वैवस्वतकुलोद्भवौ।
ताभ्यामन्नं प्रयच्छामि स्यातामेतावहिंसकौ।।इदं श्वभ्यां न मम।

३. काकबलि (भूमि पर अपसव्य होकर)-

ॐ ऐन्द्रवारुणवायव्या याम्या वै नैर्ऋतास्तथा।
वायसाः प्रतिगृह्णन्तु भूमौ पिण्डं मयार्पितम्।।इदं काकेभ्यः।

४.देवादिबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ देवा मनुष्याः पशवो वयांसि
सिद्धाः सयक्षो रगदैत्यसंघाः।
प्रेताः पिशाचास्तरवः समस्ता
ये चान्नमिच्छन्ति मया प्रदत्तम्।।इदमन्नं देवादिभ्यो न मम।

५. पिपीलिकादिबलि (पत्ते पर) -

पिपीलिकाः कीटपतंगकाद्या
बुभुक्षिताः कर्मनिबन्धबद्धाः।
तेषां हि तृप्त्यर्थमिदं मयान्नं
तेभ्यो विसृष्टं सुखिनो भवन्तु।इदमन्नं पिपीलीकादिभ्यो न मम।

इति पंचबलिविधिः

पुरुषसूक्तम्

हरिः ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।
स भूमि ँ सर्वतस्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्।।1।।
पुरुष एवेद ँ सर्वं यद् भूतं यच्च भाव्यम्।
उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति।।2।।
एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः।
पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि।।3।।
त्रिपादूर्ध्व उदैत्पुरुषः पादोऽस्येहाभवत्पुनः।
ततो विष्वङ् व्यक्रामत्साशनानशने अभि।।4।।
ततो विराडजायत विराजो अधि पूरुषः।
स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः।।5।।
तस्माद्यज्ञात् सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्।
पशूँस्ताँश्चक्रे वायव्यानारण्या ग्राम्याश्च ये।।6।।
तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे।
छन्दा ँसि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मादजायत।।7।।
तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः।
गावो ह जज्ञिरे तस्मात्तस्माजाता अजावयः।।8।।

तं यज्ञं बर्हिषि प्रौक्षन् पुरुषं जातमग्रतः।
तेन देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये।।9।।
यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन्।
मुखङ्किमस्यासीत् किम्बाहू किमूरू पादा उच्येते।।10।।
ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः।
ऊरू तदस्य यद् वैश्यः पद्भ्या ँ शूद्रो अजायत।।11।।
चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत।
श्रोत्राद् वायुश्च प्राणश्च मुखादग्निरजायत।।12।।
नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तत।
पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ २ अकल्पयन्।।13।।
यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।
वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः।।14।।
सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः।
देवा यद्यज्ञन्तन्वाना अबध्नन् पुरुषम्पशुम्।।15।।
यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्।।
ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः।।16।।

इति पुरुषसूक्तम्

श्रीसूक्तम्

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥1॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम्॥2॥
अश्वपूर्वां रथमध्यां हस्तिनाद-प्रमोदिनीम्।
श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम्॥3॥
कां सोऽस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्।
पद्मे स्थितां पद्मवर्णां तामिहोपह्वये श्रियम्॥4॥
चन्द्रां प्रभासां यशसा ज्वलन्तीं श्रियं लोके देवजुष्टामुदाराम्।
तां पद्मनेमिं शरणं प्रपद्ये अलक्ष्मीर्मे नश्यतां त्वां वृणे॥5॥
आदित्यवर्णे तपसोऽधिजातो वनस्पतिस्तव वृक्षोऽथ बिल्वः।
तस्य फलानि तपसा नुदन्तु मायान्तरा याश्च बाह्या अलक्ष्मीः॥6॥
उपैतु मां देवसखः कीर्तिश्च मणिना सह।
प्रादुर्भूतो सुराष्ट्रेऽस्मिन् कीर्तिमृद्धिं ददातु मे॥7॥
क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम्।
अभूतिमसमृद्धिं च सर्वां निर्णुद मे गृहात्॥8॥

गन्धद्वारां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम्।
ईश्वरीं सर्वभूतानां तामिहोपह्वये श्रियम्॥9॥
मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि।
पशूनां रूपमन्नस्य मयि श्रीः श्रयतां यशः॥10॥
कर्दमेन प्रजा भूता मयि सम्भव कर्दम।
श्रियं वासय मे कुले मातरं पद्ममालिनीम्॥11॥
आपः सृजन्तु स्निग्धानि चिक्लीत वस मे गृहे।
नि च देवीं मातरं श्रियं वासय मे कुले॥12॥
आर्द्रां पुष्करणीं पुष्टिं पिङ्गलां पद्ममालिनीम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥13॥
आर्द्रां यः करणीं यष्टिं सुवर्णां हेममालिनीम्।
सूर्यां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥14॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं प्रभूतिं गावो दास्योऽश्वान्विन्देयं पुरुषानहम्॥15॥
यः शुचिः प्रयतो भूत्वा जुहुयादाज्यमन्वहम्।
सूक्तं पञ्चदशर्चञ्च श्रीकामः सततं जपेत्॥16॥

इति श्रीसूक्तम्

अथ रुद्रसूक्तम्

हरि: ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः।
बाहुब्भामुत ते नमः।।1।।
या ते रुद्र शिवा तनूरघोराऽपापकाशिनी।
तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि।।2।।
यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे।
शिवां गिरित्र तां कुरु मा मा हिꣳसी: पुरुषं जगत्।।3।।
शिवेन वचसा त्वा गिरिशाच्छा वदामसि।
यथा न: सर्वमिज्जगदयक्ष्मꣳ सुमना असत्।।4।।
अध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्।
अहींश्च सर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वाश्च यातुधान्योऽधराची: परा सुव।।5।।
असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रु: सुमङ्गल:।
ये चैनꣳरुद्रा अभितो दिक्षु श्रिता: सहस्रशोऽवैषाꣳहेड ईमहे।।6।।
असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहित:।
उतैनं गोपा अदृश्रन्नदृश्रन्नुदहार्य: स दृष्टो मृडयाति न:।।7।।
नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्त्राक्षाय मीढुषे।
अथो ये अस्य सत्वानोऽहं तेभ्योऽकरं नम:।।8।।

प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरात्न्योर्ज्याम्।
याश्च ते हस्त इषव: परा ता भगवो वप।।9।।
विज्यं धनु: कपर्दिनो विशल्यो बाणवाँ२ उत।
अनशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधि:।।10।।
या ते हेतिर्मीढुष्टम हस्ते बभूव ते धनु:।
तयास्मान्विश्वतस्त्वमयक्ष्मया परिभुज।।11।।
परि ते धन्वनो हेतिरस्मान्वृणक्तु विश्वत:।
अथो य इषुधिस्तवारे अस्मन्नि धेहि तम्।।12।।
अवतत्य धनुष्ट्वꣳ सहस्राक्ष शतेषुधे।
निशीर्य शल्यानां मुखा शिवो न: सुमना भव।।13।।
नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे।
उभाभ्यामुत ते नमो बाहुब्भ्यां तव धन्वने।।14।।
मा नो महान्तमुत मा नो अर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्।
मा नो वधी: पितरं मोत मातरं मा न: प्रियास्तन्वो रुद्र रीरिष:।।15।।
मा नस्त्वोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु मा नो अश्वेषु रीरिष:।
मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्त: सदमित् त्वा हवामहे।।16।।

इति रुद्रसूक्तम्

चौघड़िया मुहूर्त्त

रविवार		चन्द्रवार		भौमवार		बुधवार		गुरुवार		शुक्रवार		शनिवार	
दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

गण्डमूल नक्षत्रों के चरण फल

नक्षत्र / चरण	अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम चरण	पितृ कष्ट	सुख	मातृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	पितृ कष्ट	लाभप्रद
द्वितीय चरण	सुख	धन हानि	पितृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	मातृ कष्ट	सुखद
तृतीय चरण	सुयोग	मातृ कष्ट	सुखद	मातृ कष्ट	धन हानि	शुभ
चतुर्थ चरण	सुखद	पितृ कष्ट	शुभ	शरीर कष्ट	सौख्यम्	कष्ट

शिव वास

वर्तमान तिथि गुणा 2 को 5 से जोड़कर 7 से भाग देने पर प्राप्त शेष एकादि होने पर क्रमशः शिव का वास निम्नानुसार जानें।

शेष	शिव वास	फल
1	कैलाश	श्रेष्ठ
2	गौरी सह	श्रेष्ठ
3	वृषभ पर	श्रेष्ठ
4	सभा में	सामान्य
5	ज्ञान वेला	श्रेष्ठ
6	क्रीड़ा में	नेष्ट
0	श्मशान में	मृत्यु

अग्निवास विचार

शुक्ल प्रतिपदा से इष्ट तिथि पर्यन्त जो संख्या आये उसमें सूर्यादि वार संख्या मिलाकर 1 जोड़ें फिर प्राप्त संख्या में 4 से भाग देंने पर शेष 3 व 0 हो तो अग्निवास भूमि पर शुभ होता है तथा 1 शेष बचे तो स्वर्ग में प्राण नाशक और शेष 2 रहने पर अग्निवास पाताल में धन नाशक होता है, ऐसा जानना चाहिए।

शुद्ध इष्टकाल ज्ञानार्थ इष्ट स्थान के सूर्योदय बनाने की विधि

सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहा जाता है। इसे प्राय: घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। किसी भी इष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदय काल की आवश्यकता होती है। अत: जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय मे से वहां के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है। इस कारण किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को बनाना महत्त्वपूर्ण है।

किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को निकालने के लिए वहां के अक्षांश, उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर और रेखांश की आवश्यकता होती है। छ: घण्टे में चरकाल संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय बनता है तथा स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर व रेखान्तर का संस्कार करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

उदाहरण - 1 जुलाई 2018 को दिल्ली का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है। दिल्ली का उत्तरी अक्षांश 28: 39 अंश कला है। रेखांश 77: 12 पूर्व है। क्रान्ति सारिणी द्वारा इस दिन की उत्तरा क्रान्ति 23: 8 प्राप्त हुई। रेखांश 77:12 का भारतीय मानक रेखांश (82:30) से अन्तर 5: 18 है। जिसे चार से गुणा करने पर 21 मिनट 12 सैकण्ड रेखान्तर प्राप्त होता है। जो मानक रेखांश से कम (पश्चिम) होने के कारण धनात्मक है। उपर्युक्त उपकरणों द्वारा स्टैण्डर्ड सूर्योदय का साधन आसानी से किया जा सकता है।

स्थानीय सूर्योदय साधन - पंचांग में दी गई अक्षांश तथा रेखांश के द्वारा चर मिनटादि निकालना चाहिए। जैसे दिल्ली के अक्षांश 28: 39 तथा क्रान्त्यंश 23 अंश के नीचे चर मिनट 53: 38 तथा 24 अंश के नीचे 56 19 लिखा हुआ है अभीष्ट चर क्रान्ति 23: 8 का लाना है। अत: अभीष्ट चर मिनट निकालने के लिए निम्नलिखित प्रकार से अनुपात किया-

यदि 1 अंश क्रान्त्यन्तर (24 - 23 = 1) में चर मिनट (56: 19 - 53:38 = 2:41) मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर (23: 8- 23: 0 = 0:8) में क्या मिलेगा?

$$\frac{2:41 \times 0:8}{1:00} = 00:21:28 \text{ मिनटादि}$$

इसका 23 क्रान्त्यंश के चर मिनट 53: 38 में जोड़ने पर 53 मिनट 59 सैकण्ड अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि - चर का साधन करने पर यदि उत्तरा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हों तो चरमिनटादि छ: घण्टे में घटाने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो तो चरमिनटादि जोड़ने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे हमारे भारतवर्ष में सर्वत्र उत्तरी अक्षांश हैं। अत: यहां उपर्युक्त प्रकार से स्थानीय सूर्योदय का साधन किया जाता है। इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति व दक्षिण अक्षांश हो तो छ: घण्टे में चरमिनटादि जोड़ने पर तथा दक्षिणा क्रान्ति व दक्षिणी अक्षांश हो तो छ: घण्टे में चरमिनटादि घटाने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे आस्ट्रेलिया का दक्षिणी अक्षांश है वहां पर इसी प्रकार से स्थानीय सूर्योदय क्रान्ति की दिशानुसार साधन करना चाहिए। स्थानीय समय से तात्पर्य धूप घड़ी द्वारा बतलाये जाने वाले समय से है।

हमारे उदाहरण के अनुसार 1 जुलाई को क्रान्ति उत्तरा है तथा अक्षांश भी उत्तरी है, अत: पूर्वोक्त साधित अभीष्ट चर मिनटादि का छ: घण्टे में ऋणात्मक संस्कार किया जाएगा।

6:00:00
- 0:53:59
5:06:01 स्थानीय सूर्योदय

वेलान्तर व रेखान्तर संस्कार - वेलान्तर सारिणी में दिए हुए मिनटादि ऋणात्मक या धनात्मक मान को संस्कारित करने पर तथा रेखान्तर मिनटादि को मानक रेखा से अपना स्थान पूर्व में होने पर ऋण तथा पश्चिम में होने पर धन संस्कार करना चाहिए। पूर्वोक्त उदाहरण में 1जुलाई को वेलान्तर सारिणी से 3:38 (+) मिनटादि वेलान्तर प्राप्त हुआ है। इसका संस्कार स्थानीय सूर्योदय में करने पर -

5:06:01
+0:03:38
5:09:39

इसमें रेखान्तर मिनट 21:12 का संस्कार भारतीय मानक रेखा से दिल्ली के पश्चिम में होने के कारण धनात्मक करने पर –

05:09:39
+00:21:12

05:30:51 स्वल्पान्तर से 5:31 स्टैण्डर्ड सूर्योदय है।

विशेष – प्रतिदिन का स्पष्टान्तर (रेखान्तर एवं वेलान्तर का संस्कार) पंचांग में दिनमान के बाद स्टैं. अं. कॉलम में अंकित किया गया है। स्थानीय सूर्योदय समय में इस स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर भी स्टैंडर्ड सूर्योदय प्राप्त होता है। इस पंचांग में दिए गए सभी घण्टामिनटात्मक समय भारतीय स्टैंडर्ड टाईम में है। जो हमारे हाथ घड़ी या प्रचलित व्यावहारिक समय के अनुसार है।

इष्टकाल साधन – सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहते है। इसे प्राय: घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। इष्टकाल साधन के निम्नलिखित नियम हैं –

1. यदि जातक का जन्म सूर्योदय के पश्चात् दोपहर 12बजकर 59 मिनट तक हो तो प्राप्त स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण – जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में प्रात:12 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा –

जन्म समय – 12:58
सूर्योदय – – 05:31
07:27

इस 07:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 18:37:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। यही इष्टकाल होगा।

2. यदि जातक का जन्म दोपहर 1:00 बजे से रात्रि 12 बजकर 59 मिनट तक हो तो जन्म समय में 12 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण – जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में रात्रि 09 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा –

जन्म समय – 09:58+12:00=21:58
21:58
सूर्योदय – – 05:31
16:27

इस 16:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 41:07:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

3. यदि जातक का जन्मरात्रि 1:00 बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय से पूर्व तक हो तो जन्म समय में 24 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण – जातक का जन्म दिनांक 2 जुलाई 2018 को प्रात: 05 बजकर 30 मिनट में हुआ। क्योंकि 2 जुलाई के सूर्योदय 05:31 बजे से पूर्व का जन्म है अत: 1 जुलाई 2018 के सूर्योदय से इष्टकाल की गणना होगी। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा –

जन्म समय – 05:30+24:00=29:30
29:30
सूर्योदय – – 05:31
23:59

इस 23:59 मान को 2.5 से गुणा करने पर 59:57:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

4. यदि ठीक सूर्योदय काल का जन्म हो तो इष्टकाल 00घटी00पल होगा। जैसे पूर्वोक्त 2 जुलाई को 5:31 सूर्योदय के समय में ही जन्म होने पर इष्टकाल 00:00 जानना चाहिए।

- ग्रहों की दान वस्तुएं, दान का समय एवं हवन समिधा ज्ञानार्थ चक्र -

ग्रह	दान वस्तुएं	दान समय	होम समिधा
सूर्य	माणिक, सुवर्ण, ताम्र, गेहूं, गुड़, घी, रक्तपुष्प, केशर, मूंग, लाल गाय, लालवस्त्र, लाल चन्दन	सूर्योदय	अर्क
चन्द्र	मोती, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दही, श्वेतपुष्प, शंख, कर्पूर, श्वेत बैल, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,	सन्ध्या	पलाश
भौम	मूंगा, सुवर्ण, ताम्र, मसूर, गुड़, घी, रक्तकेशर, केशर, कस्तूरी, लाल बैल, रक्तवस्त्र, लालचन्दन,	दिन की २घटीशेष	खदिर
बुध	पन्ना, सुवर्ण, कांस्य, मूंग, खांड, घी, सर्वपुष्प, हाथीदांत, कर्पूर, शस्त्र, हरितवस्त्र, फल	दिन की ५घटीशेष	अपामार्ग
गुरु	पुखराज, सुवर्ण, कांस्य,दाल/चना, खांड, घी, पीतपुष्प,हल्दी, पुस्तक, घोड़ा, पीतवस्त्र, पीतफल	सन्ध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दूध, श्वेतपुष्प, सुगन्ध, दधि, श्वेत घोड़ा, श्वेतवस्त्र, श्वेत चन्दन	सूर्योदय	उदुंबर
शनि	नीलम, सुवर्ण, लोहा, उड़द, कुलथी, तेल, कृष्णपुष्प, कस्तूरी, कृष्णान्न, भैंस, कृष्णवस्त्र, उपानह	मध्याह्न	शमी
राहु	गोमेद, सुवर्ण, सीसा, तिल, सरसों, तेल, कृष्णापुष्प, खड्ग, कम्बल, घोड़ा, नीलावस्त्र, शस्त्र	रात्रि	दूर्वा
केतु	लहसुनिया, सुवर्ण, लोहा, तिल, सप्तधान्य, तेल, धूम्रपुष्प, नारियल, कम्बल, बकरा, धूम्रवस्त्र, शस्त्र	रात्रि	कुशा
मुन्था	भौम, सुवर्ण, चांदी, चावल, सुवर्ण, घी, श्वेतपुष्प, कपूर, मिश्री, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,हाथीदांत	मुन्थेश काल	-

अंग स्फुरण फल - मनुष्य के शरीर के किसी भी अंग में अचानक स्फुरण होने पर प्राचीन आचार्यों द्वारा शुभाशुभ ज्ञान विधि कही गई है, परन्तु यदि स्फुरण निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायुविकार से सम्बन्धित होता है, उस स्फुरण द्वारा शुभाशुभ फल नहीं जानना चाहिए। यदि अंग में स्फुरण अत्यल्प काल के लिए हो तो वह भावी शुभाशुभ का बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामांग तथा पुरुष का दक्षिणांग स्फुरण शुभ माना जाता है। अंग स्फुरण का फल निम्नलिखित प्रकार से जानना चाहिए-

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक	भूमिलाभ	भृकुटि	धनप्राप्ति	कण्ठ	आभूषण	पृष्ठ	पराजय
बाहुप्रदेश	प्रियप्राप्ति	ललाट	स्थानलाभ	नासिका	सुगन्धलाभ	ग्रीवा	शत्रुभय
नाभि	स्त्रीनाश	गुप्तांग	प्रियप्राप्ति	नेत्र	प्रियदर्शन	कान	आयुवृद्धि
स्कन्ध	मित्रभेंट	कुक्षि	सुप्रीति	जंघा	हानिप्रद	कपोल	स्त्रीसुख
वक्ष	विजय	कटि	प्रियप्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि	भ्रूमध्य	सुखप्राप्ति
अधर	प्रियप्राप्ति	हृदय	इष्टसिद्धि	हस्त	धनप्राप्ति	पाद	स्थानप्राप्ति

नवग्रह शान्ति उपाय

सूर्य

वैदिक मन्त्र ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतम्मर्त्यञ्च हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।

सूर्य गायत्री आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नो सूर्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ घृणि सूर्याय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:।।

जप संख्या 7000 (सप्तसहस्राणि)

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकलक्षणकारक:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे रवि:।।

चन्द्र

वैदिक मन्त्र ॐ इमन्देवाऽअसपत्नं सुवध्वं - महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय। इमममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएष वोऽमी राजा सोऽमोस्माकं ब्रह्मणानां राजा।।

चन्द्र गायत्री ॐ अमृताङ्गाय विद्महे कलरूपाय धीमहि तन्नो सोम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ सों सोमाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं क्लीं सोमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।।

जप संख्या 11000 एकादशसहस्राणि

रोहिणीश: सुधामूर्त्ति: सुधागात्रो सुधाशन:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे विधु:।।

भौम

वैदिक मन्त्र ॐ अग्निर्मूर्द्धादिव: ककुत्पति: पृथिव्याऽअयम्। अपां रेतां सि जिन्वति।।

भौम गायत्री ॐ अङ्गारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ अं अङ्गारकाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ हूँ श्रीं भौमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:।।

जप संख्या 10000 (दशसहस्राणि)

भूमिपुत्रो महातेजा जगतो भयकृत्सदा।
वृष्टिकृद-वृष्टिहर्ता च पीड़ां दहतु मे कुज:।।

बुध

वैदिक मन्त्र ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्ते स ठं सृजेथामयं च अस्मिन्त्सध स्थेऽअध्युत्तरस्मिन् विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।

बुध गायत्री ॐ सौम्यरूपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बुं बुधाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:।।

जप संख्या 9000 (नवसहस्राणि)

उत्पातरूपी जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युति:।
सूर्यप्रियकरो विद्वान पीड़ां दहतु मे बुध:।।

गुरु

वैदिक मन्त्र ॐ बृहस्पतेऽअतियदर्योऽ अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु यद्दीदयच्छ वसऽऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।

गुरु गायत्री ॐ आङ्गिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीव: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बृं बृहस्पतये नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं क्लीं हूँ बृहस्पतये नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।।

जप संख्या 19000 एकोनविंशतिसहस्राणि

देवमन्त्री विशालाक्ष: सदालोकहितेरत:।
अनेकशिष्यै: सम्पूर्ण: पीड़ां दहतु मे गुरु:।।

शुक्र

वैदिक मन्त्र ॐ अन्नात् परिस्रुतो रसं ब्रह्मणा व्यपिबत्क्षत्रम्पय: सोमं प्रजापति:। ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपान ठं शुक्रमंधसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतम्मधु।।

शुक्र गायत्री ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्र: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शुं शुक्राय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:।।

जप संख्या 16000 (षोडशसहस्राणि)

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्चमहाद्युति:।
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीड़ां दहतु मे भृगु:।।

शनि

वैदिक मन्त्र ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु न:।।

शनि गायत्री ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युपुरुषाय धीमहि तन्नो शनि: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शं शनैश्चराय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:।।

जप संख्या 23000 (त्रयोविंशतिसहस्राणि)

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्ष: शिवप्रिय:।
मन्दचार: प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु मे शनि:।।

राहु

वैदिक मन्त्र ॐ कयानश्चित्रऽआभुवदूती सदावृध: सखा कया सचिष्ठया व्वृता।।

राहु गायत्री ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ रां राहवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं राहवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

महाशीर्षो महावक्त्रो महाद्रंष्टो महायशा:।
अतनुश्चोर्ध्व केशश्च पीड़ां दहतु मे तम:।।

केतु

वैदिक मन्त्र ॐ केतुं कृण्वन्न केतवे पेशो मर्य्याअपेशसे समुषद्भिरजायथा:।।

केतु गायत्री ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ कें केतवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ऐं केतवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

अनेकरूपवर्णश्च शतशोऽथ सहस्रश:।
उत्पात रूपी घोरश्च पीड़ां दहतु मे शिखी।।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय)
नई दिल्ली - 110 016, वास्तुशास्त्र विभाग



1. प्रमाणपत्र (प्रवेशिका) : यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम स्थापत्य वेद एवं वेदोत्तरवर्ती वास्तुशास्त्र की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।
2. एकवर्षीय डिप्लोमा एवं द्विवर्षीय एडवांस डिप्लोमा : ये दोनों पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का जन-जीवन में प्रयोग एवं उपयोग पर आधारित है। इनमें संस्कृत भाषा का भी प्राथमिक ज्ञान दिया जायेगा।
3. शास्त्री (बी.ए.) : यह त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जिसमें वास्तुशास्त्र का वैदिक परम्परा पर आधारित वास्तुशास्त्रीय मूलभूत संस्कृत भाषा में निबद्ध मानक ग्रन्थो के द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
4. आचार्य (एम.ए.) : यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है जिसमें वास्तुशास्त्र के प्रमुख प्राचीन आधारभूत मानक ग्रन्थों का विस्तृत और गम्भीर विषयों का प्रायोगिक अध्ययन किया जाता है।
5. विशिष्टाचार्य (एम.फिल) : यह द्विवर्षीय शोधात्मक पाठ्यक्रम है ,जिसमें वास्तुशास्त्र के गम्भीर व लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान द्वारा नवीन तथ्यों की खेज की जाती है।
6. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) : वास्तुशास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान के माध्यम से नवीन तथ्यों की अन्वेषण एवं लोककल्याण के लिये यह गवेषणात्मक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।
7. पी.जी.डिप्लोमा : विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा मान्यता प्राप्त नवीकरण कार्यक्रम (इन्नोवेटिव प्रोग्राम) के तहत 2004 से द्विवर्षीय स्नातकोत्तरवास्तुशास्त्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) पाठ्यक्रम चल रहा है।

नोट- विद्यापीठ द्वारा संचालित उक्त सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया जुलाई में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। सत्र 2017-18 के षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय, एकवर्षीय एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं। शेष पाठ्यक्रम सोमवार से शुक्रवार को विद्यापीठ के कार्य दिवसों में सम्पन्न किये जाते हैं ।